सूर्योदय : 5:12
सूर्यास्त : 6:57
अधिकतम तापमान : 30.0
न्यूनतम : 26.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्या:
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-16 पेज-12
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, गुरुवार, 04 जुलाई 2024
27 जिलहिज्जा 1445 हिजरी

हिन्दी दैनिक

अवधनामा

www.avadhnama.com

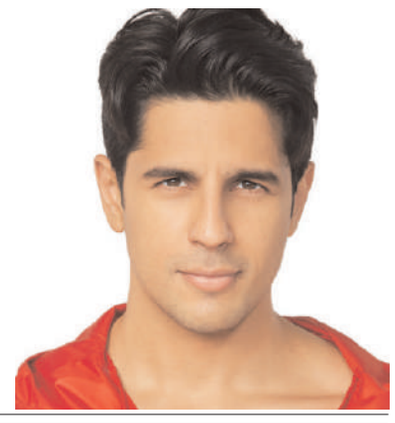

झारखंड के सीएम चंपई सोरेन ने दिया इस्तीफा

कार्यभार

- हेमंत सोरेन चुने गए विधायक दल के नेता
- मुख्यमंत्री बनना तय

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया है। चंपई सोरेन ने पहले ही राज्यपाल से मुलाकात के लिए समय मांगा था। राज्य की राजनीति में हलचल की सुगबुगाहट आज दोपहर से ही तेज हो गई थी। अब मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के इस्तीफे के साथ ही यह तय हो गया है कि हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) गठबंधन के विधायक दल के नेता होंगे। राज्यपाल को इस्तीफा सौंपने के बाद चंपई सोरेन ने कहा, 'बैठक में हेमंत सोरेन को विधायक दल का नेता चुना गया है। इसे लेकर सभी विधायकों ने सहमति जताई है। जब नेतृत्व परिवर्तन हुआ था, तो मुझे चुना गया। राजनीतिक घटनाक्रम क्या है, ये आप सब जानते हैं। हमारे गठबंधन में हम सभी ने फिर से निर्णय लिया है कि हेमंत सोरेन हमारे नेता होंगे। मैंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हमने अपने गठबंधन के निर्णय के अनुसार काम किया है।' आपको बता दें कि दो फरवरी को चंपई सोरेन ने झारखंड के बारहवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इससे पहले चंपई सोरेन के आवास पर विधायकों की बैठक हुई। बैठक में तय किया गया है कि हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक दल के नेता होंगे।

हाथरस कांड सीएम योगी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, घायलों से मिले

सीएम ने गठित किया न्यायिक जांच आयोग

हादसा

- सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बृजेश कुमार होंगे अध्यक्ष
- ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बनेगी एसओपी
- दिए गए न्यायिक जांच के आदेश

लखनऊ। हाथरस के हादसे की जांच के लिए राज्य सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बृजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन कर दिया है।

आयोग दो माह में अपनी जांच पूरी करने के बाद राज्य सरकार को रिपोर्ट देगा। आयोग में सेवानिवृत्त आईएएस हेमंत राव और सेवानिवृत्त डीजी भवेश कुमार सिंह को सदस्य बनाया गया है। राज्य सरकार ने राज्यपाल की सहमति से न्यायिक आयोग का गठन करते हुए पांच बिंदुओं पर रिपोर्ट देने को कहा है। इसमें कार्यक्रम के आयोजकों द्वारा, जिला प्रशासन द्वारा दी गयी अनुमति और उसकी शर्तों के अनुपालन की जांच करना शामिल है। इसके अलावा यह कोई दुर्घटना है, अथवा कोई षडयंत्र या अन्य कोई सुनियोजित आपराधिक घटना की संभावना के पहलुओं की जांच करना, जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा कार्यक्रम के दौरान आई भीड़ का नियंत्रण तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए किए गये प्रबंध और उससे संबंधित अन्य पहलुओं की जांच करना शामिल है। साथ ही, किन कारणों एवं परिस्थितियों में घटना हुई, उसका परीक्षण करना तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, उसके सुझाव देना भी शामिल है। अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार की ओर से जारी इस अधिसूचना में कहा गया है कि न्यायिक आयोग अपनी जांच रिपोर्ट दो माह में सौंपेगा, इसकी अवधि में कोइ परिवर्तन राज्य सरकार के आदेश पर किया जा सकेगा। हाथरस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फुल एक्शन में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को स्वयं हाथरस पहुंचे और यहां उन्होंने अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और फिर सीएम योगी सीधे हाथरस जिला अस्पताल पहुंच गए जहां उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों का हाल चाल जाना और डॉक्टरों को सभी घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए।

दोषियों को मिलेगी कड़ी सजा: योगी

सीएम योगी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते कहा कि हाथरस घटना पर कहा इसमें जो भी जिम्मेदार होगा, उसको कड़ी सजा मिलेगी। घायलों से मुलाकात के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम योगी ने कहा कि इस पूरे हादसे में 121 भक्तों की मौत हुई है। जो उत्तर प्रदेश के साथ साथ हरियाणा, राजस्थान और मध्यप्रदेश से भी जुड़े हुए थे। वहीं प्रदेश में हाथरस, बदायूं, कासगंज, अलीगढ़, एटा, ललितपुर, फैजाबाद, आगरा जनपद के लोग शामिल हैं। हाथरस के जिला अस्पताल में कई लोगों का इलाज चल रहा है। इस घटना के चश्मदीद से बात की बताया कि हादसा कार्यक्रम के दौरान ही हुआ।

न्यूज डायरी

दो पुल फिर ढहे

पटना। बिहार के सीवान जिले में गंडकी नदी पर बने दो पुल बुधवार सुबह भारी बारिश के बीच ढह गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले पंद्रह दिनों में राज्य में यह सातवीं ऐसी घटना है। छोटे पुल महराजगंज को जिले के देवरिया ब्लॉक में स्थित आसपास के कई गांवों से जोड़ते थे। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सीवान में पिछले 11 दिनों में पुल ढहने की तीन घटनाएं देखी गई हैं। उप विकास आयुक्त मुकेश कुमार ने कहा कि सही कारण की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि ब्लॉक के वरिष्ठ अधिकारी पहले ही घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं।

पीएम से मिलेंगे नायडू

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में रहेंगे। उम्मीद है कि नायडू अपनी मांगो की एक लंबी सूची के साथ राजधानी पहुंचेंगे। हाल ही में संपन्न चुनावों में सत्ता में आने के बाद, यह पहली बार है जब वह विशेष रूप से राज्य से संबंधित मुद्दों पर केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करने जा रहे हैं। इससे पहले वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे।

तीन गिरफ्तार

पटना। राजस्थान पेपर लीक मामले में ताजा घटनाक्रम में राज्य पुलिस ने बुधवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान ओपी ढाका, सुनील बिश्नोई और शम्मी बिश्नोई के रूप में हुई है। ये तीनों पेपर लीक और डमी कैंडिडेट्स का नेक्सस चला रहे थे। पेपर लीक मामले में अपनी भूमिका का खुलासा करते हुए एटीएस और एसओजी, जयपुर के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) वीके सिंह ने कहा कि ओपी ढाका एक थोक व्यापारी के रूप में काम करता था, जो लीक हुए पेपर को अभ्यर्थियों को बेचता था। सिंह ने कहा कि पेपर लीक को जगदीश बिश्नोई गिरोह ने अंजाम दिया था।

हमारे दस साल हुए 20 अभी बाकी: मोदी

पलटवार

- गांधी परिवार दोष लेने के लिए अन्य नेताओं को आगे कर देती है
- खरगे जी ने ऐसे नेता का बचाव किया जिसे हार का दंड मिलना चाहिए था

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा में संबोधन दिया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस नेता जयराम रमेश पर भी तंज कसा।

दरअसल, लोकसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा को बहुमत नहीं मिला। इसके बाद से ही वे इस सरकार को एक तिहाई सरकार कह रहे थे। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि हमें सत्ता में 10 साल तो हो गए और आपके हिसाब से अभी 20 साल बाकी हैं। आपके मुंह में घी-शक्कर। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दो दिन से देख रहा हूं कि आखिर तक पराजय भी स्वीकार हो रही है और विजय भी स्वीकार हो रही है। कांग्रेस के कुछ साथियों को धन्यवाद करना चाहता हूं, क्योंकि जब से नतीजे आए, तब से कांग्रेस के एक साथी को मैं देख रहा था। उनकी पार्टी उनको समर्थन नहीं कर रही थी, लेकिन वे अकेले ही झंडा लेकर दौड़ रह थे। मैं कहता हूं कि वह जो कहते थे, उनके मुंह में घी शक्कर। ऐसा मैं क्यों कह रहा हूं, क्योंकि उन्होंने बार-बार ढोल पीटा था कि एक तिहाई सरकार। इससे बड़ा सत्य और क्या हो सकता है।

हमारे 10 हुए हैं। 20 और बाकी हैं। एक तिहाई हुआ। एक तिहाई हुआ है और दो तिहाई बाकी है। इसलिए उनकी इस भविष्यवाणी के लिए उनके मुंह में घी शक्कर। पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ऐसे व्यक्ति को बचाने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्हें चुनाव में खराब प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना चाहिए था। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि जब भी पार्टी खराब प्रदर्शन करती है तो गांधी परिवार दोष लेने के लिए अन्य नेताओं, आमतौर पर दलित या ओबीसी को आगे बढ़ाता है ताकि परिवार सुरक्षित रहे। पीएम नरेंद्र मोदी ने आगे कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा,लोकसभा चुनाव नतीजों से न सिर्फ पूंजी बाजार में उछाल देखने को मिल रहा है, बल्कि दुनिया भर में खुशी का माहौल है।

कांग्रेस ने के सुरेश को बनाया बलि का बकरा

प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधी परिवार द्वारा एक ओबीसी नेता और केरल के सांसद के सुरेश को बलि का बकरा बनाया गया। कांग्रेस जानती थी की हार निश्चित है, फिर भी पार्टी ने उन्हें लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतारा। बता दें कि लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव में एनडीए की ओर से ओम बिरला को मैदान में उतारा गया था। चुनाव के बाद ओम बिरला की जीत हुई थी। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि पार्टी की मानसिकता एससी/एसटी/ओबीसी विरोधी है। इससे पहले जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि चुनाव में पीएम मोदी ने खुद को मुद्दा बनाया और खुद को भगवान बताया।

राहुल गांधी का सरकार पर एक और वार

रक्षा मंत्री ने देश से झूठ बोला

नई दिल्ली। लोकसभा का सत्र शुरू हुआ तो कई मुद्दों पर सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्षी गठबंधन के बीच अलग अलग मुद्दों पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया था। इनमें से एक प्रमुख मुद्दा अग्निवीर भी था। अब राहुल गांधी एक वीडियो के माध्यम से केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं। इस वीडियो में नेता प्रतिपक्ष सर्वोच्च बलिदान देने वाले अग्निवीर अजय सिंह के परिजनों से बात करते नजर आ रहे हैं। अजय सिंह के परिवार का कहना है कि केंद्र सरकार ने नहीं बल्कि पंजाब सरकार ने उनकी मदद की। राहुल गांधी ने अजय सिंह के पिता से बातचीत का वीडियो भी दिखाया। राहुल गांधी ने दावा किया 'शहीद अजय सिंह के पिता ने मेरे और रक्षामंत्री के भाषण सुनने के बाद ये बयान दिया।' इसके बाद बलिदानी के पिता कह रहे हैं, 'राजनाथ सिंह जी ने कल जो बयान दिया कि परिवारों को एक करोड़ रुपये मिल चुके हैं। हमें ना कोई मैसेज आया और ना ही कोई पैसा आया।

मणिपुर में कैदी को अस्पताल न ले जाने पर शीर्ष अदालत नाराज

इंफाल। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मणिपुर की जेल में बंद एक विचाराधीन कैदी को इलाज के लिए अस्पताल न ले जाने पर नाराजगी जताई है। मामले में शीर्ष अदालत ने कहा कि एक व्यक्ति को सिर्फ इसलिए इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले जाया गया क्योंकि वह अल्पसंख्यक कुकी समुदाय से था। इस दौरान शीर्ष अदालत ने टिप्पणी कि उसे राज्य सरकार पर भरोसा नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने लुनखोंगम हाओकिप की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। लुनखोंगम हाओकिप ने कहा था कि वह बवासीर और टीबी से पीड़ित है। उसे पीठ में तेज दर्द होने के बावजूद जेल अधिकारी उसे अस्पताल लेकर नहीं गए। पीड़ित हाओकिप के वकील ने दावा किया कि जेल अधिकारियों ने मेडिकल हेल्प के लिए लगातार अनुरोध करने पर भी ध्यान नहीं दिया।

हाथरस हादसे पर भोले बाबा का आया पहला बयान

असामाजिक तत्वों ने मचाई भगदड़

प्रतिक्रिया

- मैं निकल गया था
- भगदड़ मचने से 121 लोगों की हो गई थी मौत

हाथरस। बाबा नारायण साकार हरि ने हाथरस कांड पर अपना पहला बयान जारी किया है, जिसमें मंगलवार को भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी।

बयान में उन्होंने इस दुखद घटना के लिए असामाजिक तत्वों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। एसडीएम की एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि नारायण साकार हरि के अनुयायियों को भगवान की सुरक्षा द्वारा धक्का दिए जाने के बाद अराजकता फैल गई थी और फिसलन ढलान के परिणामस्वरूप भगदड़ हुई जिसमें 121 लोग मारे गए। एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए भोले बाबा ने घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त की और दावा किया कि उनके कार्यक्रम स्थल से निकलने के काफी देर बाद अराजकता फैल गई। गॉडमैन ने भगदड़ के लिए असामाजिक तत्वों को भी दोषी ठहराया।

हमले की फिराक में पाकिस्तानी आतंकी

हड़कम्प

- बॉर्डर से सटे पठानकोट में बीएसएफ की जैकेट में दिखे तीन संदिग्ध

श्रीनगर। पाकिस्तान के आतंकी संगठन, जम्मू-कश्मीर में सैन्य प्रतिष्ठान, केंद्रीय सुरक्षा बल के कैंप और उनके वाहनों पर किसी बड़े हमले की प्लानिंग कर रहे हैं। इंटेलिजेंस रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।

भारत पाकिस्तान के बीच स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा आईबी से महज 26 किलोमीटर दूर पठानकोट जिले में बीएसएफ की जैकेट पहने तीन संदिग्ध नजर आए हैं। सूत्रों का कहना है कि ये संदिग्ध पड़ोसी मुल्क से घुसपैठ के जरिए भारतीय सीमा में घुसे हैं। इन तीनों संदिग्धों ने पठानकोट के नागल भूर में सड़क किनारे स्थित एक दुकान पर जूस पिया था। तीन गिलास जूस पीने के बाद उन्होंने दुकानदार को सौ रुपये का नोट दिया। दुकानदार ने उन्हें चालीस रुपये वापस कर दिए। इसके बाद तीनों आतंकी कहीं पर चले गए। खुफिया अलर्ट के बाद वहां पर सुरक्षा बल पहुंचे, लेकिन तीनों संदिग्धों का कहीं सुराग नहीं लग सका। इसके बाद जम्मू कश्मीर और पंजाब में अलर्ट जारी किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, सप्ताह के शुरू में पठानकोट जिले के नागल भूर में तीन संदिग्धों का पता चला था। यह सूचना, इंटेलिजेंस एजेंसियों के बीच साझा हुई थी। नागल भूर में जो तीन संदिग्ध देखे गए, उन्होंने बीएसएफ कैमो पैटर्न ड्रेस पहनी हुई थी। वे मिठाई की दुकान पर आए थे। नागल भूर क्षेत्र, पठानकोट जालंधर राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर स्थित है। पठानकोट से नागल भूर की दूरी लगभग 12 किलोमीटर है। अंतरराष्ट्रीय सीमा से यह दूरी एरियल 26 किलोमीटर की है। बीएसएफ की जैकेट पहने तीनों संदिग्ध, प्रकाश सिंह की दुकान पर पहुंचे थे। वे हिंदी में बातचीत कर रहे थे। पठानकोट के गांव फुलरा वासी, प्रकाश ने सुरक्षा बलों को पूछताछ में बताया, वे तीनों बीएसएफ की वर्दी पहने हुए थे। प्रकाश सिंह के अनुसार, वे जूस पीकर चले गए। उन्होंने हिंदी भाषा में ही जूस मांगा था।

74,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

आस्था

- टूटे अब तक के सारे रिकॉर्ड
- कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और बड़े पैमाने पर है सुविधाएं

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा ने पहले चार दिनों में 74,000 का आंकड़ा पार करके पिछले साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा के पहले चार दिनों में, देश के विभिन्न हिस्सों से 74,696 तीर्थयात्रियों ने भगवान शिव की पवित्र गुफा में दर्शन किए। मंगलवार को 22,715 तीर्थयात्रियों ने पवित्र अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से बने शिव लिंग के दर्शन किये। यात्रा शुरू होने के बाद पहले चार दिनों के दौरान गहरे हिमालय में स्थित पवित्र पर्वत गुफा मंदिर के दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या 74,696 तक पहुंच गई है। यात्रा के सुचारू संचालन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और बड़े पैमाने पर सुविधाएं लगाई गई हैं। पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और अन्य अर्धसैनिक बलों के लगभग एक लाख सुरक्षाकर्मियों को जम्मू आधार शिविर से कश्मीर आधार शिविरों तक तैनात किया गया है। 5,000 से अधिक तीर्थयात्रियों का 7वां जत्था, जो आज जम्मू में भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर से रवाना हुआ, कल दोनों शिविरों से अपनी पैदल यात्रा शुरू करेगा, जिसमें हजारों अन्य लोग भी शामिल हैं जो पहले ही अमरनाथ गुफा तीर्थ के लिए आज के पंजीकरण के साथ श्रीनगर पहुंच चुके हैं।

यूपी का मौसम : पूरे प्रदेश में चार दिन होगी जोरदार बरसात

लखनऊ। मानसून अब प्रदेश भर में छा गया है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक अगले चार से पांच दिनों तक पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज चमक के साथ मध्यम से भारी और कहीं तेज बारिश के आसार हैं। बुधवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में बादल जमकर बरसे। इससे मौसम खुशनुमा रहा और गर्मी बेहाल लोगों को राहत मिली। प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में पूरे दिन रुक-रुक कर हुई बारिश से तापमान गिरावट दर्ज की गई। बस्ती में न्यूनतम तापमान गिरकर 22 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, बरेली में न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस और बुलंदशहर में 24 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान झांसी में 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटों में बस्ती जिले में प्रदेश में सर्वाधिक 237.6 मिली बारिश दर्ज की गई।

समर्थन आठ मंत्रियों ने सामूहिक रूप से दिया इस्तीफा

खतरे में पुष्प कमल दहल प्रचंड की सत्ता

गठबंधन

- विश्वास मत का सामना करना चाहते हैं प्रचंड
- प्रधानमंत्री को रास्ता साफ करना चाहिए : महत

काठमांडू। नेपाल में सीपीएन-यूएमएल के मंत्रियों ने सामूहिक रूप से सरकार से इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल को औपचारिक रूप से मंत्रिमंडल से बाहर निकलने और समर्थन वापस लेने के लिए आठ मंत्रियों ने इस्तीफा सौंप दिया।

एक दिन पहले देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी ने पूर्व गुरिल्ला नेता के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार को बदलने के लिए सीपीएन-यूएमएल के साथ सत्ता साझा करने का समझौता किया है। वहीं नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय कार्य निष्पादन समिति ने मौजूदा राजनीतिक स्थिति और पार्टी की भविष्य की रणनीति पर चर्चा करने के लिए बुधनीलकांठा में पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के आवास पर बैठक की। बता दें कि पार्टी की प्रमुख समिति की बैठक नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष के. पी. शर्मा ओली की तरफ से प्रधानमंत्री प्रचंड के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन को बदलने के लिए और नई सरकार बनाने के लिए सोमवार को एक समझौते को अंतिम रूप देने के एक दिन बाद हुई है।

इस बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने कहा, प्रधानमंत्री को रास्ता साफ करना चाहिए, क्योंकि सबसे बड़ी पार्टियों - नेपाली कांग्रेस और यूएमएल - ने कहा है कि वे मिलकर नई सरकार बनाएंगे। जबकि अन्य पार्टियां भी नए नेपाली कांग्रेस-यूएमएल गठबंधन का समर्थन कर रही हैं। इसलिए, नेपाली कांग्रेस सीडब्ल्यूसी ने प्रधानमंत्री से रास्ता साफ करने का अनुरोध किया है, महत ने आगे कहा कि यदि प्रधानमंत्री नई सरकार के गठन के लिए रास्ता साफ नहीं करते हैं तो संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से नई सरकार बनाई जाएगी।

डीएम की अपील, जूट की थैली लेकर जाएं बाजार, प्लास्टिक बैग से रहें दूर

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। नगर पालिका परिषद लखीमपुर के तत्वावधान में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग उन्मूलन दिवस भव्यता से मनाया गया। बैठक का संचालन, संयोजन ईओ नगरपालिका परिषद संजय कुमार ने किया। डीएम ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक बैग्स के उपयोग को समाप्त करना और स्थायी, पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम अपने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए योगदान दें। डीएम ने कहा कि सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाई है। इसको जमीन पर उतारने के लिए सभी को सहयोग करना होगा।प्रकृति में सभी चीजों की रिसाइकिलिंग होती है। लोग प्लास्टिक का प्रयोग कर प्रकृति की रिसाइकिलिंग व्यवस्था पर व्यवधान न डालें। इधर-उधर फेंकने से मिट्टी में मिल जाता है। इस प्लास्टिक कचरे को गाय, अन्य जानवर, मछलियां व दूसरे जलीय जीवों खाते हैं, जिसका दुष्प्रभाव मनुष्यों तक भी पहुंचता है।डीएम ने अपील की कि जूट की थैली लेकर जाएं बाजार, प्लास्टिक बैग से रहें दूरईओ संजय कुमार सिंह ने बताया कि प्लास्टिक से तात्कालिक जीवन आसान होता है, लेकिन दीर्धकालिक तौर पर यह धरती पर जीवों के अस्तित्व के लिए खतरा का कारण बन चुका है। पर्यावरण को बचाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक को अब सभी अपने दैनिक जीवन से निकाल दें और प्लास्टिक के विकल्पों का प्रयोग करें। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पवन गौतम, डीएसओ अंजनी कुमार सिंह, एडीआईओ नरेंद्र कुमार, विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी, पर्यावरणप्रेमी, सभासद, बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

डीएम की आमजन से अपील- कम से कम एक या दो पौधे अवश्य लगाएं

बुधवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट में पेड़ लगाकर सभी को पेड़ो के योगदान को पहचाने, इस दिशा में जितना हो सके उतना योगदान करने को प्रेरित किया। डीएम ने अपील की है कि इस वर्षाकाल में अपने घर-आंगन में कम से कम एक या दो फलदार पौधों का रोपण अवश्य करें। साथ ही जिले में अधिक से अधिक पौध रोपित कर इनका सिंचन व सतत देखभाल भी करें।

खीरी करेगा सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार, डीएम ने दिलाया कपड़े के थैले के उपयोग को बढ़ावा देने का संकल्प

कार्यक्रम में मौजूद लोगों को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने शपथ दिलाई कि किसी दुकानदार से या किसी अन्य से प्लास्टिक के बैग या थैली की मांग नही करने, खाने के लिए पुनः उपयोग में लाई जा सकने वाली क्राकरी का ही उपयोग करूंगा एवं सिंगल उपयोग के प्लास्टिक सहित अन्य कचरे आदि को नही फेंकूंगा और न ही किसी अन्य को फेंकने दूंगा। अपने समाज, घर, विद्यालय, कार्यक्रम स्थल पर किसी भी उत्सव/कार्यक्रम के दौरान प्लास्टिक के बर्तनों जैसे प्लेट, चम्मच, गिलास आदि का बहिष्कार करूंगा व ऐसे उत्सव/कार्यक्रम आदि में पुनः उपयोग की जा सकने वाली क्राकरी के उपयोग को बढ़ावा दूंगा। डीएम ने शपथ दिलाई कि मैं सप्ताह में एक दिन कम से कम 10 लोगों को प्लास्टिक प्रदूषण की जानकारी दूंगा व उनको भी सिंगल यूज प्लास्टिक के बहिष्कार एवं कपड़े के थैले के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करूंगा।

युवक ने की पत्नी की हत्या, खुद फंदे से लटककर की आत्महत्या

लखीमपुर खीरी। सदर कोतवाली के गढ़रुआ निवासी युवक ने बुधवार को अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद खुद फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना की वजह घरेलू कलह बताई जा रही है। युवक की 12 वर्ष पहले शादी हुई थी। दोनों के तीन छोटे-छोटे बच्चे थे पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद उसके परिजनों ने बताया कि युवक मुकर्रम (30) की शादी देवकली निवासी इनिया (26) से हुई थी। इनके तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। बड़ा बेटा पांच वर्ष का है। बुधवार की रात करीब 12 बजे पति-पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हो गया गुस्साए मुकर्रम ने धारदार हथियार से इनिया की हत्या कर दी। बाद में खुद भी फांसी के फंदे पर लटक गया। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर परिजन पहुंचे। सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने दोनों का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। माता-पिता की मौत से बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मोहम्मदी और आसपास क्षेत्र के 150 से अधिक लोग शामिल होने गए थे हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मोहम्मदी और आसपास क्षेत्र के 150 से अधिक लोग हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में शामिल होने गए थे। हादसे का पता चला तो इनके परिजनों ने संपर्क साधना शुरू किया। एक महिला लापता है। इसके अलावा यशोदा पत्नी नत्थू लाल बहादुरगंज (खीरी) की मौत हो गई। प्रशासन भी जानकारी जुटाने में लगा है हाथरस के सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र में हो रहे भोले बाबा के सत्संग में शामिल होने को मोहम्मदी क्षेत्र के मानेपारा सिनसुना, पडरिया आदि गांवों के लोग दो बस से हाथरस गए। पडरिया गांव के रामशरण उनकी पत्नी और अन्य को मिलाकर 10 लोग हाथरस गए थे हादसे का पता चला तो रामशरण के परिजनों ने उनसे संपर्क किया। पता चला कि रामशरण और सभी श्रद्धालु सुरक्षित हैं। उधर, मानेपारा सिनसुना निवासी विंदेश्वरी के लापता होने की बात पता चली। सम्पर्क न होने पाने पर उनके परिजन हाथरस रवाना हुए हैं मोहम्मदी एसडीएम डॉ अवनीश कुमार ने बताया कि क्षेत्र से कौन कौन लोग हाथरस गए थे, इसकी जानकारी की जा रही है। गोला और लखीमपुर से भी गईं थीं बसें बताया जा रहा है कि हाथरस के सत्संग में शामिल होने के लिए गोला और लखीमपुर से भी दो- दो बसें गईं थीं। इसके अलावा कस्ता क्षेत्र से भी श्रद्धालु हाथरस गए थे। हादसे के बाद से परिजन, सत्संग में गए लोगों से संपर्क कर रहे हैं हाथरस के सत्संग में हुई भगदड़ में जान गंवाने वाली महिला के परिवार में कोहराम मचा है। सगे संबंधियों का आना शुरू हो गया है। उधर, सत्संग शामिल होने गए लोगों की वापसी भी शुरू हो गई है। जिले से मोहम्मदी, गोला, लखीमपुर आदि क्षेत्रों से करीब आठ बसों से लोग हाथरस गए थे।

अवैध तमंचा-कारतूस बरामद कर किया गिरफ्तार

लखीमपुर-खीरी। थाना मैगलगंज पुलिस द्वारा अभियुक्त कल्लू पुत्र तनसुख को कस्बा मैगलगंज से बहापुर मार्ग पर एक 01 अवैध तमंचा-कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया गया, जिसके सम्बन्ध में थाना मैगलगंज पर मु0अ0सं0 203/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अधिक से अधिक पौधे रोपित कर जल को संरक्षित रखने पर दिया बल

सहारनपुर। शुद्ध पेयजल एवं पर्यावरण जागरूकता को चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत वेलफेयर एंड इलस्ट्रेशन आफ ग्रामीण नीडी सोसाइटी, लखनऊ द्वारा आयोजित कार्यशाला में आमजन को बढते पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूक किया गया और अधिक से अधिक पौधे रोपित कर जल को संरक्षित रखने पर बल दिया गय। विकास खंड साढौली कदीम में वेलफेयर एंड इलस्ट्रेशन आफ ग्रामीण नीडी सोसाइटी लखनऊ द्वारा आयोजित कार्यशाला में खंड विकास अधिकारी लालचंद ने जल शपथ दिलाते हुए तथा बढ़ते तापमान को देखते हुए उपस्थित लोगो से पेड़ लगाने और वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है। जल के बिना जीवन संभव नहीं है। उन्होंने आमजन को शुद्ध पेयजल व बढते पर्यावरण प्रदूषण को बचाने के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपित करने पर बल दिया। कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी पं प्रदीप पुंडीर एवं बाल विकास अधिकारी ने जल से होने वाली समस्याओं से कैसे निपटे तथा जनता को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने और उसके बचाव हेतु जन-जागरूकता फैलाने के प्रति जागरूक किया। इस दौरान वाल राइटिंग, नुक्कड़ नाटक टीम, स्वच्छता मेला टीम, स्वास्थ्य कल्याण समिति की बैठक, पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक, कार्यशाला, आंगनबाड़ी एवं स्कूल पर स्वच्छता क्लब का गठन एवं ड्राइंग प्रतियोगिता गतिविधियां हेतु वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जिला समन्वयक अहमद सलीम खान, सह जिला समन्वयक अनुराग ओझा, सह जिला समन्वयक आजाद खान, अभिमन्यु कुशवाह, कंप्यूटर ऑपरेटर सतीश मिश्रा, कृष्ण कांत सिंह, अंकित कुमार, रवि एवं अन्य सहयोगी मौजूद रहे। अध्यक्षता खण्ड विकास अधिकारी लालचंद ने की।

चैकिंग के दौरान तीन शातिर वाहन चोर दबोचे, तीन बाईके बरामद

सहारनपुर। थाना गागलहेडी पुलिस ने चैकिंग के दौरान 03 शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार करने में सफ्लता हासिल की है। पकड़े गए वाहन चोरों के कब्जे से चोरी की 03 बाईक बरामद हुयी है। पुलिस ने तीनों आरोपियों का चालान काटकर जेल भेज दिया है।

गागलहेड़ी थानाध्यक्ष सन्दीप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर भगवानपुर तिराहा पर चैकिंग के दौरान 03 अभियुक्तों गगनदीप पुत्र विक्रम सिंह निवासी ग्राम नन्हेड़ा बेद बेगमपुर थाना गागलहेडी, बिलाल पुत्र शराफ्त निवासी ग्राम मक्काबांस थाना गागलहेडी व रितिक उर्फ फूला पुत्र राजवीर निवासी ग्राम बहेड़ी गुर्जर थाना गागलहेडी को भगवानपुर रोड पर फ्लाईओवर के नीचे से गिरफ्तार करने में सफ्लता हासिल कर ली।

डीएम ने सीडीओ, एडीएम संग देखे कटाव निरोधक कार्य, ग्रामीणों से लिया फीडबैक

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। बाढ़ प्रबंधन और जन-जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम संजय सिंह संग बुधवार को तहसील धौरहरा के विभिन्न ग्रामों के बचाव के लिए बाढ़खंड की ओर से निर्मित पूर्णदो कटानरोधी परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। व्यापक जनहित में जरूरी दिशा-निर्देश दिए।डीएम ने सर्वप्रथम घाघरा नदी के दायें किनारे स्थित ग्राम माथुरपुर एवं कुरतैया की सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक कार्य की परियोजना का निरीक्षण किया। डीएम ने सर्वप्रथम नक्शे से पूरी परियोजना समझी। इसके बाद उन्होंने पूरी परियोजना का पैदल भ्रमण कर परियोजना के तहत कराए कार्य, उसकी गुणवत्ता देखी। उन्होंने निर्देश दिए कि जलस्तर बढ़ने पर इसकी नान स्टाप निगरानी की जाए। काम के दौरान विभाग स्थानीय ग्रामीणों से संवाद बनाए रखे, कराए जाने वाले कार्यों की जानकारी दें। मौजूद ग्रामीणों से फीडबैक लिया। अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड अजय कुमार ने बताया कि यह परियोजना 498.52 लाख रुपये की लागत की है। इसका लाभ 02 गांवों के 3000 निवासियों को होगा। इस परियोजना के तहत 780 मीटर लम्बाई में टो-वाल तथा 450मी0 लम्बाई में 05 अदद डैम्पनर तथा बैंक स्लोप पिचिंग के साथ स्लोप पिचिंग के ऊपर मिट्टी डालने का कार्य हुआ। डीएम ने अफसरों के साथ घाघरा नदी के दायें किनारे स्थित ग्राम समूह नयापुरवा, गोड़ियनपुरवा, रमनगरा, खेसवाही की सुरक्षा हेतु 566.42 लाख परियोजना लागत से हुए कटाव निरोधक कार्य को देखा। 800 मीटर लम्बाई में एवं 65 मी0 केन्द्रीय अन्तराल की दूरी पर 12 अदद डैम्पनर एवं उनके मध्य में टो-वाल, बैंक स्लोप पिचिंग एवं स्लोप पिचिंग के ऊपर मिट्टी डालने का कार्य हुआ।डीएम ने बाढ़ खंड के अफसरो को निर्देशित करते हुए कहा कि बेहतर कोऑर्डिनेशन, क्विक एक्शन और बेहतर प्रबन्धन से बाढ़ की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कराई जाए। डीएम ने बाढ़ चौपाल लगाकर स्थानीय निवासियों से संवाद भी किया और पूर्व के वर्षो में आई बाढ़ के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि जनपद में बाढ़ नियंत्रण से जुड़ीं तैयारियां जोरों पर हैं। बाढ़ चौकियां सक्रिय कर दी गई हैं। गोताखोर और नावों की समुचित व्यवस्था कर ली गई है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है।निरीक्षण के दौरान एसडीएम धौरहरा राजेश कुमार, बीडीओ रमियाबेहड सुशांत सिंह, अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड अजयकुमार, सहायक अभियंता बीडी गौतम, एचआर वर्मा, अवर अभियंता कुंदन लाल सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

चौपाल : डीएम ने ग्रामीणों से किया संवाद, जाना फीडबैक

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम संजय सिंह की मौजूदगी में ग्राम माथुरपुर में चौपाल लगाई, ग्रामीणों से संवाद कर उनका फीडबैक जाना। इस दौरान डीएम ने मौजूद बच्चों से स्कूल जाने के विषय में जानकारी लेते हुए उनकी क्लास पूछी और उनका शैक्षिक स्तर भी जांचा। बच्चों से पहाड़ा भी सुने और सही सुनाने पर पुरस्कृत भी किया।

नाबालिग बच्चे के साथ कुकर्म के प्रयास में वांछित आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर। थाना देवबंद पुलिस ने नाबालिग बच्चे के साथ कुकर्म का प्रयास करने वाले 01 वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी का चालान काटकर जेल भेज दिया है।

गौरतलब रहे कि 29 जून को वादी ने थाने पर तहरीर देकर उसके नाबालिग पुत्र के साथ आरोपी इकराम उर्फ हाण्डा पुत्र छज्जू निवासी मौ. किला कस्बा व थाना देवबन्द द्वारा कुकर्म का प्रयास करने के संबंध में थाना देवबंद पर धारा 377/511 भादवि व धारा 9ड/10 पोक्सो अधिनियम पंजीकृत कराया था। थाना देवबंद के प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आज मुखबिर की सूचना पर वांछित अभियुक्त इकराम उर्फ हाण्डा पुत्र छज्जू को शास्त्री चौक देवबंद से गिरफ्तार कर लिया।

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर। थाना कुतुबशेर पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म कर, तेजाब पिलाने वाले एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफ्लता हासिल की है।

गौरतलब रहे कि 26 अप्रैल को वादी ने आरोपी वासिब द्वारा उसकी नाबालिग बहन के साथ बलात्कार करने व जहर खाकर आत्महत्या करने के लिए मजबूर करने तथा तेजाब पिलाने के सम्बन्ध में थाना कुतुबशेर पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तत्काल घटना का संज्ञान लेते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये थे, जिसके क्रम में थाना कुतुबशेर प्रभारी निरीक्षक सुनील नागर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना के पर मुकदमें में वांछित अभियुक्त वासिब पुत्र शमीम निवासी छावडा कालोनी मानकमऊ थाना कुतुबशेर को मानकमऊ बस अड्डे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए अभियुक्त का चालान काटकर जेल भेज दिया।

मेगा फिनाले में जन्नत धींगड़ा ने जीता नृत्यांगना श्री का खिताब

सहारनपुर। जिला अन्तर विद्यालय नृत्य प्रतियोगिता ताल से ताल मिला के मेगा फिनाले में जन्नत धींगड़ा ने नृत्यांगना श्री का खिताब हासिल किया। इसके साथ ही अथर्व ग्रोवर, आमरीन नरूला, अमाया सूरी व शिखा नौटियाल ने अपने-अपने वर्गो में प्रथम स्थान हासिल किया।

मुन्नालाल कॉलेज के बाजोरिया सभागार में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. पंकज छाबड़ा, सुरेन्द्र चौहान, राम राजीव सिंघल, पंकज बंसल, गगन कर्णवाल व सीए संजय सैनी ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया। उसके बाद नृत्य प्रस्तुतियों का धमाल शुरू हुआ। निर्णायक गीता चौहान, आस्था शर्मा व चंचल जैन ने ग्रुप ए में आमरीन नरूला व अथर्व ग्रोवर को संयुक्त रूप से प्रथम, मेहर लूथरा को द्वितीय व वन्दना मिड्ढा को तृतीय घोषित किया। इसके अलावा वामसी राणा, नन्दनी सैनी, राधा छाबड़ा, रोज अली व अक्ष्या जैन ने सांत्वना पुरस्कार हासिल किया। ग्रुप डी में अमाया सूरी प्रथम, प्रीत छाबड़ा व अद्रिका जैन ने द्वितीय व भव्या नरूला व अयाना जैन ने तृतीय स्थान हासिल किया। अवनी अरोड़ा, हरनूर भटेजा, पीहू गांधी, नव्या बत्तरा व मान्य भाटला ने सात्वंना पुरस्कार हासिल किया। ग्रुप सी में शिखा नौटियाल ने प्रथम, महावीर गिल्होत्रा व रिया सैनी ने द्वितीय, आयुषी चौहान व ऐनी परुथी ने तृतीय स्थान हासिल किया।

वन महोत्सव के तीसरे दिन राज्य मंत्री एवं विधायक नकुड ने किया पौधरोपण

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। वन महोत्सव 01 से 07 जुलाई तक मनाए जाने के क्रम में 03 जुलाई को वन महोत्सव

पौधारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत रामपुर मनिहारान रेंज के अन्तर्गत मण्डी समिति परिसर रामपुर मनिहारान में राज्य मंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास, उप्र शासन जसवन्त सैनी द्वारा आम, जामुन, शीशम, गोल्ड मोहर, कदम आदि पौधों का रोपण किया गया। नकुड रेंज के अन्तर्गत महाराजा अग्रसैन कल्या इन्टर कालेज नकुड में विधायक मुकेश चौधरी, शिवकुमार गुप्ता, नगर पालिका चेयरमेन नगर पालिका नकुड द्वारा नीम, पीपल, बरगद, कदम, अर्जुन, कटहल, आकदि पौधों का रोपण कर बच्चों को जागरूक किया तथा मां के नाम एक पेड का अनुरोध किया गया। सहारनपुर रेंज के अन्तर्गत गागलहेडी अहतमाल हिण्डन नदी के किनारे पूर्व विधायक जगपाल सिंह द्वारा हरि शंकरी वाटिका सागौन, शीशम आदि पौधों का रोपण किया गया।

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग, सहारनपुर शुभम सिंह के मार्ग निर्देशन में ''वन महोत्सव'' संगोष्ठी एंव पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वन प्रभाग के उप प्रभागीय वनाधिकारी श्रीमति संवेदना चौहान तथा क्षेत्रीय वनाधिकारी सहारनपुर द्वारा विभागीय कर्मचारियो एंव स्थानीय नगरवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। भारत सरकार द्वारा दिये गये इस वर्ष की थीम ''एक पेड, मॉ के नाम'' के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड जरूर लगाना चाहिए। इसके साथ ही सामाजिक वानिकी प्रभाग, सहारनपुर की बेहट रेंज के अन्तर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेहट में श्रीमति ममता सिंह प्रधानाचार्य एंव बेहट रेंज के समस्त स्टाफ द्वारा सहजन, पीपल, पिलखन, आंवला, अमरूद आदि का रोपण किया गया, देवबन्द रिंज के अन्तर्गत राज्जूपुर कब्रिस्तान सकूरपुर माफी में ग्राम प्रधान खलील अहमद व ग्रामीणों द्वारा पीपल, इमली, आंवला आदि पौधों का रोपण किया गया।

वन महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत बेहट, रामपुर मनि, सहारनपुर रेंज के अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा ''एक पेड मॉ के नाम'' के नाम रोपित किया गया है, स्टाप द्वारा रोपित पौधों की सुरक्षा का संकल्प भी लिया गया।

इसी के साथ शिवालिक वन प्रभाग, सहारनपुर की मोहण्ड, शाकुम्भरी एवं बडकला रेंज बादशाहीबाग के अन्तर्गत प्रभागीय वनाधिकारी, शिवालिक वन प्रभाग, सहारनपुर सुश्री श्वेता सैन के मार्ग निर्देशन में ''वन महोत्सव'' संगोष्ठी एंव पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मोहण्ड रेंज के अन्तर्गत मोहण्ड 3बी में आंवला, कटहल, अर्जुन, शीशम, नीम, सागौन व जामुन आदि प्रजातियों के 50 पौधों का पौधारोपण किया गया, जिसमें राजेन्द्र अग्रवाल ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायत गणेशपुर, वन कर्मियों एंव स्थानीय ग्रामीणो सहित कुल 35 व्यक्तियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जंगल में अवैध शराब की कसीदगी करते एक आरोपी दबोचा

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। कोतवाली नकुड पुलिस ने ग्राम नसरूल्लागढ़ के जंगल में अवैध कच्ची शराब बनाने वाले 01 अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 39 लीटर अवैध कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण बरामद किए है। पुलिस ने आरोपी का चालान काटकर जेल भेज दिया है।

कोतवाली नकुड़ प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र गौतम ने जानकारी देते हुए बताया उनके नेतृत्व में उपनिरीक्षक बीरबल सिंह, हैड कांस्टेबल प्रवीण कुमार, नितिन कुमार ने बीती देर रात्रि में कच्ची शराब की कसीदगी करने वाले 01 अभियुक्त प्रदीप उर्फ मोनी पुत्र राजपाल निवासी ग्राम नसरूल्लागढ़ थाना नकुड़ को ग्राम नसरूल्लागढ़ के जंगल से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से अवैध 39 लीटर कच्ची शराब मय शराब बनाने के उपकरण 01 छोटा व बड़ा प्लास्टिक का ड्रम, 01 बडा सिलेन्डर, 01 रेगुलेटर, 01 पाईप का चुल्हा, 01 मिट्टी की कटी हुई हान्डी, करीब 02 फुट प्लास्टिक का पाईप, 01 सिल्वर की पतीली, 01 एक कांच की बोतल, 03 जरीकैन बरामद हुए तथा मौके पर बरामद करीब 200 लीटर लहन को नष्ट किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त प्रदीप उर्फ मोनी ने पूछतांछ करने पर बताया कि वह अपना खर्च चलाने के लिए कच्ची शराब बनाकर उसे उचित दामो में बेचकर कुछ पैसे कमा लेता है, जिससे उसे काफी लाभ हो जाता है। पुलिस ने आरोपी का चालान काटकर जेल भेज दिया है।

रोटरी क्लब सहारनपुर हारमोनी के अनिल भारद्वाज अध्यक्ष व राकेश मेहता सचिव बने

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर स. राजपाल सिंह ने

रोटरी क्लब हार्मनी के अध्यक्ष रोटेरियन अनिल भारद्वाज व सचिव राकेश मेहता को कॉलर पहनाकर विधिवत रोटरी नववर्ष 2024- 25 के लिए मनोनीत किया। जिसका सभी सदस्यों द्वारा करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। तत्पश्चात अन्य क्लब के अध्यक्ष व सचिव को भी मनोनीत किया गया। गौरतलब रहे कि रोटरी इंटरनेशनल का नववर्ष पूरे विश्व में 1 जुलाई से शुरू होता है। इसी उपलक्ष में सहारनपुर के समस्त 9 रोटरी क्लबों द्वारा हरी मंदिर आवास विकास में सभी रोटेरियंस ने भक्ति भाव से सुंदरकांड का पाठ 'मानस मंडल' परिवार के साथ किया। पाठ के पश्चात रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर स. राजपाल सिंह ने रोटरी क्लब हार्मनी के अध्यक्ष रोटेरियन अनिल भारद्वाज व सचिव राकेश मेहता को कॉलर पहनाकर विधिवत रोटरी नववर्ष 2024-25 के लिए मनोनीत किया। जिसका सभी सदस्यों द्वारा करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। तत्पश्चात अन्य क्लब के अध्यक्ष व सचिव को भी मनोनीत किया गया। इसी कड़ी में 2 जुलाई को रोटरी क्लब सहारनपुर हार्मनी द्वारा असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन तपेश ममगाई की उपस्थिति में क्लब के सभी सदस्यों ने अन्नपूर्णा दिवस मनाया और सभी ने मिलकर मानव मंदिर वृदाश्रम में रहने वाले सभी प्रबुद्धजन को रात्रि भोजन कराया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन सरदार राजपाल सिंह ने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि रोटरी क्लब सहारनपुर हार्मोनी में जिस तरह से पहले ही दिन इतने रिकॉर्ड नये मेम्बर्स बने हैं उसी तरह से यह क्लब पूरे साल बहुत अच्छे से कार्य करेगा। इस अवसर पर रोटरी क्लब सहारनपुर हार्मनी के असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन तपेश ममगाई ने क्लब के सभी सदस्यों को बधाई दी। क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन अनिल भारद्वाज ने कहा कि जिस प्रकार हमने साल के पहले दिन ही अपने रोटरी क्लब सहारनपुर हार्मोनी की सदस्यता में 100 प्रतिशत की रिकॉर्ड ग्रोथ की है उसी प्रकार हमारे क्लब की पूरी टीम मिलकर पूरे साल मानवता की सेवा के लिए नये नये प्रोजेक्ट लाकर उन पर कार्य कर क्लब में नये कीर्तिमान स्थापित करने का काम करेगी।

अनूप खन्ना पुनः बने आईआईए सहारनपुर के चैप्टर चेयरमैन

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल ने वर्ष 2024-25 के लिए पुनः अनूप खन्ना को सहारनपुर चैप्टर चेयरमैन एवं संजीव अरोड़ा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रमोद सडाना को राष्ट्रीय सचिव व राजेश सपरा को मंडलीय अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया। प्रताप मार्केट स्थित आईआईए कार्यालय पर आयोजित बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी सुनेजा व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद मिगलानी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल के नेतृत्व में नव चयनित केन्द्रीय पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह के साथ वर्ष 2024-25 का नया सत्र 1 जुलाई 2024 से प्रारम्भ हो चुका है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल ने वर्ष 2024-25 के लिए अनूप खन्ना को चैप्टर चेयरमैन एवं नई केन्द्रीय कार्यकारिणी टीम में वर्ष 2024-25 के लिए संजीव अरोडा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, प्रमोद सडाना को राष्ट्रीय सचिव एवं राजेश सपरा को मंडलीय अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। नव निर्वाचित चैप्टर चेयरमैन अनूप खन्ना ने सभी सीनियर्स पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2024-25 में नई उर्जा के साथ आईआईए सहारनपुर चैप्टर को केंद्रीय कार्यालय व अपने सभी सीनियर्स की उम्मीदों के अनुसार नई ऊचाईयों तक ले जाने का प्रयास करेंगे और जो कार्य वर्ष 2023-24 में अधूरे रह गये थे, उनको वह इस वर्ष सभी सीनियर्स पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सहयोग से अवश्य पूरा करेंगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव अरोडा, राष्ट्रीय सचिव प्रमोद सडाना एवं मंडलीय अध्यक्ष राजेश सपरा ने सभी वरिष्ठ सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

जनपद का कोई भी पात्र व्यक्ति वृद्धावस्था पेंशन के लाभ से न रहे वंचित

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने समाज कल्याण, पिछडा वर्ग, अल्पसंख्यक कल्याण, दिव्यांगजन एवं प्रोबेशन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं की समीक्षा करते हुए पात्र व्यक्तियों को हरहाल में वृद्धावस्था पेंशन का लाभ दिलाने के निर्देश दिये।

कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, दिव्यांग भरण पोषण पेंशन योजना, सहायक उपकरण योजना, विवाह प्रोत्साहन पुरूस्कार योजना, दुकान निर्माण एवं संचालन योजना, विशेष विद्यालयों का संचालन, निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड एवं सामान्य, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, स्पॉन्सरशिप योजना, प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम, मदरसा आधुनिकीकरण आदि योजनाओं की प्रगति की बारीकी से जानकारी ली।

मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि जनपद में कोई भी पात्र व्यक्ति पेंशन योजना से वंचित न रहे। जिन चिन्हित पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है उनकी सूची ग्राम पंचायतवार तैयार कर कारणों का पता लगाते हुए कमियों को दूर कर उन्हे लाभान्वित किया जाए तथा संबंधित ग्राम पंचायत सचिव को भी सूची उपलब्ध करवाई जाए। उन्होने निर्देश दिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में शादी कराने वाले सभी जोडों का मैरिज रजिस्ट्रेशन कराया जाए। उन्होने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में होने वाले सामूहिक विवाह के लिए टेंडर सहित सभी प्रक्रियाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। आवेदनों का सत्यापन समय से पूर्ण हो। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को 15 दिन के अंदर पहली एवं छठी कक्षा में पढने वाली समस्त पात्र बालिकाओं का योजना में पंजीकरण कराकर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना में अभ्यर्थियों को बेहतर से बेहतर प्रशिक्षण दिए जाने के निर्देश दिए तथा योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों को शिक्षण हेतु नियुक्त किया जाए।

जन-समस्याओं का समयबद्ध निराकरण प्रत्येक विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी

अवधनामा संवाददाता

शासन स्तर से असंतुष्ट फीडबैक चिंताजनक, संबंधित अधिकारी इस ओर ध्यान दें : नेहा बंधु

मैनपुरी। मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु ने जन-सुनवाई प्रणाली पोर्टल आई.जी.आर.एस. के लंबित संदर्भो की विभागवार समीक्षा के दौरान उपस्थित अधिकारियों से कहा कि किसी भी स्तर से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापरक निराकरण प्रत्येक विभाग के अधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी, इसमें किसी भी स्तर पर विलंब अक्षम्य होगा, संबंधित का उत्तरदायित्व निर्धारित कर प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक प्रत्येक कार्य दिवस में अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर जनता की शिकायतें सुन उनका प्रभावी निराकरण करें यदि कोई व्यक्ति दूसरे विभाग की समस्या लेकर आए तो उसे भी सुनें और उसे नियम बताएं ताकि उसे भटकना न पड़े। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए परेशानी का सामना न करना पड़े, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र तत्काल जारी किए जाएं यदि इसमें कहीं भी विलंब हुआ तो दोषी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही होगी। सी.डी.ओ. ने उप जिलाधिकारियों से कहा कि भूमि संबंधी विवादों पर पुलिस, राजस्व की संयुक्त टीम मौके पर जाकर समस्या का निदान करायें, निराकरण के उपरांत दोनों पक्षों के साथ दो गवाहों के भी हस्ताक्षर कराये जाएं, गवाहों के मोबाइल नंबर भी निस्तारण आख्या में लिखे जाएं। उन्होने कहा कि आई.जी.आर.एस. के माध्यम से प्राप्त कोई भी शिकायती प्रार्थना पत्र डिफॉल्टर की श्रेणी में न रहें, समय से प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापरक निराकरण किया जाए, जिला स्तरीय अधिकारी अधीनस्थों की निस्तारण आख्या को अवश्य पढ़ें, तद्ोपरांत शिकायतकर्ता से वार्ता करें, यदि शिकायतकर्ता निस्तारण से संतुष्ट हो तभी आख्या अपलोड की जाये। उन्होने कहा कि सभी अधिकारी प्रतिदिन आई.जी.आर.एस. पोर्टल को स्वयं देखें, कम्प्यूटर ऑपरेटर के भरोसे न रहें, कोई भी शिकायत निर्धारित समयसीमा के उपरांत निस्तारण होने से शेष न रहें, सभी शिकायतों को डिफॉल्टर की श्रेणी में आने से पूर्व ही निस्तारित किया जाये, मॉग सम्बन्धी शिकायतों पर आख्या अंकित कर अपलोड की जायें, कोई भी शिकायत कार्यालय में अनिस्तारित न रखी जाये, प्रत्येक कार्यालय में आई.जी.आर.एस. पंजिका बनाई जाये और उसे अद्यावधिक रखा जाये, प्रत्येक शिकायत के अंकन के साथ कृत कार्यवाही का भी अंकन पंजिका में किया जाये। मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये कहा कि शासन स्तर से बड़ी संख्या में असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हो रहे हैं, अधिकारी इस ओर ध्यान दें, प्रत्येक शिकायत के निस्तारण की मॉनीटरिंग सीधे शासन स्तर से की जा रही है इसलिए जन-समस्याओं के निदान को लेकर सभी अधिकारी बेहद सतर्क रहें, अधिक संख्या में असंतुष्ट फीडबैक की दशा में सीधे शासन स्तर से ही कार्यवाही होगी। उन्होने विभागवार समीक्षा के दौरान पाया कि जिला पंचायत राज अधिकारी के यहां 68 प्रतिशत, तहसीलदार भोगांव की 72 प्रतिशत, सहायक विकास अधिकारी पंचायत बेवर की 54 प्रतिशत, सहायक विकास अधिकारी पंचायत घिरोर की 48 प्रतिशत, बाल विकास परियोजना अधिकारी किशनी की 60 प्रतिशत, बाल विकास परियोजना अधिकारी बरनाहल की 87 प्रतिशत तथा अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका की 48 प्रतिशत शिकायतों पर शासन स्तर से असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हुआ है जो चिन्तनीय है।

डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित होंगी मां वैष्णवी नन्द गिरी

प्रयागराज। पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ, वृंदावन धाम, मथुरा विश्वस्तर पर हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिये विख्यात है। भारतीय संस्कृति को हिंदी भाषा के माध्यम से विश्वपटल पर लाने में विद्यापीठ की अहम भूमिका रही है। अंतर्राष्ट्रीय किन्नर अखाड़ा की महंत माता वैष्णवी नंद गिरी ने बताया कि इस बार 24 जुलाई को दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय माँ वैष्णवी नन्द हिन्दी संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में उन्हे समाज में उल्लेखनीय योगदान व समाजसेवा के लिये विद्यावाचस्पति (डॉक्टरेट की मानद उपाधि) से सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद माँ वैष्णवी नन्द गिरी के नाम के आगे डॉ जोड़ा जा सकेगा। इस सूचना को लेकर समाज के अनेक प्रबुद्ध हस्तियों से उन्हे शुभकामनाएं मिल रही हैं। इस मौके पर वैष्णवी नन्द गिरी ने कहा कि पहचान मिलने काम करने की शक्ति दुगनी हो जाती है और जो लोग अच्छा करना चाहते हैं उन्हे भी प्रेरणा मिलती है। मैं इस सम्मान के लिए पूरी विद्यापीठ टीम का धन्यवाद करती हूं।

जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में मदिरा बेचने वालों के विरुद्ध चलाया गया अभियान

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। जनपद लखनऊ में चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत आज रात 9 बजे से मध्य रात्रि तक ज़िला आबकारी अधिकारी लखनऊ के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षकों की तीन टीमें गठित की गयी तथा शहर के विभिन क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानो पर पीने और पीलाने वालों तथा रात्रि 10 बजे के पश्चात मदिरा बेचने वालों के विरुध अभियान चलाया गया।

आबकारी निरीक्षक सेक्टर 1 तथा आबकारी निरीक्षक सेक्टर 12 की टीम द्वारा हज़रतगंज तथा बर्लिंटन चौराहे के आस पास के क्षेत्रों में तथा आबकारी निरीक्षक सेक्टर 8,आबकारी निरीक्षक सेक्टर 10, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 3 व आबकारी निरीक्षक सेक्टर 7 की टीम द्वारा राणा प्रताप चौराहा,पान दरीबा,नाका तथा चारबाग़ क्षेत्र में अभियान चलाया गया। इसी क्रम में ग्वारी चौराहा, मिठाई चौराहा, विभूतिखंड मायरस हॉस्पिटल के निकट पार्क में तथा कमता तिराहे के आस पास क्षेत्र में आबकारी निरीक्षक सेक्टर 2,आबकारी निरीक्षक सेक्टर 5,आबकारी निरीक्षक सेक्टर 6 तथा आबकारी निरीक्षक सेक्टर 4 की टीम द्वारा सार्वजनिक स्थान पर पीने-पीलाने वालों व गुमटी आदि से छुपाकर देर रात तक बिक्री करने वालों के विरुध अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शराब की दुकानों के आस पास लगे ठेलो और ढाबों तथा स्टेशन व बस अड्डे के आस पास के इलाक़ों को विशेष रूप से चेक किया गया।

अभियान के दौरान आबकारी नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए आबकारी अधिनियम के अंतर्गत कुल 4 अभियोग पंजीकृत किए गए। सार्वजनिक स्थानो पर पीने और पीलाने वालों तथा देर रात्रि तक शराब बिक्री करने वालों के विरुध चलाया जा रहा अभियान आगे भी जारी रहेगा।

शिविर के माध्यम से दिव्यांगों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से किया जायेगा लाभान्वित

अवधनामा ब्यूरो

समाज के मुख्यधारा से जोड़ने के लिए ब्लॉकवार लगेगा शिविर

कुशीनगर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने शासन के मंशानुरूप जनपद के दिव्यांगजनों की समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं/कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार एवं दिव्यांगजन को उनकी आवश्यकता अनुसार निःशुल्क कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण प्रदान कराए जाने के उद्देश्य से विकास खण्ड स्तर पर वृहद चिन्हांकन शिविर का आयोजन किए जाने निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सम्बन्ध में बताया कि कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजना अंतर्गत ऐसे दिव्यांगजन जिन्हें 03 वर्ष के अंदर तथा 01 वर्ष के अंदर सहायक उपकरण न प्राप्त हुआ हो को उनकी आवश्यकतानुसार ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, अंधों की छड़ी, बनावटी अंग-कैलिपर्स, कृत्रिम, हाथ व पैर आदि का चिन्हांकन किया जाएगा। शादी विवाह पुरस्कार योजना के सम्बन्ध में बताया कि दिव्यांग दम्पत्ती को शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना से लाभान्वित किए जाने हेतु चिन्हांकन किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कॉकलियर इम्प्लॉट/शल्य चिकित्सा योजना के अंतर्गत ऐसे दिव्यांग बच्चे जो पोलियो करेक्टिव सर्जरी कराने हेतु इच्छुक हों उनका चिन्हांकन कर निः शुल्क करेक्टिव सर्जरी कराई जाएगी, तथा ऐसे दिव्यांग बच्चों जिनकी उम्र 0-5 वर्ष तक है और वह मुख बधिर है उनके काक्लीयर इंप्लांट हेतु चिन्हांकन किया जाएगा।

दुकान निर्माण/संचालन योजना इस योजना अंतर्गत दिव्यांगजनों का दुकान निर्माण/संचालन योजना अंतर्गत पात्र दिव्यांग जनों का चिन्हीकारण किया जाएगा। दिव्यांग पेंशन एवं कुष्ठावस्था पेंशन योजना ऐसे दिव्यांगजन एवं कुष्ठजन जो पेंशन योजना से वंचित है उनको पेंशन योजना से लाभान्वित करने हेतु चिन्हीकरण किया जाएगा।इसके अतिरिक्त यूडीआईडी प्रोजेक्ट आदि सहित सभी योजनाओं से लाभान्वित किए जाने हेतु आवेदन प्रपत्र/चिन्हीकरण शिविर के माध्यम से किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि शिविर का आयोजन विकास खण्ड मुख्यालय- पडरौना में दिनांक 11. 07.2024. को प्रातः11.00 बजे से 04 बजे तक। विकास खण्ड मुख्यालय-विशुनपुरा में 15-जुलाई को, विकास खण्ड मुख्यालय- दूदही में 18 जुलाई को, विकास खण्ड मुख्यालय-सेवरही में 20 जुलाई को, विकास खण्ड मुख्यालय-तमकुहीराज में 22 जुलाई को, विकास खण्ड मुख्यालय- फाजिलनगर में 24 जुलाई को, विकास खण्ड मुख्यालय-कसया में 26 जुलाई को, विकास खण्ड मुख्यालय-हाटा में 29 जुलाई को, विकास खण्ड मुख्यालय सुकरौली में 31 जुलाई को, विकास खण्ड मुख्यालय - मोतीचक में 02 अगस्त को, विकास खण्ड मुख्यालय-कप्तानगंज में 05 अगस्त को, विकास खण्ड मुख्यालय- रामकोला में 07 अगस्त को, विकास खण्ड मुख्यालय- नेबुआ नौरंगिया में 09 जुलाई को, विकास खण्ड मुख्यालय - खड्डा में 12 अगस्त 2024 को, प्रातः 11-00 बजे से 4.00 बजे तक शिविर आयोजित किए जायेंगे। जिलाधिकारी द्वारा शिविर के सफल आयोजन हेतु जनपदीय अधिकारियों द्वारा दायित्वों का निर्वहन लिए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त योजना से लाभान्वित होने के लिए उन्होंने पात्रता के क्रम में बताया कि आवेदक की वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्र के लिए 46080 तथा शहरी क्षेत्र के लिए 56460 से अधिक न हो। आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र तहसील द्वारा निर्गत हो मान्य है। आवेदक के आधार कार्ड की छायाप्रति, दो पासपोर्ट आकार का नवीन फोटोग्राफ जिलाधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारी/जिला कार्यक्रम अधिकारी/ जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी/ जिला समन्वयक समेकित शिक्षा/जिला पंचायत राज अधिकारी/ जिला विद्यालय निरीक्षक कुशीनगर को प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया है। तथा सभी सम्बन्धित अधिकारियों के दायित्व भी निर्धारित किए गए हैं।

13 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा अयोजन

कुशीनगर अवधनामा ब्यूरो। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुशीनगर शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि आगामी 13 जुलाई को दीवानी न्यायालय कुशीनगर व वाह्य न्यायालय कसया प्रांगण में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। श्री त्रिपाठी ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर निस्तारित किया जाना है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक वाद, चेक बाउन्स से सम्बन्धित बाद, उत्तराधिकार वाद, मोटर दुर्घटना से सम्बन्धित वाद, बैंक से सम्बन्धित वाद, बिजली से सम्बन्धित वाद, बीएसएनएल बिल से सम्बन्धित वाद, छोटे-मोटे आपराधिक वाद व अन्य कई तरह के वादों का निस्तारण किया जाता है। उन्होंने समस्त जनपदवासियों को अवगत कराया है कि वे दिनांक 13.07.2024 से पहले सम्बन्धित कोर्ट में जाकर अपने मुकदमों को राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटान किए जाने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करें।

वन महोत्सव अभियान में विधायक ने बरगद पीपल, पाखर के वृक्षों को किया वृक्षारोपण

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने सरकार की वन महोत्सव योजना के अंतर्गत चलाये जाने वाले अभियान में कस्तूरबा बालिका विद्यालय बंगरा में प्रकृति में वृक्षों को लाभप्रद बताते हुए वृक्षों को अधिक संख्या में लगाए जाने के लिए जागरूक किया। विधायक मूलचंद्र निरंजन ने वनमहोत्सव अभियान के तहत कस्तूरबा बालिका विद्यालय बंगरा में आयोजित कार्यक्रम में प्रकृति की सुंदरता वृक्षों को बताते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन में बहुत उपयोगी हैं। वृक्षों के बिना जीवन की कल्पना करना संभव नही है। इस आधुनिक युग में वृक्षों के निरंतर नष्ट व कटान होने से तरह तरह की बीमारियां जन्म ले रही हैं। हृदय रोग, श्वसन रोग, बीपी आदि बीमारियां बढ़ रही हैं। इसके रोकथाम के लिए योगी सरकार ने वृक्षों को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति से एक पौधा माँ के नाम लगाने की गुजारिश की है। इस अभियान के तहत कार्यक्रम में वन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने प्रकृति के विभिन्न चित्र प्रस्तुत किये। जिसमें बच्चों ने लोगों को जागरूक किया एवं पौधा रोपड़ करने का एक संदेश दिया। एडीएफओ साजिद अली, वन क्षेत्राधिकारी रंजीत सिंह के साथ मिलकर विधायक मूलचंद्र निरंजन ने बरगद, पीपल, पाखर के पौधों को रोपा। उन्होंने संदेश दिया की आने वाले समय में यह तीनो एक हो जाएंगे। इस अवसर पर वन दरोगा अमित कुमार, कस्तूरबा बालिका विद्यालय की प्रधानाध्यापिका आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा सरकार की पहली बारिश में खुली पोल, पार्षद राम कुमार वर्मा घेरा

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। आज राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर जरहरा सुगामऊ विगत एक मोहल्ला ऐसा है जहाँ 700 से 800 परिवार रहते है वह मोहल्ला लावारिश पड़ा हुआ न बिजली की न पानी की व्यवस्था न रोड न नाली की व्यवस्था नही इन्ही सब मांगो को लेकर हिन्दू समाज पार्टी प्रदेश महासचिव मोहित मिश्रा की अध्यक्षता में एवम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौरव वर्मा के नेतृत्व में लखनऊ नगर निगम के खिलाफ इंदिरा प्रियदर्शिनी वार्ड शिव सिटी जरहरा सुगामऊ इन्दिरा नगर मे विशाल धरना प्रदर्शन किया गया जारी बयान में गौरव वर्मा ने कहा की उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का स्मार्ट सिटी सारा खोखला साबित हुआ है सिर्फ पोस्टर बाजी की जा रही नगर आयुक्त लखनऊ लखनऊ मेयर शुषमा खुर्क्वाल के सारे दावे झूठे है और एक ही बारिश जलभराव भाजपा सरकार की पोल खुल गयी इंदिरा प्रियदर्शिनी वार्ड के क्षेत्रीय पार्षद राम कुमार वर्मा के माध्यम से नगर आयुक्त लखनऊ को ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश मोहित मिश्रा, मनीष साहू,प्रशांत कुमार, कृपा शंकर अवस्थी, अंजुल चौधरी, संदीप पांडेय आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

बाढ़ आने से पूर्व संभावित खतरों से निपटने हेतु प्रशासन ने कमर कसी

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। आने वाले दिनों में संभावित बाढ़ से निपटने हेतु प्रशासन ने तैयारी करते हुए बचाव और राहत शिविरों के सुरक्षित स्थानों का चयन कर स्थलीय निरीक्षण किया। माधौगढ़ तहसील क्षेत्र में रामपुरा थानान्तर्गत पांच नदियों के संगम पंचनद क्षेत्र में प्रतिवर्ष बाढ़ के कारण अनेक गांव पानी से घिर कर संकटग्रस्त हो जाते हैं एवं एक दर्जन से अधिक गांव पानी से लबालब हो जाते हैं। रामपुरा क्षेत्र के नदिया पार में सिद्धपुरा, नरौल, निनावली जागीर, कदमपुरा, कूसेपुरा, हनुमंतपुरा, लक्ष्मनपुरा, बड़ी बेड़, छोटी बेड, भैलावली, विलौड, हुकुमपुरा, सुल्तानपुरा, जखेता सहित जायघा, भिटौरा, कंजौसा, हिम्मतपुर, मढेपुरा, गुढ़ा, बेरा, महटौली, पुरा, पुरवा आदि लगभग 30 गांव बाढ़ के पानी से गिर जाते हैं। इन गांवों के लिए जाने वाला सड़क मार्ग पांच से दस फुट ऊंचे पानी में डूब जाने के कारण इन गांव का संपर्क मुख्य मार्गों व आसपास के बड़े गांव रामपुरा, माधौगढ़, जगम्मनपुर आदि से समाप्त हो जाता है। बाढ़ के दौरान स्थिति इतनी भयावह हो जाती है कि प्रशासन के हाथ पांव फूल जाते है एवं बचाव व राहत कार्य में लगी एनडीआरएफ टीम भी अपने को असहाय महसूस करती हैं। इस वर्ष जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने बाढ़ आने से पूर्व संभावनाओं के आधार पर बाढ़ आपदा से निपटने हेतु बचाव एवं राहत के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए क्षेत्रीय अधिकारियों को राहत शिविर के लिए सुरक्षित स्थान का चयन करने एवं उनका स्थलीय निरीक्षण करने को कहा गया है। उप जिलाधिकारी माधौगढ़ सुरेश कुमार पाल एवं क्षेत्राधिकारी माधौगढ़ शैलेंद्र कुमार बाजपेई, वरिष्ठ उपनिरीक्षक रामपुरा सत्यपाल सिंह ने अपने अधीनस्थों के साथ जगमनपुर किला में संचालित श्री राजमाता इंटर कॉलेज सहित ग्राम मई, भीमनगर, सिद्धपुरा, निनावली जागीर, आईटीआई रामपुरा का स्थलीय निरीक्षण कर संभावित बाढ़ आपदा पीड़ितों के लिए शिविर बनाने के लिए उचित प्रबंध करने की तैयारी हेतु खाका तैयार कर लिया है।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति आवेदन के लिए समयसारिणी निर्धारित

बहराइच अवधनामा संवाददाता। जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर गुप्त ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024-25 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना (कक्षा 11-12 एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं) हेतु विभागीय वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन प्राप्त करने, छात्र-छात्राओं एवं शिक्षण संस्थाओं के स्तर से अपेक्षित कार्यवाही हेतु समयसारिणी का निर्धारण कर दिया गया है। श्री गुप्त ने बताया कि सामान्य जाति के छात्र-छात्राएं 01 जुलाई से 20 दिसम्बर 2024 तक पंजीकरण तथा 12 जुलाई से 31 दिसम्बर 2024 तक आवेदन कर सकते हैं। जबकि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राएं 01 जुलाई से 15 मार्च 2025 तक पंजीकरण तथा 12 जुलाई से 31 मार्च 2025 तक विभागीय वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि शिक्षण संस्थाओं द्वारा मास्टर-डाटाबेस तैयार करने का कार्य 10 जुलाई से 05 दिसम्बर 2024 तक पूर्ण किया जाना है। विश्वविद्यालय/एफिलियेटिंग एजेंसी/जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा फीस सत्यापन कार्य 12 जुलाई से 10 दिसम्बर 2024 तक पूर्ण किया जायेगा। शिक्षण संस्थान द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करने हेतु निर्गत समयसारिणी के अनुसार सामान्य जाति के छात्र-छात्राओं हेतु 15 जुलाई से 16 जनवरी 2025 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं हेतु 15 जुलाई से 16 अप्रैल 2025 निर्धारित की गई है।

कार्यालय-ग्राम पंचायत मठिया उर्फ अकटहा वि.खं.- मोतीचक, कुशीनगर

पत्रांक मेमो/स्था.-1/निविदा/2024-25 दिनांक : 04/07/2024

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत-**मठिया उर्फ अकटहां** विकास खण्ड-**मोतीचक** द्वारा ठोस एवं तरल अपशिष्ठ (SLWM) स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) निधि योजना, पंचम वित्त/पन्दहवां वित्त/ केन्द्रीय वित्त, अन्त्येष्टी स्थल व आंगनबाड़ी में अन्य योजनान्तर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईंट, इण्टरलाकिंग ईंट, बालू, सीमेन्ट, मोरंग, सरिया, पेन्ट, वायरिंग, पत्थर बोर्ड, ईट का टुकड़ा, पत्थर की गिट्टी और ई-रिक्शा, आरो मशीन, सोलर स्ट्रीट लाईट, हयूम पाईप व अन्य से संबंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक **10.07.2024** को 11:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक पंचायत कार्यालय **मठिया उर्फ अकटहां** के निविदा बाक्स में डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 3.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5,000=00 (पांच हजार) रू. मात्र होगी। **नियम व शर्तें :-** 1. जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का जी.एस.टी. में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेंस संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव / ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों/ कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेन्डर खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर ही करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाये वह जी०एस०टी० कार्टेज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाय। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटायी या बढायी जा सकती है। 8. प्रस्तुत दरें, पी.डब्लू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगी। 9. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बीडीसी, जिला पंचायत, तकनीकी सहायक, ग्राम रोजगार सेवक कर्मचारियों के सगे-सम्बधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। उक्त आश्रय की नोटरी, शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। 10. सिमेन्ट की आपूर्ति हेतु सम्बन्धित के पास डीलरशिप / एजेन्सी होना अनिवार्य है, अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गयी सिमेन्ट का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। 11. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ ग्राम प्रधान के पास होगा। 12. स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 13 धरोहर की राशि नगद, राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ.डी.आर. एवं एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **मठिया उर्फ अकटहां** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 14. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्रा०पं० **मठिया उर्फ अकटहां** द्वारा आपूर्ति आदेश के दशा में धरोहर राशि द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। 15. निविंदा फार्म ग्राम पंचायत **मठिया उर्फ अकटहां** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मुल्य.-100/-रू० है पर ही स्वीकार किया जायेगा। 16. सामग्री आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्यदिवस को ग्राम पंचायत **मठिया उर्फ** अकटहां के कार्यालय में की जा सकती है।

ग्राम प्रधान -चन्द्रिका
ग्राम पंचायत-मठिया उर्फ अकटहां
वि.ख.-**मोतीचक**, कुशीनगर

ग्रा.वि.अ./सचिव- रिजवाना रूही
ग्राम पंचायत-मठिया उर्फ अकटहां
वि.ख.-**मोतीचक**, कुशीनगर

महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेषज्ञों का सम्मान

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। महिला स्वास्थ्य और प्रसूति रोग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. मंजू वर्मा, डॉ. अमृता चौरसिया और डॉ. रितु सिंहा को मुंबई में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन डब्लू.एचओ., अमेरिकन कैंसर सोसायटी, फेडरेशन ऑफ आब्सट्रेक्टिस्ट और गायनेकोलॉजिस्ट सोसाइटी ऑफ़ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस सम्मान समारोह में सर्वाइकल कैंसर प्रिवेंशन के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन को बढ़ावा देने के लिए इन तीनों चिकित्सकों के प्रयासों की सराहना की गई। डॉ. मंजू वर्मा, जो महिला एवं प्रसूति रोग विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष रही हैं, ने महिला रोग विशेषज्ञों को एचपीवी के संबंध में ट्रेनिंग देने में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वर्तमान विभागाध्यक्ष डॉ.अमृता चौरसिया ने भी इस मुहिम को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। प्रोफेसर अमृता चौरसिया ने भी इस क्षेत्र में अपने विशेष योगदान के लिए सम्मान प्राप्त किया। उनके प्रयासों ने एचपीवी वैक्सीनेशन के महत्व को जन-जन तक पहुंचाया और सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद की। इलाहाबाद आब्सट्रेकटिस्ट एवं गाइनेकोलॉजिस्ट सोसाइटी की पूर्व सचिव एवं द्वारका अस्पताल की निदेशक, प्रसिद्ध महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ.रितु सिंहा ने प्रयागराज एवं आसपास के कई जिलों की महिला रोग विशेषज्ञों को इस संबंध में ट्रेनिंग देने के साथ-साथ विभिन्न अस्पतालों में एचपीवी वैक्सीनेशन के संबंध में जागरूकता फैलाने का उल्लेखनीय कार्य किया है। डॉ. सिंहा के योगदान की वजह से एचपीवी वैक्सीनेशन को लेकर जागरूकता का स्तर चिकित्सकों के साथ-साथ समाज में भी तेजी से बढ़ रहा है। यह कार्यक्रम मुंबई में आयोजित किया गया, जिसमें चिकित्सा जगत के कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया और इन विशेषज्ञों के कार्यों की सराहना की। इस मौके पर वक्ताओं ने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में एचपीवी वैक्सीनेशन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और भविष्य में इस दिशा में और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. मंजू वर्मा, डॉ. अमृता चौरसिया और डॉ. रितु सिंहा को मिले इस सम्मान ने न केवल उनकी मेहनत और समर्पण को मान्यता दी, बल्कि पूरे महिला स्वास्थ्य समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

बंजरिया स्थित सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फ्रूट में बढ़े हुए दरों पर पर मिलेंगे आम के पौधे

अवधनामा संवाददाता

बस्ती। देश भर में आम के उन्नत देशी, विदेशी और रंगीन आम के किस्मों के लिए विख्यात उद्यान महकमें के बंजरिया में स्थित इंडो इजरायल ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फरूट में तैयार किये जाने वाले कलमी आम पौधों के दरों में बढ़ोतरी की गई है. वहीं जिले के बाहर से आने वाले बागवान अब केंद्र में उपलब्ध आम के मदर प्लांट से साइनउड क्रय कर खुद ही अपने बगीचें में उन्नत किस्मों के पौध तैयार कर सकेंगे. इसके अलावा बंजरिया स्तिथ पौधशाला में पौध उत्पादन की क्षमता बढ़ाने के लिए भी शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। बस्ती उद्यान महकमें में संयुक्त निदेशक उद्यान वीरेन्द्र सिंह यादव नें बताया की बंजरिया स्थित इंडो इजरायल ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फ्रूट आम की उन्नत किस्मों के पौध उत्पादन के उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में अग्रणी है। उन्होंने बताया की केंद्र पर वेंटीलेटेड पाली हाउस व नेट हॉउस तैयार होने वाले पौधों को सरकारी रेट पर उपलब्ध कराया जाता है.

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची स0/लॉट सं0	MSS-LKO-RBL-RCR-22-24-5 (Misc-Static-Services-Rail Coach Restaurant)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	01-07-2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	16-07-2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	16-07-2024 समय 10:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

2015/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जिला अस्पताल में लगाई गई डिजिटल एक्स-रे मशीन बनी शोपीस

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। जिला अस्पताल में मई माह में लगाई गई डिजिटल एक्स-रे मशीन अब शोपीस बन गई है। मशीन चलाने वालों का टोटा होने के कारण मैन्युअल मशीनों से ही जांच की जा रही है। इससे दूर-दराज से आने वाले मरीजों को मजबूरन प्राइवेट जांच करानी पड़ रही है। यह हाल तब है जब एक दान स्वरूप मिली डिजिटल मशीन को चूहों ने कुतर कर खराब कर डाला। जिला अस्पताल में सीएमएस रहे डॉ. एनपी गुप्ता हड्डी रोग विशेषज्ञ भी थे। उस दौरान उन्होंने मरीजों की मुश्किलों को देखते हुए एक डिजिटल एक्स-रे मशीन के लिए मांग की थी। मशीन आई तो सीएमएस डॉ.एनपी गुप्ता प्रमोट होकर दूसरे जनपद चले गए। काफी दिनों तक मशीन डिब्बे में बंद पड़ी रही। सीएमएस डॉ. उत्तम कुमार ने ओपीडी भवन के एक्स-रे कक्ष में मशीन का संचालन शुरू कराया। यहां अटैच कर्मी को मशीन चलवाने की ट्रेनिंग दिलाई, लेकिन वह 15 दिन ही मशीन चला सका। इसके बाद उसे वापस बुला लिया

गया। धनीराम का पुरवा निवासी विनोदबाला श्रीवास्तव सोमवार को जब डिजिटल मशीन से जांच कराने गईं तो स्टाफ का हवाला देते हुए जांच करने से मना कर दिया। अभी अस्पताल में तीन मैन्युअल व एक डिजिटल एक्स-रे मशीन हैं। इसमें एक नियमित कर्मचारी व दो संविदा कर्मी हैं। नियमित कर्मी आरडीसी में स्थापित मशीन का संचालन करता है। मौका मिलने पर ही डिजिटल मशीन को चलाता है। संविदाकर्मियों को डिजिटल मशीन की जानकारी नहीं है। सीएमएस डॉ. उत्तम कुमार ने बताया कि स्टाफ की कमी है। ऐसा नहीं है कि डिजिटल एक्स-रे मशीन से जांच नहीं हो रही है। जांच की जा रही है। मैन्युअल से भी जांच ठीक होती है।

बीएसए अयोध्या के भ्रष्टाचार की महानिदेशक स्कूल शिक्षा से हुई शिकायत

अयोध्याधाम। श्रीराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश सिंह ने जनपद अयोध्या के भ्रष्ट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष राय की शिकायत महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्रीमती कंचन वर्मा से किया श्री दिनेश सिंह ने कहा की बीएसए संतोष राय पूर्व में भ्रष्टाचार में बलिया जनपद के विभिन्न अनियमितताओं के संबंध में निलंबित रह चुके है वर्तमान में जनपद अयोध्या में भी भ्रष्टाचार में संलिप्त है। इनकी भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायत माननीय मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश से भी की गई है। श्री सिंह ने महानिदेशक को बताया कि जनपद अयोध्या में किस तरह से शिक्षकों और कार्यालय के कर्मचारियो से दुर्व्यवहार,कार्यालय बुलाकर उत्पीड़न अवैध वसूली, विभिन्न निर्माण कार्य में नियमों के उल्लंघन के साथ शिक्षको अनुदेशको को आधार कार्ड बनाने के नाम पर संबद्ध करके मासिक वसूली की जा रही है।

आधा दर्जन चोरी की घटनाओं का खंडासा पुलिस ने किया खुलासा

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के विनायकपुर इंछेई बोडेपुर तथा रुदौली और इनायत नगर रौनाही थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई चोरियों के संबंध में दर्ज मुकदमों का खुलासा करते हुए खंडासा पुलिस ने पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है इनके पास से घरेलू इलेक्ट्रॉनिक सामान नगदी जेवरात पीलू धातु सफेद धातु तथा चार आदद मोटरसाइकिल बरामद की गई है खंडासा पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि मुखबिर की सूचना पर विनायक डबल नहर पुलिया के पास अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया वह किसी चोरी की घटना की योजना बना रहे थे गिरफ्तार अभियुक्त में दीनानाथ पुत्र माता दिन निवासी मोहाली खंडासा अर्जुन पुत्र राम सजीवन निवासी सोलापुर इनायत नगर सुनील कुमार पुत्र राम अमर निवासी धौरहरा खण्डासा अवधेश पुत्र जगन्नाथ निवासी पुरे गोसाई धौरहरा मुकुंदहा अनिल कुमार पुत्र हनुमान निवासी

अलीपुर खजुरी इनायत नगर शामिल है उनके पास से विभिन्न थाना क्षेत्र में हुई चोरियों का सामान बरामद किया गया है बरामद सामान के विषय में 32340 रुपए नगर दो गैस सिलेंडर एक चूल्हा 4 एलसीडी टीवी एक सी टाइप बॉक्स एक इनवर्टर तीन बैटरी और एक लैपटॉप चार झटका मशीन एक मंगलसूत्र एक मंगलसूत्र का पेंडेंट पीलीभीत 4 पीली धातु की /अंगूठी माथ बिंदी नाक की नथ पांच जोड़ी पायल दो जोड़ी पाजेब कमर की करधन 14 जोड़ी बिछिया एक जोड़ी बाल पिन पीली धातु व एक जोड़ी झाला बरामद किया गया इनके कब्जे से हीरो होंडा मोटरसाइकिल सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल समेत चार मोटरसाइकिल में भी बरामद की गई हैं।

सरकार की कृषि हेतु फ्री बिजली देने की घोषणा एक छलावा

अयोध्या। उत्तर प्रदेश सरकार की कृषि हेतु फ्री बिजली देने की घोषणा एक छलावा है और किसानों को धोखा देना है जिससे किसानों को सावधान रहना होगा।उक्त उद्गार भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ने व्यक्त करते हुए कहा कि फ्री बिजली पाने की प्रथम शर्त कि मार्च 2023 तक विद्युत बिल जमा करना है जो सही है जिसके लिए हुड़ा व्यवस्था लागू है परंतु हुड़ा का लाभ पाने के लिए, घरेलू कनेक्शन का अनिवार्य किया जाना गलत है, इसके बाद ट्यूबवेल पर मीटर लगाना गलत है। फिर 140 यूनिट प्रति हार्स पावर की दर से ही बिजली फ्री करना बहुत गलत है। घनश्याम वर्मा ने कहा कि 140 यूनिट प्रति हॉर्स पावर से एक बीघा की भी खेती नहीं की जा सकती है ऐसी दशा में यदि किसान अपने ट्यूबेल पर मीटर लगवाता है तो फ्री बिजली पाने के बाद भी किसान को ज्यादा बिल देना पड़ेगा।

देश के तीन सौ परिवार के पास गिरवी है राजनीति : गणेश दीक्षित

बाराबंकी। हिंदुस्तान में ऐसे तीन सौ परिवार हैं जिनके पास राजनीति गिरवी रखी है। जिनके पास सेंटर पॉवर है। जो जाति और पैसों के आधार पर टिकट बांटते हैं। यह सब आपातकाल के दुष्परिणाम का नतीजा है। यह बात बुधवार को गांधी भवन में आपातकाल की 49वीं वर्षगांठ पर आयोजित लोकतंत्र का काला अध्याय विषयक संगोष्ठी एवं लोकतंत्र रक्षक सेनानी सम्मान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कानपुर कैंट से विधायक रहे गणेश दीक्षित ने कही। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक समाजवादी चिंतक राजनाथ शर्मा ने लोकतंत्र रक्षक सेनानी गणेश दीक्षित, लोकतंत्र रक्षक सेनानी परिषद के जिला संयोजक अजय सिंह गुरुजी, समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष स्व देवेंद्र नाथ पाठक को मरणोपरांत उनके भाई योगेंद्र नाथ पाठक का नागरिक अभिनंदन किया गया। श्री दीक्षित ने आगे कहा कि वर्तमान युवा पीढ़ी आंदोलन का नाम नहीं जानती। केवल नेताओं के आगे पीछे चक्कर लगाती है। बिना सड़क पर लगे परिवर्तन नहीं हो सकता और जब सड़क पर आंदोलन नहीं होगा तब तक संसद वीरान पड़ी रहेगी। लोकतंत्र रक्षक सेनानी परिषद के जिला संयोजक अजय सिंह गुरुजी ने कहा कि लोकतंत्र के ऐसे प्रहरी जिन्होंने आपातकाल के दौरान जेलों में यातनाएं सही वह आपातकाल की स्मृतियों का स्मरण नहीं करना चाहता। आपातकाल में संविधान की रक्षा के लिए आंदोलन हुए। आंदोलनकारी जेल भेजे गए। तब जाकर कांग्रेस सत्ता से हटी और एक लोकतांत्रिक सरकार सत्ता में आई। आज देश का दुर्भाग्य है कि आपातकाल का विरोध करने वाले सत्ता के लिए कांग्रेस की गोद में जा बैठे हैं। गांधी जयंती समारोह ट्रस्ट के अध्यक्ष राजनाथ शर्मा ने आपातकाल में बिताए अपने संस्मरणों को साझा किया। उन्होंने कहा कि आपातकाल किसी क्रांति का परिणाम नहीं था। यही वजह रही कि महज तीन साल में जनता पार्टी की सरकार ध्वस्त हो गई और एक बार फिर कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई। हमें विरोध की आदत डालनी चाहिए। अन्याय का प्रतिकार करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का संचालन पाटेश्वरी प्रसाद ने किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से सुभाष पाठक, सुरेश गुप्ता, हुमायूं नईम खान, ज्ञान सिंह यादव, भागीरथ गौतम, मृत्युंजय शर्मा, विनय कुमार सिंह, सलाउद्दीन किदवई, फरहान अहमद, अर्ताउरहमान, सत्यवान वर्मा, अजीज अहमद, विजय कुमार सिंह मुन्ना, नीरज दूबे, जलाल नईम खान, राजू सिंह, पत्रकार उमेश चंद श्रीवास्तव, राजेश यादव, महेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

मोहर्रम त्यौहार को लेकर सुबेहा थाना में पीस कमेटी की बैठक हुई संपन्न

हैदरगढ़ बाराबंकी। मोहर्रम त्यौहार को शांति पूर्वक सपन्न कराने को लेकर सुबेहा थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमे उपजिलाधिकारी व पुलिस क्षेत्राधिकारी ने क्षेत्र से आए हुए ताजियादरों व अन्य समुदाय के लोगो से शांति पूर्वक त्यौहार मनाने की अपील की गई। बुधवार को थाना परिसर में आयोजित पीस कमेटी की बैठक के दौरान एसडीएम अनुराग कुमार सिंह ने कहा कि आप सभी लोग शासन की गाइड लाइन के मुताबिक पारंपरिक सद्भाव तरीके से त्यौहार

मनाए। पुलिस क्षेत्राधिकारी हर्षित चौहान ने कहा की पुलिस आपकी सेवा में सदैव तत्पर है कही पर किसी भी प्रकार की कोई भी विवाद या अन्य कोई समस्या उत्तपन्न होती है तो तत्काल पुलिस को सूचित करे उसका समाधान किया जाएगा निर्धारित रास्ते से ही जुलूस निकाले इस दौरान किसी भी प्रकार हुड़दंग न होने दे धीमी आवाज में ही डीजे का उपयोग करे जिससे की किसी दूसरे की भावना को ठेस पहुंचे। जुलूस व मातम में किसी धारदार अस्त्र जैसे तलवार, छूड़ी चक्कू का कतई इस्तेमाल न करे जिससे की कोई अप्रिय घटना से बचा जा सके।

ब्लाकों के बीडीओ भी संभावित बाढ़ से निपटने के प्लान बनाने में जुटे

रामनगर बाराबंकी। ब्लाक के बीडीओ भी बाढ़ से निपटने की तैयारी में जुटे हैं। ब्लॉक के एडीओ पंचायतो से बाढ़ से संबंधित नवीन जरूरी सूचनाए इकट्ठा करने को कहा गया है। बीडीओ रामनगर प्रीती वर्मा ने ब्लॉक के एडीओ पंचायत अभय शुक्ला को निर्देशित किया है कि ब्लॉक रामनगर के लोहटी जई, लहडरा, तपेसिपाह, सिसौडा, दुर्गापुर, मड़ना आदि गाँवों में जंहा जंहा बाढ़ के समय रास्तो की दिक्क़त रहती आवगमन के लिए नावो की जरूरत हो उसकी सूची बना ले व पहले से उपलब्ध नावो में जो खराब हो उन्हे ठीक करवा ले ताकि लोगो को बाढ़ के समय दिक्क़त न हो।उधर बीडीओ सूरतगंज देवेंद्र सिंह ने भी नववागत ए डी ओ पंचायत राजेंद्र यादव से कहा है कि बाढ़ तैयारी बुकलेट को नवीन तथ्यों के साथ ताजी जानकारी सहित अपडेट कर जंहा जंहा नावो की जरूरत रहेगी वे स्थान चिन्हित कर लिए जाए।नावे जो खराब हो उन्हे चलने लायक बनवाए ताकि बाढ़ मे दिक्क़त न हो। संभावित बाढ़ से निपटने के लिए मंत्री मंगलवार को एलर्ट कर गए थे जिससे सभी बाढ़ से निपटने के प्लान में गंभीर नजर आए।

मोहर्रम शांतिपूर्ण ढंग और अकीदत से मनाए प्रशासन का सहयोग करेः मुजाहिद नक़वी

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। जैसे जैसे मोहर्रम का महीना नजदीक आ रहा है इमाम हुसैन का ग़म मनाने वाले मुसलमान बड़ी बेसब्री से इंतिजार कर रहे है और शिया सुन्नी को अपने अपने घरों में तैयारियां करते देखा जा सकता है। शिया समुदाओ ने मोहर्रम को लेकर बैठक शुरू कर दी है। शहर के मोहल्ला कटरा स्थित मीर मासूम अली इमामबारगाह में मनाज़िर हुसैन रिज़्वी की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में नदीम अब्बास रिज़्वी ने कहा कि मोहर्रम गमों का महीना होता है और इस दो महीने आठ दिन तक कर्बला के शहीदों का ग़म मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मोहर्रम के दौरान निकलने वाले जुलूसों में किसी भी तरह की परेशानी ना हो इसका खास ख्याल रखा जाए। श्री रिजवी ने प्रशासन को भरोसा दिलाया कि शहर में निकलने वाले जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकाला जाएगा। सैय्यद मुजाहिद हुसैन नक़वी ने कहा कि हम लोगो को प्रशासन का सहयोग करना चाहिये और किसी भी तरह की परेशानी हो तो तुरंत प्रशासन को सूचना दें। सभासद सादिक हुसैन ने कहा कि शहर में निकलने वाले जुलूसों की अगवाई करने वाले के दिशा निर्देशन पर चलना चाहिए। श्री हुसैन ने आगे कहा कि मोहर्रम मुसलमान ही नही हमारे हिन्दू भाई भी इमाम हुसैन के नाम पर ताजिया रखकर ग़म मानते है।

उन्होंने प्रशासन से माँग की है कि जुलूस के दौरान सुरक्षा का खास का ख्याल रखा जाये। आफाक हुसैन उर्फ असद रिज़्वी का कहना है कि आगामी 4 तारीख को पीस कमेटी की बैठक में प्रशासन के आलाधिकारियों से मिलकर मोहर्रम में निकलने वाले जुलूसों के बारे में अवगत कराएंगे। सय्यद कमर इमाम ने कहा कि मोहर्रम में निकलने वाले जुलूसों में लोग पबंदिये वक्त पर प्रोग्राम शुरू किया जाए ताकि प्रशासन के लोगो को शिकायत का मौका ना मिले। मंज़र अब्बास ने प्रशासन से अपील की है कि पहली

मोहर्रम से लेकर कटरा मीर मासूम अली इमामबाड़ा, बेगमगंज, कर्बला, दयाननद नगर, अस्करी नगर कंपनीबाग, लाइन पुरवा मोहल्ले की साफ सफाई की व्यवस्था दुरुस्त कराई जाए और बिजली ना काटी जाए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे सय्यद मनाज़िर हुसैन ने वहाँ मौजूद शिया नवजवानों से मुखातिब होते हुवे कहा कि हम लोगो को प्रशासन की हर बात माननी होगी और प्रशासन का भरपूर सहयोग करना चाहिये। पत्रकार आसिफ हुसैन ने कहा हम सबकी ज़िम्मेदारी है कि प्रशासन का सहयोग करे और अपने अपने इलाको में साफ सफाई का ध्यान रखे अगर कही गन्दगी हो तो नगर पालिका प्रशासन को अवगत कराएं तत्काल सफाई कराई जा सके और किसी भी अफवाहों पर ध्यान ना दे अगर कही कुछ आपको लगता है गलत हो रहा है कि इसकी सूचना प्रशासन को तुरन्त दे। इस मौके पर हसन अब्बास उर्फ गुड्डु, अली मियां, फ़हीम अब्बास रिज़्वी, अब्बास ज़ैदी अर्शी, शम्स रज़ा, अख्तर इमाम, कलीम आज़र, राजा, अदनान, गुलरेज़, अबू तालिब, तबरेज़, मुन्ना सहित आदि लोग मौजूद रहे।

विधायक अयोध्या ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ किया स्थलीय निरीक्षण

अयोध्या। नगर विधायक अयोध्या ने आज रिकाबगंज से कसाबबाड़ा रोड सहित नगर के विभिन्न स्थानों का नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया, और अलर्ट मोड में जल भराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने का निर्देश दिया।नगर विधायक अयोध्या वेद प्रकाश गुप्ता नगर निगम के नगर

आयुक्त संतोष शर्मा,अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय व जे ई,सफाई नायकों की टीम को लेकर रिकाबगंज-कसाबबाड़ा मार्ग पर जल भराव की समस्या का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने जगह-जगह चोक नालों को तत्काल साफ कराते हुए हर हाल में सभी नालों का बिना रुकावट संचालन जारी करने को कहा ताकि अब होने वाली भारी-वर्षा से इस क्षेत्र के साथ-साथ नगर के किसी भी क्षेत्र में जल भराव की समस्या ना आए व जनमानस को भारी समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा किह्यह्य अति वृष्टि होने से जगह-जगह जल भराव हो गया था उसको युद्ध स्तर पर साफ करा दिया गया है और आने वाली वर्षा ऋतु को देखते हुए तमाम बड़े व छोटे नालों आदि की साफ सफाई , चेकिंग जल्द से जल्द करा दी जाए।

सरकार के सड़क गड्ढामुक्त अभियान को लोक निर्माण विभाग लगा रहा पलीता

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। सरकार की गड्ढा मुक्त सड़क की मंशा पर लोक निर्माण विभाग खरा नहीं उतर रहा है।पटरंगा मंडी से पटरंगा गांव को जोड़ने वाली सड़क गड्ढे में तब्दील हो गई है।बारिश के चलते याब ये गड्ढे जानलेवा साबित हो रहा है।बावजूद लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अपनी कुम्भकर्णी नींद से जाग रहे है। बताते चले कि पटरंगा मंडी से थाना पूरे मुरली होते हुए पटरंगा गांव को जोड़ने वाली सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे हो गए है।हालांकि इस सड़क की मरम्मत अभी एक वर्ष पूर्व कराई गई थी।गुणवत्तापूर्ण मरम्मत न होने के कारण ये सड़क चंद महीनों में ही गड्ढे में तब्दील हो गई।पटरंगा के निवासी पप्पू वर्मा प्रभात व दिलीप बताते है कि इन दिनों बारिश का पानी गड्ढों में भर गया है।जिससे ये जानलेवा साबित हो रहे।आए लोग गड्ढे में फंसकर गिर रहे है।पूरे मुरली गांव निवासी राजेन्द्र यादव बताते है इस मार्ग पर पब्लिक स्कूल के साथ साथ इंटर व डिग्री कालेज स्थित है।हजारों की संख्या में बच्चे व ग्रामीण इस मार्ग से रोज आते जाते है।जिन्हें बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है।पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता लालमणि ने बताया रेलवे स्टेशन पटरंगा में चल रहा है।

मंडलायुक्त ने जलनिकासी के लिए लगाए गए पंप आदि व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। मंडलायुक्त गौरव दयाल ने अतिवृष्टि के कारण जल भराव से प्रभावित विभिन्न स्थलों से नगर निगम को प्राप्त हो रही शिकायतों के सम्बन्ध में नगर निगम द्वारा की जा रही कार्यवाहियों के अवलोकन हेतु शहर के विभिन्न स्थलों का भौतिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संध्या सरोवर(लालडिग्गी),रेलवे क्रासिंग जिंगल बेल स्कूल के पास नाले सहित कृष्ण विहार कॉलोनी, गद्दोपुर सहित अन्य मोहल्ले में जलनिकासी हेतु लगाए गए पंप आदि व्यवस्थाओ का निरीक्षण किया तथा जल निकासी सतत रूप से जब तक जल भराव कम न हो, जारी रखने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए।मंडलायुक्त ने जलभराव वाले स्थानों पर नगर निगम के अधिकारियों को सतत निगरानी रखते हुये भरे पानी को पम्प के माध्यम से अतिशीघ्र खाली करवाने के निर्देश दिये। नगर निगम में 24 घंटे कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी है, जिस पर कोई भी नागरिक जलभराव सहित अन्य कोई समस्या के लिए सम्पर्क कर सकता है। कन्ट्रोल रूम का टोल फ्री नम्बर 1800-313-1277/1533 एवं 05278-299400/7311165805 है। निरीक्षण के दौरान नगर निगम एवं अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अंत मे मंडलायुक्त ने वृहद पौधरोपण कार्यक्रम के तहत अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित कराए गए ग्रीन फण्ड के माध्यम से कराए जाने वाले वृक्षारोपण का शुभारंभ पंचवटी द्वीप पर पौधा रोपित कर किया । इस दौरान उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण श्री अश्विनी कुमार पांडेय, सचिव श्री सत्येंद्र सिंह सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

हाथरस में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए अर्पित की श्रद्धांजलि

अयोध्याधाम। विधानसभा बीकापुर क्षेत्र के वासुदेवपुर चौराहे पर किसानों के साथ समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव दिव्यांग पंडित समरजीत ने हाथरस सत्संग में भगदड़ के कारण 122 लोगों की मृत्यु हो चुकी है तथा मृतकों की आत्मा की शांति के लिए किसानों के साथ कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से प्रार्थना की ईश्वर मृत्युको की आत्मा को शांति प्रदान करें। पंडित समरजीत ने कहा- उत्तर प्रदेश के साथ-साथ आज पूरे देश में शोक की लहर है, सत्संग में लाखों लोगों की भीड़ इकट्ठा थी किंतु प्रशासनिक व्यवस्था ना के बराबर थी जिसके कारण आज सैकड़ो लोगों को अपने जान से हाथ धोना पड़ा आज हम सरकार से मांग करते हैं।

आईजी ने मुख्य आरक्षी चालक श्रीराम को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र प्रदान कर किया सम्मानित

अयोध्याधाम। पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय अयोध्या परिक्षेत्र, अयोध्या में नियुक्त मुख्य आरक्षी चालक श्री राम के सेवानिवृत्ति के अवसर पर पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा परिक्षेत्रीय कार्यालय परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक, अयोध्या परिक्षेत्र प्रवीण कुमार द्वारा मुख्य आरक्षी चालक श्री राम को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया एवं उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करते हुए कर्तव्य निष्ठा की सराहना की गयी। परिक्षेत्रीय कार्यालय में नियुक्त सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मुख्य आरक्षी चालक श्री राम को माल्यार्पण करते हुए उपहार भेंट कर बधाई दी।

पौधारोपण के लिए समय अनुकूल है: घनश्याम जायसवाल

अवधनामा संवाददाता

गोंडा। बरसात का समय पौधारोपण के लिए अनुकूल होता है इस अवसर का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण कर धरती को हरा भरा बनाने में सभी लोगों को अपना कर्तव्य का निर्वहन करना चाहिए। उक्त विचार भारतीय जनता पार्टी जिला कार्य समिति सदस्य घनश्याम जायसवाल ने प्रधानाचार्य के के सिंह और स्टाफ के साथ महाराजा देवी बक्स सिंह इंटर कॉलेज नगर पंचायत तरबगंज में पौधारोपण करते हुए अपने विचार व्यक्त किया। बुधवार को महाराजा देवी बक्श सिंह इंटर कॉलेज तरबगंज गोंडा में भारतीय जनता पार्टी जिला कार्य समिति सदस्य घनश्याम जायसवाल प्रधानाचार्य के के सिंह उपप्रधानाचार्य आर के सिंह , रितेश प्रताप सिंह रंजय सिंह , सीताराम पांडेय करुणाकर पांडेय, राकेश चौबे रोहित कुमार , अतवरी लाल ,सुरेश कुमार, संतोष कुमार इंटर कॉलेज के परिसर में पौधारोपण किया और पौधों की हिफाजत के लिए ट्री

गार्ड लगाया गया। प्रधानाचार्य के के सिंह ने कहा सामाजिक कार्यकर्ता भाजपा के पदाधिकारी घनश्याम जायसवाल प्रत्येक वर्ष मेरे विद्यालय में पौधरोपण करते हैं छात्र-छात्राओं को पौधारोपण के प्रति प्रेरित करते हैं। उनकी इस पहल पौधारोपण जल अभियान बन गया है। इसके लिए उन्होंने श्री जायसवाल के कार्यों की सहाना की। प्रधानाचार्य ने कहा कि पीपल और बरगद 24 घंटा ऑक्सीजन देते हैं बड़े स्थान पर इन पौधों का अधिक से अधिक पौधरोपण होना चाहिए जिसे शुद्ध हवा और पंछियों को भोजन की व्यवस्था हो सके। इसके अलावा घरों पर फलदार वृक्षों के साथ-सा छायादार वृक्षों का पौधारोपण करना चाहिए।

एनईपी बीबीए द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 6 जुलाई से

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की एनईपी बीबीए द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 6 जुलाई से शुरू होकर 12 तक चलेगी। कुल आठ केन्द्रों पर 12 महाविद्यालयों की परीक्षा होगी, जिसमें 557 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा प्रातः 7 से 9 बजे तक होगी। विवि के परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने बताया कि विश्वविद्यालय की एनईपी के अन्तर्गत संचालित बीबीए द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 6 जुलाई से अयोध्या, गोण्डा, सुल्तानपुर, बहराइच, बाराबंकी के जनपदों में कराई जायेगी। जिसके लिए कुल आठ केन्द्र बनाये गए है जिनमें 12 महाविद्यालयों की परीक्षा होगी। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर सभी केन्द्रों को पारदर्शितापूर्ण परीक्षा कराने के दिशा-निर्देश प्रदान कर दिया गया है।

सौरभ मौर्य बने किसान कल्याण संघ के जिला अध्यक्ष

अवधनामा संवाददाता

गोंडा। जिले में किसान कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के.डी मौर्य व उपाध्यक्ष डॉ अवनीश मौर्य के नेतृत्व में संगठन का विस्तार करने हेतु गोंडा जिले में जिला अध्यक्ष के रूप में सौरभ मौर्य का चयन हुआ और वह किसान कल्याण संघ के जिला अध्यक्ष बने हैं। इस मौके पर केडी मौर्य ने बताया कि हमारा संगठन किसानों को जागरूक करने तथा किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं किसानों तक पहुंचे इसको लेकर निरंतर कार्य कर रहे हैं जैसा कि गोंडा में हमारा संगठन नहीं था और सौरभ मौर्य जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में गोंडा जनपद में भी गठन किया गया है संगठन का विस्तार हुआ है इस मौके पर मौजूद किसान कल्याण संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉक्टर अवनीश मौर्य ने कीटनाशक दवाइयां तथा सरकार द्वारा सब्सिडी पर दी जा रही बीजों को लेकर जानकारी दी और संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा की गई। वहीं जिला अध्यक्ष सौरभ मौर्य ने बताया कि संघ द्वारा जो जिम्मेदारी मुझे दी गई है मैं उसका निर्वहन करूंगा और किसानों के लिए उनके हित के लिए हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा इस मौके पर मौजूद किसान कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के.डी मौर्य डॉ अवनीश मौर्य किसान कल्याण संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, जिलाध्यक्ष सौरभ मौर्य, सुनील मौर्य, पिंटू पासवान, धर्मेंद्र कुमार त्रिपाठी, अनुराग तिवारी, शादाब खान, परमेश्वर चौरसिया, अल्ताफ खान, डॉक्टर मुस्लिम, चंदेश्वर तिवारी, राजू मौर्य आदि लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत अध्यक्ष भलूहा के चुनाव की री-काउंटिंग

बांसी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। खेसरहा विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत अध्यक्ष भलूहा के चुनाव का सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर न्यायालय द्वारा नियुक्त अधिवक्ता नेहा शर्मा की देखरेख में एसडीएम कुणाल, बीडीओ खेसरहा विजय सिंह व नायब तहसीलदार राघवेंद्र पांडेय के समक्ष एसडीएम न्यायालय में किया गया। री काउंटिंग में संगीता चुनाव चिन्ह इमली को 669 व सोनमती अनाज ओसाता किसान को 646 मत मिला है। परिणाम का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किया जायेगा। शांतिपूर्ण री काउंटिंग संपन्न कराने के लिए तहसील कार्यालय में इंस्पेक्टर मनोज कुमार श्रीवास्तव, एस आई दिनेश यादव, सुदामा प्रसाद, हेड कांस्टेबल रोशन अली, केसी त्रिपाठी, कास्टेबल संदीप यादव, महिला कास्टेबल खूशबू यादव, सूर्यकांत निषाद, सतीश यादव, सुषमा पांडेय, कविता राव सहित तमाम पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

मौलाना मिर्ज़ा जाफ़र अब्बास साहब की अध्यक्षता में इदारए तहफ़्फ़ुजे मर्सियाख़्वानी की मीटिंग

लखनऊ अवधनामा संवाददाता। इदारए तहफ़्फ़ुजे मर्सियाख़्वानी की एक मीटिंग इदारे के नायब सदर फ़ैज़ बाक़र की रिहाइशगाह वाक़ए दरगाह हज़रत अब्बास, ज़ेरे सिदारत मौलाना मिर्ज़ा जफ़र अब्बास साहब मुनाक़िद हुई जलसे का आग़ाज़ तिलावते कलामे पाक से हुआ बादहू मरहूमिने इदारा को सूरह फ़ातिहा इरसाल किया गया। जलसे में एक से नौ मुहर्रम तक इमामबाड़ा नाज़िम साहब में होने वाले अशराए मजालिसे मर्सियाख़्वानी की तैयारी का जायज़ा लिया गया। इदारे के प्रोग्राम मे मज़ीद बेहतरी के लिए कुछ मेंबरान का इज़ाफ़ा किया गया,जिनके नाम मुंदर्जा ज़ैल है, जज आबिद शमीम साहब ,काज़िम अबरार साहब ,क़ासिम रज़ा साहब, अली ऑन हुसैन साहब। शुरकाए जलसा रहे,मौलाना मिर्ज़ा जफर अब्बास साहब, मौलाना मिर्ज़ा इजाज़ अतहर साहब ,मौलाना अबू तालिब मेहंदी साहब डॉक्टर सरवत तक़ी साहब, कामिल रिज़वी साहब, असद रिज़वी साहब, इमदाद इमाम साहब ,अली अब्बास साहब।

गंगा घाटों का एसपी ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। बुधवार को आगामी त्यौहारों और बाढ़ के बहाव को दृष्टिगत रखकर पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने गंगा घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि घाटों पर ड्यूटी के दौरान सुरक्षाकर्मी पूरी जिम्मेदारी से ड्यूटी करें। किसी भी तरह की लापरवाही ना बरती जाए। गंगा में नहाने और आने जाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाए जिससे किसी भी प्रकार की घटना ना हो सके। गहरे पानी में जाने वाले लोगों को रोकने के लिए घाट के किनारे किनारे बेरी कटिंग लगाने के लिए संबंधित अधिकारी को दिशा निर्देश दिए जाएंगे। जिससे कि लोग गहरे पानी में ना जा सके।

सात को मनेगा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता समिति भारत का 37वां स्थापना दिवस समारोह

सम्भल अवधनामा संवाददाता। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता समिति भारत का 37 वां स्थापना दिवस समारोह सात जुलाई को आजाद गर्ल्स इण्टर कॉलेज दीपा सराय में मनाया जायेगा। जिसका प्रभारी डॉ शहजाद अहमद को बनाया गया। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरद्वारी लाल गौतम व राष्ट्रीय महासचिव कुसुम ने बताया कि सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता समिति भारत का 37 वां स्थापना दिवस समारोह सात जुलाई को दोपहर 12 बजे से आजाद गर्ल्स इण्टर कालेज दीपा सराय सम्भल में मनाया जायेगा। कार्यक्रम का प्रभारी डॉ शहजाद अहमद को बनाया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत पौधा रोपण के साथ की जायेगी। इसके बाद समिति की स्थापना दिवस का केक काटा जायेगा जबकि समिति के जिन सदस्यों और पदाधिकारियों का जन्मदिन मई जून और जुलाई माह में है। उनका जन्मदिन भी मनाया जायेगा। इसके अलावा समिति की प्रबंध कमेटी और सम्बंधित विभागों की फोटो ग्राफी भी की जायेगी। जिसकी सभी तैयारियों की जिम्मेदारी समिति की राष्ट्रीय सचिव चिंकी दिवाकर, राष्ट्रीय परीक्षा सचिव रुबी एवं संयुक्त सचिव भारती को सौपी गई है। जबकि समिति की नवनिर्वाचित प्रबंधक कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ डॉ शहजाद अहमद द्वारा दिलवाई जायेगी।

सेवानिवृत्त एसडीएम का कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में डीएम की अध्यक्षता में विदाई समारोह

अवधनामा संवाददाता

उई (जालौन)। उप जिलाधिकारी के के सचान के सेवानिवृत होने पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता मे विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह में जिलाधिकारी ने अपने उदबोधन मे कहा कि जिले में लगभग 2 वर्ष 6 माह के कार्यकाल में श्री सचान ने अपने दायित्तो के प्रति सराहनीय सेवाएं दी। विभिन्न प्रकार की कार्य रुपरेखा तैयार कर ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक कार्य करने की लगानशीलता देखी गयी। सरकारी नियमानुसार लोगों की जनसमस्याओं को हरसंभव निपटाने में उनकी अहम भूमिका रही। उनके स्वस्थ, सुखी और समृध्द जीवन की कामना करते हुए सामाजिक दूसरी यात्रा में भी सफलता प्राप्त करने का शुभकामना संदेश दिया। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संजय कुमार ने अपने भाषण मे कहा कि के के सिंह उप जिलाधिकारी एक सरल स्वभाव वाले अधिकारी रहे। उन्होंने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को जनता कि समस्याओं के निस्तारण के प्रति एक जुट होकर गुणवत्ता के साथ कार्य करने का रिकार्ड बनाया।सरकार कि योजनाओं के प्रति समय समय पर कर्मचारियों को निष्पादन हेतु प्रेरित करते रहे। उन्होंने अपनी सेवा के विभिन्न जनपदों मे 28 बर्षो के कार्यकाल दौरान निष्ठा लगन के साथ सेवाएं निभाने में आगे रहे।उनका सेवा काल बेदाग रहा। विदाई के अवसर डी एम एवं ए डी एम ने प्रतीकात्मक स्मृति चिन्ह भेट किया। अंत में उपजिलाधिकारी श्री सचान द्वारा बताया गया कि वे वर्ष 1996 में सेवा में आये। सेवा दौरान मैनपुरी, ललितपुर, हमीरपुर,अम्बेडकर नगर, मऊ, जौनपुर जिलों मे सौपे गए कार्यों का बखूबी निष्पादन किया। आज सेवा के अंतिम दिन जालौन जनपद से सेवानिवृत हो रहे हैं। उन्होंने अपना अनुभव कर्मचारियों, अधिकारियो में शेयर किया।

पशुपालन विभाग से सेवानिवृत्ति कर्मचारियों का विदाई सम्मान समारोह

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। पशुपालन विभाग, में 30 जून को सेवानिवृत्ति चार कर्मचारियों का ÷विदाई सम्मान समारोह÷ बुधवार को विकासखंड नौगढ़ सभागार में पशुधन प्रसार अधिकारी संघ एवं वेटरनरी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। विदाई सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपर निदेशक बस्ती मंडल डॉक्टर एमपी सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर जीवनलाल मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार प्रजापति ने किया। पशुपालन विभाग से सेवानिवृत साथी पशुधन प्रसार अधिकारी राजेंद्र प्रताप यादव, वेटरनरी फार्मासिस्ट दीनानाथ यादव एवं नंदलाल मोर्या तथा पत्रवाहक आदित्य लाल श्रीवास्तव के सकुशल सेवानिवृत होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया था।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का पुष्प कुछ लेकर सम्मान किया गया। विदाई कार्यक्रम में सेवानिवृत्ति राजेंद्र प्रताप यादव, दीनानाथ यादव, नंदलाल मोर्य एवं आदित्य लाल श्रीवास्तव को पशुधन प्रसार अधिकारी संघ एवं वेटरनरी फार्मासिस्ट एसोसिएशन की तरफ से संयुक्त रूप से अंग वस्त्र, छड़ी, रामायण स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वेटरनरी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने सभी आगंतुक अतिथियों के प्रति स्वागत उद्बोधन किया। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए अपर निदेशक बस्ती मंडल डॉक्टर एमपी सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्ति एक प्रक्रिया है जैसे कोई व्यक्ति जन्म लेता है तो उसकी मृत्यु भी निश्चित होती है, इस प्रकार से कोई व्यक्ति अगर सेवा में आता है तो एक समय के बाद उसकी सेवानिवृत्ति भी तय मानी जाती है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर जीवनलाल ने कहा कि सेवानिवृत्ति साथियों को मैं नए पड़ाव में जाने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं एवं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि यह दीर्घायु हो स्वस्थ रहें और समय आने पर विभाग की छवि को भी बनाए रखें। अंत में पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के अध्यक्ष अरुण कुमार प्रजापति ने दोनों संगठनों के तरफ से विदाई समारोह कार्यक्रम में उपस्थित सभी सेवानिवृत्ति साथियों एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह सिलसिला यूं ही लगातार चलता रहेगा, हम सभी साथी एकजुट होकर विभाग की योजनाओं रचनाओं को जंजीर तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम को डॉक्टर ऋषि दर्शन एवं डॉ आर बी यादव डिप्टी सीवीओ ने भी संबोधित किया। विदाई समारोह कार्यक्रम में डॉ अनिमेष मिश्रा, डॉक्टर प्रदीप कुमार,डॉक्टर देवेंद्र गौतम, डॉक्टर एस के चौधरी, पशुधन प्रसार अधिकारी रमेश चंद्र, अश्वनी मिश्रा, अवनीश त्रिपाठी, अरुण कुमार, बृजकिशोर गुप्ता, सुजीत सिंह, देवेंद्र कुमार, प्रियंका श्रीवास्तव, रिचा शर्मा, वेटरनरी फार्मासिस्ट में रवि कुमार, जितेंद्र श्रीवास्तव, अनिल कुमार, धर्मेंद्र कुमार, सतीश कुमार, बालचंद चौधरी उपस्थित रहे।

डीएम ने किया सदर तहसील नौगढ़ का निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा राजागणपति आर ने बुधवार को सदर तहसील नौगढ़ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा राजागणपति आर द्वारा खतौनी कक्ष को देखा गया। इसके पश्चात डाक डिसपैच रजिस्टर, नजारत, आरके पटल, आदि विभिन्न पटलो का विस्तार पूर्वक निरीक्षण किया गया। आईजीआरएस शिकायत पत्रावली का रख-रखाव ठीक ढंग से न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। जिलाधिकारी ने पत्रावली को ठीक ढंग से रखने हेतु निर्देश दिया गया। आईजीआरएस निस्तारण आख्या को जिलाधिकारी द्वारा पढ़ा गया। संबधित आईजीआरएस शिकायतकर्ता को फोन लगाकर जानकारी प्राप्त की गयी कि शिकायत की निस्तारण से संतुष्ट है शिकायताकर्ता द्वारा बताया गया कि निस्तारण से संतुष्ट है। पारिवारिक सदस्यता प्रमाण-पत्र, आर.सी.वसूली, ई.डब्ल्यू.एस. प्रमाण-पत्र आदि पत्रावली का गहनता से जांच किया गया। उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार के कोर्ट केस पत्रावली में 5 वर्ष से लम्बित प्रकरणो पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि शीघ्र निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देश दिया। धारा-67 का मौके पर जाकर निस्तारण कराये। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी नौगढ़ ललित कुमार मिश्र, तहसीलदार, नायब तहसीलदार व अन्य संबधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

तकनीकी समस्या के चलते रोजगार सेवकों की नहीं हो पा रही हाजिरी

अवधनामा संवाददाता

अमृतपुर फर्रुखाबाद। मनरेगा वेबसाइट में तकनीकी समस्या होने के कारण हाजिरी उसी स्थान से लगती है जहां से काम प्रारंभ हुआ था इससे हो रही रोजगार सेवकों को दिक्कत। काम आगे पहुंच जाने के बाद लेबर को इस स्थान पर बुलाया जाता है जहां पर काम की शुरुआत की गई थी वहीं से होती है जिओ टेक। विकासखंड राजेपुर की ग्राम पंचायत चपरा के मजरा बड़गांव परतापुर खुर्द में ग्राम प्रधान द्वारा मनरेगा कार्य कराया जा रहा था। गर्मी और धूप अधिक होने के कारण मजदूर सुबह जल्दी अपना काम प्रारंभ कर देते हैं। उसी तरह दिन मंगलवार सुबह 6 बजे से काम प्रारंभ किया था। तभी अचानक समय करीब 8 बजे वारिश होने लगी।

बारिश बंद होने के बाद उपस्थित मजदूरों की हाजिरी वेवसाइड पर जियो टेक कर समय करीब सुबह 9 बजे उपस्थिति दर्ज की।

बलराम के खेत से दोषपुर की सीमा तक मिट्टी काम चल रहा हैं। जिसके बाद मजदूर काम छोड़कर अपने-अपने घर चले गए थे। बारिश इतनी तेज हुई कि पड़ी हुई मिट्टी समतल भूमि नजर आने लगी थी। जब इस संबंध में मजदूर ब्रजमोहन, अखलेश, हंसराम राजू विनोद प्रीति हीरालाल, ब्रजेश, दिनेश ऋषिपाल नरसिंह संतादेवी नेतराम ओमकार ब्रह्मपाल वंसीधर रामदयाल आदि से जानकारी ली थी उन्होंने बताया कि मेरी हाजिरी उसी स्थान पर लगती है। जहां पर पहले काम शुरू हुआ था। जब इसकी जानकारी एपीओ राजेपुर से बात की तो उन्होंने बताया कि तकनीकी समस्या के कारण हाजिरी जिस स्थान से कार्य की जिओ टेक की जाती है एमएमएस ऐप से हाजिरी उसी स्थान पर होती है जबकि चक रोड की दूरी अधिक होने के कारण काम कर रहे श्रमिको की वास्तिविक स्थान की फोटो एमएमएस पर अपलोड पर नही हो रही है।

राहुल गांधी के लोकसभा में हिंदुत्व विरोधी बयान पर भड़के भाजपाई, किया पुतला दहन

- राहुल गांधी का बयान सनातन विरोधी है, उनको सनातन समाज से माफी मांगनी चाहिए : लवकुश ओझा

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। मंगलवार को जिला परिषद मार्केट में स्थित भाजपा कार्यालय पर भाजपा जिला महामंत्री मधुसूदन अग्रहरि के नेतृत्व में भारी संख्या में भाजपाई एकत्रित हुए। भाजपाईयों ने राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में दिए गए बयान को हिंदुत्व विरोधी बताते हुए विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया। इस दौरान भाजपाई भाजपा कार्यालय से राहुल गांधी का पुतला लेकर राहुल गांधी मुर्दाबाद आदि नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए मंदिर चौराहा पहुंचे और उनका पुतला दहन किया।

सोमवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में कहा था कि जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं, वे दिन-रात हिंसा करते हैं। भाजपाईयों द्वारा राहुल के इस बयान पर लोकसभा में जमकर हंगामा होने के बाद जगह जगह जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया जा रहा हैं। इस दौरान भाजपा नेता लवकुश ओझा ने बताया कि राहुल गांधी ने लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर संसद में सनातन समाज को अपमानित किया हैं, सदन में दिया गया वक्तव्य इनकी सनातन विरोधी मानसिकता को दर्शाता हैं। राहुल गांधी को समस्त सनातनियों से माफी मांगनी चाहिए और इनकी सांसद की सदस्यता रद्दकर इन पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए। इस दौरान चंद्र प्रकाश चौधरी, धर्मराज वर्मा, रघुनंदन पाण्डेय, संजय मिश्रा, संतोष पासवान, रमेशधर द्विवेदी, दिलीप उर्फ छोटे पाण्डेय, राजन अग्रहरि, शत्रुहन सोनी, रमेश सोनी, आकाश पाण्डेय, राजन सिंह, बब्बू पाठक, डम्पू पाण्डेय, मेवालाल चौधरी, गणेश विश्वकर्मा, विंदराज गिरि, रोहित सोनी, दरोगा दुबे, पंकज पाण्डेय, विष्णु श्रीवास्तव, शत्रुघन मिश्रा, गुड्डू तिवारी, रमेश गुप्ता, श्रीचंद्र कन्नौजिया, राजमन चौधरी, परशुराम दुबे, रविंद्र शर्मा, रामचंद्र यादव, अमन गौड़, अन्नू, प्रमोद गौतम आदि सहित भारी संख्या में भाजपाई मौजूद रहे।

माँ आशा देवी स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन संपन्न

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित प्राग नारायण रोड पर साहित्यकार स्व. आशा देवी के नाम पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां प्रदेश भर से कई मशहूर कवयित्रियां व साहित्यकार तथा समाजसेवी व पत्रकारों ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ स्व. आशा देवी के चित्र पर माला अर्पण कर तथा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया इसके उपरान्त डॉक्टर रीमा सिन्हा व प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अज़ीज़ सिद्दीकी द्वारा बेहतरीन मंच संचालन में मौजूदा कवि व कवयित्रियों ने मां के ऊपर अपनी शानदार रचनाएं पेश करके सभागार में उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।डॉ रीमा सिन्हा ने आपने वक्तव्य में कहा कि उनमें लेखनी का हुनर अपनी माँ से मिला है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति पदक से सम्मानित प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक आज़ाद हफीज, अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसियेशन के महामंत्री अब्दुल वहीद, वरिष्ठ साहित्यकारा डॉ शोभा दीक्षित भवाना जी, वरिष्ठ समाजसेवी वी.बी पाण्डे, वरिष्ठ पत्रकार, सुनील ग्रोवर, मौजूद रहे, इन लोगों ने तथा सय्यद गुलाम हुसैन ने मां और मानवता पर भावुकता पूर्ण अपने विचार रखे, तो वहीं लेखक परवेज़ अख़्तर ने मां व महिलाओं पर लिखे अपने आर्टिकल (औरत हर मायनों में महान है) के कुछ अंश साझा किए।निहारिका साहित्य मंच व प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन, द्वारा आयोजित मां आशा देवी स्मृति सम्मान समारोह कार्यक्रम में प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन की ब्रांड एम्बेसडर व मशहूर मॉडल सोहानी सिन्हा तथा कंट्री ऑफ़ इण्डिया की तेज़ तर्रार पत्रकार अदीबा ख़ान ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।इनके आलावा इस ममतामयी कार्यक्रम में वरिष्ठ एंकर भारती जायसवाल, रिंकी सिंह, प्रदक्षिणा मिश्रा, प्रतिभा श्रीवास्तव, डॉ चंद्रावती, श्री श्री मिश्रा, कानपुर की डॉ मीरा कनौजिया, अनुपमा श्रीवास्तव,संध्या श्रीवास्तव, विनोद मिश्र,डॉ विभा प्रकाश, अंजू सुंदर, श्री दीक्षित,उपमा आर्य सहर, श्री सहर,वी.बी पाण्डे, आज़ाद हफीज,अजीज़ सिद्दीकी, सुरेन्द्र अग्निहोत्री, अब्दुल वहीद,जुबेर अहमद, सय्यद गुलाम हुसैन,प्रमोद कुमार, भारती जायससवाल, अनवर आलम, एन. आलम मुश्ताक बेग, सय्यद इक़बाल, मोहम्मद इकराम, जावेद बेग, डॉक्टर पंत, जमील मलिक, मुजीब बेग, जैन साहब के अलावा कई गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहीं। मौजूदा सभी लोगों को माला पहना कर, दुशाल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया। अन्त में डॉक्टर रीमा सिन्हा व अजीज़ सिद्दीकी ने आए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।

भारी बारिश एवं प्रतिकूल मौसम के कारण अवकाश की मांग

सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। मौसम विभाग द्वारा प्रदत्त जानकारी एवं वर्तमान में हो रही भारी बारिस से तमाम परिषदीय विद्यालयों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। बारिस के पानी से सड़कें खराब हो चुकी हैं, तमाम विद्यालय भवन काफी पुराने एवं लगातार बारिस से पूरी तरह से भीगकर दुर्घटना को दावत दे सकते हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश संयुक्त मंत्री /जिलाध्यक्ष आदित्य कुमार शुक्ल ने कहा कि सिद्धार्थनगर सीमावर्ती एवं बाढ प्रभावित जनपद है यहाँ प्रतिवर्ष बरसात के मौसम में ऐसी स्थिति हो जाती है प्रशासन समय से संज्ञान लेकर सुरक्षा मानक तय करते हुए बच्चों एवं शिक्षकों की सुरक्षा का ख्याल रखते हुए विद्यालयों में विषम स्थिति बने रहने तक अवकाश घोषित करने की माँग की है। बेसिक शिक्षा विभाग के कुछ बड़े पदों पर आसीन अधिकारी जिन्हें जमीनी हकीकत का कोई अंदाजा नहीं है वातानुकूलित कक्षा में बैठकर अव्यावहारिक आदेश जारी करते रहते हैं। उन्हें भी ऐसी विषम स्थितियों का संज्ञान लेना चाहिए तथा इस मौसम में विद्यालय का भौतिक निरीक्षण कर धरातल से जुड़ कर अनुभव प्राप्त करते हुए ऑनलाइन हाजिरी जैसे अनावश्यक अपमानजनक उत्पीड़न वाला आदेश तत्काल वापस लेना चाहिए।

सिख समाज ने एफआईआर दर्ज करने के लिए दी तहरीर

लखनऊ अवधनामा ब्यूरो। एक जुलाई को राहुल गांधी द्वारा संसद में दिए गए भाषण के दौरान गुरु नानक देव जी महाराज की फोटो को असम्मानजनक ढंग से दिखाने, प्रदर्शित करने और रखने के खिलाफ लखनऊ के सिख समाज ने एफआईआर दर्ज करने के लिए हजरतगंज थाने में तहरीर दी। भाजपा के नगर मंत्री लखविंदर पाल सिंह की तरफ से यह तहरीर दी गई है जिसमें प्रार्थना की गई है कि राहुल गांधी के खिलाफ सिख समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने गुरुजनों के प्रति और असम्मान प्रदर्शित करने के कार्य के खिलाफ उचित धाराओं में स्वद्धक्रदर्ज करके मुकदमा चलाया जाए। सिख समाज के प्रतिनिधि मंडल में दिलप्रीत सिंह डीपी,लखविंदर पाल सिंह, सतपाल सिंह मीत, मनमोहन सिंह मोनी, रणवीर सिंह कलसी, कुलदीप सिंह सलूजा, राजवंत सिंह बग्गा शामिल थे।

भूमिगत पाइप लाइन बनी आम के बाग के लिए आफत

जल भराव से आम की फसल को हो रही भारी क्षति

अवधनामा संवाददाता

सम्भल। भूमिगत पाइप लाइन के पानी से तालाब ओवर फ्लो हो गया और गन्दा पानी आम के बाग में जमा हो गया। इससे आम की फसल में क्षति होने लगी। जिस पर पीडित पक्ष ने जल निकासी की उचित व्यवस्था कराने की मांग एसडीएम से की है। सरायतरीन निवासी कमल कौशल वार्ष्णेय एवं गौरव वाष्णेय ने एसडीएम को दिये शिकायती पत्र में कहा है कि थाना हयातनगर क्षेत्र के ग्राम रसुलपुर मार्ग पर मुजाहिदपुर सराय में आम का बाग ह। जिसके बराबर में चौरा ढहर तालाब है। जिसमें धोबी लोग कपडे धोकर अपनी अजीविका चलाते है। लेकिन वगत 3 वर्ष पहले नगर पालिका परिषद सम्भल ने भूमिगत पाइप लाइन डालकर सरायतरीन के लालकी, भूडा, कोटला मौहल्लों के पानी को चौरा ढहर तालाब छोडा जा रहा है। जिसकी बजह से आम की फसल में असीम हानि हो रही है और आम के हरे भरे पेड गिरने की कगार पर है। इसके मददेनजर उन्होंने जल निकासी की उचित व्यवस्था कराने की मांग की है।

करंट से युवक की मौत

अमृतपुर फर्रुखाबाद। थाना क्षेत्र के गांव गुड़ेरा निवासी शिशुपाल पुत्र सूबेदार ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि गांव के ही निवासी रनवीर पुत्र छत्तर कमलेश पुत्र सेवाराम के द्वारा अपने खेतों में कटीले तार लगाकर चोरी से खेतों में विद्युत करंट दौड़ी जा रहा था। दिनांक 23 जून 2024 खेलते खेलते अंश पुत्र योगेश कटीले तारों के पास जा पहुंचा। अंश को बचाने के चक्कर में चाचा अवनीश पुत्र शिशुपाल चपेट में आ गया और करंट लगने से अवनीश की मौके पर ही मौत हो गई। घायल बच्चे को जिला अस्पताल लोहिया में भर्ती कराया गया पीड़ित ने बताया कि रणबीर व कमलेश के द्वारा खेत में विद्युत करंट का तार लगाकर खेत की रखवाली की जा रही थी। जिससे पीड़ित के पुत्र की मौत हो गई है। रणबीर ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि यह लोग इसके दोषी हैं। पुलिस ने तहरीर के अनुसार मुकदमा 62/ 24 धारा 304 में पंजीकृत करते हुए जांच पड़ताल करना प्रारंभ कर दी। थाना अध्यक्ष मीनेश पचौरी ने बताया कि जांच पड़ताल की जा रही हैं।

डीएम ने किया नगर निकाय में कराये जा रहे निर्माण कार्यो की समीक्षा

गुणवत्तापूर्ण व समय से पूर्ण करायें कार्य लापरवाही बरतने पर होगी कठोर कार्रवाई

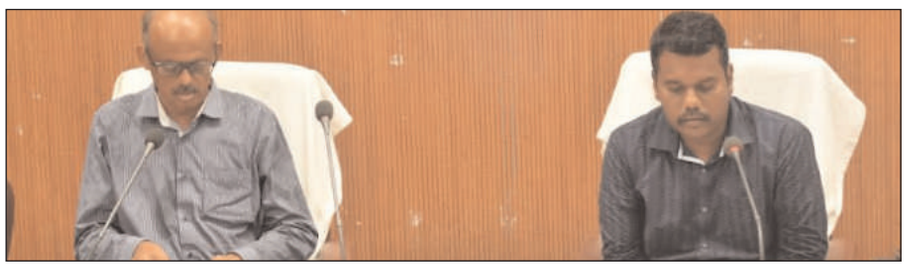

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। नगर निकाय में कराये जा रहे निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) उमाशंकर की उपस्थिति में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने सीवरेज एवं जल निकासी, मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना, 15वॉ वित्त आयोग के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा, पं0 दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना, पोखरो का सौन्दर्यीकरण, अन्त्येष्टि स्थल विकास, झील, तालाब, पोखरा संरक्षण योजना, एम.आर.एफ. सेन्टर आदि निर्माण कार्यो की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत को निर्देश दिया कि जो भी कार्य स्वीकृत हुए हैं, उसे गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से पूर्ण कराये इसमें लापरवाही बरतने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी। जो कार्य 50 से 70 प्रतिशत तक पूर्ण हो गया है, उनका मानक अनुसार भुगतान कराये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि नाला निर्माण एवं सड़क निर्माण कार्य में प्रगति लाकर समय से पूर्ण कराये। नगर पंचायत शोहरतगढ़ में विवाह घर का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराकर दुकानो का आवंटन कराना सुनिश्चित करे। इस अवसर पर समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, एल.बी.सी. पुरूषोत्तम लाल श्रीवास्तव व अन्य संबधित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

पार्टियों में खलबली

महाराष्ट्र में आसन्न विधानसभा चुनाव के सन्दर्भ में सभी राजनैतिक पार्टियों और गुटों में खदबदाहट है। पार्टियों के टूटने का डर सभी पर तारी है। 2019 के चुनाव के बाद शिवसेना एनसीपी कांग्रेस ने मिल कर सरकार बनायी थी। 2022 जून में शिवसेना में टूट हुई और सरकार गिर गई। भाजपा और टूटी शिवसेना पार्टी के मुखिया एकनाथ शिन्दे ने टूटे विधायकों को साथ लेकर भाजपा से मिलकर सरकार बना ली। अजित पवार के नेतृत्व में एनसीपी के कुछ विधायकों ने बगावत कर दी और सरकार में हिस्सेदार हो गई। असली पार्टी कौन है को लेकर शिवसेना और एनसीपी में विवाद हुआ बागी विधायकों के गुट को असली पार्टी की मान्यता संख्या बल के आधार पर मिल गयी। राजनीति की एक खिंचड़ी तैयार हो गई।

अब सवाल है शिवसेना और एनसीपी परिवार की राजनैतिक विरासत का उत्तराधिकारी कौन होगा। ठाकरे वंश में उनका पुत्र है पवार वंश में उनकी पुत्री है। जिसे दोनों अपने पार्टी में उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित करने में लगे हुये है। इसी को लेकर ही पार्टी में असन्तोष उभरा और बढ़ गई। अजित पवार अपने को उत्तराधिकारी मान कर चल रहे थे पर शरद पवार उन्हें दरकिनार कर बेटी सुले को आगे बढ़ाने में लगे हुये है। विधानसभा चुनाव इन्हीं मुद्दों को लेकर लड़ा जायेगा। सरकारी पार्टी में भाजपा के साथ शिवसेना और एनसीपी के विधायक है। सीट बटवारे को लेकर आपस में कुछ खिचाव चल रहा है। अशंका है चुनाव आते आते फ़ि न कुछ फेर बदल हो जाये। लोकसभा चुनाव के अगर संकेत माना जाय तो उसके नतीजे अलग हुये घडों के बजाय पारम्परिक नेतृत्व की ओर इशारा करते है। कांग्रेस शिवसेना, एनसीपी का गठबन्धन ने 48 लोकसभा उम्मीदवार खड़े किय थे जिसमें 30 ने चुनाव में फ़्तह पाई है। ये नतीजे एमवीए का उत्साह बढ़ाये हुये है और विधानसभा चुनाव के लिये उत्साहित है।

सत्तारूढ़ महायुति में थोड़ी घबराहट है। विधायकों के टूटने की अफ़्वाह है क्योकि सीटों के बंटवारे में असहमति दिख रही है। अजित पवार गुट के एक नेता ने कहा है जिस तरह के दावे भाजपा, अजित पवार गुट और शिंदे शिवसेना गुट के विधायक कर रहे है उससे लगता है बड़ी संख्या में लोगो को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लड़ना पड़ेगा। इन हालातों को देख शरद और उद्धव गुट काफ़ी उत्साहित है। पर चुनाव की बागडोर तो जनता के हाथ में होती है इसलिये पहले से भविष्यवाणी करना कोई गारन्टी नहीं होती है। चुनाव में आत्मविश्वास और चिन्ता दोनो का महत्व है पर नतीजे सब पर भारी पड़ते है। इस समय महाराष्ट्र मे पार्टियों की बेचैनी चरम पर है। विधानसभा चुनाव में मोदी फैक्टर कितना असर डालता है सबकी निगाह लगी हुई है। अभी विधानसभा चुनाव की घोषणा होनी है।

बिगड़ता भारतीय समाज, समस्याएँ और समाधान

एसएम तकवी

भारतीय समाज वर्तमान में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों से जूझ रहा है। इन चुनौतियों के कारण, कई लोग यह मानते हैं कि समाज में गंभीर समस्याएं बढ़ रही है और उसके मूल्यों में कमी आ गई है।

भारत, एक समृद्ध और विविधतापूर्ण देश, अपने विशिष्ट सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। हालांकि, वर्तमान के समय में इस समृद्धता के बीच भारतीय समाज को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। 'बिगड़ता भारतीय समाज' एक ऐसा दृष्टिकोण है जिसमें लोग समाज में सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों में गिरावट को देखते हैं।

मुख्य समस्याएँ :

1. **सामाजिक असमानता एवं विभाजन:** जातिगत और धार्मिक विभाजन समाज को बांटता है। समाधान में सशक्त गवर्नेंस और शिक्षा के माध्यम से सामाजिक जाति पर आधारित विभाजन को कम किया जा सकता है।

लिंग असमानता: महिलाओं के अधिकारों की प्राथमिकता और उनकी शिक्षा और सशक्तीकरण को बढ़ावा देना चाहिए।

2. **गरीबी और अन्याय :** गरीबी एक महत्वपूर्ण समस्या है जो भारतीय समाज को पीछे धकेलती है। इसके समाधान के लिए अधिक संसाधनों का वितरण, रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देना जरूरी है।

3. **शिक्षा का अधिकार, कमी और गुणवत्ता :** सभी वर्गों और समुदायों को उचित शिक्षा का अधिकार होना चाहिए। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना जरूरी है।

4. **राजनीतिक और भ्रष्टाचार :** भ्रष्टाचार एक बड़ी समस्या है जो समाज की विकास और प्रगति में बाधा डालती है। स्वच्छता अभियान और शासन की व्यवस्था में सुधार इसे कम कर सकते हैं।

5. **पर्यावरण संरक्षण :** वायु, जल, और प्राकृतिक संसाधनों के लिए सुरक्षित रखना जरूरी है। इसमें सामुदायिक सचेतता बढ़ाना और विशेषतः शिक्षा के माध्यम से जागरूकता फैलाना शामिल है।

6. **सांस्कृतिक परिवर्तन :** भारतीय समाज में अनेक संस्कृतिक बदलाव आ रहे हैं जो ग्लोबलीकरण, नगरीकरण और मीडिया के प्रभाव में हो रहे हैं। ये बदलाव अक्सर पारंपरिक मूल्यों के खिलाफ माने जाते हैं।

7. **सामाजिक एकता :** जाति विवाद, सांप्रदायिक टूट और आर्थिक असमानता जैसी समस्याएँ भी समाज में बड़ी चिंता का कारण बन रही हैं।

8. **नैतिकता और आचार्यता :** बढ़ती हुई नैतिक गिरावट, नीतियों में असमर्थता और वृद्धों और प्राधिकारियों के प्रति सम्मान में कमी।

9. **राजनीतिक भ्रष्टाचार :** राजनीति और प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार की आम धारणा जो संस्थाओं में विश्वास को कमजोर करती है।

10. **युवा मुद्दे :** शिक्षा, रोजगार के अवसर, नशे की आदतें और युवाओं की बदलती आशाएं।

11. **पर्यावरण संबंधी चिंताएं :** प्रदूषण, वनस्पति नाश, और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ जो जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव डाल रही हैं।

समाधान :

शिक्षा का प्रोत्साहन : अधिक निवेश शिक्षा में, विशेषतः गरीबी से प्रभावित क्षेत्रों में।

उचित वित्तीय संसाधनों का वितरण : गरीबी को कम करने के लिए और सभी वर्गों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी योजनाओं का उपयोग करना।

भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान : सशक्त गवर्नेंस और समाजिक जागरूकता के माध्यम से भ्रष्टाचार को कम करना।

पर्यावरण संरक्षण की प्राथमिकता : शिक्षा और तकनीकी नवाचार के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को सुधारना। बिगड़ती समाज से निपटने के लिए समाज को सकारात्मक रूप से संवाद करना होगा। शिक्षा को उन्नत करना, समाजिक एकता को बढ़ावा देना, नैतिकता और धार्मिकता को प्रोत्साहित करना, और समाज में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाना इस समस्या का हल हो सकता है।

इस प्रकार, हम समझ सकते हैं कि बिगड़ते भारतीय समाज की समस्याएँ समझने और उनके समाधान के लिए समृद्ध सामाजिक और राजनीतिक संवाद की आवश्यकता है। इन समस्याओं और समाधानों के माध्यम से, भारतीय समाज में सुधार और विकास को प्रोत्साहित किया जा सकता है। यह समस्याएँ संगठित और सही दिशा में कार्य करने से हल हो सकती हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

हाथरस की घटना कितनी अधिक गंभीर एवं चिन्ताजनक हैं, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपने संबोधन के बीच इस हादसे की जानकारी दी एवं शोक-संवेदना व्यक्त की। दुनिया भर में इस घटना को लेकर दुःख जताया जा रहा है। यह तय है कि हाथरस में इतनी अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने पर शोक संवेदनाओं का तांता लगेगा, लेकिन क्या ऐसे हादसों को नियंत्रित करने वाले ऐसे कोई उपाय भी सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे भविष्य में देश को शर्मिंदा करने वाली ऐसी घटना न हो सके ?

हाथरस हादसे में मौतों की जवाबदेही तय हो

ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को एक सत्संग के समापन के बाद मची भगदड़ में एक सौ इक्कीस लोगों के मरने एवं सैकड़ों लोगों के घायल होने की हृदयविदारक, दुःखद एवं दर्दनाक घटना ने पूरे देश को विचलित किया है। ऐसी घटनाएं न केवल प्रशासन की लापरवाही एवं गैर जिम्मेदारी को उजागर कर रही है बल्कि धर्म के नाम पर पनप रहे आडम्बर, अंधविश्वास एवं पाखण्ड को भी उजागर कर रही है। ऐसी त्रासदियां एवं दिल को दहलाने देने वाली घटनाओं से जुड़े पाखण्डी बाबाओं की कारगुजारियों से हिन्दू धर्म भी बदनाम हो रहा है, जबकि सैकड़ों लोगों की जान लेने वाले बाबा को हिंदू धर्म से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह हादसा अनेक सवालों को खड़ा करता है, बड़ा सवाल है कि ऐसे बड़े आयोजन में सुरक्षा उपायों की अनदेखी क्यों होती है? सवाल उठता है कि इतना बड़ा आयोजन बिना पुख्ता इंतजाम के किसकी अनुमति से किया जा रहा था? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया? क्या इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस-प्रशासन का नहीं होता? क्या आयोजन-स्थल पर निकास द्वार, पानी, हवा, वैकल्पित चिकित्सा एवं चिकित्सक, गर्मी से बचने के पुख्ता इंजताम जरूरी नहीं थे? जवाबदेही तय हो भगदड़ में गयी जानों की। जाहिर है मौतों के बढ़ते आंकड़ों के साथ ही घटना पर लीपापोती की कोशिश भी जमकर होगी, राजनीतिक दल एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते हुए जमकर राजनीति भी करेंगे। यह तय है कि ऐसे बाबाओं की दुकान बिना राजनेताओं के वरदहस्त के चलनी संभव नहीं है।

हाथरस के सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा के एक दिवसीय सत्संग के दौरान यह हादसा हुआ। इस बाबा से जुड़ी बातें विसंगतियों से भरी है। सफ़ेद कोट-पेंट, टाई पहनने वाला यह बाबा कोई पंडित नही है न साधु संत है, यह जूता पहनकर प्रवचन देता था। इस बाबा को कितने वेद पुराण का ज्ञान है? यह किस परंपरा से है? इसके गुरु कौन हैं? ऐसे अनेक प्रश्न है जो बाबा को शक एवं संदेह के घेरे में लेते हैं। इन्हें हिन्दू बाबा कैसे कहा जा सकता है? हिंदू धर्म में ऐसा कहां होता है? यह बाबा पहले पुलिस सेवा में थे और जिनका मैनपुरी में भव्य एवं महलनुमा आश्रम है। घटना के बाद बाबा फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। भारत में भोली-भाली जनता को ठगने एवं गुमराह करने वाले ऐसे पाखण्डी बाबाओं की बाढ़ आई हुई है। इस तरह की घटनाएं केवल जनहानि का कारण ही नहीं बनतीं, बल्कि देश एवं धर्म की बदनामी भी कराती हैं। इन घटनाओं पर पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के बजाए राजनीति करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी। हाथरस की घटना कितनी अधिक गंभीर एवं चिन्ताजनक हैं, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपने संबोधन के बीच इस हादसे की जानकारी दी एवं

शोक-संवेदना व्यक्त की। दुनिया भर में इस घटना को लेकर दुःख जताया जा रहा है। यह तय है कि हाथरस में इतनी अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने पर शोक संवेदनाओं का तांता लगेगा, लेकिन क्या ऐसे हादसों को नियंत्रित करने वाले ऐसे कोई उपाय भी सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे भविष्य में देश को शर्मिंदा करने वाली ऐसी घटना न हो सके? प्रश्न यह भी है कि आखिर धार्मिक आयोजनों में धर्म-कर्म का उपदेश देने वाले लोगों को संयम और अनुशासन की सीख क्यों नहीं दे पाते? कब तक ऐसे आयोजन धन कमाने के माध्यम बनते रहेंगे, जब जब धर्म का ऐसे पाखण्ड एवं पाखण्डियों से गठबंधन हुआ है, तब तक धर्म अपने विशुद्ध स्थान से खिसका है। यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि कई बार ऐसे आयोजनों में भगदड़ का कारण लोगों का असंयमित व्यवहार भी बनता है। ऐसा लगता है कि अपने देश में धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में कोई इसकी परवाह नहीं करता कि यदि भारी भीड़ के चलते अव्यवस्था फैल गई तो उसे कैसे संभाला जाएगा? क्या इसलिए कि प्रायः मारे जाने वाले लोग निर्धन एवं गरीब वर्ग के होते हैं?

एक डरावनी एवं संवेदनहीन हकीकत है कि हम ऐसे धर्म एवं धार्मिकता से जुड़े पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखते। हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए। दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे। खाटू श्याम में भी भीड़ में दब कर 4 लोगों की मौत हुई। इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे। इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दो से अधिक घायल हुए थे। पंजाब के अमृतसर में दशहरे के मौके पर रावण दहन देख रहे साठ लोगों के ट्रेन से कुचलकर मरने की घटना को नहीं भूले हैं। देश में भीड़ की भगदड़ से होने वाले 70 फीसदी हादसे धार्मिक आयोजनों के दौरान ही होते हैं। हाल में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल से जुड़ा हादसा मुसलमानों के पवित्र स्थल मक्का में हुआ, जहां हज यात्रियों पर गर्मी का सितम इस कदर कहर बना कि 900 से ज्यादा मौतें हुई, जिनमें 90 भारतीय ने भी जाने गंवाई।

विडम्बना है कि इन बड़े-बड़े हादसों से न तो जनता कुछ सीख लेती और न ही प्रशासन। यह हैरानी की बात है कि किसी ने यह देखने-समझने की कोई कोशिश नहीं की कि भारी भीड़ को संभालने की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि इस आयोजन की अनुमति देने वाले अधिकारियों ने भी कागजी खानापूर्त्ति करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली। यदि ऐसा नहीं होता तो किसी ने इस पर अवश्य ध्यान दिया होता कि आयोजन स्थल के पास का गड्ढा लोगों की जान जोखिम में डाल सकता है। जैसे-जैसे जीवन में धर्म का पाखण्ड फैलता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, ऐसे आयोजनों में मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो ऐसे जघन्य हादसों की संख्या घट सकती है। बहरहाल आने वाले दिनों में जांच के बाद किसी के सिर पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा जाएगा। मगर इन मौतों का कसूरवार कौन है? जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी कमी कैसे पूरी होगी? कहा जा रहा है कि यह एक निजी कार्यक्रम था, कानून व्यवस्था के लिये प्रशासन की ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन आयोजन स्थल पर भीतरी व्यवस्था आयोजकों के द्वारा की जानी थी। अब बड़े अधिकारियों का घटना स्थल पर जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। उनके तीन मंत्री पहले से वहां पहुंचे हुए है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण से निकले संदेश

राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में आगे कहा कि सरकार का प्रयास है कि देश के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का उचित अवसर मिले। राष्ट्रपति के इतना कहने पर विपक्ष एक बार फिर सदन के अंदर शोर मचाना शुरू कर दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने अभिभाषण के दौरान बीते दिनों हुए आम चुनाव का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि पहली बार इस लोकसभा चुनाव में घर पर जाकर भी मतदान कराया गया है। 2024 की लोकसभा चुनाव की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया देख रही है कि भारत के लोगों ने लागातर तीसरी बार स्थिर और स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई है। ऐसा छह दशक के बाद हुआ है।

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

भारत के राष्ट्रपति में सभी कार्यकारी शक्तियां निहित होती हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद राष्ट्रपति की सहायता करती है तथा उन्हें सलाह देती है जोकि उस सलाह के अनुसार अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हैं।.संविधान के अनुच्छेद 87 में ऐसी दो स्थितियों का उल्लेख किया गया है जब राष्ट्रपति द्वारा विशेष रूप से संसद के दोनों सदनों को संबोधित किया जाएगा। प्रत्येक आम चुनाव के बाद पहले सत्र की शुरुआत होने पर, जब निचले सदन की पहली बार बैठक होगी, राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा और लोकसभा, दोनों को संबोधित किया जाएगा। प्रत्येक वर्ष के पहले सत्र की शुरुआत में भी राष्ट्रपति द्वारा दोनों सदनों को संबोधित किया जाएगा। राष्ट्रपति के अभिभाषण में सरकार की नीतिगत प्राथमिकताओं और आने वाले वर्ष की योजनाओं का अनिवार्य रूप से उल्लेख होता है। अभिभाषण सरकार के एजेंडा और दिशा का व्यापक फ्रेमवर्क प्रदान करता है।

18वीं लोकसभा के पहले संसद सत्र के चैथे दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण हुआ। 50 मिनट के भाषण में राष्ट्रपति ने हर मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा- पेपर लीक करने वालों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने सेना को आत्मनिर्भर बनाने की तैयारियां भी बताई। नॉर्थ-ईस्ट में शांति के लिए सरकार के प्रयासों का भी जिक्र किया। राष्ट्रपति ने कहा- अगले बजट सत्र में बड़े फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने आपातकाल को संविधान पर सीधा हमला बताया, यह भी कहा- देश ने इस हमले से उबरकर दिखाया। उन्होंने महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीबों के बारे में बात की। राष्ट्रपति ने चुनाव आयोग की तारीफ की, वहीं ळैज् को भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए मील का पत्थर बताया। राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत सरकार का ही दस्तावेजी वक्तव्य होता है। उसे सरकार लिखती है और राष्ट्रपति उसे पढ़ते हैं, क्योंकि सरकार राष्ट्रपति के नाम से ही संचालित की जाती है। यह गणतंत्र की एक खूबसूरत परंपरा है कि राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करते हैं। अभिभाषण के मायने स्पष्ट हैं कि केंद्र सरकार की नीतियों, योजनाओं, उसके कार्यक्रमों और विजन का यह सारांश खुलासा होता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उसी गरिमामय परंपरा को निभाया है। उन्होंने मोदी सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश अक्सर सुनता रहा है, लेकिन विपक्ष पूरी तरह सहमत नहीं है। वह उन्हें लीपापोती मानता है अथवा झूठे आंकड़े करार देता है। मसलन-गरीबी से बाहर निकालने वाले लोगों का डाटा सवालिया है। देश की जनता उन परियोजनाओं से इसलिए भी वाकिफ है, क्योंकि वह ही लाभार्थी है, लेकिन इस बार राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस आर्थिक समृद्धि और सुधारों की निरंतरता पर अधिक रहा है। देश की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी के करीब है और भारत का औसत विकास विश्व में सर्वाधिक और सबसे ज्यादा गतिमान है। भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था होगा, सरकार का यह संकल्प है। यानी जापान और जर्मनी भी भारत से पीछे होंगे। राष्ट्रपति का उल्लेख कोई नया नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अक्सर ऐसे दावे करता रहा है। आम चुनाव के दौरान ऐसे डाटा की भरमार रही, लेकिन मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के जरिए यह खुलासा कराया है, लिहाजा उसे विश्वसनीय मानना चाहिए।

सदन के अंदर अपने अभिभाषण के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने जैसे ही देश में लगाए गए आपातकाल के उस दौरा का जिक्र किया तो विपक्षी सांसदों ने सदन के अंदर शोर मचाना शुरू कर दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने अभिभाषण के दौरान आपातकाल के उस दौरा का जिक्र करते हुए कहा कि आज 27 जून है। 25 जून 1975 को लागू हुआ आपातकाल संविधान पर बड़े और सीधे हमले का काला अध्याय था। उस दौरान पूरे देश में हाहाकार मच गया था। लेकिन ऐसी असंवैधानिक ताकतों पर देश ने जीत हासिल करके दिखाई। क्यों कि भारत के मूल्य में गणतंत्र की परंपराएं रही हैं। राष्ट्रपति के ऐसा बोलते ही पीएम मोदी ने मेज थपथपाकर उनकी इस बात का समर्थन किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने 18वीं लोकसभा के पूर्ण बजट का भी कुछ प्रारूप रखा है कि वह भारत की जनता की आकांक्षाओं और जरूरतों के अनुसार होगा। संसद के जुलाई सत्र में जो बजट पेश किया जाएगा, वह वाकई जनवादी होगा। उसमें दूरगामी नीतियों और भविष्य के विजन के साथ-साथ ऐतिहासिक कदम भी उठाए जाएंगे। बेशक राष्ट्रपति भी उन कदमों का खुलासा नहीं कर सकती थीं, क्योंकि बजट की गोपनीयता का तकाजा था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने अभिभाषण के दौरान पेपर लीक को लेकर सरकार द्वारा लाए गए कानून का भी जिक्र किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि भविष्य में कोई पेपर लीक ना हो इसके लिए सरकार सख्त उपाय कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि इसे लेकर पिछले दिनों कानून भी आ चुका है। राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में आगे कहा कि सरकार का प्रयास है कि देश के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का उचित अवसर मिले। राष्ट्रपति के इतना कहने पर विपक्ष एक बार फिर सदन के अंदर शोर मचाना शुरू कर दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने अभिभाषण के दौरान बीते दिनों हुए आम चुनाव का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि पहली बार इस लोकसभा चुनाव में घर पर जाकर भी मतदान कराया गया है। 2024 की लोकसभा चुनाव की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया देख रही है कि भारत के लोगों ने लागातर तीसरी बार स्थिर और स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई है। ऐसा छह दशक के बाद हुआ है। ऐसे में ये साफ है कि 2024 का यह चुनाव नीति, नीयत, निष्ठा और निर्णयों पर विश्वास का चुनाव रहा है।

यह गौरतलब रहा कि मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के सौजन्य से यह सिद्धांत स्पष्ट कराया कि देश का विकास, उसके राज्यों के विकास पर ही, आश्रित है, क्योंकि तभी एक राष्ट के समग्र विकास का आकलन किया जा सकता है और एक राष्ट्रीय तस्वीर सामने आती है। इस विकास में प्रतिस्पर्धा भी होनी चाहिए और सहकारिता का भाव भी रहना चाहिए, यही भारत का सच्चा संघीयवाद है। राष्ट्रपति ने कुछ ऐसे क्षेत्रों का उल्लेख किया, जो 'सूर्योदय' की तरह माने जाते हैं। मसलन-विद्युत वाहन, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाईड्रोजन, बैटरी आदि। इन क्षेत्रों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। ये भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रगति के प्रतीक हैं। राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन का भी जिक्र किया, जो बराबर की चुनौती है और सरकार उस संदर्भ में लगातार सक्रिय है। यह भी वैश्विक चुनौती है, जो किसी महामारी से कम नहीं है। राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस महिला सशक्तिकरण पर रहा और उन्होंने देश के संपूर्ण बुनियादी ढांचे की सराहना की। जो सडकें, पुल, राजमार्ग, एक्सप्रेस-वे आदि बनाए जा रहे हैं, रेल और हवाई यात्रा का विस्तार किया गया है, कमोबेश उन्हें मोदी सरकार का 'हालमार्क' माना जाता है। गौरतलब तथ्य यह भी है कि बेशक भारत विश्व की तीसरी महाशक्ति होगा, अमरीका और चीन के बाद भारत की अर्थव्यवस्था होगी, लेकिन विश्व की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे गरीब देश भी होगा। यह लड़ाई अभी बहुत लंबी है। दरअसल मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा यह है कि वह विकास के सभी स्तंभों की बुनियाद मजबूत करे। इसमें कृषि, विनिर्माण और सेवा-क्षेत्र शामिल हैं।

बेमानी नहीं है संविधान पर छिड़ी बहस

कर्नाटक से छह बार बीजेपी के सांसद रहे अनंत कुमार हेगड़े ने भी संविधान बदलने को लेकर गंभीर बयान दिया था। हेगड़े ने गत 28 वर्षों में भाजपा प्रत्याशी के रूप में छह बार उत्तर कन्नड़ लोकसभा सीट से जीत हासिल की है लिहाज़ा उनके बयान को भी हल्के से नहीं लिया जा सकता। उन्होंने यह दावा किया था कि भाजपा का 400 लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य संविधान को बदलना है। हेगड़े ने एक सभा में कहा था कि संविधान को फिर से लिखने की ज़रूरत है।

तनवीर जाफ़री

18 वीं लोकसभा में अधिकांश विपक्षी सांसदों द्वारा शपथ ग्रहण के बाद 'जय संविधान' के स्वर बुलंद करना और अपने हाथों में संविधान की प्रतियां लेकर शपथ ग्रहण करना अनायास ही नहीं था। वास्तव में नई लोकसभा में इस मुद्दे पर विमर्श की शुरुआत तो तभी हो चुकी थी जब तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे नरेंद्र मोदी नई लोकसभा निर्वाचित होने के बाद जब पहली बार संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एनडीए संसदीय दल की बैठक में पहुंचे उस समय उन्होंने सबसे पहले भारतीय संविधान को अपने हाथों में ससम्मान उठाकर अपने मस्तक से लगाया और संविधान को नमन करने के बाद एनडीए की बैठक में शामिल हुए। अपनी एक्स पोस्ट में उन्होंने यह तस्वीर भी सांझी की। संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद मोदी ने कहा कि हम नेशन फर्स्ट के सिद्धांत पर काम करेंगे और सबको साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हम मध्यम वर्ग को मज़बूत करेंगे और सर्वधर्म सद्?भाव के सिद्धांत पर काम करेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा संविधान को मस्तक से लगाने के बाद ही विपक्ष ने भी यह ज़रूरी समझा कि चूँकि 2024 के लोकसभा चुनाव में संविधान बचाओ विपक्ष द्वारा उठाया गया एक मज़बूत मुद्दा था लिहाज़ा क्यों न उसके निर्वाचित सांसद में अपने पहले प्रवेश में हाथों में संविधान की प्रति रखें और जय संविधान का स्वर संसद में बुलंद कर देश व दुनिया को यह सन्देश दें कि संविधान बचाने की असली लड़ाई दरअसल विपक्षी दलों यानी इण्डिया गठबंधन द्वारा लड़ी गयी है।

सवाल यह है कि संविधान ख़तरे में है या संविधान बदला जा सकता है,इस विमर्श की शुरुआत हुई कहाँ से? विपक्षी दलों के किसी नेता ने तो संविधान बदलने की बात नहीं की? जिस अयोध्या विवाद को राजनैतिक मुद्दा बनाकर भाजपा ने स्वयं को स्थापित किया उसी (फ़ैज़ाबाद) लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह ने लोकसभा चुनाव के दौरान ही यह विवादित बयान किसके इशारे पर दिया कि - सरकार बनाने के लिए 272 सांसद चाहिए लेकिन संविधान संशोधन या संविधान बदलने के लिए दो तिहाई बहुमत चाहिए, नियम बदलना होगा और संविधान भी बदलना होगा? ठीक उसी दौरान राजस्थान के नागौर लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार ज्योति मिर्धा ने भी सार्वजनिक तौर पर कहा कि-संवैधानिक बदलाव के लिए लोकसभा और राज्यसभा में प्रचंड बहुमत होना चाहिए। इसी तरह मेरठ से बीजेपी प्रत्याशी अरुण गोविल ने भी बीच चुनाव में कहा कि जब हमारे देश का संविधान बना था उसमें धीरे-धीरे परिस्थितियों के हिसाब से बदलाव हुए हैं। बदलाव करना प्रगति की निशानी होती है, उसमें कोई ख़राब बात नहीं है। तब परिस्थितियां कुछ और थीं, आज की परिस्थितियां कुछ और हैं। संविधान किसी एक

व्यक्ति की मर्ज़ी से नहीं बदलता है, सर्वसम्मति होती है तो बदलता है, अगर ऐसा कुछ होगा तो किया जाएगा। जब गोविल से पूछा गया कि क्या 400 पार का नारा इसलिए दिया गया है क्योंकि सरकार की ऐसा कुछ बड़ा करने की इच्छा है? इस सवाल पर गोविल का जवाब था कि, मुझे ये महसूस होता है, क्योंकि मोदी जी ऐसे ही कोई बात नहीं कहते हैं, उसके पीछे कोई ना कोई अर्थ ज़रूर होता है। क्या भाजपा लोकसभा प्रत्याशियों द्वारा उसी संविधान के लिए इतनी गंभीर बातें किया जाना जिसे स्वयं प्रधानमंत्री सर माथे लगा रहे हैं,कोई मामूली बात है ? विपक्ष आख़िर इसे मुद्दा क्यों न बनाये?

इसी तरह कर्नाटक से छह बार बीजेपी के सांसद रहे अनंत कुमार हेगड़े ने भी संविधान बदलने को लेकर गंभीर बयान दिया था। हेगड़े ने गत 28 वर्षों में भाजपा प्रत्याशी के रूप में छह बार उत्तर कन्नड़ लोकसभा सीट से जीत हासिल की है लिहाज़ा उनके बयान को भी हल्के से नहीं लिया जा सकता। उन्होंने यह दावा किया था कि भाजपा का 400 लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य संविधान को बदलना है। हेगड़े ने एक सभा में कहा था कि संविधान को फिर से लिखने की ज़रूरत है। कांग्रेस ने इसमें अनावश्यक चीज़ों को ज़बरदस्ती भरकर संविधान को मूल रूप से विकृत कर दिया है, ख़ासकर ऐसे क़ानून लाकर जिनका उद्देश्य हिंदू समाज को दबाना था, अगर ये सब बदलना है, तो ये मौजूदा बहुमत के साथ संभव नहीं है. हेगड़े ने कहा था कि ये किया जा सकता है, क्योंकि लोकसभा में अभी कांग्रेस नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत है, फिर भी चुप रहें, तो ये संभव नहीं है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि पार्टी को राज्यसभा और राज्यों में भी दो-तिहाई बहुमत की ज़रूरत है। इसी तरह देश में और भी अनेक भाजपाई नेता व मंत्री आदि 400 पार के नारे से उत्साहित होकर इसी आशय के बयान देते रहे।

जब भाजपा के प्रमुख नेताओं द्वारा इस तरह के संविधान विरोधी बयान दिये जा रहे थे, तत्काल रूप से विपक्ष उन बयानों को मुद्दा बनाकर भाजपा को संविधान विरोधी ठहरा देता था। नतीजतन डैमेज कंट्रोल के लिये उसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मुद्दे पर स्वयं मोर्चा संभालना पड़ा था। विपक्ष के बार-बार ये कहने पर कि भाजपा संविधान को बदलना चाहती है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पलटवार करते हुए एक चुनावी रैली में यह जवाब देना पड़ा था कि उनकी सरकार संविधान का सम्मान करती है और यहां तक कि बाबा साहेब ख़ुद भी आ जाएं तो भी संविधान ख़त्म नहीं कर पाएंगे। परन्तु सवाल यह है कि भाजपा ने संविधान बदलने की बात करने वाले किसी भी नेता के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की? इसके अलावा इस समय हिन्दू राष्ट्र निर्माण की बातें करना भी गोया फ़ैशन बन गया है। भाजपा व संघ के तमाम लोग, साधू, प्रवचन कर्ता, सरे आम हिन्दू राष्ट्र निर्माण की पुरज़ोर वकालत करते दिखाई दे रहे हैं। यह मांग ही अपने आप में संविधान विरोधी है। इस मांग का मतलब यही है कि हिन्दू राष्ट्र की मनोकामना रखने वालों को संविधान में दर्ज हम भारत के लोग और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द पसंद नहीं?

इसी तरह सत्ता समर्थक नेताओं की तरफ़ से ही कभी आरक्षण समाप्त करने तो कभी इस पर पुनर्विचार करने की बातें की जाती हैं। ज़ाहिर है आरक्षण का लाभ उठाने वाला वर्ग इसे अपने लिये ख़तरा समझता है। परन्तु भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से इन विषयों को लेकर अपनी स्थिति संभवतः इसलिये स्पष्ट नहीं की गयी क्योंकि उसे विश्वास था कि भाजपा पूर्ण बहुमत में आकर संविधान सम्बन्धी अपने उन मंसूबों को पूरा करेगी जो उनके नेताओं द्वारा सांकेतिक तौर पर उठाये जा रहे थे। परन्तु जनता ने ऐसे कई प्रत्याशियों को भी हरा दिया और प्रधानमंत्री मोदी को भी संविधान को माथे से लगाकर स्वयं को संविधान समर्थक होने का प्रमाण देने के लिये मजबूर होना पड़ा। इसलिये 18 वीं लोकसभा की शुरुआत में ही संविधान पर छिड़ी बहस बेमानी नहीं है।

‘धनाभाव में नहीं रुकेगा किसी का इलाज’

अवधनामा संवाददाता

- सीएम योगी ने 26 दिन में 3749 मरीजों को दी 78.31 करोड़ की आर्थिक सहायता

लखनऊ। ‘सबका साथ, सबका विकास’ को चरितार्थ करते हुए आचार संहिता हटने के तत्काल बाद से ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसमस्याओं के समाधान में जुट गए। आचार संहिता हटते ही सीएम योगी आदित्यनाथ ने छह जून को लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर जनता दर्शन किया।

उनकी मंशा के अनुरूप पीड़ितों की समस्याओं का समाधान तत्काल शुरू हुआ। वहीं इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए पीड़ितों को भी राहत देते हुए समयसीमा के भीतर अस्पताल के लिए राशि जारी कर दी गई। महज 26 दिन के भीतर 3749 मरीजों को इलाज के लिए 78.31 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दर्शन के साथ ही जनप्रतिनिधियों के पत्र पर भी पीड़ित लोगों को रिपोर्ट के आधार पर धनराशि जारी की गई है। छह जून से पहली जुलाई के मध्य 3749 पीड़ितों को 78 करोड़, 31 लाख, 54 हजार 134 रुपये जारी किए गए। महज 26 दिन में यह राशि जारी होने से सभी वर्गों के पीड़ितों को किडनी, कैंसर, ब्रेन हैमरेज, ऑपरेशन समेत कई जटिल बीमारियों के इलाज में मदद मिली।

जनता दर्शन सीएम योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता में है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर दो बजे तक उनके सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम चलता है। समय-समय पर सीएम खुद भी लखनऊ और गोरखपुर में जनता दर्शन करते हैं। जून माह में सीएम ने अपने लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर छह जून, आठ जून, 20 जून और 30 जून को स्वयं आमजन की समस्याओं को सुनकर समयसीमा के भीतर निस्तारण कराने का निर्देश दिया।

प्रदेश में बारिश का दौर जारी, तापमान में गिरावट

लखनऊ। यूपी में मानसून की दस्तक के बाद से ही लगातार बारिश जारी है। बुधवार को भी प्रदेश के अलग-अलग जिलों में बारिश होती रही। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अभी बारिश का दौर जारी रहेगा। लगातार बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। कई शहरों में दिन का पारा 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को बहराइच में 150 मिमी. बारिश हुई। गोरखपुर में 140, खीरी में 110, सीतापुर में 80 मिमी और श्रावस्ती में 70 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इससे प्रदेश में अधिकतम तापमान सामान्य से औसतन 5.7 डिग्री तक लुढ़क गया। न्यूनतम पारे में भी गिरावट आई है। मौसम विभाग ने कई शहरों के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इन शहरों में जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुरखीरी, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत जिले शामिल हैं।

सीएमओ हत्याकांड : सीबीआई कोर्ट ने शूटर आनंद प्रकाश को सुनाई उम्रकैद की सजा

- दो को कर दिया था बरी
- यूपी सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी

लखनऊ। बसपा सरकार में परिवार कल्याण विभाग के सीएमओ डॉ. विनोद कुमार आर्य और डॉ. बीपी सिंह की हत्या में दोषी पाए गए मुख्य शूटर आनंद प्रकाश तिवारी को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है। मामले में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश ने फैसला सुनाया। सीबीआई कोर्ट ने आरोपी आनंद प्रकाश तिवारी को बीते दिनों दोषी करार दिया था और बुधवार को सजा सुना दी। साक्ष्यों के अभाव में दूसरे शूटर विनोद शर्मा और साजिशकर्ता रामकृष्ण वर्मा को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया गया था।

सीबीआई ने हत्या करने वाले आनंद प्रकाश तिवारी, विनोद शर्मा और साजिशकर्ता आरके वर्मा को गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने जांच के बाद खुलासा किया था कि डिप्टी सीएमओ वाईएस सचान ने दोनों सीएमओ की हत्या के लिए 5-5 लाख रुपये में सौदा किया था। लंबे वक्त से सीबीआई कोर्ट में चल रही सुनवाई के बाद बीते शुक्रवार को अदालत ने मुख्य शूटर आनंद प्रकाश तिवारी को दोषी करार दिया था।

लखनऊ के विकास नगर में अक्तूबर 2010 में तत्कालीन सीएमओ डॉ विनोद आर्य की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। विनोद आर्य की जगह नए सीएमओ बने बीपी सिंह की भी अप्रैल 2011 में हत्या कर दी गई थी। यूपी सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी।

मामले में जांच के दौरान डिप्टी सीएमओ योगेंद्र सिंह सचान की जेल में संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। सीबीआई ने अंशु दीक्षित, आनंद प्रकाश तिवारी, विनोद शर्मा और रामकृष्ण वर्मा को शूटर बताया था। अंशु दीक्षित पेशी से भागते समय पुलिस मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया था। अन्य आरोपियों के खिलाफ 2022 में गवाही पूरी हुई थी। जांच में सामने आया कि फर्जी बिल पास करने से इनकार करने पर हत्याएं की गई थीं। हत्याकांड की जांच कर रही सीबीआई के हाथ एनआरएचम घोटाले के सुराग लग गए थे। मामले में दर्जन भर लोग और अफसर जेल गए थे। यह घोटाला करीब सात हजार करोड़ रुपये का था।

भाषा विश्वविद्यालय में हुआ कैंपस प्लेसमेंट

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में बी.टेक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए एक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के बी.टेक कंप्यूटर साइंस के 35 मेधावी छात्रों ने अपनी काबिलियत का लोहा मनवाते हुए प्रतिष्ठित कंपनी ए.डब्ल्यू.एस अमेज़न के लिए टेलीपरफॉर्मेंस ग्लोबल प्राइवेट इंडिया लिमिटेड में अच्छे पैकेज पर नौकरी प्राप्त की। इंजीनियरिंग के प्रभारी निदेशक प्रो. हैदर अली ने बताया कि यह हमारे छात्रों की कठिन परिश्रम, समर्पण और विश्वविद्यालय की उच्च स्तरीय शिक्षा प्रणाली का जीता-जागता प्रमाण है। इस प्लेसमेंट ड्राइव की सफ़लता इसी का परिणाम है। भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एन बी सिंह ने सभी चयनित छात्रों को ढेरों बधाई और शुभकामनाएं दीं और साथ ही डॉ शान ए फ़ातिमा, सहायक आचार्य कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और अप्रतिम चटर्जी, सहायक आचार्य अप्लाइड साइंस और ह्यूमन स्टडीज को ये प्लेसमेंट ड्राइव सफलतापूर्वक आयोजित करने की बधाई देते हुए कहा कि ये विश्विद्यालय निरंतर अपने छात्रों को सर्वोत्तम अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस दिशा में हमने पहले भी सफ़लता हासिल की है और आगे भी इसी प्रकार प्रयत्नशील रहेंगे।

तहसील परिसर में जामुन बीनने गई पांच वर्षीय बच्ची को कुत्तों ने किया जख्मी

बरेली। बरेली के मीरगंज तहसील परिसर में जामुन बीनने गई पांच साल की बच्ची पर कुत्तों ने हमला कर दिया। आसपास के लोगों ने कुत्तों को भगाकर बच्ची को बचाया। सीएचसी पर प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उसे बरेली के लिए रेफर किया है।

मोहल्ला रतनपुरी निवासी भगवान दास की पांच वर्षीय पुत्री प्रिया अपने 10 वर्षीय भाई अभिषेक व आठ वर्षीय बहन वैशाली के साथ सुबह करीब सात बजे मीरगंज तहसील परिसर में जामुन बीनने गई थी। अचानक से वहां आए कुत्तों ने बच्चों पर हमलाकर दिया। अभिषेक और वैशाली तो भाग गए मगर प्रिया को कुत्तों ने घेर लिया। कुत्तों ने प्रिया के हाथ, पैर सहित कई जगह से मांस नोंच लिया। चीख-पुकार पर कुछ दूरी पर स्थित पराग डेयरी के आउटलेट पर बैठे लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने डंडे मारकर कुत्तों को भगाया।

लखनऊ के सिविल कोर्ट परिसर में शार्ट सर्किट से लगी आग

- पांच अधिवक्ताओं के चेंबर जले

लखनऊ। कैसरबाग में पुरानी जिला जज कोर्ट के पीछे बुधवार सुबह अधिवक्ता सुनील कुमार श्रीवास्तव के चेंबर में आग लग गई। देखते-देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आस पड़ोस के अन्य चेंबर भी चपेट में आकर जलने लगे। घटना से अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने पुलिस और दमकल को सूचना दी।

हजरतगंज फायर स्टेशन से एफएसओ राम कुमार रावत दो गाड़ियां लेकर पहुंचे। दमकल कर्मियों की मदद से करीब घंटे भर की मशक्त के बाद आग पर काबू पा लिया। एफएसओ ने बताया कि आग शार्ट सर्किट से लगी थी। आग की चपेट में आने से सुनील कुमार श्रीवास्तव समेत पांच अधिवक्ताओं के चेंबर उनमें रखा फर्नीचर, दस्तावेज और अन्य सामान जल गया। आग के दौरान कोई हताहत नहीं हुआ। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया था।

घटना की जानकारी पर सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद कुशवाहा और महामंत्री अमरेश पाल सिंह ने एक प्रार्थनापत्र लिखा। उन्होंने न्यायाधीश, मख्य न्यायिक दंडाधिकारी, मंडलायुक्त समेत अन्य से अपील की कि अग्निकांड में आवश्यक दस्तावेज और फाइलें जल गई हैं। ऐसी स्थिति में बुधवार को किसी भी अधिवक्ता/वादकारी की अनुपस्थिति में एक पक्षीय अथवा विपरीत आदेश पारित न किया जाए।

बिहार के उप मुख्यमंत्री ने सरयू तट से राम मंदिर तक की पदयात्रा

अवधनामा संवाददाता

- रामलला को समर्पित की अपनी पगड़ी

अयोध्या। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार सुबह रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। इससे पहले उन्होंने सरयू में डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना भी की। उन्होंने अयोध्या में अपना मुंडन भी कराया और अपने केश सरयू तट पर समर्पित किया। इसके बाद सरयू तट से राम मंदिर तक पदयात्रा की।

बिहार के उप मुख्यमंत्री चौधरी ने इस दौरान कहा कि भगवान राम के चरणों में मुरैठा (पगड़ी) समर्पित करने आया हूं। उन्होंने रामलला के दरबार में अपनी पगड़ी समर्पित की। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से हमने अभियान चलाकर इंडी गठबंधन की सरकार को हटाने का काम किया।

नीतीश कुमार 28 जनवरी को इंडी गठबंधन छोड़कर एनडीए की तरफ से मुख्यमंत्री हुए। हम लोगों ने तय किया था कि अयोध्या जाकर श्रीराम के चरणों में मुरैठा समर्पित करेंगे। बिहार की जनता ने 75 फीसदी से अधिक सीटें जिताने का काम किया है। इंडी गठबंधन किसी भी तरह के कंफ्यूजन में न रहे। एनडीए विधानसभा चुनाव में 243 में 200 से ज्यादा सीटें जीतेगी। उन्होंने हनुमंत लला के दरबार में भी दर्शन - पूजन किया।

रोस्टर व्यवस्था के खिलाफ उपभोक्ता परिषद दाखिल किया जनहित प्रस्ताव

अवधनामा संवाददाता

- आयोग तत्काल पावर कारपोरेशन को विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 23 के तहत जारी करें निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गर्मी में 30700 मेगावाट का रिकॉर्ड बनाने के बाद अब जहां उत्तर प्रदेश में 26287 से 27000 मेगावाट के बीच डिमांड चल रही है तब बरसात में विद्युत उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली देने की बात आई तो रोस्टर व्यवस्था लागू कर दी जिससे आने वाले समय में प्रति व्यक्ति खपत वैसे भी देश में उत्तर प्रदेश की सबसे कम है और काम हो जाएगी इसको लेकर उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने आज विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री अरविंद कुमार सदस्य श्री संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 23 के तहत एक जनहित प्रस्ताव दाखिल करते हुए या मांग उठाई की उत्तर प्रदेश में उपभोक्ता अधिकार रूल 2020 के तहत 24 घंटे विद्युत आपूर्ति का जो निर्णय वापस लिया गया है वह उपभोक्ता विरोधी है क्योंकि अब पूरा मामला एक संवैधानिक बन गया है इसलिए विद्युत नियामक आया को विद्युत अधिनियम 2003 का प्रयोग करते हुए पावर कारपोरेशन को अभिलंब दिशा निर्देश जारी करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग के सामने अनेकों राज्यों का प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत के आंकडे रखते हुए कहा उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत बहुत कम है ऊपर से अब यह रोस्टर का आदेश ऐसे में प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत और काम हो जाएगी वर्ष 2019-20 की बात की जाए तो पूरे भारतवर्ष की प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत जहां 1208 थी वही उत्तर प्रदेश की केवल 629 थी दिल्ली की 1572 थी हरियाणा की 2229 थी पंजाब 2171 हिमाचल की 1527 थी उत्तराखंड की 1528 थी गुजरात की 2388 थी महाराष्ट्र की 1418 थी ऐसे में प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत में बढोतरी तभी होगी जब सभी विद्युत उपभोक्ताओं को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति का ऐलान किया जाएगा। उपभोक्ता अधिकार रूल 2020 के तहत सभी को 24 घंटे बिजली मिलने का अधिकार है पावर कारपोरेशन ने बडे-बडे रिकॉर्ड के दावे करने के बाद अब बरसात में जब पावर एक्सचेंज पर एवरेज2. 31 पैसे प्रति यूनिट और न्यूनतम 70 पैसे प्रति यूनिट में बिजली बिक रही है तो उपभोक्ताओं को बिजली 24 घंटे नहीं दी जा रही है।

अन्तर्राष्ट्रीय निबन्ध प्रतियोगिता में सीएमएस छात्रा सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर विस्तार कैम्पस के कैम्ब्रिज इण्टरनेशनल की कक्षा-12 की प्रतिभाशाली छात्रा लवीना रामचंदानी को उत्कृष्ट लेखन व रचनात्मक वैश्विक दृष्टिकोण हेतु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। लवीना ने कैम्ब्रिज सेन्टर फॉर इण्टरनेशनल रिसर्च के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कैम्ब्रिज री-थिंक निबन्ध प्रतियोगिता-2024 में ‘बियोण्ड क्लाइमेट चेन्जः सेविंग द फ्यूचर’ विषय पर लिखित निबन्ध में आदर्श विश्व व्यवस्था की रूपरेखा प्रदर्शित करने के साथ ही पर्यावरण जैसी वैश्विक समस्याओं के रचनात्मक समाधान भी सुझाये, जिसे कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, एम.आई.टी. एवं कई अन्य आई.वी. लीग विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों द्वारा चार राउण्ड की समीक्षा के उपरान्त सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों में शामिल कर सम्मानित किया गया। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. की इस होनहार छात्रा की उपलब्धि पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह जानकारी सी.एम.एस. के जन-सम्पर्क अधिकारी श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक देशों के 4200 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग कर अपने रचनात्मक विचार व्यक्त किये तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. छात्रा लवीना के लेखन को अत्यन्त उत्कृष्ट आँका गया।

पांच साल पहले गोंडा में भी सजा था नारायण साकार का दरबार

- पैरों की धूल सिर पर लगाने के लिए मच गई थी होड़

गोंडा। हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र फुलरई मुगलगढ़ी में नारायण साकार हरि महाराज उर्फ भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ से हुई मौत को यहां जिसने भी सुना वह कोसता रह गया। पांच साल पहले सूरजपाल सिंह उर्फ नारायण साकार ने गोंडा जिले में भी सत्संग किया था। इसमें हजारों लोगों की भीड़ जुटी थी। इसमें भी बदइंतजामी के मामले निकलकर आए थे। हालांकि, आयोजकों ने किसी तरह से कार्यक्रम संपन्न करा लिया था।

छह नवंबर 2019 को गोंडा-लखनऊ हाईवे पर हारीपुर गांव के पास सूरजपाल सिंह उर्फ नारायण साकार से जुड़े लोगों ने एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया था। पांच दिन तक चले कार्यक्रम में लखनऊ, दिल्ली, हरियाणा सहित अन्य जिलों के हजारों लोग शामिल हुए थे। सूरजपाल सिंह को पंतनगर स्थित एक मैरिज हाल में ठहराया गया था। यहां से सत्संग स्थल की दूरी करीब पांच किलोमीटर थी।

लग्जरी गाड़ियों के काफिले के साथ सूरजपाल अपने लाव-लश्कर के साथ रवाना हुआ था। उसके अनुयायी पूरे रास्ते में दो वाहनों से फूलों की बारिश करते हुए चल रहे थे। बाबा के पहुंचने पर उसको देखने के लिए लोग एक-दूसरे को धक्का देकर आगे जा रहे थे। पुलिस प्रशासन को भीड़ को काबू करने में काफी पसीना बहाना पड़ा था। आयोजन से जुड़े अनुभव को साझा करते हुए लोनियनपुरवा की पतिराजी और नकहरा निवासी श्यामलाल ने बताया कि सतमार्ग पर चलने का संदेश भोले बाबा मंच से देते थे। मथुरा गांव निवासी मंगला व मीना देवी ने कहा कि नारायण साकार के जहां-जहां कदम पड़ते थे, उसकी धूल को माथे पर लगाने की होड़ मच गई थी। यहां कार्यक्रम पांच दिन चला था। भीड़ के मुताबिक मुकम्मल इंतजाम न होने के चलते तमाम लोग कार्यक्रम से चले गए थे। नाम न छापने की शर्त पर कार्यक्रम से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि भीड़ के अनुसार न तो छाजन का इंतजाम किया गया था और न पेयजल का बंदोबस्त था।

शाही में फिर महिला की हत्या : सीरियल किलर की हरकत या लूट के लिए मारा

अवधनामा संवाददाता

- पुलिस के सामने खुलासे की चुनौती

बरेली। बरेली के शाही थाना क्षेत्र के गांव बुझिया जागीर में शेरगढ़ के हौसपुर निवासी सोमपाल की पत्नी अनीता (45) की हत्या कर शव गन्ने के खेत में फेंक दिया गया। मंगलवार शाम को एक ग्रामीण ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी गई। प्राथमिक तौर पर हत्या वैसी ही बताई जा रही है, जैसे पिछले साल नौ महिलाओं को मारा गया था। साड़ी से ही महिला का गला कसा गया है। लूट के लिए हत्या की आशंका भी जताई गई है। अब महिला को सीरियल किलर ने मारा या लूट के लिए हत्या की गई, इसका खुलासा पुलिस के लिए चुनौती है।

मृतका के बेटे राजीव ने बताया कि उनकी मां अनीता सोमवार को अपने मायके फतेहगंज पश्चिमी के गांव खिरका गई थीं। वह खुद साइकिल से मां को बुझिया माइनर तक छोड़कर आया था। वहां से मंगलवार सुबह 11 बजे वह घर लौटने की बात कहकर निकली थीं। इसके बाद यह घटना हो गई। राजीव ने बुधवार को अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पति सोमपाल के मुताबिक अनीता का बैंक खाता बैंक ऑफ बड़ौदा की फतेहगंज पश्चिमी शाखा में है। कुछ रुपया फिक्स डिपाजिट भी कर रखा है। अनीता कुछ महीने बाद जाकर बैंक से रुपये का लेनदेन करती थीं। आशंका जताई कि हो सकता है कि अनीता ने बैंक जाकर रुपये निकाले हों और उन्हीं रुपयों की खातिर उसकी हत्या की गई हो। हालांकि, पासबुक पर नई प्रविष्टि दर्ज नहीं होने से इसे लेकर असमंजस बना है। शाही व शीशगढ़ थाना क्षेत्र में पिछले साल सिलसिलेवार नौ महिलाओं की हत्या की गई थी जो पुलिस के लिए आज भी सिरदर्द बनी हुई हैं।

तीन नए कानूनों से त्वरित न्याय के लिए प्रयास

- पुलिस की शक्तियों पर रहेगा नियंत्रण और संतुलन

नई दिल्ली। भारत में 1 जुलाई 2024 से लागू होने वाले तीन नए कानूनों के साथ अपनी न्याय प्रणाली में पूरी तरह से बदलाव किया है। भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.) ने भारतीय दंड संहिता (आई.पी.सी.) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बी.एन.एस.एस.) ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सी.आर.पी.सी.) की जगह ली और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बी.एस.ए.) ने इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह ली। तीनों कानूनों को दिसंबर 2023 में संसद में पारित किया गया था।

तीन नए कानून सजा के बजाय न्याय आधारित हैं और इनका उद्देश्य त्वरित न्याय प्रदान करना, न्यायिक और अदालत प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करना, जिसमें ‘सभी की न्याय तक पहुंच’ पर जोर दिया गया है। स्वतंत्रता के बाद भारत में आपराधिक न्याय प्रणाली ने कुछ अंतर्निहित कमियों के कारण वांछित परिणाम नहीं दिए हैं, जिनमें स्तरीय जांच और अभियोजन का न होना, लंबित आपराधिक मामलों की बड़ी फेहरिस्त, अदालती कार्यवाही में देरी, मामलों के निपटान में देरी, कम दोषसिद्धि दर और बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी शामिल हैं।

पुलिस द्वारा गिरफ्तारी से संबंधित प्रावधानों के दुरुपयोग को रोकने के लिए, बी. एन. एस. एस. ने एक पुलिस अधिकारी को नामित करने के लिए राज्य सरकार पर अतिरिक्त दायित्व लागू किया है जो सभी गिरफ्तारियों और उन्हें गिरफ्तार करने वालों के बारे में जानकारी बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होगा। इस जानकारी को प्रत्येक पुलिस स्टेशन और जिला मुख्यालय में प्रमुखता से प्रदर्शित करने का प्रावधान है।

महिला सुरक्षा : बी.एन.एस. के तहत इलेक्ट्रॉनिक प्रथम सूचना रिपोर्ट महिलाओं के खिलाफ अपराध की रिपोर्टिंग के लिए एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम है। यह उन अपराधों की तेजी से रिपोर्टिंग में मदद करेगा जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पारंपरिक बाधाओं को पार करते हुए समय पर रिपोर्टिंग पर जोर देता है। सामाजिक दबावों के कारण महिला अपराधों की कम रिपोर्टिंग दूर होगी। इस संदर्भ में जन जागरूकता अभियान, तकनीकी नवाचारों और सामाजिक समझ के बीच की खाई को पाट सकेंगे।

जेलों में भीड़ को कम करना : कुछ परिस्थितियों में पहली बार अपराध करने वाले विचाराधीन कैदियों के लिए हिरासत की अधिकतम अवधि कम कर दी गई है और जेल अधीक्षक को जमानत के लिए आवेदन करने में आरोपी या विचाराधीन कैदियों की मदद करने का कानूनी रूप से अधिकार दिया गया है।

पहली बार के ऐसे अपराधी (अतीत में कभी किसी अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया गया) जो यदि निर्धारित अधिकतम सजा का एक तिहाई भुगत चुका है तो उसको जमानत पर रिहा किया जाएगा।

तकनीक : बी. एन. एस. एस. ने अपराध स्थल के दौरे से लेकर जांच से लेकर मुकदमे तक सभी चरणों में टेक्नोलॉजी के उपयोग की शुरुआत की है। यह एक गेम-चेंजर है क्योंकि इससे तेज जाँच सुनिश्चित होगी और जांच में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। जांच में तकनीक और फोरेंसिक का समावेश आपराधिक न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण और आधुनिक वैज्ञानिक प्रौद्योगिकियों की ताकत का उपयोग करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

साक्ष्य के हेरफेर के जोखिम को ध्यान में रखते हुए, खोज और जब्ती की कार्यवाही में ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग का अनिवार्य समावेश बी. एन. एस. एस. में एक महत्वपूर्ण समावेश है। तलाशी और जब्ती के दौरान ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग के दायरे में जब्त वस्तुओं की सूची तैयार करने और गवाहों के हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया शामिल है। तलाशी और जब्ती की कार्यवाही में पारदर्शिता से सबूतों के मनगढ़ंत निर्माण को रोकने और इन कार्यवाही में स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा सकेगी।

24 घंटे बाद भी अपनों की तलाश में भटकते रहे लोग

हाथरस। हाथरस में कोतवाली सिकंदराराऊ अंतर्गत फुलरई मुगलगढ़ी गांव में 2 जुलाई को आयोजित सत्संग में भगदड़ से 121 लोग मारे गए व दर्जनों घायल हो गए। घटना के 24 घंटे बाद भी सत्संग में गए काफी लोग लापता हैं। जिनका अभीतक अपने परिजनों से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। 3 जुलाई को अपनों की तलाश में काफी लोग बागला जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे और अपनों की तलाश करते रहे। यहां पहुंचे लोग पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से अपनों के बारे में जानकारी करते रहे। हादसे के 24 घंटे बाद भी सत्संग में गए लोग लापता है। लापता लोगों की तलाश में परिजन इधर से उधर भटक रहे हैं। लापता लोगों के मोबाइल फोन बंद जा रहे हैं। जिससे परिजनों से उनका कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। 3 जुलाई को भी कई ऐसे परिजन शहर के बागला जिला अस्पताल परिसर में स्थित पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे और अपनों की तलाश करते रहे। यहां पहुंचे लोग पुलिस और प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों से अपनों के बारे में जानकारी करते रहे, लेकिन उन्हें कोई जानकारी नहीं मिलती तो यह लोग मायूस होकर वापस यहां लौट गए।

हजरत नगर गढ़ी पुलिस ने दो को दबोचा

अवधनामा संवाददाता

सिरसी (सम्भल)। पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कुलदीप सिहं गुनावत व अपर पुलिस अधीक्षक श्रीशचन्द के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सम्भल अनुज कुमार चौधरी व प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में वाछिंत / वारण्टी अपराधियों की धरपकड़ में चलायें जा रहे अभियान के तहत थाना हजरतनगर गढ़ी पुलिस टीम द्वारा दौराने गस्त व चैकिंग संदिग्ध व्यक्ति / वाहन में दो नफर वारण्टी अभियुक्त 1. रफीक पुत्र फकरूद्दीन निवासी मौ) गिन्नौरी कस्बा सिरसी थाना नखासा जनपद सम्भल वर्तमान थाना हजरतनगर गढ़ी जनपद सम्भल सम्बन्धित मु ( ) न( ) 129/2023 अ0सं0 721/2019 धारा 21/22 एनडीपीएस एक्ट चालानी थाना नखासा ता( ) पेशी 06.07.2024 मा0 न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश सम्भल स्थित चन्दौसी 2. मौ0 फारूख उर्फ पप्पू पुत्र अब्दुल हकीम कुरैशी नि0 मौ) सादक सराय सिरसी थाना हजरतनगर गढ़ी जनपद सम्भल सम्बन्धित मु0न0 847/23 अ0सं0 547/08 धारा 4/25 आयुध अधिनियम चालानी थाना हयातनगर ता0 पेशी 03.07.2024 मा0 न्यायालय सिविल जज (सी0डी0)/ एससीजेएम सम्भल स्थित चन्दौसी को वारण्ट दिखाकर कारण गिरफ्तारी बताकर अभियुक्तगणों के मस्कनों से हस्वकायदा हिरासत पुलिस में लिया गया। अग्रिम कार्यवाही हेतु अभियुक्तगण 1. रफीक 2. मौ0 फारूख उर्फ पप्पू उपरोक्त को मा) न्यायालय भेजा जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता रफीक पुत्र फकरूद्दीन निवासी मौ0 गिन्नौरी कस्बा सिरसी थाना नखासा जनपद सम्भल वर्तमान थाना हजरतनगर गढ़ी जनपद सम्भल उम्र 56 वर्ष मौ0 फारूख उर्फ पप्पू पुत्र अब्दुल हकीम कुरैशी नि0 मौ0 सादक सराय सिरसी थाना हजरतनगर गढ़ी जनपद सम्भल उम्र 34 वर्ष अभियुक्तगण की गिरफ्तारी का स्थान अभियुक्तगण के मस्कनों से गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम 30नि0 डॉ0 रूकमपाल सिहं आदि उपस्थित रहे।

बरसाना के मंदिर में राधाजी के दर्शनों का समय परिवर्तन

बरसाना (मथुरा)। ग्रीष्म ऋतु के समय राधारानी मंदिर की समय सारणी में परिवर्तन किया गया है। इसके चलते अब राधारानी मंदिर सुबह पांच बजे खुलेगा जो दोपहर एक बजे बंद होगा। वहीं शाम को पांच बजे खुलेगा और रात्रि नौ बजे बंद होगा। राधारानी मंदिर समिति के रिसीवर प्रवीन गोस्वामी ने बताया एक जुलाई से सुबह मंगला आरती पांच से छह बजे तक, श्रृंगार आरती सुबह साढ़े सात बजे से सवा आठ बजे तक, राजभोग आरती दोपहर एक बजे, उत्थापन आरती शाम पांच बजे, संध्या आरती शाम साढ़े सात बजे, शयन आरती रात्रि नौ बजे की जाएगी। दूसरी तरफ समिति ने राधारानी मंदिर पर कार्रवाई करते हुए मंदिर समिति ने वर्तमान सेवायत मधु गोस्वामी की तीन गुल्लक को अपने कब्जे में ले लिया है। मंदिर समिति के रिसीवर प्रवीन गोस्वामी ने बताया कि मंदिर परिसर में चार गुल्लक सिर्फ सेवायत की मान्य है।

अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल के कार्यकर्ताओं ने सत्संग में मरने वालों को मोमबत्ती जलाकर दी श्रद्धांजलि

अवधनामा संवाददाता

सम्भल। भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में साकार नारायण विश्व हरि भोले बाबा के सत्संग में हुई भगदड़ में मारे गए श्रद्धालुओं लिए मोमबत्ती जलाकर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। उत्तर प्रदेश स्थित जनपद हाथरस के सिकंदराराऊ के रतभानपुर गाँव के फुलरई मुग़लगाढी में से एक दुःखद खबर आई है. यहां एक सत्संग में हिस्सा लेने पहुंचे लगभग 121 श्रद्धालुयों की भगदड़ में मौत हो गई. इसकी पुष्टि एटा के चीफ मेडिकल ऑफिसर ने की. जानकारी के अनुसार भोले बाबा नारायण साकार हरि के सत्संग में भगदड़ मच जाने के कारण यह हादसा हुआ है. मरने वाले में महिलाएं भी शामिल है। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने इतने बड़े आयोजन में सुरक्षा के नाम पर उचित व्यवस्था नही थी। लापरवाही तो कही हुई है इतने बड़ा हादसा कैसे हो गया। व्यापार मंडल मांग करता है कि इस हादसे की उचित जांच हो दोषियों को बक्सा नही जाये और हादसे में मारे गए श्रद्धालुओं को 10 लाख की आर्थिक मदद की जाए और घायल श्रद्धालुओं को 5 लाख की आर्थिक मदद की जाए। प्रदेश मंत्री शाहआलम मंसूरी ने कहा देश मे प्रदेश में कही भी किसी धर्म का धार्मिक आयोजन हो उसकी पूरी तैयारी के साथ सुरक्षा से संबंधित सभी व्यवस्था पूर्ण की जाए ताकि ऐसी घटना की पूर्णावर्ती नहीं हो। सभासद अमन कोली ने कहा पूरे देश की संवेदना मृतको के परिवार वालो के साथ है। घायलों को शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते है। श्रद्धांजलि देने में प्रदेश मंत्री शाह अलम मंसूरी सभासद अन्ना खान तुषार क्रिस्टल सभासद लाला मौर्य निशांत शर्मा मुजीव आकाश वार्ष्णेय सचिन वसीम अख्तर जमशेद खान आदि मौजूद रहे।

हाथरस में मरने वालों में 11 लोग मथुरा के

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। हाथरस जिले के सिकंदराराऊ क्षेत्र में मंगलवार को नारायण साकार हरि भोले बाबा के सत्संग में चरण रज को लेकर हुई भगदड़ में 11 लोग मथुरा के भी थे। इसकी पुष्टि हाथरस जिला प्रशासन से रिपोर्ट मिलने के बाद जिलाधिकारी मथुरा ने की है। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 11 में से नौ लोगों के शव मथुरा आ गए हैं। जिला प्रशासन ने अंतिम संस्कार के लिए मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए राजस्व कर्मियों की रिपोर्ट लगाकर सूची शासन को भेजी जा रही है।

डीएम के मुताबिक हादसे में श्रीमती यशोदा पत्नी संतोष निवासी पल्लीपार लोहवन, श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी भगवती प्रसाद निवासी राया रोड लक्ष्मी नगर, श्रीमती सुमन पत्नी स्व. अशोक कुमार निवासी अभिषेक पुरी कॉलोनी थाना हाइवे, श्रीमती किशन देवी पत्नी स्व. प्रभाती जाटव निवासी नगला माना थाना हाइवे, श्रीमती भगवान देवी पत्नी राम खिलाड़ी निवासी मंडी चौराहा थाना हाईवे, श्रीमती जयवंती देवी पत्नी हरि सिंह निवासी माया कॉलोनी थाना हाइवे, श्रीमती त्रिवेणी देवी पत्नी दुलीचंद निवासी माया कालोनी थाना हाईवे, श्रीमती कमलेश पत्नी राजेंद्र निवासी सुरेला थाना मांट, श्रीमती श्यामवती पत्नी सोरन सिंह निवासी नगला हरजू थाना मगोर्रा, श्रीमती वासो देवी पत्नी स्व. फूल सिंह निवासी डोमपुरा थाना मगोर्रा तथा श्रीमती मुद्रा देवी पत्नी भगवत सिंह निवासी डोमपुरा थाना मगोर्रा शामिल हैं।

जीएनआरएफ ने प्रकृति बचाओ कार्यक्रम के तहत किया पौधारोपण

अवधनामा संवाददाता

सम्भल। जी एन आर एफ ने प्रकृति बचाओ कार्यक्रम के तहत अभियान शुरू किया इस मौके पर जी एन आर एफ के जिला अध्यक्ष शारिक अत्तारी ने बताया जिस प्रकार मानव स्वास्थ्य के अस्तित्व के लिए स्वस्थ भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार स्वच्छ हवा के महत्व से कोई भी इनकार नहीं करता है। लेकिन बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग और वायु प्रदूषण के कारण जलवायु भी काफी हद तक प्रभावित हुई है।. यदि हमने प्राकृतिक संसाधनों का सहारा नहीं लिया तो निकट भविष्य में हमें और भी गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।पेड़-पौधे बहुत महत्वपूर्ण हैं. एक शोध के अनुसार, एक पेड़ तापमान को कम से कम 4 डिग्री तक कम कर सकता है और साल भर में लगभग 20 किलो वायु प्रदूषण को अवशोषित कर सकता है। दावत-ए-इस्लामी हिंद के कल्याण विभाग जीएनआरएफ (गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन) ने 1 जुलाई 2024 से 10 जुलाई 2024 के बीच पूरे देश में बड़ी संख्या में पौधे लगाने का फैसला किया है।इस अभियान को सफल बनाने के लिए कार्उसिल ऑफ दावत-ए-इस्लामी हिंद के पर्यवेक्षक सैयद आरिफ अली अत्तारी ने जामिया अल-अशरफिया मुबारकपुर के परिसर में स्वम पौधा रोपन किया और एक वीडियो संदेश के माध्यम से देशवासियों से देश भर में पेड़ लगाने की अपील की है। . जीएनआरएफ के स्वयंसेवक कॉलेजों, स्कूलों, धार्मिक मदरसों और विभिन्न धार्मिक स्थानों पर ÷प्रकृति बचाओ÷ शीर्षक के तहत कार्यक्रम आयोजित करके लोगों से इस वृक्षारोपण अभियान में भाग लेने की अपील कर रहे हैं।दावत-ए-इस्लामी इंडिया का मीडिया विभाग आपसे इस अभियान में जीएनआरएफ का समर्थन करने और प्रकृति को बचाने की अपील करता है।

आगरा में होगा स्वर्णकार सामूहिक विवाह समारोह

मथुरा। अखिल भारतीय स्वर्णकार जनजागृति एसो. के तत्वावधान में 8 दिसंबर को आगरा में स्वर्णकार समाज के सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। विवाह समारोह में परिचय सम्मेलन में बने जोड़ों के व जो भी अपने जोड़े बना के रजिस्ट्रेशन कराएंगे उनकी शादियां कराई जाएंगी। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने बताया कि 8 दिसंबर को आगरा में श्री कृष्णा गार्डन सौ फूटा रोड कालिंदी बिहार पर होने वाले सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। श्री वर्मा ने कहा कि सामूहिक विवाह समारोह वर्तमान समय की आवश्यकता है। ऐसे कार्यक्रमों से समाज के जरूरत मंद परिवार भी अपने बेटे-बेटियों के विवाह धूमधाम से कर सकते हैं। उन्होनं बताया कि जिन बंधुओं के विवाह के लिए जोड़े बन जाएं वो शादी के लिए अपने रजिस्ट्रेशन राष्ट्रीय कार्यालय 6 / 265 सर्राफा बाजार, पथवारी, बेलनगंज आगरा पर करा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

भाषा विश्वविद्यालय में नए कुलसचिव ने सम्भाला कार्यभार

लखनऊ। ख्वाज़ा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में नए कुलसचिव ने कार्यभार सम्भाला। आज महेश कुमार ने कुलसचिव का पद ग्रहण करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय से संबंधित कार्यो का जायजा लिया। इससे पहले कुमार राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में कुलसचिव पद पर कार्यरत थे। बताते चलें की पूर्व में भाषा विश्वविद्यालय में कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार परीक्षा नियंत्रक, डॉ0 भावना मिश्रा द्वारा निर्वाहन किया जा रहा था।

इनर व्हील क्लब डिस्ट्रिक्ट 310 का इंस्टॉलेशन सेरामनी आयोजित

संभल। इनर व्हील क्लब डिस्ट्रिक्ट 310 का इंस्टालेशन सेरमनी में डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन विशाल प्रिया टण्डन ने रिया आर्य को सम्भल सिटी 310 का प्रेसिडेंट इनर व्हील क्लब की कॉलर पहना कर, पिंकी ग्रेवाल ग्रेवाल को सेक्रेट्री, नेहा मलय को ट्रेजरार और गुंजा गुप्ता को ट्वस्ह बनाया गया। इस कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट के लगभग 70 क्लब ने भाग लिया। डिस्ट्रिक्ट सेक्रेट्री श्रीमती उषा राज गुप्ता और डिस्ट्रिक्टऑडिटर श्रीमती नि. गुप्ता रहीं। इस इंस्टॉलेसन में भाग लेने वाले मुख्य जिले अमरोहा मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फर नगर, सम्भल, सियोंहारा,कोटद्वार,अमरोहा आदि सम्मलित हुए। इस के बाद तीर्थनकर मेडिकल कॉलेज के डाक्टरों की टीम ने महिलाओ को सब से ज्यादा होने वालीं बीमारी सर्वाइकल कैंसर के बारे में बताया और डॉ कंचन गुप्ता ने बहुत सरल भाषा में समझाया कि ये किस कारण से होता है और इस से बचने के क्या उपाय है। इस कार्यक्रम को मुरादाबाद विलेज होटल में संपन्न कराया गया। सभी क्लब के प्रेसिडेंट ने सामुहिक रूप से नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

पीस कमेटी की मीटिंग आयोजित की गई

इटावा/अवधनामा ब्यूरो। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय के निर्देशन में आगामी त्योहार मोहर्रम को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए तथा जनपद की कानून व्यवस्था को प्रभावी एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए बुधवार को अपर जिला अधिकारी अभिनव रंजन एवं अपर पुलिस अधीक्षक नगर इटावा अभयनाथ त्रिपाठी द्वारा जनपद के संभ्रांत व्यक्तियों, मौलवियों के साथ पीस कमेटी की मीटिंग आयोजित की गई।जिसमें सभी को शांतिपूर्ण एवं सद्भावना पूर्ण तरीके से भाईचारे के साथ त्योहारों को मनाने की अपील करते हुए उपस्थित सभी से वार्तालाप कर सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया गया।इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर विक्रम राघव, क्षेत्राधिकारी नगर इटावा अमित कुमार सिंह एवं अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी वकीलों ने किया बैंक के सेवानिवृत्त डिप्टी मैनेजर प्रतिमा शंकर दीक्षित का अभिनंदन

इटावा/अवधनामा ब्यूरो। शास्त्री चौराहा स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा के डिप्टी मैनेजर पद से तीन दिन पूर्व अवकाश ग्रहण करने वाले इटावा के हर दिल अजीज बैंक अधिकारी प्रतिमा शंकर दीक्षित का मंगलवार को कचहरी के सरकारी वकीलों ने शॉल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह के रूप में पौधा भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।इस कार्यक्रम में डीजीसी शिवकुमार शुक्ला, एडीजीसी वीरेंद्र सिंह वर्मा, अजीत तोमर, देवेंद्र तिवारी, तरुण शुक्ला, बलवीर सिंह राजपूत, आशीष तिवारी, अनुग्रह चौहान एडवोकेट, तुषार, सुबोध राजपूत एडवोकेट और जयंत एड.प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट के वरिष्ठ कर्मियों को सेवानिवृत होने पर भावभीनी विदाई दी

इटावा/अवधनामा ब्यूरो। कलेक्ट्रेट में तैनात दो वरिष्ठ कर्मी समयावधि पूरी होने पर सेवानिवृत्त हुए।सेवानिवृत्त होने पर अनूप श्रीवास्तव व प्रवेश मिश्रा को साथी कर्मियों और अधिकारियों ने शॉल ओढ़ाकर व प्रतीक चिन्ह भेंट कर शुभकामनाओं सहित भावभीनी विदाई दी।अधिकारियों और कर्मचारियों ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।विदाई समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता अभिनव रंजन श्रीवास्तव अपर जिलाधिकारी ने की।विदाई कार्यक्रम में दिग्विजय सिंह सिटी मजिस्ट्रेट इटावा, मलखान सिंह जिलाधिकारी न्यायिक, कौशल कुमार अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, विक्रम सिंह राघव उपजिलाधिकारी सदर, जिलाधिकारी के विशेष कार्य अधिकारी संजय वर्मा, प्रशासनिक अधिकारी देवेंद्र सक्सैना सहित कई अधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे।

नारायन कॉलेज में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस

- प्लास्टिक का नहीं कोई काम, इसका मिटा दो नामो निशानः डॉ.धर्मेन्द्र शर्मा

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। नारायन कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड आर्ट्स के विशाल प्रांगण में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस मनाया गया जिसमें विद्यालय के उप प्रबन्धक इ.अंकित तिवारी, प्रधानाचार्य सीबीएसई डॉ0 धर्मेन्द्र शर्मा के साथ-साथ समस्त शिक्षकगण व अन्य स्टाफ ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने अपनी मनमोहक नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को समझाया और सलाह दी कि हमें प्लास्टिक बैग का प्रयोग नहीं करना चाहिये। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0धर्मेन्द्र शर्मा ने कहा कि हर साल 3 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को प्लास्टिक के खतरों से अवगत कराना है। जिसके लिए तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। लोगों को वॉट्सएप और दूसरे सोशल मीडिया पर मैसेज, नारे भेजकर जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। हमारे लिए यह जानना बहुत ही जरूरी है कि प्लास्टिक पर्यावरण के साथ हमारी सेहत को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है। अभी अगर इस पर ध्यान नहीं दिया, तो आगे चलकर ये और खतरनाक हो सकता है। दुनिया भर में प्लास्टिक कचरे का जमाव गलत तरीके से प्रबंधित लैंडफिल से बड़े पैमाने पर प्रदूषण का कारण बन रहा है, नदी, घाटियों और जलमार्गों को अवरुद्ध कर रहा है, जिससे हमारे समुद्र, हवा और जमीन दूषित हो रही है, मानव स्वास्थ्य, वन्यजीव, पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इन सभी समस्याओं को रोकने के लिये एकल-उपयोग वाले कप और शॉपिंग बैग के बजाय पुनः प्रयोज्य कॉफी कप और शॉपिंग बैग का उपयोग करें। पुनःप्रयोज्य सिलिकॉन बैग और अन्य टिकाऊ कंटेनर एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक सैंडविच बैग की जगह ले सकते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय कॉर्डिनेटर उरूसा रिज़वान, सी.सी.ए.इंचार्ज एंजिल तोमर एवं नृत्य शिक्षक संदीप यादव का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त छात्र-छात्रायें व शिक्षक मौजूद रहे।

मीनेश सीनियर स्टेट एयर राइफल शूटिंग चैंपियनशिप के चयनित

मथुरा। सौंख के निकतवर्ती गांव तालफरा की बहू मीनेश जुरेल का चयन 22 वीं सीनियर दस मीटर एयर राइफल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। जुरेल ने ट्रायल प्रतियोगिता में 377 अंकल हासिल कर स्टेट चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया है। प्रतियोगिता 3 से 14 जुलाई तक जयपुर के ओसियस शूटिंग रेंज में आयोजित होगी। विदित है कि मीनेश इससे पहले नार्थ ज़ॉन एयर राइफल शूटिंग चैंपियनशिप मे भी प्रतिभाग कर चुकी है। मीनेश ने बताया की दो साल के बेटे अथर्व के साथ प्रैक्टिस करना मुश्किल होता है लेकिन परिवार ओर कोच धारा सिंह के सहयोग से सब संभव हो पाया है, मीनेश योद्धा शूटिंग रेंज में कोच धारा सिंह की देख रेख में अभ्यास करती है। मीनेश ने अपनी सफलता का श्रेय सास कुशमा देवी ससुर ओंकार सिंह ननद रेखा बहन वैशाली कोच धारा सिंह पति व विश्व चैंपियन गोविंद सिंह को दिया।इस अवसर पर बधाई देने वालों का ताँता लग गया जिनमे ओंकार सिंह रविकुमार गोपाल पहाड़िया अरविन्द जुरेल मुकेश जुरेल चंद्रसेन कुंतल सोनिया कुंतल नीलेश दोबारिया आदि लोग रहे।

वन महोत्सव पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान

वहाज अली निहाल

- एक पेड़ मां के नाम
- जिस तरीके से हम अपनी मां की देखभाल करते हैं ठीक उसी तरह प्रकृति की भी देखभाल करें: ज़िलाधिकारी

इटावा। वन महोत्सव पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान 2024 के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम पर अटल पथ पर वृक्षारोपण कार्यक्रम बुधवार को आयोजन सामाजिक वानिकी प्रभाग इटावा के तत्वाधान में किया गया जिसमें जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सके कि प्रकृति और मां दोनों का ही हमारे जीवन में महत्वपूर्ण योगदान होता है इसलिए इटावा में अबकी बार एक पेड़ मां के नाम से विशेष मुहिम शुरू की गई है। जिस तरीके से हम अपनी मां की देखभाल करते हैं ठीक उसी तरह प्रकृति की भी देखभाल करें। उक्त उद्गार जिलाधिकारी अवनीश राय ने आयोजित वन महोत्सव एक पेड़ मां के नाम पर पौधारोपण कर आयोजित कार्यक्रम में कही गई। अजय कुमार गौतम मुख्य विकास अधिकारी, अतुलकांत शुक्ला डीएफओ अभिनव रंजन श्रीवास्तव , अपर जिलाधिकारी श्री धीरेंद्र पाल सिंह अपर जिलाधिकारी न्यायिक, कौशल कुमार अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, मलखान सिंह एसडीएम, अभयनाथ त्रिपाठी एसपी सिटी, विमल कुमार सिंह एसडीओ वन विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारियों ने भी पौधरोपण किया।

बसपा के प्रतिनिधि मंडल ने जाना घायलों का हाल

अवधनामा संवाददाता

- कृष्ण विहार कॉलोनी में नवनिर्मित पानी की टंकी गिरने हुआ था से हादसा

मथुरा। बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने विगत दिन शहर के मध्य 3 वर्ष पूर्व निर्मित पानी की टंकी के गिरने से हुई दुर्घटना में दो की मौत हो गई वहीं दर्शन भर लोग घायल हो गए जिनका उपचार अस्पताल में चल रहा है इस घटना में घायल लोगों का हाल जाना और घटना स्थल का निरीक्षण कर जिला प्रशासन से और शासन से पीड़ितों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है बहुजन समाज पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल जिला अध्यक्ष सत्य प्रकाश कर्दम के नेतृत्व में गत दिनों कृष्ण विहार कॉलोनी बीएसए कॉलेज के पास ओवरहेड टैंक गिरने की घटना घटित हुई थी जिसमें करीब तीन लोगों की मौत कई लोग घायल हो गए थे कई मकान क्षतिग्रस्त हुए आज पीड़ित परमाणु से मुलाकात की जिसमें पार्टी की तरफ से हर संभव मदद की जाएगी उसमें लोकसभा प्रत्याशी चौधरी सुरेश सिंह द्वारा मृतक के बच्चों को फ्री शिक्षा देने का वादा किया गया। उसके बाद घायलों को देखने जिला अस्पताल गए वहां मरीजों से बातचीत की तो उन्होंने बताया मरीज का ठीक इलाज नहीं हो पा रहा है उसको लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ, मुकुंद बंसल से मुलाकात की तथा उचित इलाज मुहिया कराने का अनुरोध किया गया इस मौके पर लोकसभा प्रत्याशी चौधरी सुरेश सिंह, जिला अध्यक्ष सत्य प्रकाश कर्दम , जिला प्रभारी दारा सिंह आजाद, जिला प्रभारी डॉक्टर अमर सिंह , पूर्व प्रत्याशी बलदेव प्रेमचंद कर्दम, पूर्व प्रत्याशी बलदेव अशोक कुमार सुमन , पूर्व जिला अध्यक्ष किशोर कुमार, पूर्व जिला प्रभारी महेंद्र पाल, जिला कार्यकारिणी सदस्य योगेंद्र सिंह, जिला कार्यालय प्रभारी मुनेंद्र सिंह निगम, पूर्व जिला सचिव एडवोकेट प्रेम प्रकाश,पार्षद गुलशन कुमार ,जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ,विधानसभा अध्यक्ष राजा राम निगम ,उदयवीर सिंह ,लोकेश राही चित्र सेन मौर्य आदि उपस्थित रहे।

हाईवे पर प्रेमिका के पति की हत्या करने वाला बदमाश गिरफ्तार

मथुरा। प्रेम संबंध में बाधाक बनने पर 9 दिन पूर्व हुई पेप्सी कर्मी की हत्या में वांछित 25 हजार के इनामी बदमाश को पुलिस ने देर रात मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। एसपी शैलेश पांडे ने बताया कि देर रात हत्या की घटना में वांछित इनामी शूटर पिन्टू उर्फ अमित को छाता पुलिस और एसओजी टीम की संयुक्त कार्यवाही में छाता-शेरगढ़ रोड पर सीएचसी छाता के सामने पुलिस मुठभेड़ में दोनों पैर में गोली लगने से घायल कर गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इसके कब्जे से हत्या की घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल अवैध शस्त्र एवं कारतूस तथा चोरी की एक मोटर साईकिल बरामद। अमित उर्फ पिन्टू के पडोस में रहने वाले मृतक प्रेम सिंह की पत्नी से कई वर्षो से प्रेम संबंध थे इनके प्रेम संबंधो के बारे में पता चलने पर मृतक प्रेम सिंह द्वारा विरोध किया था तथा मृतक की पत्नी भी अभियुक्त पिंटू उर्फ अमित से दूरी बनाने लगी थी इसी कारण पिन्टू ने अपने साथी नवीन पुत्र हेमराज निवासी मौहल्ला माना पट्टी थाना मुंडकटी जिला पलवल हरियाणा के साथ मो0सा0 से फैक्ट्री में नौकरी करके वापस लौट रहे मृतक प्रेम सिंह की मोटर साइकिल का पीछा करते हुए बीती 25 जून को रात्रि में हाईवे सर्विस रोड पर वाटर पार्क कस्बा छाता के सामने गोली मारकर हत्या कर फरार हो गया।

बांटे गए पौधों को बच्चें अपने-अपने घरों में लगा कर संरक्षित रखें: सरिता भदौरिया

वन महोत्सव

वहाज अली निहाल

इटावा। वन महोत्सव पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान 2024 के अंतर्गत ब्लू बर्ड इंटर कॉलेज में वृक्ष भंडारा एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम सामाजिक सामाजिक वानिकी प्रभाग एवं जिला गंगा सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित किया गया। सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए कटिबद्ध, इसलिए वन विभाग पौधरोपण के साथ-साथ लोगों को संवेदनशील वृक्षारोपण के लिए प्रेरित कर रही है वृक्ष भंडारा के माध्यम से बच्चों को प्रेरित किया जा रहा है। इस दौरान बांटे गए पौधों को बच्चें अपने-अपने घरों में लगा कर संरक्षित रखें उक्त उद्गार सदर विधायक श्रीमती सरिता भदौरिया ने आयोजित वृक्ष भंडारा एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में दिए। उन्होंने कहा कि यह पौधे वृक्ष बनकर आप लोगों को ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन में भूमिका निभाएंगे।

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग अतुल कान्त शुक्ला ने कहा की वन महोत्सव का उद्देश्य ही यही है कि हम सभी लोग कम से कम एक पौधा लगाए ताकि आने वाली पीढ़ियों को भी हम शुद्ध हवा दे सकें। हर नागरिक से यही उम्मीद की जाती है कि एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाएं। उप प्रभागीय वनाधिकारी विमल कुमार सिंह ने बताया कि बच्चे कल का भविष्य हैं और यह अगर एक बार पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशील हो जाएंगे तो पूरी पृथ्वी हरी भरी हो जाएगी। विद्यालय प्रबंधक एस.एम.तिवारी, प्रधानाचार्य राजीव चतुर्वेदी, एस.एस.तिवारी, वन क्षेत्रीय वनाधिकारी बढ़पुरा अशोक कुमार शर्मा, उप क्षेत्रीय वनाधिकारी प्रवल प्रताप सिंह, शिव प्रसाद एवं डी.पी.ओ.नमामि गंगे संजीव चौहान ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वृक्ष भंडारा में सैकड़ों बच्चों को फलदार व छायादार पौध दिए गए ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सम्मानीय व्यक्ति संजू चौधरी, चंदन पोरवाल, अशोक चौहान, विनीत पांडेय, राजेश प्रजापति वन दरोगा ताबिश अहमद, सुनील कुमार, रविंद्र मिश्रा, अनिल चौहान एवं संतोष सिंह आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

अगले टी20 वर्ल्ड कप को लेकर आईसीसी ने किया ये बड़ा ऐलान, भारत-श्रीलंका होंगे संयुक्त होस्ट

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का समापन भारत और साउथ अफ्रीका के बीच फाइनल मुकाबले से हुआ। जहां भारतीय टीम दूसरी बार खिताब जीतने में कामयाब हुई है। अब द्विपक्षीय सीरीजों की शुरुआत होगी, लेकिन इस बीच आईसीसी ने अगले टी20 वर्ल्ड कप को लेकर बड़ा ऐलान किया है। ये बात तो पहले से तय थी कि टी20 वर्ल्ड कप का अगला सीजन अब कहां खेला जाएगा, लेकिन कई और चीजें भी इंटरनेशनल क्रिकेट आउंसिल ने अपनी नई स्टोरी में बताई हैं।

आईसीसी टी20वर्ल्ड कप 2026 के लिए बिगुल फूंक चुका है। 20 टीमों के साथ जिस तरह टी20 वर्ल्ड कप 2024 का सफल समापन हुआ, उसी तर्ज पर अगले टी20 वर्ल्ड कप में भी 20 टीमें खेलती हुई नजर आएंगी। 2024 का सफल समापन हुआ, उसी तरह अगले टी20 वर्ल्ड कप में भी 20 टीमें खेलती हुई नजर आएंगी। 2024 के टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी संयुक्त रूप से वेस्टइंडीज और यूएसए ने की, उसी तरह भारत और श्रीलंका 2026 के टी20 वर्ल्ड कप की सयुंक्त मेजबानी करते नजर आएंगे। फरवरी और मार्च में ये टूर्नामेंट खेला जा सकता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फॉर्मेट भी 2024 की तरह सेम रहेगा, जहां फाइनल समेत कुल 55 मैच खेले गए थे। इस बार भी 20 टीमें टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी, जिनको चार ग्रुप्स में बांटा गया है। इसके बाद चारों ग्रुप्स की प्वाइंट्स टेबल में टॉप 2 में रहने वाली दो टीमों को सुपर 8 में जगह मिलेगी। सुपर 8 में भी दो ग्रुप बनाए जाएंगे। सुपर 8 के दोनों ग्रुप से पॉइंट्स टेबल में टॉप 2 में रहने वाली टीमों को सेमीफाइनल में एंट्री मेलि और फिर फाइनल मुकापबला खेला जाएगा।

मेजबान के तौर पर भारत और श्रीलंका ने 2026 के टी20 वर्ल्ड कप के लिए ऑटोमेटिक क्वालिफाई किया है। इसके अलावा टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 में पहुंचने वाली आठों टीमें ऑटोमेटिक क्वालिफिक्शन मिला है। इनमें से भारत तो पहले ही मेजबान के तौर पर क्वॉलिफाई कर चुका है। जबकि ऑस्ट्रेलिया अफगानिस्तान, बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, यूएसए और वेस्टइंडीज की टीम ने अगले वर्ल्डकप के लिए सीधे क्वॉलिफाई किया है। 9वीं टीम श्रीलंका है जो खुद भी होस्ट है, जो कि भारत के साथ मेजबानी करेगी। इसके अलावा आईसीसी ने 30 जून को कट-ऑफ रखा था जो भी टीम इस तारीख तक आईसीसी टी20 रैंकिंग में टॉप 10 में रहेगी, उसे सीधे टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खेलने का मौका मिलेगा।

हार्दिक पंड्या ने वानिंदु हसरंगा से छीनी बादशाहत, भारतीय खिलाड़ी बना नंबर 1 ऑलराउंडर

टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को बड़ा फायदा हुआ है। दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप में भारत की तरफ से अहम योगदान निभाने वाले पंड्या ने वानिंदु हसरंगा को पछाड़ दिया है। जिसके बाद आईसीसी टी20 रैंकिंग में हार्दिक पंड्या दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर बन गए हैं। ये पहली बार है जब हार्दिक पंड्या पहली बार आईसीसी टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किए हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत की तरफ से हार्दिक पंड्या ने बल्ले और गेंद दोनों से कमाल किया। साथ ही उन्होंने आखिरी ओवर में 2 विकेट लिए और भारत को ये जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। भारत के टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद हार्दिक पंड्या को आईसीसी से खास तोहफा मिला। आईसीसी टी20आई ऑलराउंडर रैंकिंग में हार्दिक पंड्या ने पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा के नंबर-1 का टैक छीन लिया।

अर्जेंटीना की ओलंपिक फुटबॉल टीम में लियोनेल मेसी को नहीं किया गया शामिल, महज चार खिलाड़ियों को मौका

दुनिया के बेहतरीन फुटबॉलर लियोनेल मेसी इस महीने के अंत में पेरिस में शुरू होने वाले ओलंपिक में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम का हिस्सा नहीं होंगे। कोच जेवियर माशेयरानो ने मंगलवार को घोषित टीम में वर्ल्ड कप विजेता टीम के चार सदस्यों को जगह दी जिसमें स्ट्राइक जूलियन अल्वारेज और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी शामिल हैं।

इस साल चोटों से जूझ रहे 37 वर्षीय मेसी अभी कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब का बचाव करना है। अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका जीतने के बाद 2022 में वर्ल्ड कप भी जीता था। मेसी ने अपने एकमात्र ओलंपिक अभियान में 2008 में बीजिंग में टीम को गोल्ड मेडल दिलाने में मदद की थी।

ओलंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट अंडर-23 टीम के लिए होता है लेकिन प्रत्येक टीम में तीन ज्यादा उम्र के खिलाड़ियों को खिलाने की अनुमति दी जाती है। वर्ष 2004 और 2008 में खिलाड़ी के तौर पर ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाले माशेरानो कोपा अमेरिका खत्म होने के बाद गोलकीपर गेरोनिमो रूली, ओटामेंडी और अल्वारेज को टीम में शामिल करेंगे।

हाल ही में रिवर प्लेट से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए मिडफील्डर क्लॉडियो एचेवेरी भी टीम में शामिल होंगे। अर्जेंटीना 24 जुलाई को मोरक्को के खिलाफ ओलंपिक फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले माच से पूर्व फ्रांस में दो मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना और मोरक्को के अलावा इराक और यूक्रेन को ग्रुप बी में जगह मिली है।

ओलंपिक 2036 की मेजबान का लक्ष्य, गुजरात के सीएम ने की फ्रांस के राजदूत से चर्चा

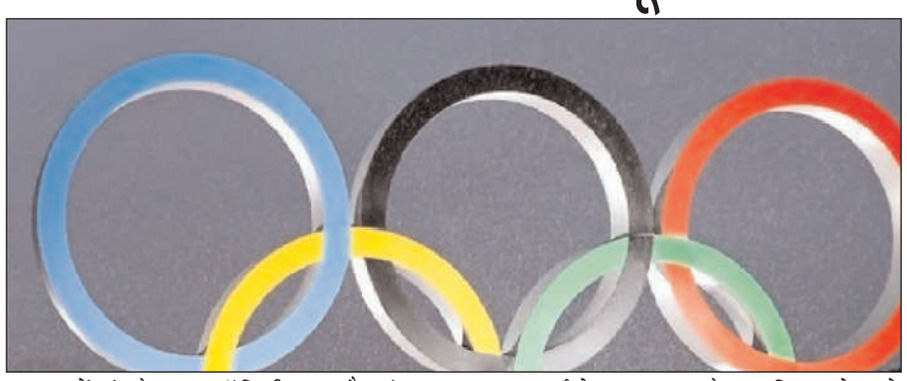

भारत में फ्रांस के राजदूत डॉ थिएरी माथौ ने मंगलवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने राज्य में ओलंपिक खेलों के आयोजन में इस यूरोपीय देश की विशेषज्ञता का इस्तेमाल करने के तरीकों पर चर्चा की। बता दें कि, भारत 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगाने की योजना बना रहा है। फ्रांस इस साल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस में ओलंपिक की मेजबानी करेगा। गुजरात सरकार की ओर से यहां जारी बयान के मुताबिक, सीएम पटेल ने राजदूत माथौ के साथ बैठक में भारत की बोली सफल होने पर 2036 में गुजरात में ओलंपिक खेलों के आयोजन में फ्रांस की विशेषज्ञता का इस्तेमाल करने पर चर्चा की।

बयान के मुताबिक पटेल ने ओलंपिक की मेजबानी के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं में फ्रांस की समझ और कौशल का इस्तेमाल करने में गुजरात की गहरी रुचि व्यक्ति की। बयान के अनुसार, सीएम ने ये भी जानना चाहा कि ये बुनियादी ढांचा आयोजन से परे दीर्घकालीन उद्देश्यों की पूर्ति कैसे कर सकता है।

कोलंबिया और ब्राजील ने 1-1 से ड्रॉ खेला, दोनों कोपा अमेरिका के क्वार्टर फाइनल में

डेनियल मुनोज के पहले हाफ के इंजरी टाइम में दागे गोल की मदद से कोलंबिया ने ब्राजील को 1-1 से बराबरी पर रोककर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप डी में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ब्राजील की टीम भी दूसरे स्थान पर रहते अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रही। राफिन्हा ने 12वें मिनट में ब्राजील को बढ़त दिलाई लेकिन मुनोज ने पहले हाफ के इंजरी टीम में गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया जिसके बाद दोनों ही टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। इस ड्रॉ से कोलंबिया ने अपने अजेय अभियान को 26 मैच तक पहुंचाया। कोलंबिया की टीम तीन मैच में दो जीत और एक ड्रॉ से सात अंक के साथ शीर्ष पर रही। ब्राजील ने एक जीत और दो ड्रॉ से पांच अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। पराग्वे (शून्य अंक) को 2-1 से हराने के बावजूद कोस्टा रिका (चार अंक) की टीम तीसरे स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

मोहम्मद रिजवान के लिए देश से बढ़कर है इस्लाम, बोले- पाकिस्तान मायने नहीं रखता...

हाल ही में संपन्न हुए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान टीम लीग स्टेज में ही बाहर हो गई थी। बाबर आजम की टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पाकिस्तानी टीम अपने पहले ही मैच में अपेक्षानुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाई और सुपर ओवर में अमेरिका से हार गई। इसके बाद भारत के खिलाफ भी उन्हें हार झेलनी पड़ी। टीम की पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों ने काफी आलोचना की। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान का कहना है कि टीम की आलोचना सही है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि टीम की आलोचना जायज है और हम इसके हकदार भी हैं। क्योंकि हमने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया।

लेकिन इन सब के बीच रिजवान ने कुछ ऐसा भी कहा कि वो चर्चा का विषय बन गया। रिजवान ने कहा कि, मायूसी होगी, हम भी मायूस हैं। हमारी कौम भी हमसे मायूस होगी, क्योंकि जिस तरह से हमसे अपेक्षाएं थीं, क्योंकि अब अपेक्षाएं ज्यादा होती हैं तो दर्द भी ज्यादा होता है। यही वह हमारी कौम है जो हमें इज्जत भी देती है और हमें बर्दाश्त भी करते हैं। हम समझ सकते हैं कि जो बातें हमें कहीं जा रही हैं तो हम इसके हकदार हैं।

रिजवान ने बात जारी करते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि सारे लोग गलत कह रहे हैं। क्योंकि हमारे नतीजे ही बात करती है कि हमारी कौम हमसे मोहब्बत करे या हमें बर्दाश्त करे। मैं निजी रूप से कौम का शुक्रिया अदा करता हूं क्योंकि जब हम पाकिस्तान लौटे तो हमें पता चला की हमारी कौम की हमारे प्रति अब भी पहले जैसे ही मोहब्बत है।

वहीं एक सवाल के जवाब में रिजवान ने कहा कि मैं यह समझता हूं कि हर इंसान दो चीजों का ब्रांड एम्बेस्डर है। वह शफीर है, वह पहले इस्लाम का है, जब वह इस्लाम का शफीर होता है तो उसके लिए पाकिस्तान मायने नहीं रखता। वह दुनिया में कहीं भी जाता है तो वह इस्लाम का प्रतिनिधित्व करता है। अगर वह मुसलमान है तो...। दूसरा वह ब्रांड एम्बेसडर है पाकिस्तान का। जब उससे नीचे (इस्लाम के बाद) बात आती है तो उसके लिए ये मायने नहीं रखता कि वह कौन से सूबे से है। वह पाकिस्तान का है। लोग क्या कहते हैं हमें लोगों की परवाह नहीं है।

रिजवान ने आगे कहा कि हम टी20 वर्ल्ड कप में अपने प्रदर्शन से निराश हैं। हमारी हार के पीछे कई कारण हैं। जब कोई टीम हारती है तो कोई ये नहीं कह सकता कि उसकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी अच्छी चल रही है। ऑपरेशन एक सामान्य बात है, जब कोई व्यक्ति बीमार होता है तो, ऑपरेशन जरूरी होता है।

टी20 वर्ल्ड कप में हार के बाद डेविड मिलर के संन्यास लेने की अफवाहें तेज, बल्लेबाज ने खुद दिया जवाब

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में भारत के हाथों साउथ अफ्रीका की हार के बाद घातक बल्लेबाज डेविड मिलर के संन्यास लने की अफवाहों ने जोर पकड़ा है। इस बीच खुद स्टार बल्लेबाज ने इन चर्चाओं पर बयान दिया है। पहली बार टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंची साउथ अफ्रीका को करीबी मैच में 7 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस बीच, सोशल मीडिया पर कुछ रिपोर्ट्स में अक्रामक बल्लेबाज डेविड मिलर के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने का दावा किया गया। डेविड मिलर ने खुद सोशल मीडिया पर मैसेज शेयर करते हुए अफवाहों पर विराट लगा दिया है। मिलर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि, कुछ रिपोर्ट्स के विपरीत, मैंने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया है। मैं प्रोटियाज के लिए खेलने के लिए उपलब्ध रहूंगा। सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है। साउथ अफ्रीका के लिए मैच के आखिरी ओवर तक डटे रहे मिलर को हार के बाद बेहद निराश हुई थी, जिसे उन्होंने खुद जाहिर भी किया था।

ईडी के निशाने पर टीवी जगत के ये सितारे, निया शर्मा समेत इन दो स्टार्स को भेजा गया समन

क्रिस्टल डिसूजा और करण वाही को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। कलाकारों ने अपने बेहतरीन काम से घर-घर में अपनी पहचान बनाई है। हालांकि, अब ये टेलीविजन सितारे मुश्किलों में फंसते नजर आए हैं। रिपोर्ट की मानें तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इन स्टार्स को तलब किया है। खबरों के अनुसार, ईडी ने निया शर्मा, क्रिस्टल डिसूजा और करण वाही को समन भेजा है।

जांच एजेंसी ने बुधवार, 3 जुलाई को उनसे पूछताछ की। रिपोर्टों के मुताबिक, उनसे ऑक्टा एफएक्स ट्रेडिंग सॉफ्टवेयर और ऑक्टा एफएक्स डॉट कॉम सहित विदेशी ब्रोकरों के माध्यम से गैरकानूनी ऑनलाइन विदेशी मुद्रा व्यापार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के बारे में पूछताछ की जा रही है। अप्रैल में प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले के सिलसिले में मुंबई, चेहन्नई, कोलकाता और दिल्ली में कई स्थानों पर छापेमारी की थी। अब उन्होंने इसी मामले में कार्रवाई की है और बयान दर्ज कर रहे हैं।

ईडी ने कथित तौर पर बैंक फंड में 2.7 करोड़ रुपये और कई अवैध दस्तावेजों और डिजिटल उपकरणों को जब्त कर लिया है। अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा और करण वाही को ईडी ने तलब किया है क्योंकि वे अब ऑक्टा एफएक्स मनी लॉन्ड्रिंग मामले के संबंध में बयान दर्ज कर रहे हैं। निया शर्मा को पहले ही ईडी द्वारा तलब किया जा चुका है क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर एप का प्रचार किया था।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि भारत के कई बैंक खातों ने ऑक्टा एफएक्स ट्रेडिंग एप में पैसा निवेश किया है। ईडी के अनुसार, निवेशकों को धोखा देकर धनराशि जमा की गई थी। अवैध रूप से अर्जित ये धनराशि डमी संस्थाओं द्वारा रखे गए बैंक खातों में स्थानांतरित की गई थी। अवैध रूप से सूचीबद्ध इन एसोसिएट डमी द्वारा जमा कराए गए शेयरों को बैंक में ट्रांसफर किया गया था।

निया शर्मा, क्रिस्टल डिसूजा और करण वाही टेलीविजन इंडस्ट्री की प्रसिद्ध हस्तियां हैं। करण को दिल मिल गए और चन्ना मेरेया जैसे शो के लिए जाना जाता है। अब उन्हें रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी में देखा जा रहा है। दूसरी ओर, निया और क्रिस्टल ने हिट शो एक हजारों में मेरी बहना है में साथ काम किया। यह शो साल 2011 से 2013 तक चला। बाद में क्रिस्टल ब्रह्मराक्षस और बेलन वाली बहू में दिखाई दीं। निया शर्मा इन दिनों लाफ्टर शेफ्स में नजर आ रही हैं।

प्रभास को डेट कर रही है दिशा पाटनी पीडी टैटू पर अभिनेत्री के रहस्यमई जवाब ने अफवाहों को दी आग

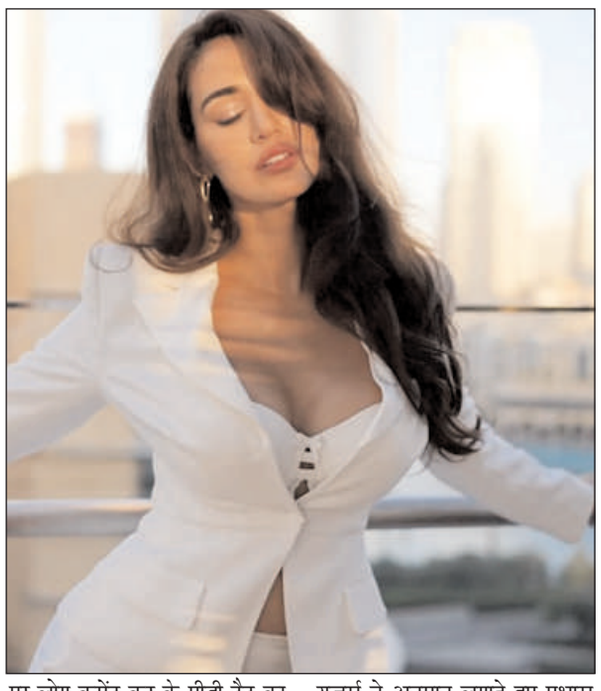

कल्कि 2898 एडी स्टार दिशा पाटनी अपने नए टैटू को लेकर सुर्खियों में है। दरअसल, हाल ही में अभिनेत्री ने अपने हाथ पर अक्षर का नया टैटू बनवाया है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आते ही लोगों ने दिशा का नाम प्रभास से जोड़ दिया। बता दें, दिशा और प्रभास इसी महीने रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि में साथ में स्क्रीन करते दिखाई दिए। ऐसे में लोगों ने अभिनेत्री के टैटू को देखते ही प्रभास के साथ उनकी डेटिंग की अफवाहें उड़ाना शुरू कर दिया। हालाँकि, अब दिशा ने आगे आकर अपने नए टैटू पर सफाई दी है।

दिशा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर टैटू वाली वायरल तस्वीर साझा की, जिसके साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा, मेरे टैटू के बारे में इतनी उत्सुकता देखकर बहुत अच्छा लगा! पता लगाइए कि यह खुशी किस बारे में है! सक्लाउडनाइन। नए टैटू पर दिशा के जवाब ने सोशल मीडिया यूजर्स की उत्सुकता बढ़ा दी है। उनकी तस्वीर पर लोग कमेंट कर के पीडी टैटू का मतलब बता रहे हैं। कई इंस्टाग्राम यूजर्स ने अनुमान लगाते हुए प्रभास डार्लिंग, पाटनी दिशा लिखा।

सिद्धार्थ मल्होत्रा के फैन के साथ हुई लाखों की ठगी, फैन ने किया सनसनीखेज दावा

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी हिंदी सिनेमा के सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले जोडियों में से एक हैं। हाल में ही एक फैन ने इन कलाकारों के फैन पेज द्वारा ठगी किए जाने का दावा किया है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी हिंदी सिनेमा के मशहूर कपल हैं। दोनों को उनके फैंस द्वारा काफी पसंद किया जाता है। फैंस उनकी हर फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस कपल के नाम पर कई फैन पेज भी सक्रिय हैं, जो लगातार नए पोस्ट के माध्यम से अपना प्रेम साझा करते रहते हैं। इस बीच एक फैन ने अभिनेता के फैन पेज द्वारा एक चौंका देने वाली हरकत का दावा किया है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फैन मीनू ने उनके एक फैन पेज द्वारा ठगी किए जाने का सनसनीखेज खुलासा किया है। मीनू ने बताया है कि उनसे फैन पेज द्वारा 50 लाख रुपये की ठगी की गई है। उन्होंने कहा कि फैन पेज की एडमिन अलीजा और हुस्ना परवीन ने उनसे अक्टूबर 2023 से दिसंबर 2023 के बीच 50 लाख रुपये की ठगी कर ली। इसके अलावा उनके दोस्त से भी 10 हजार से भी ज्यादा रुपये ठग लिए।

अपने इस अनुभव को साझा करते हुए मीनू ने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में उसने बताया कि उन्हें झूठी कहानियां सुनाई गई। उन्हें बताया गया कि कियारा की वजह से सिद्धार्थ की जान को खतरा है। उन्हें कहा गया कि अभिनेता और उनके परिवार को धमकी दे कर उनकी शादी कराई गयी है। इसके अलावा इंडस्ट्री के अन्य रसूखदारों की मदद से अभिनेता का शारीरिक और आर्थिक शोषण किया गया।

सोनाक्षी की एटिंग से प्रभावित हुए जहीर, बोले मेरी बीवी को डरना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। दोनों हाल ही में शादी के बंधन में बंधे हैं। सोनाक्षी और जहीर की शादी में बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत किया और वर-वधू पर खूब प्यार लुटाया। वहीं कल सोनाक्षी की आगामी फिल्म काकुड़ा का ट्रेलर रिलीज किया गया। फिल्म के ट्रेलर में सोनाक्षी एक अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। सोनाक्षी के अभिनय से कायल होकर आज इकबाल ने उनपर खूब प्यार लुटाया है।

सोनाक्षी सिन्हा की आगामी हॉरर- कॉमेडी फिल्म काकुड़ा का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद दर्शकों में फिल्म को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं

आज जहीर इकबाल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल की स्टोरी से सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म काकुड़ा के ट्रेलर को साझा किया है। जहीर ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा है, मेरी बीवी को डराना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।

जहीर इकबाल के यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। दोनों के फैंस को जहीर का यह रोमांटिक अंदाज काफी पसंद आ रहा है। सोनाक्षी सिन्हा की यह फिल्म जी5 पर स्ट्रीम करने वाली है। इस फिल्म के ट्रेलर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि सोनाक्षी इस फिल्म में एक ऐसी लड़की की भूमिका अदा कर रही हैं जिसे भूत-प्रेत पर विश्वास नहीं है।

काकुड़ा में सोनाक्षी सिन्हा के अलावा रितेश देशमुख और साकिब सलीम और आसिफ खान भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की कहानी उत्तर प्रदेश में मथुरा के रतोडी गांव के इर्द गिर्द घूमती है। दर्शकों के साथ-साथ सोनाक्षी भी अपनी इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं।

लोकसभा में राहुल गांधी के हिन्दू विरोधी बयान के खिलाफ दिल्ली भाजपा ने किया विरोध प्रदर्शन

हिंसक

एक तरफ आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता कहते हैं और दूसरी तरफ हिन्दू हिंसक होता है यह संसद में चिल्ला चिल्ला कर बोल रहे हैं।

नई दिल्ली(हि.स.)। लोकसभा में राहुल गांधी के हिन्दू विरोधी बयान के खिलाफ बुधवार को दिल्ली भाजपा ने कांग्रेस मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने राहुल गांधी को देश के हिन्दुओं से माफी मांगने की मांग की। भाजपा के कार्यकर्ताओं-पदाधिकारियों ने पुलिस द्वारा लगाए गए बेरिगेट्स को तोड़कर कांग्रेस मुख्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश की, तो दूसरे बेरिगेट्स के सामने पुलिस उन्हें रोक दिया। पुलिस ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, सांसद तेजस्वी सूर्या, प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष सागर त्यागी एवं अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अनीस अब्बासी सहित अन्य पदाधिकारियों को हिरासत में लेकर तिलक मार्ग थाने ले गई, जहां से उन्हें कुछ देर के बाद छोड़ दिया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि हिन्दू संस्कृति को गाली देना, हिन्दुओं को गाली देना, उन्हें आतंकवादी कहना, यह सब चुनावी हिन्दू राहुल गांधी की साजिश है। जिसका जवाब देश के करोड़ों हिन्दू जरूर देंगे। एक तरफ आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता कहते हैं और दूसरी तरफ हिन्दू हिंसक होता है यह संसद में चिल्ला चिल्ला कर बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर हिन्दू हिंसक होता तो अब तक काशी एवं मथुरा से मस्जिद हटकर मंदिर बन गये होते। सचदेवा ने कहा कि राहुल गांधी ने सदन के अंदर सोची समझी राजनीतिक चाल चली है क्योंकि उन्हें अपनी बहन प्रियंका गांधी को वायनाड से चुनाव लड़वाना है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी तो खुद पश्चिमी सभ्यता के बीच पले हैं, वे हिन्दू संस्कृति को कभी नहीं समझ सकते, लेकिन राहुल गांधी को हिन्दू समाज की ताकत का अंदाजा नहीं है।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने पूरी भारतीय संस्कृतिक को गाली दी है और उन्हें देश के लोगों से माफी मांगनी ही पड़ेगी। इस बात को हम दिल्ली के हर घर तक लेकर जाएंगे और सभी को राहुल गांधी के इस बयान से अवगत कराएंगे। सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि जिसके पिता ने अपने आप को हिन्दू बाई एक्सिडेंट कहा हो, उसके बेटे से हमें ऐसी ही उम्मीद थी। राहुल गांधी ने जिस प्रकार से पूरे हिन्दू समाज को आतंकवादी, हिंसक कहा है, यह अक्षम्य अपराध है और राहुल गांधी जब तक माफी नहीं मांगते तब तक भाजपा अपना संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि 26/11 के टेरर अटैक को पूरी कांग्रेस पार्टी ने हिन्दू संगठनों के ऊपर डालने की कोशिश की थी। दिग्विजय सिंह ने तो सैफरन टेरर के ऊपर किताब का विमोचन भी किया था। देश के अंदर 80 फीसदी दंगे कांग्रेस पार्टी की सरकार के रहते हुए हैं। कांग्रेस ने आतंकवाद को पनाह देने का काम किया है।

संविधान पर पक्ष रखने नहीं देने पर किया वाकआउट : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली(हि.स.)। प्रधानमंत्री के राज्यसभा में वक्तव्य के दौरान विपक्ष के वाकआउट पर कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बाहर आकर स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के जवाब के दौरान कुछ 'गलत बातें' कही थी। वे इस पर अपनी बात रखना चाहते थे लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया। मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया, ÷झूठ बोलना और सच्चाई से परे बातें कहना उनकी आदत है। मैंने उनसे सिर्फ इतना पूछा कि उन्होंने संविधान नहीं बनाया और वे इसके खिलाफ थे। मैं बस यह स्पष्ट करना चाहता था कि कौन संविधान के पक्ष में था और कौन इसके खिलाफ था।÷ राज्यसभा से विपक्ष के वॉकआउट पर कांग्रेस नेता और राज्य सभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि जब प्रधानमंत्री गलत तथ्य पेश कर रहे थे, गलत जानकारी दे रहे थे।

बीएसएफ के आईजी ने अमरनाथ यात्रा के लिए पहलगाम की सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया

पहलगाम(हि.स.)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक अशोक यादव ने बुधवार को अमरनाथ यात्रा के लिए दक्षिण कश्मीर में पहलगाम में तैनात जवानों की परिचालन तत्परता की समीक्षा की। उन्होंने सुचारू और सुरक्षित तीर्थयात्रा के लिए सड़क खोलने वाले दल (आरओपी) की समन्वित सतर्कता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा और निगरानी ग्रिड का निरीक्षण किया।

आईपीएस आईजी अशोक यादव ने अमरनाथ यात्रा के लिए पहलगाम में तैनात बीएसएफ सैनिकों की परिचालन तत्परता की समीक्षा की। आईजी ने सैनिकों के साथ बातचीत की और सुचारू और सुरक्षित तीर्थयात्रा के लिए आरओपी की समन्वित सतर्कता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा और निगरानी ग्रिड का निरीक्षण किया। अमरनाथ यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए पूरे कश्मीर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। हजारों पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों के

अलावा तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए यात्रा मार्ग के बाहरी इलाकों और ऊंचे इलाकों में सेना को भी तैनात किया गया है। अनंतनाग जिले में नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में बालटाल मार्ग के दोहरे मार्ग पर शनिवार को 52 दिवसीय अमरनाथ यात्रा शुरू हुई। पहले चार दिनों में 74,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना की। यात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी। पिछले साल 4.5 लाख तीर्थयात्रियों ने पवित्र मंदिर का दौरा किया था और इस साल अधिकारियों को संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

इफको के नैनो उर्वरक संवर्धन महाअभियान की शुरुआत

लखनऊ। नैनो उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए नैनो उर्वरक उपयोग संवर्धन महाअभियान की शुरुआत. इफको द्वारा की गई है। इसके अंतर्गत इफको द्वारा 200 मॉडल नैनो ग्राम समूह (क्लस्टर) चयनित किए गए हैं। इसके माध्यम से 800 गाँवों के किसानों को इफको द्वारा नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी एवं सागरिका के मूल्य (रूक्क) पर 25 प्रतिशत का अनुदान दिया जा रहा है ताकि किसान अपने खेतों में नैनो उर्वरकों का अधिक से अधिक प्रयोग कर सकें। इसके साथ ही इफको द्वारा ड्रोन उद्यमी को 100 रुपए प्रति एकड़ की दर से अनुदान दिया जाएगा जिससे किसानों को कम दरों पर छिड़काव की सुविधा प्राप्त हो सके। इन मॉडल नैनो गाँवों में जो फसल होगी उसकी गुणवत्ता एवं उत्पादन की वृद्धि का आंकलन कर किसानों को अवगत कराया जाएगा। नैनो उर्वरकों का खेती में प्रयोग बढ़ाने के लिए माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी 100 दिवसीय कार्य योजना की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत 413 जिलों में नैनो डीएपी (तरल) के 1270 प्रदर्शन एवं 100 जिलो में नैनो यूरिया प्लस

(तरल) के 200 परीक्षण किये जाएंगे। इन परीक्षणों में कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की मदद ली जाएगी और भारत सरकार द्वारा भी इसकी निगरानी की जाएगी।

इफको द्वारा नैनो उर्वरकों को सहकारी समिति एवं अन्य बिक्री केंद्र तक उपलब्ध कराया जाएगा। नैनो उर्वरकों के लाभ के बारे में किसानों को बताया जाएगा। नैनो उर्वरकों के छिड़काव हेतु इफको द्वारा 2500 कृषि ड्रोन किसानों के लिए उपलब्ध कराये जा रहे हैं जिसके लिए 300 'नमो ड्रोन दीदी' तथा ड्रोन उद्यमी तैयार किए गए हैं। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार के स्प्रेयर भी उपलब्ध कराये गये हैं जिनके माध्यम से किसान आसानी से अपने खेतों में नैनो उर्वरकों का छिड़काव कर सकेंगे। 245 लाख एकड़ क्षेत्र पर ड्रोन द्वारा स्प्रे करने के लिए 15 संस्थाओं से अनुबंध किया गया है जो किसानों के खेतों में छिड़काव करेंगे। प्रत्येक स्प्रे पर 100 रुपए प्रति एकड़ का इंसेंटिव भी प्रदान किया जाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जीका वायरस के मद्देनजर सभी राज्यों को जारी किया परामर्श

नई दिल्ली(हि.स.)। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने महाराष्ट्र में जीका वायरस के आठ मामलों की पुष्टि की है। जीका वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. अतुल गोयल ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है, जिसमें वायरस पर निरंतर निगरानी बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

चूंकि जीका वायरस प्रभावित गर्भवती महिला के भ्रूण में माइक्रोसेफली और न्यूरोलॉजिकल परिणामों से जुड़ा है, इसलिए राज्यों को करीबी निगरानी के लिए चिकित्सकों को सचेत करने की सलाह दी गई है। राज्यों से आग्रह किया गया है कि वे प्रभावित क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं में जीका वायरस संक्रमण की जांच कराएं। जीका वायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाली गर्भवती माताओं के भ्रूण के विकास की निगरानी रखी जाए और केंद्र सरकार के अनुसार कार्य

किया जाए। राज्यों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे स्वास्थ्य सुविधाओं एवं अस्पताल परिसर को एडीज मच्छर मुक्त रखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। राज्यों को आवासीय क्षेत्रों, कार्यस्थलों, स्कूलों, निर्माण स्थलों, संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं में एंटोमोलॉजिकल निगरानी को मजबूत करने और वेक्टर नियंत्रण गतिविधियों को तेज करने के महत्व पर जोर दिया गया है। राज्यों से समुदाय के बीच डर को कम करने के लिए सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्मों पर एहतियाती आईईसी संदेशों के माध्यम से जागरूकता को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया गया है। उल्लेखनीय है कि जीका, डेंगू और चिकनगुनिया की तरह एक एडीज मच्छर जनित वायरल बीमारी है। यह एक गैर घातक बीमारी है। हालांकि, जीका प्रभावित गर्भवती महिलाओं से पैदा होने वाले शिशुओं में माइक्रोसेफली (सिर का आकार कम होना) से जुड़ा है जो एक बड़ी चिंता का विषय है। भारत ने 2016 में गुजरात राज्य से पहला जीका मामला दर्ज किया था। तब से, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान, केरल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और कर्नाटक जैसे कई अन्य राज्यों में इसके मामले सामने आए हैं। दो जुलाई तक महाराष्ट्र में पुणे (6), कोल्हापुर (1) और संगमनेर (1) से आठ मामले सामने आए हैं।

पंजाब के खडूर साहिब सीट से निर्वाचित अमृतपाल सिंह 5 जुलाई को लेंगे लोकसभा में शपथ

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के खडूर साहिब लोकसभा सीट से चुनाव जीते अमृतपाल सिंह को सांसद के रूप में शपथ लेने की इजाजत मिल गई है।

वह 5 जुलाई को संसद भवन में शपथ लेंगे। फरीदकोट से सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात करके इजाजत मांगी थी। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल सिंह स्पीकर के कमरे में शपथ लेंगे। नियमों के मुताबिक निर्वाचित संसद सदस्य को 60 दिनों के भीतर शपथ लेनी होती है। अमृतपाल सिंह पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) को एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है।

नेपाल में कांग्रेस-एमाले गठबंधन सरकार बनाने के करीब, प्रचंड पड़े अकेले

काठमांडू। 3 जुलाई (हि.स.)। नेपाल में कांग्रेस-एमाले गठबंधन सरकार बनाने के करीब पहुंच गया। इस गठबंधन ने दो तिहाई सांसदों का समर्थन हासिल कर लिया है। प्रचंड का धीरे-धीरे सभी दल साथ छोड़ रहे हैं। एक तरह से वह अकेले पड़ गए हैं। कांग्रेस-एमाले गठबंधन की कल हुई बैठक में कुछ अन्य दलों का भी समर्थन मिल गया है। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा के निवास पर हुई बैठक में ओली के नेतृत्व में बनने वाली नई सरकार को राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी, जनमत पार्टी, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी तथा नागरिक उनमुक्ति पार्टी ने भी समर्थन दे दिया है।88 सांसदों वाली नेपाली कांग्रेस के समर्थन से प्रधानमंत्री बनने जा रहे केपी ओली की पार्टी के पास 78 सांसद हैं। उन्हें राप्रापा के 14, जसपा के 12, जनमत के 6, लोसपा के 4 और उन्मुक्ति पार्टी के 4 सांसदों का समर्थन हासिल है।

आलिया नीलम होंगी लाहौर हाई कोर्ट की पहली महिला चीफ जस्टिस

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान में लाहौर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के पद पर पहली बार कोई महिला आसीन होने जा रही है। पाकिस्तान के न्यायिक आयोग (जेसीपी) ने मंगलवार को सर्वसम्मति से जस्टिस आलिया नीलम की पदोन्नति को मंजूरी दी। इसी के साथ आलिया नीलम लाहौर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के पद पर पहुंचने वाली पहली महिला के रूप में इतिहास रचने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा की अध्यक्षता वाली जेसीपी ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश शुजात अली खान और न्यायमूर्ति अली बकर नजफी सहित लाहौर हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश के पद के लिए तीन न्यायाधीशों के नामांकन पर विचार करने के बाद उनकी पदोन्नति को मंजूरी दी। जेसीपी ने सर्वसम्मति से जस्टिस अकील अहमद अब्बासी की सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नति से रिक्तहुई सीट को भरने के लिए न्यायमूर्ति शफी सिद्दीकी को सिंध

उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की भी सिफारिश की। 7 जून को न्यायमूर्ति मलिक शहजाद अहमद खान की सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नति के बाद एलएचसी मुख्य न्यायाधीश का कार्यालय खाली हो गया, जिसके बाद न्यायमूर्ति शुजात अली खान को एलएचसी के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया। न्यायमूर्ति आलिया नीलम एलएचसी के न्यायाधीशों की वरिष्ठता सूची में तीसरे स्थान पर हैं। 7 जून की बैठक के दौरान जेसीपी ने एलएचसी मुख्य न्यायाधीश के पद के लिए उनके नामांकन पर विचार करने का निर्णय लिया था। एक ऐतिहासिक मील के पत्थर में, न्यायमूर्ति सैयदा ताहिरा सफदर न्यायमूर्ति मोहम्मद नूर मुस्कानजई की सेवानिवृत्ति के बाद 2018 में बलूचिस्तान उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश का पद संभालने वाली पहली महिला बनीं। इसके बाद एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई जब जस्टिस आयशा ए मलिक 2021 में सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त होने वाली पहली महिला जज बनीं।

तोशाखाना घोटाले से जुड़े विरोध मामले में पाक कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को किया बरी

तोशाखाना

पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने खान को मिले सरकारी उपहारों की बिक्री से जुड़ा तोशाखाना मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बन गया।

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राहत मिली है। दरअसल, तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में चुनाव आयोग द्वारा जेल में बंद प्रधानमंत्री को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ प्रदर्शन करने पर उन पर और उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ सहयोगियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे। अब अदालत ने दर्ज मामले में खान और उनके सहयोगियों को बरी कर दिया है। जिला एवं सत्र न्यायालय द्वारा इस मामले में बरी किये गये अन्य नेताओं में शाह महमूद कुरैशी, शेख रशीद, असद कैसर, शहरयार अफरीदी, फैसल जावेद, राजा खुर्रम नवाज और अली नवाज अवान शामिल हैं। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायिक मजिस्ट्रेट यासिर महमूद ने बुधवार को सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया, जिसे बरी करने की मांग वाली याचिकाओं पर पिछले सप्ताह सुरक्षित रखा गया था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 71 वर्षीय संस्थापक इमरान खान और अन्य राजनेताओं के खिलाफ आबपारा पुलिस स्टेशन में पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के तोशाखाना भ्रष्टाचार के फैसले के खिलाफ विरोध करने पर मामला दर्ज किया गया था, जिसने उन्हें सीमित समय के लिए पद पर रहने से अयोग्य घोषित कर दिया था।

तोशाखाना कैबिनेट प्रभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत आने वाला एक विभाग है और इसमें अन्य सरकारों और राज्यों के प्रमुखों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा शासकों, सांसदों, नौकरशाहों और अधिकारियों को दिए गए बहुमूल्य उपहार संग्रहित किए जाते हैं। पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने खान को मिले सरकारी उपहारों की बिक्री से जुड़ा तोशाखाना मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बन गया। जब ईसीपी ने झूठे बयान और गलत घोषणा करने के लिए खान को अयोग्य घोषित कर दिया। खान ने पहले तर्क दिया था कि चुनाव अधिनियम 2017 में हाल ही में किए गए संशोधनों से अदालत के दोषसिद्धि के आधार पर किसी सदस्य की योग्यता या अयोग्यता तय करने में ईसीपी के अधिकार क्षेत्र को सीमित कर दिया गया है।

उन्होंने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया था कि वह निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के बजाय 8 फरवरी के आम चुनावों से उन्हें बाहर करने के लिए गैरकानूनी उत्साह और जल्दबाजी में काम कर रहा है। पिछले साल 5 अगस्त को खान को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में तीन साल की कैद और 100,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया था, जिसे बाद में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने निलंबित कर दिया था। 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद से खान भ्रष्टाचार से लेकर आतंकवाद तक के कई आरोपों का सामना कर रहे हैं।

हाथरस हादसे पर रूस के राष्ट्राध्यक्ष पुतिन ने जताया दुख, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोदी को भेजा शोक संदेश

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने हाथरस सत्संग हादसे पर दुख

जताया है। पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शोक संदेश भेजा है। उन्होंने लिखा, हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को मेरी सहानुभूति एवं समर्थन व्यक्त करें, साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। बता दें कि इस हादसे में अभी तक 121 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। उत्तर प्रदेश के हाथरस में स्वयंभू बाबा उर्फ नारायण साकार हरि के धार्मिक आयोजन में भगदड़ मचने से 121 से लोगों की मौत हो गई। हाथरस भगदड़ में 100 से अधिक महिलाओं और सात बच्चों सहित कम से कम 121 लोग मारे गए और 28 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि जिस स्थान पर हाथरस में भगदड़ हुई, वह मंगलवार दोपहर को वहां एकत्र हुई भीड़ को समायोजित करने के लिए बहुत छोटा था। सत्संग के बाद जब नारायण साकार हरि जा रहे थे, तो उनके अनुयायियों में उनकी कार के टायरों के निशान से धूल इकट्ठा करने की होड़ मच गई। इससे भगदड़ मच गई और सैकड़ों लोग कुचले गए। अधिकारियों ने बताया कि उनके सहयोगियों (जिन्हें सेवादार के नाम से जाना जाता है) ने भीड़ को आदमी के पास जाने से रोका था दिया और भाग रहे लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े, जिससे नीचे खड़े लोगों का दम घुटने लगा।

अमेरिका में भारतीय अमेरिकी डॉक्टर पर स्वास्थ्य सेवा में धोखाधड़ी का आरोप

वाशिंगटन हि.स.)। अमेरिका के शिकागो में 51 वर्षीय एक भारतीय मूल की अमेरिकी चिकित्सक पर स्वास्थ्य सेवा में धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। महिला चिकित्सक पर गैर-मौजूद सेवाओं के इलाज करने और और निजी बीमा कंपनियों को बिल भेजकर संघीय स्वास्थ्य सेवा धोखाधड़ी का अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। मोना घोष प्रसूति एवं स्त्री रोग सेवाओं में विशेषज्ञता रखने वाले 'प्रोग्रेसिव वूमेन हेल्थकेयर' की मालिक और संचालक हैं। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल धोखाधड़ी के दो मामलों में अपना दोष स्वीकार किया है। प्रत्येक मामले में संघीय जेल में दस साल तक की सजा हो सकती है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश फ्रैंकलिन यू वाल्डेरामा ने सजा सुनाने के लिए 22 अक्टूबर की तारीख तय की है।

नेपाल में सत्ता गठबंधन टूटने के बाद प्रधानमंत्री प्रचंड पर इस्तीफे का दबाव बढ़ा

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल में सत्ता गठबंधन टूटने और नए राजनीतिक समीकरण बनने के बाद प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। लगभग सभी विपक्षी दलों ने उनसे तत्काल इस्तीफा देने को कहा है, इसलिए उनके इस्तीफे पर सबकी निगाहें टिकी है।

संसद में बहुमत खोने पर लगातार पद छोड़ने का दबाब बढ़ने के बाद अब प्रधानमंत्री के पास इस्तीफे के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा है। प्रचंड की निजी सचिव समेत रही उनकी बेटी गंगा दाहाल ने बताया कि प्रधानमंत्री 7 जुलाई को प्रतिनिधि सभा में अपना संबोधन देने के बाद अपने पद से इस्तीफा देने वाले हैं। इधर, नए समीकरण बनने के बाद नेपाली कांग्रेस और नेकपा एमाले ने अपनी-अपनी पार्टी की बैठक के बाद प्रधानमंत्री से इस्तीफा देने की मांग की है। इन दोनों दलों ने बिना देरी किए ही प्रधानमंत्री को पद छोड़ने के लिए कहा है। अब तक सरकार में रही नेकपा एमाले ने आज शाम को अपने मंत्रियों से सामूहिक इस्तीफा देने को कहा है। एमाले आज ही सरकार से अपना समर्थन वापस लेने की घोषणा भी करने वाली है।

हिजबुल्ला ने कहा, गाजा में संघर्ष विराम के बाद इजराइल से जंग रोक देंगे

बेरूत(हि.स.)। लेबनान-इजराइल सीमा पर जारी संघर्ष को लेकर लेबनानी चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के उपनेता ने मंगलवार को कहा कि गाजा में पूर्ण संघर्ष विराम के बाद उनका समूह भी जंग रोक देगा। हिजबुल्ला के उपनेता शेख नईम कासिम ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में समूह के राजनीतिक कार्यालय में एक साक्षात्कार में कहा, अगर गाजा में संघर्ष विराम होता है तो हम बिना किसी चर्चा के युद्ध रोक देंगे।

कासिम ने कहा कि इजराइल-हमास युद्ध में हिजबुल्ला की भागीदारी उसके सहयोगी हमास के लिए एक 'समर्थक मोर्चे' के रूप में रही है और अगर युद्ध रुक जाता है तो सैन्य समर्थन भी नहीं रहेगा। उन्होंने कहा लेकिन अगर इजराइल बिना किसी औपचारिक युद्ध विराम समझौते के गाजा से अपनी पूरी की पूरी सेना वापस बुला लेता है तो लेबनान-इजराइल पर जारी संघर्ष

की जटिलताएं बरकरार रह सकती हैं। कासिम ने कहा, अगर गाजा में संघर्ष विराम होने या फिर नहीं होने, युद्ध और युद्ध नहीं होने को लेकर मिलीजुली चीजें रहती हैं तो हम उस पर अभी कोई जवाब नहीं दे सकते (कि हम क्या प्रतिक्रिया देंगे) क्योंकि हम इसके स्वरूप, इसके परिणामों, इसके प्रभावों को नहीं जानते हैं।

विद्यालय का सर्वांगीण विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता: डॉ प्रमोद कुमार प्रधानाचार्य

पुरातन छात्रों का किया जाएगा समागम किया जाएगा सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। जिले के प्राचीनतम और प्रतिष्ठित विधालय बीआरपी इंटर कॉलेज के नवागत प्रधानाचार्य के रूप में कुलभास्कर आश्रम कृषि इंटर कॉलेज प्रयागराज से स्थानांतरित होकर आए डॉ प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने आज बीआरपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने पत्रकारों से बातचीत किया। इस दौरान उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बताते हुए कहा कि इस सत्र में पठान-पाटन की व्यवस्था को सही करना विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण को कॉन्वेंट स्कूल के बराबर करना कॉलेज और ऊंचाई पर ले जाना मेरी प्राथमिकता है। साथ ही कॉलेज कॉलेज को हर क्षेत्र में शिक्षा खेलकुद डिबेट स्वास्थ्य में भी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए जोरदार प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालय के उत्तरोत्तर विकास के लिए कॉलेज के पुरातन छात्रों का भी सहयोग लिया जाएगा। कॉलेज में पुरातन छात्र समागम कराकर उनको सम्मानित भी किया जाएगा साथ ही विद्यालय को किस तरह से और ऊंचाई पर ले जाएं उनका सहयोग और सुझाव लिया जाएगा। विद्यालय के विकास में समाज के विभिन्न वर्गों का भी सहयोग लिया जाएगा। श्रीवास्तव ने बताया कि बीआरपी इंटर कॉलेज का 1959 से लेकर 1980 तक इस कॉलेज का स्वर्णिम काल था उसे दौर के पूर्व प्रधानाचार्य स्वर्गीय बाबू श्री रघुवीर प्रसाद वर्मा, स्वर्गीय मदन मोहन वर्मा स्वर्गीय डॉक्टर कमल कांत वर्मा बीआरपी इंटर कॉलेज के प्रबंधक हुआ करते थे। मेरा इस विद्यालय से गहरा लगाव है जिस कारण में प्रयागराज को छोड़कर पुनः विद्यालय में एक नए विजन के साथ आया हूं। आशा करता हूं कि आप सभी का पूरा सहयोग कॉलेज को उच्च शिखर तक पहुंचने में प्राप्त होता रहेगा। मैं पूर्व में भी इस विद्यालय में 22 वर्ष तक रसायन विज्ञान के प्रवक्ता पद पर भी अपनी सेवा दे चुका हूं। वहीं कॉलेज का पदभार ग्रहण करते ही विभिन्न शिक्षक संगठनों के नेताओं ने पहुंचकर उन्हें बधाई दिया। इस क्रम में माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड के पूर्व सदस्य ललित श्रीवास्तव माध्यमिक शिक्षक संघ ठाकुरई गुट के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमेश सिंह, राकेश सिंह, दिलीप सिंह, अनिल सिंह, अतुल सिंह ,जिला अध्यक्ष तेरस यादव शशि प्रकाश शुक्ला सुनील कुमार सिंह व प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अमित सिंह ,राजेश सिंह, संतोष सिंह, सहित विद्यालय के अजय वर्मा, दीपक श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव मनोज मिश्र, प्रकाश यादव, ओम प्रकाश ,धर्मेंद्र यादव, विमल श्रीवास्तव ,संजीव सिंह, गुलराज यादव ,जगत प्रकाश श्रीवास्तव, दिलीप श्रीवास्तव आदि ने बुक देकर जोरदार स्वागत किया। उक्त जानकारी कॉलेज के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

एसीए लीग में प्रवेश के लिए फार्म का वितरण आठ से

प्रयागराज। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा सत्र 2024-25 में आयोजित होने वाली ए डिवीजन एमआर शेरवानी, बी डिवीजन डॉ. रवि वर्मा, सी डिवीजन मनीष देब/स्कंद गुप्त अंडर-16 और डी डिवीजन शशि द्विवेदी अंडर-14 गर्ल्स/ब्वॉयज लीग कम नॉकआउट क्रिकेट टूर्नामेंट के प्रवेश फॉर्म का वितरण आठ जुलाई से होगा। एसीए के निदेशक डॉ. सुरेश द्विवेदी ने बताया कि इच्छुक क्लब/ऑफिस/इंस्टीट्यूशन की टीमें, एसीए जोनल ऑफिस, तमन्ना नर्सिंग इंस्टीट्यूट, हाशिमपुर रोड (कमला नेहरू अस्पताल के पास) से सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक (रविवार को छोड़कर), एसीए जोनल ऑफिस के प्रभारी राजीव मोहन साहू, संयुक्त संयोजक (प्रबंधन) सोमेश्वर पांडेय, सहायक संयोजक (लेखा) अंकित पांडेय अथवा सहायक संयोजक (मंडल) प्रितेश सोनकर से प्रवेश और खिलाड़ी पंजीकरण फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश एवं खिलाड़ी पंजीकरण फॉर्म की अंतिम तिथि 24 जुलाई होगी। इसके बाद किसी भी क्लब/ ऑफिस/ इंस्टीट्यूशन की टीम को प्रवेश पत्र नहीं मिलेगा। प्रवेश एवं खिलाड़ियों का पंजीकरण फार्म भरकर, एसीए की सम्पूर्ण लीग फीस के साथ 17 अगस्त तक जमा करना होगा।

हॉस्टल में छात्रा ने फांसी लगाकर दे दी जान

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर (जफराबाद)। जलालपुर क्षेत्र के गयासपुर गांव में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय के हॉस्टल में कक्षा नौ की एक 13 वर्षीय छात्रा ने पंखे से फाँसी लगाकर अपनी जान दे दिया। ऊक्त क्षेत्र के बिशुनपुर मझवारा गांव में छात्रा रूबी निषाद पुत्री दिनेश निषाद का ननिहाल है।रूबी बदलापुर क्षेत्र के जगदीशपुर बहरीपुर बटाऊबीर निवासी दिनेश निषाद की पुत्री थी।वर्ष 2012 में जब रूबी का जन्म हुआ उसी के कुछ दिन बाद उसकी माँ सीमा को पति ने गला दबाकर मार डाला था।जिसमे उसे 10 वर्ष की सजा हुई थी।उसी समय से रूबी के नाना प्यारेलाल ने रूबी निषाद को अपने पास ही रख कर उसका पालन पोषण किया।मामा गोविंद निषाद ने इस वर्ष अप्रैल में रूबी का इस विद्यालय में कक्षा नौ में एडमिशन कराया। 20 मई को विद्यालय की छुट्टी होने के बाद रूबी घर गयी थी।जुलाई में स्कूल शुरू हो गया।मंगलवार की ही शाम को साढ़े चार बजे वह अपने मामा गोविंद के साथ विद्यालय आयी।एक डेढ़ घण्टे तक वह विद्यालय में मौजूद अन्य 15 छात्राओं के साथ अनमने मन से खेलती रही।उसके बाद वह हॉस्टल के एक कमरे में गयी।वहां ओर एक तख्ते पर बाल्टी रखकर अपनी ओढ़नी से पंखे के सहारे फाँसी लगा लिया।थोड़ी देर बाद उसके साथ कि लड़कियों ने उसको फाँसी से लटका देख कर बाहर मौजूद हॉस्टल इंचार्ज रीता श्रीवास्तव को बताया। वह भाग कर गयी। हालांकि तब तक उसकी मौत हो गयी थी।घटना की सूचना पर थानाध्यक्ष मनोज सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंच गए।उसके बाद एस पी सिटी बृजेश कुमार,सीओ केराकत प्रतिमा वर्मा,सीडीओ साई सीलम तेजा, समाज कल्याण अधिकारी नीरज कुमार, बीडीओ सिरकोनी रेनू चौधरी व फॉरेंसिक टीम भी पहुंच कर जांच पड़ताल में लगी रही।घटना से वहां पर मौजूद छात्राओं में दहशत का माहौल बन गया। माहौल को देखते हुए सीडीओ ने बीडीओ को रात में छात्राओं व वार्डन आदि के साथ विद्यालय में रुकने को कहा। जिससे उन्हें भय न रहे।

मांडा थाने के तीन दरोगा लाइन हाजिर

प्रयागराज। प्रयागराज में जज के यहां निजी काम करने वाले युवक को प्रताड़ित करने के मामले में तीन दरोगाओं का लाइन हाजिर किया गया। दरअसल लूट के मामले में जांच में जुटी पुलिस एक युवक को उठाकर पूछताछ कर रही थी। घर वालों ने जज से गुहार लगाई कि युवक को प्रताड़ित किया जा रहा है। फिर मामला पुलिस कमिश्नर तक पहुंचा और जांच हुई। अंत में युवक को उठाकर प्रताड़ित करने के मामले में यमुना नगर के मांडा थाने में तीन दरोगाओं को एक साथ लाइन हाजिर कर दिया गया। साथ ही उनके खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मांडा थाना क्षेत्र के मडार गांव में 3 दिन पहले 20 हजार रुपए की लूट का मामला सामने आया था। इस मामले की जांच में जुटी मांडा पुलिस ने नहवाई क्षेत्र के एक युवक को उठाया। बताया जाता है कि उसे काफी प्रताड़ित किया गया। युवक एक जज के यहां निजी काम करता था। पुलिस से गुहार लगाने के बाद उस युवक के घरवालों ने इसकी गुहार न्यायाधीश को दी। मामला पुलिस कमिश्नर तक पहुंचा। उन्होंने मांडा थाने में तैनात 3 दरोगाओं शहनवाज आलम, कपिल द्विवेदी व दिघिया चौकी के दरोगा सन्नेश बाबू गौतम को लाइन हाज़िर कर दिया।

राज्य पेयजल व स्वच्छता मिशन के तहत कार्यशाला आयोजित

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर (मुंगराबादशाहपुर)। विकासखंड में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन द्वारा नामित संस्था जानकी प्रसाद मेमोरियल रिसर्च एंड एजुकेशनल ट्रस्ट महाराजगंज द्वारा विकास खण्ड परिसर में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सहायक विकास अधिकारी शिव शंकर मिश्रा और संस्था के सहायक डी पी सी योगेश चंद्र शुक्ला की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षक आशुतोष पांडेय व विजय पांडेय द्वारा जल जनित मुद्दों दूषित पानी पीने से होने वाली बीमारियां और उनसे बचने के उपाय के बारे में बताया गया। स्वास्थ्य,सफाई व सुरक्षित पेयजल प्रदान करने तथा ठोस और तरल कचरा प्रबंधन हेतु बताया गया ।खंड विकास अधिकारी सूर्यकांत पांडेय व सहायक विकास अधिकारी शिव शंकर मिश्रा ने जल जीवन मिशन की टीम की गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर गांव में रवाना किया। कार्यशाला में भूपेश कुमार, चंद्रशेखर, शशिकांत, राजकपूर पटेल,लाला यादव, प्रकाश सरोज,अंकित यादव अनुज पाल विजय पांडेय छोटू यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मडियाहूं का सीएमओ ने किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मडियाहूं का औचक निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने उक्त कर्माचारियों का स्पष्टीकरण प्राप्त करने हेतु चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया। स्पष्टीकरण संतोषजनक प्राप्त न होने पर सभी का वेतन रोकने का आदेश दिया। अस्पताल में निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, पेयजल इत्यादि की व्यवस्था अच्छी पाई गई। अस्पताल में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता थी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने रोगियों से उनके स्वास्थ्य एवं कराए जा रहे उपचार के विषय में जानकारी प्राप्त किया। जनपद में चलाए जा रहे संचारी अभियान के दृष्टिगत मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने साफ-सफाई, जन जागरूकता, एंटी लारवा छिड़काव, झाड़ी की कटाई इत्यादि के विषय में संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर गतिविधियां कराने हेतु चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया।

11 जुलाई से प्रारंभ होने वाले दस्तक अभियान की तैयारी की समीक्षा भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दस्तक अभियान की माइक्रो प्लानिंग, फ्रंटलाइन वर्कर्स के प्रशिक्षण इत्यादि के विषय में जानकारी प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण गुणवत्ता परक ढंग से कराया जाए। दस्तक अभियान के अंतर्गत संपादित की जाने वाली गतिविधियां माइक्रो प्लान के अनुसार ही संपादित कराई जाएं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपद के समस्त चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देशित किया कि संचारी अभियान शासन के शीर्ष प्राथमिकता में है, अतः अभियान से संबंधित किसी भी अधिकारी कर्मचारी को अवकाश अपरिहार्य कारणवश किसी को अवकाश की स्वीकृति देना हो तो वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए इसकी पूर्वानुमति उनसे अवश्य प्राप्त की जाए। संचारी एवं दस्तक अभियान की कार्य योजना के अनुसार प्रतिदिन उपलब्ध की समीक्षा करें। यदि समीक्षा में किसी भी विभाग की किसी गतिविधि में कमी पाई जाती है तो उन्हें तत्काल अवगत कराएं तथा आगामी दिवसों में गतिविधि कराकर कमी को पूर्ण करें। दैनिक समीक्षा की सूचना नोडल अधिकारी संचारी अभियान को अवश्य दें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह ने आम जनमानस से अपील किया है कि दस्तक अभियान के दौरान जब स्वास्थ्य कार्यकर्ता उनके घर जाएं तो वह उन्हें पूर्ण सहयोग प्रदान करें, जिससे अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके। निरीक्षण के दौरान बीपीएम प्रशांत राय, बीसीपीएम वंदना मिश्रा सहित कुल चार कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।

सर्वोदय हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर में डॉ. मनीष देंगे सेचाएं

हास्पिटल के संस्थापक ने किया स्वागत

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। सर्वोदय हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर, घोरठ, हरबंशपुर में डा0 मनीष यादव (एमबीबीएस, एम0एस, कन्सलटेन्ट आर्थोपेडिक्स) का हास्पिटल के संस्थापक राजेन्द्र प्रसाद यादव ने माल्यार्पण एवं बुके देकर स्वागत किया। इस अवसर पर डा0 मनीष यादव द्वारा बताया गया वर्तमान समय में देखा गया है बतया गया कि खान-पान में रासायनिक का प्रयोग एवं दुषित वातावरण के कारण कैल्शियम की कमी हो जाती है जिससे हड्डियों में तमाम बिमारियाँ जैसे- अर्थराइटिस, आस्टीयोपोरोसिस जैसी गम्भीर बिमारियाँ हो रही है। डा0 मनीष यादव जी ने बताया कि सर्वोदय हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर, में आर्थोपेडिक्स से सम्बन्धित आधुनिक तकनीक एवं सुविधाएँ उपलब्ध है।

इस अवसर पर संस्थापक राजेन्द्र प्रसाद यादव ने प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया उन्होंने बताया कि हमारा उद्देदश्य लोगो को बेहतर स्वास्थ सुविधा, उपलब्ध कराना है। इस दौरान डा0 रजनीश यादव, राजीव, बबिता यादव, रिशु शर्मा, नीलू यादव, कृष्णकान्त गोंड, मंजू यादव, अनुष्का विश्वकर्मा सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

राज्य निधि मद की धनराशि से वित्तीय सहायता हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा राज्य निधि मद की धनराशि से सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक संस्थाओं और दिव्यांगजनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु निर्धारित श्रेणी के अंतर्गत आवेदन पत्र माँगे गये हैं, जिसके अनुसार 1. दिव्यांगजन द्वारा बनाये गये चित्रों, हस्तकला आदि सहित उत्पादों को प्रर्दशित करने लिए प्रदर्शनी एवं कार्यशालाओं हेतु वित्तीय सहायता, 2. दिव्यांगजन जिनका खेल/ललित कला/संगीत/ नृत्य/ फिल्म/ थियेटर/साहित्य जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रर्दशन हो, उन्हें राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय आयोजनों में प्रतिभाग किये जाने एवं खेल आयोजन हेतु वित्तीय सहायता, 3. दिव्यांगजनों के दैनिक जीवन की गतिविधियों को बेहतर बनाने के लिए बेंच मार्क दिव्यांगता के व्यक्तियों को उच्च सहायता वाले उपकरण क्रय हेतु वित्तीय सहायता, 4. ऐसे दिव्यांगजन जो गम्भीर बीमारियों जैसे कैंसर, थैलीसीमिया, प्लास्टिक एनीमिया, बहुस्केलोरोसिस से ग्रसित हो अथवा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से आच्छादित न हों, को चिकित्सा हेतु वित्तीय सहायता, 5. दिव्यांगजनों की शिक्षा एवं पुनर्वास से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं एवं सम्बद्ध हितधारकों का उन्मुखीकरण/ प्रशिक्षण कार्यक्रम (इन सर्विस प्रोग्राम) हेतु वित्तीय सहायता, 6. दिव्यांगजन हेतु संचालित विशेष विद्यालयों में गणित अथवा विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी अथवा मनोवैज्ञानिक आदि प्रयोगशालाओं की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता, 7. दिव्यांगजन हेतु संचालित विशेष विद्यालयों में खेल सुविधाओं का विकास, खेल उपकरण क्रय हेतु वित्तीय सहायता, 8. दिव्यांगजनों के पुनर्वासन हेतु सम्बन्धित सामाजिक, चिकित्सीय, शैक्षिक एवं विधिक आदि विषयों पर राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजन हेतु वित्तीय सहायता। उक्त श्रेणी 1 एवं 2 अंतर्गत जनपद के सरकारी संगठन या सोसाइटी अधिनियम, कम्पनी अधिनियम, ट्रस्ट अधिनियम, पी0डब्लू0डी0 एक्ट-2016 अंतर्गत पंजीकृत संगठन जिनका विपणन उत्पादों तथा चित्रों की प्रर्दशनी व कार्यशालाओं के आयोजन में कम से कम दो वर्ष का अनुभव हो एवं श्रेणी-2 से 4 अंतर्गत दिव्यांगजन स्वयं एवं श्रेणी 6 से 08 अंतर्गत विशेष विद्यालय संचालित कर स्वैच्छिक संस्थाएं आवेदन कर सकती हैं। इच्छुक संगठन, संस्थान, दिव्यांगजन सम्बन्धित श्रेणी का निर्धारित आवेदन पत्र पूर्ण कर 15 जुलाई तक विकास भवन में कक्ष संख्या-13 स्थित अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। राज्य निधि मद अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु निर्धारित श्रेणी, पात्रता की शर्तें एवं आवेदन पत्र का प्रारूप किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। यह जानकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी इन्द्रसेन सरोज ने दी है।

पुरानी पेंशन विसंगति समाधान मोर्चा के प्रदेश संयोजक ने किया स्वागत

बरदह,आजमगढ़। पुरानी पेंशन विसंगति समाधान मोर्चा के प्रदेश संयोजक मनोज कुमार राय व पद्माकर सिंह के नेतृत्व में नवागत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आजमगढ़ को पुष्प गुच्छ देकर जनपद के प्रथम आगमन पर उनका स्वागत किया गया । तथा इस अवसर पर उन्हें अवगत कराया कि हम लोग वीबीटीसी 2004 बैच के शिक्षक हैं और राज्य सरकार द्वारा हमारी पुरानी पेंशन योजना बहाल कर दिया गया है। प्रत्युत्तर में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी को बधाई देते हुए मोर्चे के सभी सदस्यों के संघर्ष की सराहना किया।

इसी क्रम में यशस्वी प्राचार्य अमरनाथ राय से मिलकर पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। अमरनाथ राय पूर्व में यहां प्राचार्य रहे और डीआईओएस के पद पर महराजगंज चले गए थे ,आपकी वापसी पर अधिक प्रसन्नता हुई। प्रतिनिधि मंडल में अजय पांडे, चंद्रभान सिंह,मनोज राय सहित दर्जनों शिक्षक सम्मिलित रहे।

कलेक्ट्रेट चौराहे पर भाजपा ने फुंका गया राहुल गांधी पुतला

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। भारतीय जनता पार्टी आजमगढ़ इकाई के जिला उपाध्यक्ष हरिवंश मिश्र की अगुवाई में कलेक्ट्रेट चौराहे पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का प्रतिकात्मक पुतला दहन किया गया। इस दौरान राहुल को एक्सीडेंटल हिन्दू करार देते हुए जमकर भड़ास निकाली गई। भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिवंश मिश्र ने कहा कि राहुल गांधी लगातार बहुसंख्यक हिंदुओं को अपमानित करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने संसद में जिस तरह से हिंदुओं को हिंसक बताया है, भगवान शिव की तस्वीर को लेकर राजनीति की है वह निंदनीय है और इस मामले में उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। भाजपा नेताओं ने राष्ट्रपति और लोकसभा स्पीकर से इस मामले में दखल दिए जाने और राहुल गांधी के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है। राहुल गांधी के बयान का समर्थन करने वाले उद्धव ठाकरे के बयान को आड़े हाथों लेते हुए श्री मिश्र ने कहाकि आज उनके पिता बाला साहेब जीवनपर्यंत हिन्दुओं की रक्षा के लिए आवाज उठाए आज उनके पुत्र वोट की चाहत में हिन्दुओं के विरोध में बयान देने वाले एक्सीडेंटल राहुल की वकालत कर रहे है। जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जिला महामंत्री मिथिलेश चौरसिया, जिला मोर्चा के गौतम राय, व रवि यादव ने मांग की है कि राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द की जाए और उनके खिलाफक्रिमिनल केस दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए। नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि अपनी इस मांग को लेकर वह लगातार लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाते रहेंगे। राहुल गांधी का यह कृत्य कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुतला फूंकने वालों में जिला महामंत्री मिथिलेश चौरसिया, जिला महामंत्री गौतम राय, जिला उपाध्यक्ष रवि यादव, जिला मंत्री मनीष गुप्ता, शिवम सिंह, नगर अध्यक्ष आकाश गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष बलवंत चौहान, मंडल अध्यक्ष सूरज सिंह, राम निवास सिंह, कृष्ण मणि उपाध्याय, आनंद गुप्ता, दिनेश सोनकर आदि शामिल रहे।

रोटरी मिडटाउन ने किया नवजात शिशु एवं माँ की देख रेख हेतु किट वितरण

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद मिडटाउन ने बुधवार तीन जुलाई को कर्नल गंज स्थित प्राथमिक विद्यालय में नवजात शिशु एवं माँ की देख रेख हेतु किट वितरण किया। किट में 10 माँ एवं शिशु हेतु बेबी नेट, ग्राइप वॉटर, बोतल साबुन पाउडर इत्यादि वितरित किया गया। परियोजना अध्यक्षा अनुरागिनी सिंह ने महिलाओं को बताया कि प्रसव के बाद नई मां का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है जितना कि शिशु का। प्रसव यानी डिलिवरी के बाद भी स्वयं का उतना ही ध्यान रखें जितना प्रसव से पहले प्रेगनेंसी के दौरान क्योंकि मातृत्व के नई सफर में कदम रखने का मतलब है कि महिला के शरीर में शारीरिक और भावनात्मक रूप से कई तरह के बदलाव होते हैं। जिसका सीधा असर महिला की सेहत पर पड़ता है। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष राधा सक्सेना, सपना नरसरिया, रति तिवारी, दीप्ति, अंकिता चड्ढा, दिव्या कपूर आदि उपस्थित रहे।

मनुष्य की जीत का अन्वेषण करती है विमला व्यास की किताब

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। सुप्रसिद्ध स्थानीय लेखिका एवं कथाकार की नई किताब जिंदगी यहीं कहीं जीवन की चुनौतियों पर मनुष्य की जीत का अन्वेषण करती है। स्थानीय लेखिका डॉ. विमला व्यास की नई किताब ÷ज़िंदगी यहीं कहीं÷ इसी महीने रिलीज हो रही हैं। यह किताब, जो कई वर्षों से विकास के दौर से गुज़र रही थी, मानव जीवन के संघर्षों और उन पर उसकी विजय का एक सशक्त अन्वेषण है, जिसे आज के बदलते सामाजिक परिवेश और प्रेरक पात्रों की नज़र से देखा गया है। डॉ. विमला व्यास ने कहा कि ज़िंदगी यहीं कहीं सत्यता, उम्मीद, समझौते और सबसे कठिन बाधाओं को भी पार करने की मानवीय शक्ति के बारे में कही गई ÷ग्यारह कहानियों÷ का संग्रह है। यह हमारी आपकी कहानियाँ हैं। सच पूछिये तो यह हमारे जीवन, प्रेम, रिश्तों और इनसे जुड़ी जटिलताओं का उत्सव है, और मुझे उम्मीद है कि पाठकों को यह बेहद दिलचस्प और प्रेरणादायक लगेगा।

पुस्तक का शीर्षक ज़िंदगी यहीं कहीं इसके सार्वभौमिक विषयों और संदेशों को दर्शाता है। यह दिल को छू लेने वाली कहानियों का ऐसा संकलन है, जो सभी उम्र और पृष्ठभूमि के पाठकों को पसंद आयेंगी और उन्हें, ज़िंदगी को एक नये नजरिये से देखने-समझने के लिए प्रेरित करेंगी।

आदर्श क्षेत्रीय केंद्र के रूप में पहचाना जाये अयोध्या केन्द्रः कुलपति

मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति ने किया परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रदेशव्यापी अभियान के अंतर्गत बुधवार को प्रतापगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर व अयोध्या में संचालित परीक्षाओं का हाल जानने के लिए परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र पर बैठक आयोजित करके क्षेत्रीय केंद्र के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने अयोध्या केन्द्र को एक आदर्श क्षेत्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने केंद्र समन्वयक को आगामी सत्र में प्रवेश हेतु प्रवेश पूर्व काउंसलिंग प्रारंभ करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्थानीय लोगों की रुचि की आवश्यकताओं के अनुसार संबंधित कार्यक्रमों में आधिकाधिक प्रवेश हेतु प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने पूरे प्रदेश में पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण परीक्षा संचालित करने के लिए प्रदेशव्यापी अभियान चलाया है। जिसके अंतर्गत आज वह स्वयं परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण करने निकले और उन्होंने प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, अमेठी और अयोध्या में विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्राध्यक्षों को निर्देशित किया कि विश्वविद्यालय के मानकों के अनुसार ही परीक्षा का संचालन कराया जाए अन्यथा की स्थिति में केंद्र के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुलपति के संदेश का असर परीक्षा केन्द्रों पर साफ दिखाई दिया। इसके पूर्व कुलपति हमीरपुर के एक परीक्षा केंद्र के खिलाफ कार्रवाई करके सख्त संदेश दे चुके हैं।

रोजगार मेले का आयोजन 06 को

प्रयागराज। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय परिसर में 06 जुलाई को प्रातः 10:00 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है। इस मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियों द्वारा लगभग 200 विभिन्न रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही की जायेगी। इस रोजगार मेले में हाई-स्कूल, इण्टर, स्नातक, आई0टी0आई0, डिप्लोमा उत्तीर्ण, आयु सीमा 18 से 40 वर्ष के अभ्यर्थी सेवायोजन पोर्टल पर अपना पंजीयन कराने के उपरान्त सम्बन्धित कम्पनियों में आवेदन कर अपने जॉब कार्ड या रिज्यूम के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थी रिक्तियों से सम्बन्धित विस्तृत विवरण सेवायोजन पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं। इस मेले में प्रतिभाग हेतु यात्रा भात्ता देय नहीं होगा। यह जानकारी प्र0 सहायक निदेशक, सेवायोजन, प्रयागराज ने दी है।

चोरों ने विद्यालय को बनाया निशाना

जौनपुर(खेतासराय) स्थानीय थाना क्षेत्र के पाराकमाल गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय को चोरो ने मंगलवार की रात निशाना बनाते हुए ताला तोड़ कर टैबलेट उड़ा दिया। सुबह घटना की जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दे दी गयी है।उक्त गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय को रात चोरों ने विद्यालय का ताला तोड़कर अन्दर घुस गए और अलमारी में रखा टैबलेट को चुरा ले गए। घटना की जानकारी बुधवार की सुबह प्रधानाध्यापक सबा परवीन को तब हुई जब वह विद्यालय गेट का ताला टूटा देखी और अवाक रह गयी।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **24.07.2024** को **15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुयल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदादाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

	निविदा सूचना संख्या	05902024 दिनांक 02.07.2024
1	कार्य का नाम :	वरिष्ठ मंडल इंजीनियर द्वित्य लखनऊ के अधीन सहायक मंडल इंजीनियर रायबरैली और सहायक मंडल इंजीनियर प्रतापगढ़ के अनुभाग में दोहरीकरण कार्य के दौरान निर्माण संगठन के बचे हुए कार्य के संबंध में रबरयुक्त सतह के साथ विभिन्न लेवल क्रॉसिंग का सतही सुधार का कार्य।
2	अनुमानित लागत	Rs. 34941933.24
3	धरोहर राशि	Rs. 3,24,700.00
4	कार्य समापन की अवधि	स्वीकृत पत्र की तिथि से 08 माह
4	निविदा डालने का प्रारंभ	10.07.2024
6	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	24.07.2024 15:00 बजे
7	वेबसाईट	www.ireps.gov.in

निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 2000/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रीजेंसी हेल्थ के विशेषज्ञों के अनुसारः 2040 तक प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों के लिए एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या बन जायेगा

लखनऊ। रीजेंसी हेल्थ विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि 2040 तक प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्या बन जायेगी। प्रोस्टेट कैंसर पर द लैंसेट कमीशन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2020 और 2040 के बीच प्रोस्टेट कैंसर के पूरी दुनिया में केस दोगुने से ज्यादा की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे मृत्यु दर में 85 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि निम्न-मध्यम आय वाले देशों को देर से डायग्नोसिस और डेटा कलेक्शन न करने के कारण इस तरह के केस में वृद्धि का ÷भारी खामियाजा÷ भुगतना पड़ेगा। अनुमान है कि 2020 में सालाना नए प्रोस्टेट कैंसर के केसों की संख्या 1.4 मिलियन से बढ़कर 2040 तक 2.9 मिलियन हो जाएगी। विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा कि प्रोस्टेट कैंसर के केसों में अनुमानित वृद्धि को लाइफस्टाइल में बदलाव या सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप से नहीं रोका जा सकता है क्योंकि प्रोस्टेट कैंसर की प्रकृति ही ऐसी होती है, यह मुख्य रूप से वृद्ध पुरुषों को प्रभावित करता है। जैसे-जैसे देश की आबादी की उम्र बढ़ेगी और जीवन प्रत्याशा में सुधार होगा, वैसे- वैसे प्रोस्टेट कैंसर की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

इस उभरते स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए विशेषज्ञ साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेपों की मांग कर रहे हैं, जिसमें प्रारंभिक पहचान और डायग्नोसिस के साथ-साथ शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। भारत में प्रोस्टेट कैंसर के प्रभाव को कम करने के लिए ये उपाय जरूरी हैं।

रीजेंसी हेल्थ के यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के सीनियर कंसल्टेंट डॉ सिद्धार्थ सिंह ने बताया, चूंकि प्रोस्टेट कैंसर आम तौर पर वृद्ध लोगों में ज्यादा होता है और ऐसे मरीज अक्सर डायबिटीज और हृदय रोग जैसी अन्य बीमारियों से ग्रसित होते हैं, इसलिए प्रारंभिक डायग्नोसिस कार्यक्रमों को न केवल प्रोस्टेट कैंसर पर बल्कि पुरुषों के स्वास्थ्य पर ज्यादा व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमें प्रोस्टेट कैंसर के लक्षणों और जोखिमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और समय पर और प्रभावी इलाज तक पीड़ितों की पहुंच सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। प्रोस्टेट कैंसर की देखभाल में सुधार के लिए मल्टीमॉडल पेशेंट केयर (रोगी देखभाल) दृष्टिकोण अपनाना भी बहुत जरूरी है।÷

विशेषज्ञों ने मेटास्टेटिक प्रोस्टेट कैंसर के खतरों और लक्षणों के बारे में भारत में जागरूकता के खराब स्तर को सुधारने के लिए व्यापक शैक्षिक अभियानों को चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रारंभिक डायग्नोसिस क्षमता में सुधार और एडवांस्ड बीमारी के लिए इलाज़ की उपलब्धता और पहुंच को बढ़ाना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

डॉ सिद्धार्थ ने आगे बताया, ÷हम जानते हैं कि प्रोस्टेट कैंसर के केस में यह उछाल आने वाला है, इसलिए हमें अभी से योजना बनाना और कार्रवाई शुरू करनी होगी। प्रारंभिक पहचान और डायग्नोसिस बहुत जरूरी है। पुरुषों को प्रोस्टेट कैंसर के खतरों और लक्षणों के बारे में जानकारी देने के लिए सार्वजनिक शिक्षा अभियान और जागरूकता कार्यक्रम लागू किए जाने चाहिए। प्रोस्टेट कैंसर के केसों में भविष्य में होने वाली वृद्धि से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों को आवश्यक संसाधनों और विशेषज्ञता से लैस करना भी बहुत जरूरी है।

भविष्य में प्रोस्टेट कैंसर की वृद्धि से निपटने के लिए शीघ्र पहचान, बेहतर देखभाल पहुंच, तथा व्यापक शिक्षा और जागरूकता पहल पर केंद्रित तत्काल तथा संगठित प्रयासों की आवश्यकता है।

मेदांता के डॉक्टरों ने रचा इतिहास, पूर्वी उत्तर प्रदेश की सबसे छोटी नवजात ने जीती जिंदगी की जंग

लखनऊ। मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के डॉक्टरों ने एक बार फिर अपनी अद्भुत चिकित्सा क्षमताओं के जरिए न केवल 25 सप्ताह की गर्भवती नोरी (बदला हुआ नाम) का समय से पहले प्रसव कराया बल्कि मां और बच्ची की जान भी बचा ली। शालिन (बदला हुआ नाम), जो जन्म के समय केवल 685 ग्राम वजन की थी, पूर्वी उत्तर प्रदेश में सबसे कम उम्र की और सबसे छोटी, समय से पहले जन्मी बच्ची है। मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के नियोनेटोलॉजी एवं चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर के डायरेक्टर डॉ. आकाश पंडिता ने बताया, पूर्वी उत्तर प्रदेश की रहने वाली नोरी (बदला हुआ नाम) के लिए पिछली सर्दियां बेहद मुश्किल भरी रहीं। 25 सप्ताह की गर्भवती नोरी को समय से पहले प्रसव के लिए अस्पताल ढूंढने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उनके पेट से रिसाव हो रहा था, जिसके कारण भ्रूण को खतरा था और संक्रमण का भी जोखिम बढ़ गया था। बेहतर इलाज की उम्मीद में उन्होंने अपने घर सुल्तानपुर से लखनऊ जाने का फैसला किया। लेकिन लखनऊ पहुंचने पर भी उन्हें कई अस्पतालों ने प्रसव के लिए मना कर दिया गया क्योंकि वहां डॉक्टरों का मानना था कि इतनी जल्दी जन्मने वाले बच्चे के जीवित रहने की संभावना बेहद कम होती है । वह 25 सप्ताह की गर्भावस्था में मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ पहुंची। यहां डॉक्टरों ने उन्हें परामर्श दिया और सकारात्मक परिणाम की उम्मीद के साथ आश्वस्त कि कि माँ और बच्चा दोनों सुरक्षित रहेंगे। इस जटिल प्रसव को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के लिए मेदांता अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने अथक प्रयास किए। नूरी की बच्ची शालिन (बदला हुआ नाम) का जन्म कराया, लेकिन जन्म के समय बच्ची का वजन 685 ग्राम था, जो चिंता का विषय था। शालिन पूर्वी उत्तर प्रदेश में सबसे कम उम्र की और सबसे छोटी, समय-से-पहले जन्मी बच्ची है। उसका जन्म सामान्य से 13-15 सप्ताह पहले हुआ, जबकि 37 से 40 सप्ताह की गर्भावस्था अवधि को आदर्श माना जाता है।

जीएसटी परिषद के संशोधनों को वित्त विधेयक में किया जाएगा शामिलः सीबीआईसी प्रमुख

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा-शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि पिछले महीने जीएसटी परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों को इस महीने पेश होने वाले आम बजट के साथ संसद में पेश किए जाने वाले वित्त विधेयक में जगह दी जाएगी।

अग्रवाल ने बधवार को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पर एनएसीआईएन-भोपाल के लिए ऑनलाइन एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीबीआईसी के चेयरमैन एनएसीआईएन भोपाल के प्रमुख कार्यक्रम ÷हर बुधवार-जीएसटी वार÷ के 125वें एपिसोड में उद्घाटन भाषण के दौरान यह बात कही।

सीबीआईसी चेयरमैन ने जीएसटी से संबंधित प्रासंगिक विषयों पर वेबिनार आयोजित करने के लिए एनएसीआईएन भोपाल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर वक्ता के रूप में जीएसटीसी सचिवालय की संयुक्त सचिव आशिमा बंसल ने जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के प्रभाव पर प्रकाश डाला। वेबिनार में लगभग 900 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि राजधानी नई दिल्ली में जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक में कुछ वस्तुओं और सेवाओं पर दर को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव रखा गया था, जबकि कुछ मामलों में स्पष्टीकरण जारी किए गए हैं। जीएसटी परिषद की 22 जून को हुई बैठक में परिषद ने केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) अधिनियम में एक नई धारा-11ए जोड़ने के लिए कानून में संशोधन को मंजूरी दी थी, ताकि सरकार को जीएसटी की वसूली नहीं होने या कम वसूली को नियमित करने की शक्ति दी जा सके।

उत्तर प्रदेश में निवेशकों ने स्मॉल-कैप फंड्स के अलावा थीमेटिक फंड्स में निवेश को दी प्राथमिकताः टाटा एसेट मैनेजमेंट

नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया की जानकारी के अनुसार, इक्विटी म्यूचुअल फंड में मई 2024 में 34,697 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश हुआ, जो अप्रैल 2024 की तुलना में 83त्न से अधिक है। इसी महीने के एएमएफआई आंकड़ों के मुताबिक, देश भर के निवेशकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड सेगमेंट में थीमैटिक या सेक्टोरल फंड कैटेगरी में 19,213.4 करोड़ रुपये का निवेश किया। मई 2024 के एएमएफआई डेटा का एक और दिलचस्प पहलू यह है कि एसआईपी के ज़रिए मासिक निवेश लगातार दूसरे महीने 20,000 करोड़ रुपये के पड़ाव को पार कर गया है। भारत में म्यूचुअल फंड की संपत्ति लगातार बढ़ रही है क्योंकि निवेशकों का विभिन्न इक्विटी योजनाओं में विश्वास फिर से बढ़ गया है। टाटा म्यूचुअल फंड ने भी उत्तर प्रदेश में यही ट्रेंड देखा है, निवेशक उनकी इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं। जनवरी और अप्रैल 2024 के बीच, उत्तर प्रदेश के निवेशकों ने टाटा म्यूचुअल फंड की अलग-अलग इक्विटी स्कीम्स में (टाटा आर्बिट्राज फंड सहित) 647 करोड़ रुपयों का निवेश किया, उनमें से लखनऊ और कानपूर के निवेशकों ने क्रमशः 119.6 करोड़ और 93 करोड़ रूपए निवेश किए हैं। इसी अवधि के दौरान, जनवरी से अप्रैल 2024 तक, उत्तर प्रदेश के निवेशकों ने टाटा लार्ज कैप फंड और टाटा लार्ज एंड मिडकैप फंड में 62.6 करोड़ रुपये और टाटा स्मॉल कैप फंड में 80.2 करोड़ रूपए निवेश किए। दिलचस्प बात है कि, जनवरी से अप्रैल 2024 तक, उत्तर प्रदेश के निवेशकों ने थीमेटिक या सेक्टरल फंड्स में निवेश को प्राथमिकता दी, उन्होंने टाटा डिजिटल इंडिया फंड में 98.2 करोड़ और टाटा इंडिया फार्मा एंड हेल्थ केयर फंड में 11.6 करोड़ रूपए निवेश किए।

एएमएफआई से मिली हाल ही की जानकारी के अनुसार, भारत भर के निवेशकों ने मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में रुचि दिखाई है। पिछले एक साल में मिड-कैप और स्मॉल-कैप सूचकांकों ने लार्ज-कैप सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया है। मई 2024 तक एएमएफआई के आंकड़ों के मुताबिक, मिड-कैप फंडों में 2,724.67 करोड़ रुपये और स्मॉल-कैप फंडों में 2,605.70 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। जबकि निवेशकों ने लार्ज-कैप फंडों में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई, 663 करोड़ रुपये का निवेश किया गया। निकट भविष्य में व्यापक बाजार के अधिक संतुलित होने की संभावना है क्योंकि लार्ज-कैप में रिस्क-रिवॉर्ड तुलनात्मक रूप से आकर्षक हो गया है।

टाटा एसेट मैनेजमेंट की फंड मैनेजर (इक्विटीज) सुश्री मीता शेट्टी ने कहा, मैक्रोइकोनॉमिक इंडिकेटर्स, वैविध्यपूर्ण कॉर्पोरेट आय वृद्धि और बड़े बैंकिंग/कॉर्पोरेट क्षेत्र का स्वास्थ्य यह बाज़ार के दीर्घकालिक सकारात्मक रुझान में योगदान देने वाले प्रमुख कारक हैं। वर्तमान मूल्यांकनों और प्रत्याशित वृद्धि ट्रेजेक्टरी को देखते हुए, दीर्घावधि में फार्मा और नीजि बैंकिंग सेगमेंट का प्रदर्शन अच्छा होने की उम्मीद है। यूएस जेनेरिक मार्केट में फिर से आयी हुई वृद्धि की वजह से फार्मा सेक्टर एक सुस्पष्ट डिफेन्सिव बेट हो सकता है। आईटी सेक्टर का मूल्यांकन इस समय थोड़ा अधिक लगता है, हालांकि, लंबे समय में मुद्रास्फीति के दबाव में कमी आने और यूएस फेड द्वारा अपेक्षित दरों में कमी आने के कारण सेक्टर में कुछ मज़बूती देखने को मिल सकती है। लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लिए एसआईपी रूट को जारी रखने की सिफारिश की जाती है।

नई माताओं और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सेल्फ केयर

नई दिल्ली। दुनिया की अग्रणी कंज्यूमर हेल्थ एवं हाइजीन कंपनी रेकिट ने नई माताओं और 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए एक सेल्फ केयर पहल शुरू की है। यह खास पहल स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के 'स्टॉप डायरिया कैंपेन' के साथ जुड़कर पेश की गई है। पिछले सप्ताह भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीय श्री जे.पी. नड्डा ने इस खास कैंपेन की शुरुआत की। इस कैंपेन का उद्देश्य भारत में डायरिया के कारण होने वाली बच्चों की मौत को शून्य करना है।

देश के कई राज्यों में, बचपन में होने वाली डायरिया संबंधी बीमारियां पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मौत का प्रमुख कारण बनी हुई हैं। देश में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की कुल मौतों में डायरिया की हिस्सेदारी 5.8% है (मृत्यु के कारण सांख्यिकी 2017-19, भारत के महापंजीयक की नमूना पंजीकरण प्रणाली)। हर साल, डायरिया के कारण देश में लगभग 50,000 बच्चों की मौत होती है। NFHS 5 के अनुसार, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में डायरिया के मामले 7.3% है; जबकि केवल 60.6% को ORS और 30.5% को जिंक उपलब्ध हो पाता है। 68.9% मामलों में, मरीज को कोई चिकित्सा सुविधा या डॉक्टर से परामर्श प्राप्त होता है।

इस समस्या पर ध्यान देने के लिए, रेकिट ने प्लान इंडिया के साथ साझेदारी में एक पहल शुरू की गई है। जिसमें नई माताओं और पांच साल से कम उम्र के बच्चों को सेल्फ-केयर पहल के माध्यम से ओआरएस और जिंक का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके साथ ही पांच साल से कम उम्र के बच्चों को हाथ धोने के छह स्टेप सिखाकर उन्हें हाइजीन और सेनिटेशन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। दो महीने का कैंपेन महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में समुदाय के सदस्यों को जोड़ने और शिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस कैंपेन में हाथ धोने के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा। साथ ही ओआरएस के उपयोग की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा लोगों को सामुदायिक भागीदारी और आवश्यक उपायों की जानकारी दी जाएगी और जरूरी डायरिया किट वितरित की जाएगी।

इस कैम्पेन के बारे में बात करते हुए गौरव जैन, कार्यकारी उपाध्यक्ष, रेकिट, साउथ एशिया, ने कहा, रेकिट में, हमें अपने कार्यक्रमों में स्वच्छ और स्वस्थ भारत बनाने की दिशा में भारत सरकार के प्रयासों के साथ मिलकर काम करने पर बेहद गर्व है। पिछले 10 वर्षों में, हमने अपने कार्यक्रमों में छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और समुदायों को शामिल किया है, ताकि उनके संपूर्ण स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार लाया जा सके। हमारे इस प्रयास से पूरे भारत में लाखों बच्चों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आया है। अपनी इस प्रतिबद्धता को और मजबूती प्रदान करते हुए, हम भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए स्टॉप डायरिया कैंपेन के साथ जुड़कर और डायरिया से होने वाली बीमारियों के कारण बच्चों की मौत को शून्य करने की दिशा में काम करते हुए बेहद उत्साहित हैं। हम इस कैंपेन में साथ निभाने और एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए मिलकर आगे बढ़ने के लिए तत्पर हैं। कैंपेन के बारे में बात करते हुए रवि भटनागर, डायरेक्टर, एक्सटर्नल अफेयर्स एंड पार्टनरशिप, एसओए, रेकिट ने कहा, देश के कई राज्यों में डायरिया पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत का मुख्य कारण बना हुआ है। रेकिट में, हम बच्चों खासकर गरीब सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले बच्चों के संपूर्ण कल्याण को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

टाटा मोटर्स की संपूर्ण आफ्टर-सेल्स सेवाओं की मदद से उत्तर प्रदेश के ट्रकों का चलना निरंतर जारी

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता, टाटा मोटर्स ने भारतीय ट्रकिंग उद्योग में कई उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। कंपनी लगातार अपने सर्विस इकोसिस्टम को मजबूत कर रही है और वाहनों का ज्यादा अपटाइम सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका भी निभा रही है। मौजूदा समय में फ्रेट डिलीवरी की समय-सीमाओं को देखते हुए ज्यादा अपटाइम होना

काफी मायने रखता है। कंपनी एक मजबूत सर्विस नेटवर्क, मूल्य-वर्द्धित सेवाओं की श्रृंखला और असली स्पेयर पार्ट्स मिलने में आसानी की पेशकश कर रही है। कंपनी ड्राइवर की सेहत को भी प्राथमिकता देती है और ग्राहकों को मालिक होने के बेहतरीन अनुभव मिलता है।

कम से कम डाउनटाइम के साथ वाहन का अच्छी तरह से चलना ग्राहकों के व्यवसाय की सफलता के लिये महत्वपूर्ण है। इस बात को जल्दी समझते हुए, टाटा मोटर्स ने उतार प्रदेश में एक विस्तृत सर्विस नेटवर्क स्थापित किया है। राज्य में उसके 255 सर्विस टचपॉइंट्स महत्वपूर्ण लोकेशंस पर स्थित हैं। इसके अलावा, स्टॉक से भरपूर डीलरशिप्स के जरिये असली स्पेयर पार्ट्स आसानी से मिल जाते हैं। बेहद कुशल तकनीशियन, जिन्हें कंपनी लगातार प्रशिक्षित करती है, टाटा मोटर्स की सेवा में उत्कृष्टता का आधार हैं।

मालिक होने के अनुभव को और भी बेहतर बनाने के लिये टाटा मोटर्स कई मूल्य-वर्द्धित सेवाओं की पेशकश करती है। इनमें अपटाइम की गारंटी, ऑन-साइट सर्विस, मैंटेनेन्स का वार्षिक अनुबंध और फ्लीट मैनेजमेंट सॉल्यूशंस शामिल हैं। टाटा अलर्ट और टाटा कवच जैसी पहलें दुर्घटना की स्थिति में सड़क पर ही वाहनों की सहायता एवं मरम्मत करती हैं। जबकि टाटा ज़िप्पी

एश्योरेन्स से सर्विस की चिंताओं का सही समय पर निदान हो जाता है। यह सेवाएं मिलकर डाउनटाइम को कम करती हैं एवं वाहन की विश्वसनीयता बढ़ाती हैं, जिससे व्यवसाय की क्षमता में वृद्धि होती है।

ड्राइवर भारत के लॉजिस्टिक्स उद्योग की रीढ़ हैं। उनकी सुरक्षा और आराम को प्राथमिकता देने वाली एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट संस्था होने के नाते टाटा मोटर्स ने लगातार उनके कल्याण की दिशा में काम किया है। ड्राइवरों के प्रशिक्षण के लिये विस्तृत पहलों के माध्यम से टाटा मोटर्स सुनिश्चित करती है कि उनके पास नई-नई कुशलताएं एवं जानकारियाँ हों, ताकि वे वाहनों को सुरक्षित और सक्षम तरीके से चलाएं। ड्राइवरों के कल्याण के लिये कंपनी की कोशिशें केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं हैं। 'टाटा समर्थ' जैसे प्रोग्राम्स की पेशकश करते हुए, कंपनी ड्राइवरों की सेहत, सुरक्षा और भलाई पर भी ध्यान देती है। इस तरह उनके और उनके परिवारों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है।

अपने ग्राहकों के करीब रहकर और उनकी आवश्यकताओं को प्राथमिकता देकर टाटा मोटर्स सुनिश्चित करती है कि टाटा के उत्पादों का हर मालिक गर्व का अनुभव करे। बिक्री-पश्चात सेवा के लिये यह अटूट प्रतिबद्धता न सिर्फ ग्राहक की वफादारी को मजबूत करती है, बल्कि उतार प्रदेश में लंबे समय से हो रही कंपनी की तरक्की का कारण भी है।

किफायती हेल्थ इंश्योरेंस द्वारा अब उचित स्वास्थ्य देखभाल सभी के लिए उपलब्ध

प्रयागराज। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं अक्सर अचानक ही सामने आती है, और यह कभी भी किसी को भी प्रभावित कर सकती है चाहे वह किसी भी उम्र, लिंग या उसकी वित्तीय स्थिति कुछ भी हो। कभी कभी यह समस्याएं इतना गंभीर रूप ले लेती ही कि यह हमारी जेब पर वित्तीय रूप से बहुत बुरा असर डालती है। सिद्धार्थ सिंघल, हेड-हेल्थ इंश्योरेंस, पॉलिसीबाजार डॉट कॉम÷कई इनकम ग्रुप्स के लिए हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदना काफी मुश्किल हो सकता है। लाखों लोगों को इस समस्या से उबरने में मदद करने के लिए, इंश्योरेंस इंडस्ट्री ने ऐसी योजनाएं तैयार की हैं जो लागत प्रभावी होने के साथ-साथ व्यापक भी हैं। प्रत्येक व्यक्ति की स्थिति अलग-अलग होती है और उनकी चिकित्सीय ज़रूरतें भी अलग-अलग होती हैं। ये योजनाएं इन विभिन्न आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। हालांकि हमेशा अधिक बीमा राशि का विकल्प चुनना चाहिए, लेकिन सामर्थ्य की कमी पॉलिसीधारक को किसी भी बीमा को खरीदने से दूर कर देती है। इसलिए किसी भी अनिश्चित स्थिति से बचने के लिए, कम से कम 5 लाख रुपये से शुरू होने वाली बीमा राशि की एक किफायती योजना अपनाने की सलाह दी जाती है। जिसका प्रीमियम कम से कम 350 रुपये प्रति माह या सिर्फ 11-12 रुपये प्रति दिन से शुरू होता है। यह एक नो-फ्रिल्स योजना है जो मेडिकल इमरजेंसी के दौरान अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में आपकी आवश्यकताओं को पूरा करती है। ये योजनाएं आपके वित्त पर प्रीमियम का दबाव डाले बिना आपको अत्यधिक स्वास्थ्य देखभाल लागत से बचाती है।

किफायती बीमा की मांग लगातार बढ़ रही है, खासकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में। ये योजनाएं उन लोगों को कवर करने के लिए बनाई गई हैं जिनके पास किसी भी प्रकार का हेल्थ इंश्योरेंस नहीं है।

इफको के नैनो उर्वरक संवर्धन महाअभियान की शुरुआत

नई दिल्ली। नैनो उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए नैनो उर्वरक उपयोग संवर्धन महाअभियान की शुरुआत इफको द्वारा की गई है। इसके अंतर्गत इफको द्वारा 200 मॉडल नैनो ग्राम समूह (क्लस्टर) चयनित किए गए हैं। इसके माध्यम से 800 गाँवों के किसानों को इफको द्वारा नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी एवं सागरिका के मूल्य (MRP) पर 25 प्रतिशत का अनुदान दिया जा रहा है ताकि किसान अपने खेतों में नैनो उर्वरकों का अधिक से अधिक प्रयोग कर सकें। इसके साथ ही इफको द्वारा ड्रोन उद्यमी को 100 रुपए प्रति एकड़ की दर से अनुदान दिया जाएगा जिससे किसानों को कम दरों पर छिड़काव की सुविधा प्राप्त हो सके। इन मॉडल नैनो गाँवों में जो फसल होगी उसकी गुणवत्ता एवं उत्पादन की वृद्धि का आंकलन कर किसानों को अवगत कराया जाएगा।

नैनो उर्वरकों का खेती में प्रयोग बढ़ाने के लिए माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी 100 दिवसीय कार्य योजना की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत 413 जिलों में नैनो डीएपी (तरल) के 1270 प्रदर्शन एवं 100 जिलो में नैनो यूरिया प्लस (तरल) के 200 परीक्षण किये जाएंगे। इन परीक्षणों में कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की मदद ली जाएगी और भारत सरकार द्वारा भी इसकी निगरानी की जाएगी।

इफको द्वारा नैनो उर्वरकों को सहकारी समिति एवं अन्य बिक्री केंद्र तक उपलब्ध कराया जाएगा। नैनो उर्वरकों के लाभ के बारे में किसानों को बताया जाएगा। नैनो उर्वरकों के छिड़काव हेतु इफको द्वारा 2500 कृषि ड्रोन किसानों के लिए उपलब्ध कराये जा रहे हैं जिसके लिए 300 'नमो ड्रोन दीदी' तथा ड्रोन उद्यमी तैयार किए गए हैं। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार के स्प्रेयर भी उपलब्ध कराये गये हैं जिनके माध्यम से किसान आसानी से अपने खेतों में नैनो उर्वरकों का छिड़काव कर सकेंगे। 245 लाख एकड़ क्षेत्र पर ड्रोन द्वारा स्प्रे करने के लिए 15 संस्थाओं से अनुबंध किया गया है जो किसानों के खेतों में छिड़काव करेंगे।

फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी कैप फंड लॉन्च किया

मुंबईः फ्रैंकलिन टेम्पलटन (भारत) ने आज फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी कैप फंड (FIMCF) नामक अपने ओपन-एंडेड मल्टी कैप डायवर्सिफाइड इक्विटी फंड को लॉन्च करने की घोषणा की। इस फंड का उद्देश्य लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी संबंधित प्रतिभूतियों के पोर्टफोलियो में निवेश करके दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि प्राप्त करना होगा। फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी कैप फंड (FIMCF), नियामक आवश्यकताओं के अनुरूप, प्रत्येक मार्केट कैप श्रेणी यानी लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप में अपनी कुल संपत्ति का न्यूनतम 25त्न बनाए रखेगा। शेष 25% को आंतरिक ढांचे के आधार पर सबसे इष्टतम तरीके से मिश्रित किया जाएगा। नया फंड ऑफर 8 जुलाई, 2024 को खुलेगा और 22 जुलाई, 2024 को बंद होगा, जिसके दौरान यूनिट 10/- प्रति यूनिट पर उपलब्ध होंगी। फंड लॉन्च और इसकी निवेश रणनीति पर टिप्पणी करते हुए, जानकीरमन आर, मुख्य निवेश अधिकारी – इमर्जिंग मार्केट्स इक्विटी-इंडिया, फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने कहा, ÷मजबूत मैक्रो बुनियादी ढांचे, मुद्रास्फीति के रुझान में सुधार, विवेकपूर्ण राजकोषीय नीतियों और राजनीतिक स्थिरता के कारण भारत की अर्थव्यवस्था मध्यम अवधि में मजबूत विकास के लिए तैयार है। कोविड के बाद, विकास की संभावनाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण ने इक्विटी बाजारों में उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रेरित किया है। फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी कैप फंड (FIMCF) को विभिन्न बाज़ार क्षेत्रों, विशेष रूप से छोटे और मध्यम वर्ग के सेक्टरों में होने वाले विकास से लाभ उठाने के लिए डिज़ाइन किया गया, जो पारंपरिक इक्विटी फंड्स द्वारा अक्सर अनदेखे रहते हैं। लंबी अवधि के लिए निवेश करने वाले निवेशकों को हमारे मल्टी कैप फंड में भाग लेना फायदा पहुंचाने वाला हो सकता है, क्योंकि इसमें निवेशों को प्रत्येक मार्केट कैप के लिए विशेष बकेट में विभाजित किया जाता है और समय-समय पर पुनर्संतुलन किया जाता है ताकि उनमें अधिक से अधिक विविधता लाना सुनिश्चित हो। फंड के लॉन्च पर बोलते हुए, अविनाश सतवलेकर, प्रेसिडेंट, फ्रैंकलिन टेम्पलटन-इंडिया, ने कहा, हम अपनी नई मल्टी कैप रणनीति पेश करते हुए उत्साहित हैं, जो 30 से अधिक वर्षों से भारत में इक्विटी के प्रबंधन में हमारी इक्विटी टीम के व्यापक अनुभव का सार्थक उपयोग करती है। मजहबी संकीर्णताओं से परे रहकर विकास करने की भारत की मजबूत क्षमता के कारण, हम देखते हैं कि सभी क्षेत्रों और मार्केट कैप रेंज में बहुत सारे अवसर उभर रहे हैं।

फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी कैप फंड (FIMCF) ने उभरते हुए अवसरों का लाभ उठाने के लिए खुद के लिए लचीले और अनुशासित निवेश दृष्टिकोण अपनाए हैं, जिससे यह अपने पोर्टफोलियो में विविधता चाहने वाले निवेशकों के लिए आदर्श पसंद बन पाया है। फ्रैंकलिन इंडिया मल्टी कैप फंड का उद्देश्य एक ऐसा उत्पाद बनाना है जो छोटे और मिडकैप शेयरों की उच्च वृद्धि और बड़े कैप शेयरों की स्थिरता को मिलाकर सर्वोत्तम लाभ प्रदान करे। पोर्टफोलियो किसी भी समय लार्ज, मिड और स्मॉल कैप में से प्रत्येक में न्यूनतम 25त्न का आवंटन बनाए रखेगा और शेष 25त्न को आंतरिक ढांचे का उपयोग करके ज्यादा से ज्यादा लाभ देने वाले तरीके से आवंटित किया जाएगा। यह फंड, ऊर्जा संक्रमण, बचत का वित्तीयकरण, अर्थव्यवस्था का औपचारिककरण, डिजिटल कंपनियों द्वारा व्यवधान, विनिर्माण पुनरुद्धार आदि जैसे अवसर के अनुसार, उपयुक्त विकास की संभावनाओं वाले विषयों को पोर्टफोलियो में शामिल करने की कोशिश कर सकता है। यह फंड अपने बॉटम-अप स्टॉक चयन ढांचे को लागू करेगा, जिसमें गुणवत्ता, विकास, स्थिरता और मूल्यांकन पर जोर देकर इन विषयों और क्षेत्रों के भीतर सही विचार खोजे जाएंगे।

जिला अस्पताल का डीएम ने किया आकस्मिक निरीक्षण

कौशाम्बी अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने मंगलवार की रात्रि जिला अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान स्टाफ नर्स इ्यूटी कक्ष,इमरजेंसी वार्ड, मेडिसिन कक्ष,सर्जिकल वार्ड, एमसीएच विंग तथा एसएनसीयू वार्ड आदि का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सीएमएस सुनील शुक्ला से सर्जिकल वार्ड में भर्ती मरीज, प्रतिदिन ओपीडी की संख्या तथा दवाओं की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करते हुए मरीज एडमिशन रजिस्टर तथा डिस्चार्ज रजिस्टर का अवलोकन किया। बताया गया कि सर्जिकल वार्ड में कुल 16 मरीज भर्ती है,जिसमें चार मरीज आज भर्ती हुए हैं। उन्होंने भर्ती मरीज/मरीज के परिजनों से वार्ता कर उपलब्ध हो रही चिकित्सीय सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त किया, जिस पर बताया गया कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों की भी जानकारी प्राप्त किया। उन्होंने सीएमएस से कहा कि मरीजों को बेहतर से बेहतर चिकित्सीय सुविधाए उपलब्ध कराई जाए। निरीक्षण के दौरान इ्यूटी में तैनात चिकित्सक एवं स्टाफ नर्स उपस्थित पाए गए।

अनियंत्रित आइसर वाहन डिवाइडर पर चढ़कर पलटी

कौशाम्बी अवधनामा संवाददाता। संदीपनघाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज चौकी अंतर्गत मूरतगंज चौराहे पर अनियंत्रित आइसर वाहन डिवाइडर पर चढ़कर पलट गयी है वाहन पलटते ही मौके पर लोगो की भीड़ लग गई सूचना पाकर पुलिस भी पहुँच गयी वाहन पलटने से आवागमन बाधित हो गया पुलिस ने पलटे वाहन को किनारे करवा कर आवागमन शुरू कराया है मामले की सूचना चालक के परिजनों को दे दी गयी है। जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह लगभग चार बजे आइसर वाहन यूपी 71 एटी 8679 वाहन चालक अजय कुमार निवासी फतेहपुर जिला वाहन में प्रयागराज से पुराने बरतन लादकर कानपुर जा रहा था जैसे ही वह मूरतगंज पहुंचा वाहन चालक को नींद की झपकी आ गई जिससे वाहन अनियंत्रित हो गया ओर डिवाइडर पर जा चढ़ा और जिससे वाहन पलट गया हालांकि किसी को कोई जान माल का नुकसान नही हुआ है।

ससुरालियों ने महिला को पीटा महिला लापता

कौशाम्बी अवधनामा संवाददाता। संदीपन घाट थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहनापुर गांव में रविवार को एक महिला को उसके पति ने घर वालो के साथ मिलकर मारा पीटा उसके बाद घर में बंधक बनाकर रखा था मंगलवार से अचानक महिला लापता हो गई तो महिला की मां ने अनहोनी की आशंका जताते हुए संदीपन घाट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई और न्याय की गुहार लगाई। मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम बलीपुर टाटा मजरा तिल्हातारा थाना चरवा के रहने वाली रामकली पत्नी स्व. फुलचंद्र ने बताया कि उसने अपनी बेटी शकुन्तला की शादी संदीपन घाट थाना क्षेत्र के मोहनापुर गांव निवासी कमलेश पुत्र बचई के साथ किया रामकली का दामाद अपने भाई शैलेन्द्र व दिनेश और शैलेन्द्र की पत्नी मिलकर उस पर आए दिन अत्याचार करते रहते हैं। बीते रविवार को शकुन्तला को उसका पति कमलेश व उसके दो भाई भौजाई सभी ने मारा पीटा गाली गलौज देकर घर में बंधक बनाकर रखा था। मगंलवार को उसके पति ने बहाने से शकुन्तला की मां रामकली को बताया की तुम्हारी बेटी कही भाग गई है। शकुन्तला की मां उसके पति समेत ससुरालियों पर मारने पीटने गाली गलौज और जान मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए अपनी बेटी के साथ अनहोनी की आशंका जताते हुए शिकायती पत्र संदीपन घाट थाना प्रभारी को दिया है सूचना पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई हैं।

सफाईकर्मी बना अफसर बिना ड्यूटी के 15 वर्षों से ले रहा वेतन

अवधनामा संवाददाता

कौशाम्बी। जिले में एक ऐसा सफाई कर्मी भी है जो अफसर बन चुका है विकास भवन कार्यालय में पूरे दिन कुर्सी में आराम करता है बिना ड्यूटी दिए 15 वर्ष से सफाई कर्मी को वेतन मिल रहा है आखिर सरकारी खजाना अफसर क्यों लूटवा रहे हैं जब काम नहीं तो दाम नहीं की तर्ज पर इसका वेतन रोक देना चाहिए और 15 वर्षों से दिए गए वेतन की रिकवरी कराए जाने की जरूरत है लेकिन उसके बाद भी यह सफाई कर्मी अफसर का खास है।

आखिर अफसर को सफाई कर्मी से क्या फायदे हैं यह बड़ी जांच का विषय है सफाईकर्मी के पद पर रामबाबू कार्यरत है, परन्तु यह अपनी तैनाती की तिथि से आज तक अपने तैनाती स्थल गांव में साफ-सफाई का कार्य नही कर रहा है इसका विगत 15 वर्षों से वेतन कैसे निकाला जा रहा है यह बड़ी जांच का विषय है यह सफाई कर्मी अफसर बन चुका है गौरतलब है कि विगत 15 वर्ष से अधिक समय से जिला पंचायत राज अधिकारी, कौशाम्बी कार्यालय में सम्बद्ध होकर सफाईकर्मियों एवं ग्राम पंचायत अधिकारियो से ट्रान्सफर, पोस्टिंग व रूके हुये वेतन को निकलवाने हेतु भारी-भरकम राशि लेकर उनका कार्य किया जाता है। मात्र बिल लिपिक के रूप में एक बाबू को नामित किया गया है, जबकि सारा कार्य रामबाबू

आखिर अफसर को सफाईकर्मी से क्या फायदे हैं यह बड़ी जांच का विषय है

सफाईकर्मी द्वारा किया जाता है। इसकी आय से अधिक सम्पत्ति की जॉच कराई जाए तो इसके कारनामे का खुलासा होना तय है। बिना ड्यूटी के 15 वर्षों से सफाई कर्मी को वेतन दिए जाने के मामले में पूर्व में कई बार सफाईकर्मियों द्वारा शिकायत की गयी परन्तु जिला पंचायत राज अधिकारी का खासमखास होने के कारण यह बार-बार बच जाता है। बिना ड्यूटी के वेतन लेने वाले सफाई कर्मी की शिकायत मुख्य विकास अधिकारी एवं तत्कालीन सांसद से भी हुई है, लेकिन अफसर के साथ सांसद भी इसका कुछ नहीं बिगाड़ सके हैं सफाई कर्मियों का कहना है कि कुछ दिनो के लिये इसे कार्यालय से हटाया गया था हटाए जाने के बाद अफसर को नींद नहीं आने लगी और फिर कुछ दिनो बाद फिर से कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया यह घोर कमीशनखोरी में लिप्त है मनबढ़ सफाई कर्मी के बड़बोलेपन का हाल यह है कि उसका कहना है कि मेरी शिकायत चाहे जहां कर लो और चाहे जिससे कर लो मेरा कोई कुछ बिगाड़ नही पायेगा।उसका कहना है कि विभाग के अफसरों की गर्ज होगी तो मुझे बुलायेंगे और लाख बार बुलायेंगे काफी मनबढ़ कर्मचारी और इसकी बोलचाल एवं व्यवहार से अधिकांश सफाई कर्मचारी असंतुष्ट है लेकिन अफसर संतुष्ट है जिससे बिना ड्यूटी दिए उसका वेतन दिया जा रहा है उसका बाल बांका नहीं हो रहा है जिससे जिला पंचायत राज अधिकारी के भ्रष्टाचार और तानाशाही का अंदाजा लगाया जा सकता है।

प्रेम प्रसंग में हुई थी युवती की हत्या

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। थाना क्षेत्र संग्रामपुर अंतर्गत एक सप्ताह पूर्व हुई युवती की हत्या का पुलिस में सनसनीखेज खुलासा किया है जिसमें प्रेमी पर ही प्रेमिका की हत्या का आरोप है। घटना को अंजाम देने वाले प्रेमी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त तमंचा मोटरसाइकिल और जले हुए मोबाइल फोन समेत मृतका का बैंक पासबुक बरामद किया है।

घटना का अनावरण करते हुए पुलिस ने बताया है की संग्रामपुर थाना क्षेत्र के बड़गांव गांव की रहने वाली एक युवती का शव 26 जून को इसी थाना क्षेत्र के छछा गांव के पास मिला था।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर भाई की तहरीर पर संबंधित धारा में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गोलीमार कर हत्या की पुष्टि हुई जिसके बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी। प्रभारी निरीक्षक थाना संग्रामपुर मय हमराह विशेषरगंज में मौजूद थे कि स्वाट सर्विलांस टीम प्रभारी उपनिरीक्षक अनूप कुमार सिंह मय हमराह मौके पर आ गये। पुलिस टीम द्वारा अपराधियों के धर पकड़ के बारे में बातचीत की जा रही थी कि तभी मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि उक्त घटना से संबन्धित व्यक्ति मेला बगिया चौराहा के पास खड़ा है। इस सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर व्यक्ति को पकड़ने का प्रयास किया गया तो वह भागने लगा जिसे घेरकर पुलिस टीम द्वारा हिकमत अमली से पकड़ लिया गया। पूंछने पर उसने अपना नाम ओम शंकर द्विवेदी उर्फ अविनाश द्विवेदी पुत्र स्व जगदीश प्रसाद द्विवेदी निवासी कंसापुर थाना संग्रामपुर जनपद अमेठी उम्र करीब 44 वर्ष बताया। भागने का कारण पूछने पर गिरफ्तार व्यक्ति ने बताया कि मेरा व उर्मिला मौर्या मृतका का करीब 10-15 वर्ष पहले से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

सूरज का हुआ एशिया के सबसे बड़े पत्रकारिता विश्वविद्यालय में चयन

अवधनामा संवाददाता

भाटपार रानी, देवरिया। भाटपार रानी विधानसभा के पुरैना गांव निवासी सूरज गुप्ता पुत्र श्री हरिलाल गुप्ता और नोनापार निवासी रंगनाथ तिवारी के सुपुत्र दिव्यांशु तिवारी का चयन एशिया के सबसे बड़े पत्रकारिता विश्वविद्यालय माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय रीवा (मध्यप्रदेश) मे हुआ है। इसके बारे मे जानकारी देते हुए नमस्कार फाउंडेशन के सचिव उत्कर्ष मिश्रा ने बताया की सुरज बहुत ही मेधावी और मेहनती विद्यार्थी है और इन्होने अपने परिश्रम के बल पर अपना दाखिला सुनिश्चित कराया है। बिपुल पाण्डेय ने सूरज के इस उपलब्धि पर शुभकामना देते हुवे कहा की सूरज भाटपार रानी के प्रतिष्ठित संस्थान मदन मोहन मालवीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय से स्नात्तक की पढ़ाई पूरी की है और वहां छात्र नेता के रूप मे सभी विद्यार्थियों के हक की लड़ाई भी लड़े है,एशिया के सबसे बड़े पत्रकारिता विश्वविद्यालय मे दाखिला सुनिश्चित कराना वास्तव मेरे गर्व का विषय है। गोविन्द मिश्रा,उदय नारायण सिंह सम्यक, डा,कन्हैया लालगुप्ता अमित मिश्रा,अभिषेक सिंह, अनुराग पाण्डेय, विकास सिंह, राकेश यादव, गौरव राय, अंकित, आदि ने अपनी शुभकामनायें व्यक्त की।

सीएसआर फण्ड से संवरेगी आंगनबाड़ी केंद्रों की सूरत

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। जनपद के आंगनबाड़ी केंद्रों की सूरत संवारने के लिए सीडीओ प्रत्यूष पांडेय ने नई पहल की है। जनपद के 1997 आंगनबाड़ी केंद्रों को सीएसआर फंड से सँवारा जाएगा। इस संबन्ध में सीडीओ ने आज विकास भवन स्थित अपने कार्यकक्ष में हिंदुस्तान पेट्रोलियम, आइओसीएल तथा भारत पेट्रोलियम के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की है। सार्वजनिक क्षेत्र की ये कंपनियां कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों को ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस, फर्नीचर, खिलौने इत्यादि उपलब्ध कराएंगी।

सीडीओ ने बताया कि सीएसआर फंड से गैप फिलिंग हेतु आंगनबाड़ी केंद्रों की सूची बना ली गई है। प्रायः यह देखा जाता है कि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों के बैठने के लिए कुर्सी, टेबल, बच्चों के वजन के लिए वजन मशीन खराब रहती है एवं अन्य गतिविधियों के लिए सामानों का उपलब्ध न होना पाया जाता है, जिससे बच्चों का मानसिक एवं शारीरिक विकास के साथ आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मूलभूत स्थिति सही नही पायी जाती। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर गैप फिलिंग जरूरी मूलभूत आवश्यकताओं को पूर्ण कराने हेतु सीएसआर मद से यथा सम्भव प्रयास कर गैप फिलिंग कराने के साथ उच्च स्तर पर इस सम्बन्ध में वार्ता किया गया तथा जल्द ही इसपर कार्य करने हेतु आश्वस्त किया गया। बैठक में डीएसओ संजय पांडेय, बीएसए शालिनी श्रीवास्तव, डीपीओ कृष्ण कान्त राय, सहायक प्रबन्धक भारत पेट्रोलियम गोरखपुर अभिषेक कुमार सिंह, इंडियन ऑयल से प्रबंधक अनन्त कुमार सिंह, हिंदुस्तान पेट्रोलियम गैस ग्रामीण से सच्चिदानन्द मिश्र आइओसीएल से प्रबंधक विशाल कुमार मौजूद थे।

दंपति और परिजनों के सहमत से परिवार परामर्श केंद्र ने कराया समझौता

कौशाम्बी। परिवार परामर्श केंद्र में महिला अपराध शाखा प्रभारी निरीक्षक महेश सिंह के सहयोग से व हेड कांस्टेबल राम बहादुर पाल व महिला हेड कांस्टेबल पूनम महिला कांस्टेबल कमला यादव व महिला कांस्टेबल नीतू के माध्यम से 8 फाइलों की काउंसलिंग किया गया जिसमें काउंसलिंग के दौरान 01 फाइलों में पति-पत्नी व उनके परिजनों की सहमति से सुलह समझौता किया गया। दोनों पक्षों की परिवार परामर्श केंद्र द्वारा पति-पत्नी को उनके जीवन की पारिवारिक कर्तव्य को बताते हुए समझाया गया। वह दोनों पति-पत्नी द्वारा बताया गया कि अब हम दोनों के बीच किसी प्रकार का कोई मनमुटाव नहीं रह गया है। अब हम दोनों अपनी खुद की सहमति से सुलह समझौता करना चाहते हैं परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पति-पत्नी को सुलह समझौता कराया गया। वह दोनों पक्षों द्वारा व्यक्त किया गया कि अब हम दोनों एक दूसरे के साथ प्रेम पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगे। परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों को सलाह दिया गया, कि अपने जीवन को पुनः शुभारंभ करिए।

मोतीचक समेत 55 पंचायत सहायकों से डीपीआरओ ने मांगा स्पष्टीकरण

अवधनामा ब्यूरो

आय, जाति और निवास नहीं बनवाने की दशा में नाराज डीपीआरओ

कुशीनगर। ग्राम पंचायत कार्यालय से आय, जाति और निवास प्रमाण बनवाने की व्यवस्था की गई है। लेकिन, 55 ग्राम पंचायतों ने एक भी आवेदन नहीं किया गया है। इसको गंभीरता से लेते हुए डीपीआरओ ने संबंधित ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों से स्पष्टीकरण मांगा है। शासन के निर्देश पर पंचायत सचिवालय से आय, जाति, निवासी आदि विभिन्न सेवाएं दी जा रही हैं। इसकी समीक्षा के दौरान पडरौना के आठ, दुदही के 11, फाजिलनगर के पांच, हाटा के पांच, खड्डा के एक, मोतीचक के दो, नेबुआ नौरंगिया के एक, रामकोला के तीन, सेवरही के चार, सुकरौली के छह, तमकुहीराज के आठ और विशुनपुर ब्लॉक के एक समेत कुल 55 ग्राम पंचायतों की तरफ से अभी तक एक भी आवेदन आय, जाति और निवास समेत अन्य प्रमाण पत्रों के लिए एक भी आवेदन किए गए हैं। इसको गंभीरता से लेते हुए डीपीआरओ ने संबंधित ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिव को नोटिस जारी कर सात दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। डीपीआरओ अलोक प्रियदर्शी ने कहा कि 55 ग्राम पंचायतों की तरफ से आय, जाति और निवास समेत अन्य प्रमाण पत्र के लिए एक भी आवेदन नहीं है। इसको गंभीरता से लेते हुए संबंधित गांव के पंचायत सहायकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। संतोष जनक जवाब नहीं मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मामूली विवाद में दो किशोरो के बीच हुई मारपीट

अमेठी। थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत दो किशोरो के बीच मामूली विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक किशोर की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पूरे सुक्खा मजरे नरैनी गांव निवासी राम समुझ कनौजिया की बेटी दीपा का पुत्र आयुष कनौजिया मंगलवार की शाम गांव के ही पास जानवर चरा रहा था। इसी गांव के निवासी नैतिक गुप्ता पुत्र राकेश गुप्ता के साथ किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया। आरोप है की नैतिक गुप्ता ने आयुष कनौजिया पर डंडे से प्रहार कर दिया जिसके कारण आयुष उम्र लगभग 14 वर्ष की मौत हो गई। घटना को लेकर गांव में तनाव हो गया है। एहतियात के तौर पर कई थानों की पुलिस पहुंच गई। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी युवक को पुलिस ने हिरासत में लिया है। आयुष कनौजिया यहां अपने ननिहाल में था उसका मूल घर गुवावा में बताया गया है। आयुष के पिता का देहांत हो चुका है मां-बाप का इकलौता पुत्र दुनिया से चला गया। उसकी मां के जीने का सहारा छिन गया। घटना से क्षेत्र सनसनी फैल गई है।

सेवानिवृत एएनएम की हुई भावभीनी विदाई, किया गया सम्मानित

सेवानिवृत्त एएनएम को सम्मानित करते स्वास्थ्य टीम

अवधनामा संवाददाता

मथौली बाजार, कुशीनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोतीचक मथौली के उपकेंद्र लक्ष्मीपुर में तैनात एएनएम श्रीमती कुशमावती देवी के सेवानिवृत हो जाने पर विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें माला पहना व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुधीर तिवारी ने कहा कि आज सेवानिवृत होने वाली एएनएम कुशमावती देवी ने अपने सेवा कार्य में पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन किया है। उन्होंने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आप अपने को सेवानिवृत न समझकर समाज में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करती रहें। आप के अनुभव का लाभ लोगों को मिल सके। कार्यक्रम के बीच में सभी स्वास्थ्यकर्मियों ने उन्हें अंग वस्त्र, धार्मिक ग्रंथ, छाता व अन्य उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ राजेश कुमार मद्धेशिया, डॉ फैसल अब्बास, डॉ. सर्फयाब अहमद, सुनील कुमार, वैक्सीन इंचार्ज राकेश कुमार मद्धेशिया, राजेश कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

युवक और युवतियों के साथ बैठक कर सौ दिन की कार्य योजना पर हुई समीक्षा

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। नेहरू युवा केंद्र द्वारा बुधवार को विकासखंड भादर के बजरंग युवा मंडल खरगपुर द्वारा संचालित कुम्हारी कला उद्योग तथा विकास खण्ड संग्रामपुर के रमा महिला युवा मण्डल का उपनिदेशक डॉ आराधना राज जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी महेन्द्र मिश्र जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी प्रधानाचार्य अजय सिंह ने सौ दिन के कार्ययोजना पर बैठक की। जिसमें स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत सोख्ता गड्ढा ब्लड डोनेशन वृक्षारोपण स्वरोजगार के बिषय में समीक्षा की गई। उपनिदेशक डॉ आराधना राज ने कहाकि सभी युवा स्वरोजगार से जुड़े उन्होंने युवा मण्डल अध्यक्ष सर्वेश सिंह द्वारा संचालित किया जा रहा कुम्हारी कला उद्योग का उदाहरण देते हुए सभी युवाओं से स्वरोजगार से जुड़ने के लिए लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहाकि की बरसात का समय आ गया हैं जहाँ भी गन्दा जल इकट्ठा है वहां जले हुए मोबिल ऑयल का छिड़काव करें जिससे मच्छर न पनपने पाये और युवा मण्डल के सभी पदाधिकारी व सदस्य माँ के नाम एक एक पौधा लगायें और लोगों को भी लगाने के लिए प्रेरित करें। जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी ने युवाओं को सरकार के द्वारा खादी ग्रामोद्योग से संचालित योजनाओं की जानकारी दी। जिला सेवा योजना अधिकारी ने भी विभिन्न कलाओं के प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को सेवा योजना की बेबसाइट पर जाकर पंजीकरण करने के लिए कहाकि जिससे उन्हें आने वाली विभिन्न कम्पनियों में रोजगार दिलाया जा सके।प्रधानाचार्य अजय सिंह ने कहाकि आई टी आई से प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा स्वरोजगार व रोजगार से जुड़ सकते हैं। उन्होंने ने कला उद्योग को पेटेन्ट कराने के लिए बात कही। अधिकारियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर युवा परिषद अध्यक्ष राघवेन्द्र प्रताप सिंह महिला मण्डल अध्यक्ष सरिता सिंह पूर्व एनवाईवी राहुल कुमार युवा मंडल अध्यक्ष सर्वेश विक्रम सिंह सहित काफी संख्या में युवा युवतियाँ उपस्थित रहे।

सुनसान घर को चारों ने खंगाला नगदी समेत गहने ले उड़े चोर

अहिरौली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भलुही का मामला

अवधनामा संवाददाता

अहिरौली बाजार, कुशीनगर। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम भलुही में मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने एक घर का ताला तोड़कर नगदी व गहने चोरी कर फरार हो गए। प्राप्त सूचना के मुताबिक महेन्द्र सिंह पुत्र तपसी निवासी भलुही थाना अहिरौली बाजार के घर में मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने दरवाजे का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए।

पीड़ित महेंद्र सिंह के अनुसार उनकी पत्नी का तबियत खराब चल रहा है। जिसे वह कई माह से गोरखपुर स्थित अपने मकान पर परिवार सहित रहकर इलाज करा रहे हैं। चोरों ने इसी मौके का लाभ उठाकर चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। गांव के लोगो ने देखा कि दरवाज़े का ताला टूटा हुआ है तभी किसी ने महेन्द्र सिंह को इसकी सूचना दी।

बुधवार की सुबह जब गृहस्वामी अपने घर आया तो देखा कि दरवाज़े का ताला टूटा हुआ है और लाखो रुपए की कीमत के सोने के जेवर जिसमे एक अदद सोने का हार, चार अदद सोने की चेन, 13 अदद अंगूठी, सोने का बाली, झुमका, दो मंगलसूत्र, पावजेब, एक पीस हीरे की अंगूठी समेत साठ हजार रूपए नकदी चोर उठा ले गए। यह देखकर गृह स्वामी अवाक रह गया। इसके बाद गृहस्वामी ने स्थानीय थाने में चोरी की तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई।

वन महोत्सव के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमेठी। एडवान्स इन्डियन जूनियर हाईस्कूल मोहनगंज तिलोई में वन महोत्सव के अवसर पर बुधवार को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे पूर्व ब्लाक प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह बीरेन्द्र तिवारी अध्यक्ष प्रधान संघ अमेठी अभिमन्यु वर्मा प्रधान संग्रामपुर जीतेन्द्र कुमार श्रीवास्तव प्रथानाचार्य एडवान्स इन्डियन जूनियर हाईस्कूल मोहन गंज व छात्र-छात्राएं मुहम्मद ज़हीर मिर्ज़ा क्षेत्रीय वनाधिकारी तिलोई सचिन गौतम उप क्षेत्रीय वनाधिकारी तिलोई व रेन्ज स्टाफ उपस्थित रहा। इस अवसर पर पूर्व ब्लाक प्रमुख द्वारा एक पेड़ माँ के नाम महोगनी का पेड़ लगाया गया तथा वीरेन्द्र तिवारी द्वारा एक पेड़ पाकड़, क्षेत्रीय वनाधिकारी द्वारा जामुन के पेड़ को लगाया गया तथा शेष उपस्थिति लोगों द्वारा भी एक-एक पौधा रोपण किया गया। प्रमुख जी द्वारा पुरस्कार वितरण किया। क्षेत्रीय वनाधिकारी द्वारा सभी से आग्रह किया कि सभी जन एक पेड माँ के नाम अवश्य लगाये तथा अधिक से अधिक वृक्षा रोपण कर पेड़ लगाओ पेड़ बचाव महाभियान 2024 को सफल बनाये।

चिकित्सक की लापरवाही से महिला की मौत परिजनों ने तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग

अवधनामा ब्यूरो

सोहरौना स्थित एमएस हॉस्पिटल के चिकित्सको के लापरवाही का मामला

कुशीनगर। जिला मुख्यालय रवीन्द्रनगर से सटे सोहरौना मे संचालित एमएस हॉस्पिटल के चिकित्सको के लापरवाही ने एक महिला की जान ले ली। परिजनो ने हॉस्पिटल के चिकित्सक पर इलाज में लापरवाही का खुला आरोप लगाते हुए रवीन्द्रनगर थाने को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस तहरीर के आधार पर जांच में जुटी है। इधर हॉस्पिटल प्रशासन मामले को मैनेज करने के लिए जुगाड़ लगाने मे जुटे है ऐसा सूत्रों का दावा है।

बता दें कि पडरौना कोतवाली क्षेत्र व नगर के जटहां रोड स्थित मदनसेन नगर निवासी रामकिशोर ने रवीन्द्रनगर थाने को दिए तहरीर मे कहा है कि 29 जून की रात उनकी पत्नी गीता देवी की तबीयत बिगड़ गई। उनको सांस लेने में दिक्कत शुरू हो गई। इसके बाद वह अपनी पत्नी को लेकर जिला मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज गए जहां चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार करने के बाद गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। रामकिशोर ने कहा कि जब वह गोरखपुर जाने के लिए बाहर निकले तो वहां चार-पांच की संख्या में कुछ लड़के खड़े थे, जो प्राइवेट हॉस्पिटल के दलाल थे इसमें से एक लड़के ने अपना नाम किशन कुशवाहा बताते हुए हमे अपना परिचित बताकर मेरी पत्नी गीता देवी का इलाज आयुष्मान योजना के तहत कराने का झांसा देकर अपने निजी वाहन से लेकर रविंद्रनगर से सटे सोहरौना स्थित एम एस हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया। उसके बाद बार-बार पैसे की डिमांड की जाने लगी, यह कहने के बावजूद भी कि यहां आयुष्मान योजना से इलाज करने का वादा किया गया है इसके बाद भी हजारों रुपए वसूल लिए गए। उन्होंने तहरीर मे आगे कहा है कि बीते 1 जुलाई की आधी रात के बाद मरीज की तबियत बिगड़ता देखकर उन दलालों ने मरीज को अपने निजी वाहन से ले जाकर पुनः जिला अस्पताल पर छोड़ दिया, जहां मंगलवार को उसकी मौत हो गई। पत्नी की मौत के बाद रामकिशोर ने दलालों पर एमएस हॉस्पिटल आयुष्मान योजना से इलाज का झांसा देने और एमएस हॉस्पिटल चिकित्सक पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर कार्यवाही की मांग की है। इस संबंध में थानाध्यक्ष रवीन्द्रनगर विनय कुमार मिश्र का कहना है मामले में तहरीर मिली है, परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। मामले की गहन जांच-पड़ताल की जा रही है, जो भी दोषी होगा उसके विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

मजरा झुंडी में कराए गये कटान रोधी कार्य का डीएम ने किया निरीक्षण

- कृषकों से पूछा इस क्षेत्र में पापुलर की खेती क्यों पापुलर है
- ग्रामवासियों से रोज़मर्रा की जिन्दगी का जाना हाल
- बाढ़ के दौरान किसी ग्रामवासी को नहीं होगी दुश्वारी
- बाढ़ से बचाव व राहत कार्यों के लिए जिला प्रशासन तैयार

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संभावित बाढ़ एवं कटान से बचाव हेतु संचालित परियोजनाओं तथा राहत एवं बचाव कार्यों के संचालन हेतु की गई तैयारियों का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने सरयू नदी की बाढ़ से प्रभावित होने वाले जिले के दूरस्थ क्षेत्र स्थित ग्राम चौकसहार के मजरा झुंडी व अन्य क्षेत्रों का भ्रमण किया। चौकसहार के मजरा झुंडी में रू. 469.68 लाख की लागत सरयू नदी के दायें तट पर स्थित ग्राम सूमह परागी, बेली, झुंडी, गड़रियनपुरवा, अहिरनपुरवा, चौकसहार एवं चमारनपुरवा की सुरक्षा हेतु कराये गये कटान रोधी कार्य से 207 घरों के लगभग 14550 की जनसंख्या तथा 4980.50 हेक्टेयर कृषि भूमि की सुरक्षा होगी। निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद ग्रामवासियों से डीएम ने बच्चों की शिक्षा-दीक्षा, जीवकोपार्जन के संसाधनों, बाढ़ के दौरान प्रायः होने वाली कठिनाईयों, आवागमन के संसाधनों के साथ-साथ खेती-बाड़ी व स्थानीय उपज के बारे में जानकारी प्राप्त की। डीएम ने ग्रामवासियों से यह भी पूछा कि गत वर्ष आयी बाढ़ में किसी प्रभावित व्यक्ति के मुआवज़े इत्यादि की कोई धनराशि तो बकाया नहीं है। ग्रामवासियों ने बताया कि सभी प्रभावित व्यक्तियों क्षतिपूर्ति का भुगतान समय हो गया है। डीएम ने स्थानीय लोगों से यह भी पूछा कि इस क्षेत्र में पापुलर की खेती बहुत पापुलर है। इसकी बिक्री की क्या व्यवस्था है। इस पर लोगों ने डीएम को बताया कि बिक्री में कोई दुश्वारी नहीं है ठेकेदार खेत में लगे पेड़ों को खरीद लेते हैं। यहां पर ग्रामवासियों ने यह भी बताया कि ग्राम पंचायत चौकसहार में 30 मजरे हैं जिसमें से 18 मजरे नदी के इस पार हैं परन्तु ग्रामवासियों को खाद्यान्न लेने नदी के उस पार जाना पड़ता है। जिस कारण कार्डधारकों को दुश्वारी होती है। डीएम ने इस सम्बन्ध में एसडीएम को निर्देश दिया कि ग्रामवासियों की समस्या का समाधान करा दिया जाय। डीएम ने नायब तहसीलदार नानपारा को निर्देश दिया ग्रामवासियों के आवागमन के लिए नाव की संख्या बढ़ा दी जाय साथ ही ग्रामवासियों को क्षमता से अधिक सवारी न करने नसीहत भी की। क्षेत्रीय लेखपाल से डीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फसल के सर्वे इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त की। लेखपाल ने बताया कि फसलों का सर्वे कर लिया गया है। विद्युत आपूर्ति के बारे में पूछने पर लोगों ने लो-वोल्टेज की बात बतायी। डीएम ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को समस्या का समाधान कराये जाने के निर्देश दिये। डीएम ने मौके पर मौजूद उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के पशुओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण करा दिया जाय। यहां पर डीएम ने ग्रामवासियों से इस बात की भी जानकारी प्राप्त की कि गत वर्ष आयी बाढ़ में किसी प्रभावित व्यक्ति के मुआवज़े इत्यादि की कोई धनराशि तो बकाया नहीं है। ग्राम भ्रमण के दौरान डीएम ने श्रीमती पूजा पत्नी प्रमोद के 02 वर्षीय पुत्र शिवम को देखकर टीकाकरण एवं पुष्टाहार वितरण के बारे में पूछने पर बताया कि आशा व एनएनएम दीदी गांव में टीकाकरण के लिये आती है तथा आंगनबाड़ी केन्द्र द्वारा मानक के अनुसार पुष्टाहार व अन्य सामग्री का वितरण किया जा रहा है। इसके उपरान्त डीएम ने खरखट्टनपुरवा पहुंचकर ग्रामवासियों से वार्ता कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्साधिकारी शिवपुर डॉ. नलिन राजा, बीडीओ शिवपुर राजेन्द्र प्रसाद, सीडीपीओ राम स्वरूप मौर्य, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एस.बी. यादव, नायब तहसीलदार नानपारा हर्षित पाण्डेय, थानाध्यक्ष खैरीघाट संजय कुमार, क्षेत्रीय लेखपाल पंकज सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

राहुल गांधी के बयान के खिलाफ भारतीय जनता युवा मोर्चा का प्रदर्शन

सुल्तानपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा सुल्तानपुर के युवा किसी भी कीमत पर बहुत संख्यक समाज हिंदू समाज के बारे में ऐसी बातें बर्दाश्त नहीं करेगा कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के संसद में दिए गए हिंदू संबंधित बयान के खिलाफ भारतीय जनता युवा मोर्चा ने आज जिला पंचायत गेट के सामने विरोध प्रदर्शन किया भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया , चंदन नारायण सिंह ने कहा कांग्रेस अपने वोट बैंक के लिए हमेशा बहुत संख्यक समाज के विरोध में बातें करती है और उनके अंदर की मानसिकता उनके बयान से समझ में आती है कि कांग्रेस 100 करोड़ हिंदुओं को किस नजरिया से देखती है सनातनी की सहनशीलता को इस तरीके से बार-बार रखने का काम कांग्रेस उसके सांसद नेता करते रहते हैं भारतीय जनता युवा मोर्चा सुल्तानपुर के वक्त युवक किसी भी कीमत पर बहुत संख्या समाज हिंदू समाज के बारे में ऐसी बातों को बर्दाश्त नहीं करेगा राहुल गांधी को अभिलंब पूरे देश से माफी मांगे, कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला महामंत्री गौरव मौर्य सचिन पांडे जिला उपाध्यक्ष सुधांशु सिंह जिला मीडिया प्रभारी मोहित तिवारी और जिला कार्य समिति सदस्य युवा उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने दिया राहुल के खिलाफ ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

सुलतानपुर। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने राहुल गांधी के संसद में दिऐ गऐ हिंदू विरोधी बयान व सांसद असदुद्दीन ओवैसी के द्वारा धर्म आधारित फिलस्तीन का उद्घोष करने के खिलाफ महामहिम राष्ट्रपति महोदया को प्रदेश मंत्री हिमांशु मालवीय के दिशा निर्देशन व जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में ज्ञापन दिया, जिसमें उक्त दोनों सांसदों की संसद सदस्यता खत्म करने की मांग उठाई।

व्यापारियों का कहना है कि हमारे दिऐ हुऐ टैक्स के पैसों से हम ऐसे सांसदों का वेतन व भत्ता देने का विरोध करते है, जो सांसद भारत के बहुसंख्यक जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाऐ एंव संसद में दूसरे देश के प्रति निष्ठा व्यक्त करे। इस बाबत प्रदेश मंत्री हिमांशु मालवीय ने लोकसभा स्पीकर को मेल के द्वारा इस संबंध में अपना विरोध प्रेषित किया। इस मौके पर वरिष्ठ जिला महामंत्री अम्बरीश मिश्रा, जिला महामंत्री मनीष साहू, जिला प्रभारी प्रवीन्द्र भालोटिया, जिला उपाध्यक्ष अवधेश पांडेय, जिला संगठन महामंत्री राकेश अग्रहरि, जिला मंत्री चन्द्रदेव मिश्रा व अरविंद पांडेय, नगर प्रभारी सतनाम सिंह बग्गा, जिला युवा महामंत्री अंकित अग्रहरि, नगर युवा अध्यक्ष लकी झा आदि कई पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

दहेज मुक्त समाज के निर्माण में सबका सहयोग जरूरी: डीपीओ

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। दहेज एक सामाजिक बुराई है। जिसके कारण समाज में महिलाओं के प्रति अकल्पनीय यातनाएँ और अपराध की घटनाएं सामने आती है। भारतीय वैवाहिक व्यवस्था को दहेज़ जैसे दानव से मुक्ति दिलाने के लिए प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक को आगे आना होगा। यह जानकारी देते हुए जिला प्रोबेशन अधिकारी/दहेज़ प्रतिषेध अधिकारी विनय कुमार सिंह ने बताया कि दहेज, शादी के समय दुल्हन के ससुराल वालों को लड़की के परिवार द्वारा नकद या वस्तु के रूप में किया जाने वाला भुगतान है। श्री सिंह ने बताया कि महिला सशक्तिकरण के दृढ़ संकल्पित मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में दहेज़ सहित महिला अपराधों पर प्रभावी अंकुश के लिए अनेकों हेल्पलाइन नम्बर संचालित है। इसके अलावा दहेज़ के सम्बन्ध में शिकायत प्राप्त होने पर दोषी के विरूद्ध दहेज़ निषेध अधिनियम 1961 की सुसंगत धाराओं में कार्यवाही अमल में लायी जाती है। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि दहेज जैसी कुरीति को समाप्त करने के लिए आमजन में जागरूकता के साथ-साथ हमें बालिका शिक्षा तथा महिलाओं को स्वावलम्बन की दिशा में अग्रसर करना होगा। दहेज प्रथा न केवल अपराध है, बल्कि अनैतिक भी है। इसलिये दहेज प्रथा की बुराइयों के प्रति समाज को जागरूक करने की जरूरत है, ताकि समाज में दहेज की मांग करने वालों की प्रतिष्ठा कम हो जाए। श्री सिंह ने बताया कि दहेज सम्बन्धित किसी भी शिकायत जिला दहेज प्रतिषेध अधिकारी के मोबाइल नम्बर 7518024026, वन स्टॉप सेन्टर अथवा 181 महिला हेल्पलाइन व चाइल्ड हेल्पलाइन, 1098 पर की जा सकती है। अधिक जानकारी हेतु कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जिला प्रोबेशन अधिकारी, बहराइच के कार्यालय या गेंदघर मैदान स्थित वन स्टॉप सेन्टर से सम्पर्क किया जा सकता है।

विधि का पालन न करने और ठगी पीड़ितों का भुगतान न करने के विरुद्ध अनिश्चितकालीन असहयोग आंदोलन की घोषणा

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार (रजि.) के जिला संयोजक अशोक कुमार बाथेरे ने जिलाधिकारी भेजते हुए बताया कि संसद ने सर्वसम्मति से वर्ष 2019 में अनियमित जमा योजना पाबंदी कानून 2019 (बैनिंग ऑफ अनरेग्युलेटेड डिपॉजिट स्कीम्स एक्ट 2019) बनाकर ठग कम्पनीज एवं ठग सोसाइटी में डूबी हुई जमा राशि को पीडित आवेदक को 180 दिन में जमा राशि के दो से तीन गुणा वापस दिलाने का कानूनी अधिकार दिया था। अनियमित जमा योजनाएं पाबन्दी अधिनियम 2019 के अंतर्गत देश के प्रत्येक जिले में में पीड़ित आवेदकों से आवेदन लेने और उनका भुगतान करने हेतु भुगतान पटल की स्थापना कागजों में कानून में हुई थी, अनियमित जमा और नियमित जमा योजनाओं में जनता के जमा धन की वापसी हेतु संसद और सरकार ने देशभर में विशेष न्यायालय सक्षम अधिकारी सहायक सक्षम अधिकारी और अन्य नोडल एजेंसी का चयन एवं नियुक्ति की थी और कानून बनाकर जनता को यह विश्वास दिलाया था कि सरकार उनका डूबा हुआ ठगा गया धन वापस करेंगी और दोषी संचालकों को दण्डित करेंगी, समयबद्ध कानून के लागू होने के 5 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी संघ या राज्यों ने बड्स एक्ट 2019 के अंतर्गत पीड़ितों से न आवेदन आमंत्रित किए न आवेदन लेने के बाद उनका धन विधिसम्मत रूप से वापस किया जो करोड़ों नागरिकों के साथ अन्याय है और इसका प्रतिकार करना हमारा धर्म है अधिकार है। यह स्थाई अधिनियम है और इसके अंतर्गत नियुक्त सक्षम या सहायक सक्षम अधिकारी को स्थाई रूप से सुनवाई करनी है जो पांच वर्ष में अभी तक आरम्भ ही नहीं हुई है, लाखों आवेदनों पर आजतक नोटिस तक जारी नहीं किये गए हैं. अनेक राज्यों जिलों एवं तहसीलों में अभी तक भुगतान पटलों की स्थापना तक नहीं हुई है और बेईमान सिस्टम एक व्यापक अधिनियम की अवहेलना करते हुए गैरकानूनी रूप से सहारा सीआरसी, सेबी पर्ल्स जैसे पोर्टल खोलने का झांसा देकर बड्स एक्ट 2019 को खत्म करने की साजिश रच रहा है, भुगतान न होने के कारण निवेशक और कथित एजेंट साथियों में आपसी तनाव बना हुआ है।

भूखों मरने की भी स्थिति बन गई है

सात राय घड 81108 अतः है कि लोकतंत्र के मंदिर संसद सरकार और कानून की गरिमा को बचाने के लिए हमारे क्षेत्र में उपरोक्त कानून के अंतर्गत भुगतान शिविर लगाकर ठगी पीडितों की जमा राशि का भुगतान 31 जुलाई 2024 तक अवश्य कराएं और दोषी अधिकारियों को दंडित करवाकर उनके मन में कानून के प्रति सम्मान करने की भावना पैदा करें। ताकि देश में विधि के विरुद्ध काम करने वाले बेईमान अधिकारियों में कानून का शासन का संसद का भय बना रहे. विशेष सूचना- यदि शासन ने लोकतंत्र के मंदिर संसद कानून और ठगी पीडितों के भुगतान के प्रति ईमानदारी का परिचय देते हुए सबका भुगतान, क्षतिपूर्ति और निर्दोष एजेंट्स को सुरक्षा सम्मान न्याय अविलम्ब सुनिश्चित न किया तो देश के करोड़ों ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार 31 जुलाई 2024 सुबह दस बजे से राजधानी दिल्ली के जंतर 1450377 मंतर समेत सम्पूर्ण राष्ट्र में बेईमान सिस्टम के विरुद्ध अनिश्चितकालीन असहयोग आंदोलन आरंभ करेंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी सरकार शासन और प्रशासन की होगी।

संक्षिप्त समाचार

हाथरस हादसा: गोमती तट पर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिये प्रार्थना

सुल्तानपुर। सत्संग के नाम पर भीड़ जुटाना, लोगों को भावनात्मक अंदाज में इकठ्ठा करना, बिना किसी व्यवस्था के भगवान भरोसे छोड़ देना ही कारण है हाथरस हादसे का। यह कहना है गोमतीमित्र मंडल के मुखिया रुद्र प्रताप सिंह मदन का। जो आदिगंगा गोमती के तट पर आयोजित प्रार्थना सभा के बाद अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे,सभी दुःखी थे और आयोजकों के प्रति आक्रोशित भी,गोमती मित्रों ने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये अपने परिवारजनों को खोने वाले लोगों के प्रति गहन शोक संवेदना व्यक्त की साथ ही घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की। राकेश सिंह दद्दू तो इतने आक्रोशित थे की उन्होंने दोषियों को फांसी या सख्त से सख्त सजा देने की मांग की। प्रार्थना सभा में मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी,मुन्ना सोनी,राजेश पाठक, रामेन्द्र सिह राणा, युवा मंडल अध्यक्ष अजय वर्मा,आलोक तिवारी,तेजस्व पान्डेय,सोनू सिंह,अर्जुन यादव,अमन निषाद,अमित पांडा,अभय मिश्रा,ओम प्रकाश आदि उपस्थित रहे।

हेड मास्टर नदारद, गेट पर ताला बंद, बच्चे खड़े हैं बाहर

सुल्तानपुर। प्रार्थमिक विद्यालय सुबह 7.30 बजे खुलने का समय निर्धारित है, लेकिन 8.30 बजे तक स्कूल का गेट नहीं खुला। मोतीगरपुर बीईओ ए आर पी कौशिक सिंह सुबह 8.30 बजे निरीक्षण करने पहुंचे तो विद्यालय के गेट में ताला लगा था। बच्चे गेट के बाहर खड़े थे। बीईओ मोतीगरपुर ने बताया की लापरवाह अध्याफक और हेड मास्टर पर कारवाई के लिए बीएसए साहब को पत्र भेजा जाएगा।

स्थानांतरित होने पर बी एस ए को दी विदाई

सुल्तानपुर। बीएसए दीपिका चतुर्वेदी को भावभीनी विदाई दी गई।जिले की बेसिक शिक्षा अधिकारी रहीं दीपिका चतुर्वेदी को शहर के एक होटल सभागार में भावभीनी विदाई दी गई। जिसमें नवागत बीएसए उपेंद्र गुप्ता,शिक्षा विभाग के वित्त एवं लेखा अधिकारी अमित मोहन मिश्रा समेत जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारी,समग्र शिक्षा अभियान के अधिकारी और कर्मचारी जिला समन्वय समेत अन्य लोग मौजूद रहे। विदाई समारोह में सब का आभार प्रकट करते हुए निवर्तमान बीएसए दीपिका चतुर्वेदी ने कहा कि आप सभी के सहयोग से मैं बेदाग छवि के साथ यहां से जा रही हूं। सरकार के कार्य को प्राथमिक विद्यालय में बेहतर ढंग से लागू करने में आप लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आपका सहयोग अविस्मरणीय रहेगा। इस मौके पर उदय राज मौर्य,शिव शंकर मिश्रा,रामतीर्थ वर्मा,सुधीर सिंह समेत सभी खंड शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 जुलाई को

ललितपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं आलोक कुमार पाराशर, जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ललितपुर के तत्वाधान में यशवंत कुमार सरोज, अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ललितपुर की अध्यक्षता में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 13.07.2024 के आयोजन के संबंध में जनपद के तहसीलदारों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नरेशचन्द्र तहसीलदार तालबेहट, शेख आलमगीर तहसीलदार मडावरा, राजेश कुमार यादव, तहसीलदार पाली, धीरेन्द्र कुमार नायब तहसीलदार महरौनी उपस्थित रहें। बैठक में सचिव द्वारा समस्त तहसीलदारों से यह अपेक्षा की गयी कि वह लेखपाल आदि के माध्यम से गांव-गांव में जाकर आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के फायदों के बारे में अवगत कराएं, जिससे आम जन राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ प्राप्त कर सकें।

शिव भक्तों का श्री राम सेवा समिति ने ढोल नगाड़ों से किया भव्य स्वागत

अवधनामा संवाददाता

अमरनाथ बाबा बफार्नी के दर्शन करके लौटे भक्तों का स्वागत करते श्री राम सेवा समिति के पदाधिकारीगण।

ललितपुर। जुगपुरा के वार्ड नम्बर आठ में अमरनाथ बाबा बर्फानी के दर्शन को जाने वाले शिव भक्तों का देवगढ़ रोड पर स्थित जया मेडीकल स्टोर पर श्री राम सेवा समिति के जिला अध्यक्ष अभिलाष रिछारिया, जिला महामंत्री ताहर राजा (सत्यम स्टूडियो) कोषाध्यक्ष अजय दुबे ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम व गाजे बाजे के साथ सभी शिव भक्तों का चन्दन तिलक लगाकर, फूलमालायें पहनाकर एवं मिष्ठान खिलाकर ढोल नगाड़ों के बीच बड़े ही धूमधाम व गाजे बाजे के साथ भव्य स्वागत किया इन लोगों के अलावा भी विष्णु शंकर कटारे, डाक्टर कैलाश कुशवाहा, छत्रपाल यादव, रवि झां, डाक्टर लक्ष्मी नारायण,आदि लोगो ने भी चन्दन तिलक लगाकर स्वागत किया जुगपुरा वार्ड नम्बर आठ के पार्षद उदय प्रताप सिंह उर्फ कल्लू पटेल के नेतृत्व में सभी शिव भक्त अमरनाथ बाबा बर्फानी के दर्शन करने के लिये रवाना हुये मोहल्ले में जगह जगह शिव भक्तों का ढोल नगाड़ों के बीच भव्य स्वागत हुआ सभी लोगों ने अमरनाथ बाबा बर्फानी के दर्शन करने जा रहे सभी शिव भक्तों को रेल्वे स्टेशन पर छोड़ा और सभी लोगों ने सभी शिव भक्तों को यात्रा मंगलमय की शुभकामनायें दी अमरनाथ बाबा बर्फानी के दर्शन को जाने वाले शिव भक्तों में जुगपुरा वार्ड नम्बर आठ के पार्षद उदय प्रताप सिंह उर्फ कल्लू पटेल, भजन यादव, रामगोपाल, जितेन्द्र पाल,अंतू प्रजापति, राजेन्द्र आइसक्रीम,राजवीर यादव, विक्रम यादव ,बृजेश यादव, राजा यादव पिपरिया,राजाराम यादव ,सुजान यादव ,करन आदि शामिल थे।

21 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन करें मत्स्य पालक

ललितपुर। सहायक निदेशक मत्स्य आरपी भारती ने सर्वसाधारण को अवगत कराया है कि मत्स्य विभाग द्वारा संचालित निषादराज बोट सब्सिडी योजनान्तर्गत आनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं, जिसके लिए 1 से 21 जुलाई 2024 तक विभागीय पोर्टल खोला गया है, जनपद के मत्स्य पालक व मछुआरा समुदाय के व्यक्ति उक्त पोर्टल पर आवेदन कर योजना योजना का लाभ ले सकते हैं।

उन्होंने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 मे मत्स्य विभाग के अंतर्गत निषादराज बोट सब्सिडी योजना हेतु अर्ह मत्स्य पालकों एवं मछुआरा समुदाय के व्यक्तियों को आच्छादित करने के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने हेतु विभागीय पोर्टल दिनांक 01.07.2024 से खोला गया है। आवेदन करने की अन्तिम तिथि दिनांक 21.07.2024 हैं। योजनान्तर्गत परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख व विस्तृत विवरण एवं विज्ञापन विभागीय पोर्टल पर देखा जा सकता है।

खनिज विभाग ने इस वर्ष 160 वाहनों पर लगाया 56.39 लाख जुर्माना

ललितपुर। अपर जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव ने बताया है कि जनपद में खनिज विभाग द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाते हुए कड़ी कार्यवाही की जा रही ह, जिसके क्रम में इस वर्ष की प्रथम हमाही में (जून तक) अवैध खनन / परिवहन के मामलों में कुल 160 वाहनों पर कड़ी कार्यवाही की गयी है, जिससे ओवरलोड एवं अवैध खनन पर अंकुश लगा है। इन वाहनों से 36.83 लाख रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गयी है. एवं 19.56 की राशि वसूल की बानी शेष है। बालू, मौरम, गिट्टी, मिट्टी, लाल मौरंग के अवैध परिवहन में 57 वाहनों के थानों में बंद किया गया है। 103 वाहनों को आनलाइन चालान कर गश्त के दौरान एम-चेक के द्वारा एवं सड़को पर लगे उच्च तकनीकी के चेक गेट के माध्यम से किया गया। है। साथ ही 04 प्रकरण में प्राथमिकी दर्ज की गयी है एवं 02 प्रकरण न्यायालय के विचाराधीन है।

गोमती पुल के एप्रोच निर्माण में हुआ भ्रष्टाचार

अवधनामा संवाददाता

सुलतानपुर। दो विधानसभाओ को जोड़ने वाले गोमती पुल का एप्रोच निर्माण में भ्रष्टाचार के कारण टूट गया। आठ माह पूर्व ही इसे लगभग 39 लाख रुपए की लागत से तैयार किया गया था। लेकिन हल्की सी बारिश पुल पर बना एप्रोच झेल नहीं सका। भारी वाहनों के आवागमन से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

दियरा-लंभुआ मार्ग पर गोमती नदी पर बने पुल का लोकार्पण वर्ष 2011 में तत्कालीन सिंचाई मंत्री ओपी सिंह ने किया था। दियरा की तरफ जाने वाले एप्रोच के नीचे की करीब 200 टन मिट्टी देख रेख के आभाव में खिसकर बह गई तो सड़क के बीचों बीच बड़ा गड्?ढा हो गया था। बीते 4 सितंबर 2023 को शासकीय कार्य से लंभुआ से लौटते समय एसडीएम जयसिंहपुर वंदना पाण्डेय की निगाह गड्ढे पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल वाहनों का आवागमन रोकते हुए।

दियरा-लम्भुआ मार्ग पर एप्रोच टूटा, 39 लाख की लागत से हुआ था निर्माण: तत्कालीन डीएम जसजीत कौर को दी थी। डीएम के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने करीब 450 ट्राली मिटी एप्रोच के नीचे डाल दी थी। जिसके बाद विभाग द्वारा करीब 39 की लागत से एप्रोच की विशेष मरम्मत का कार्य स्वीकृत हुआ। जिसमें मिट्टी कार्य, मिट्टी के ऊपर स्लोप बनाकर कट स्टोन लगाने, पिंचिंग, जल निकासी के लिए दोनों तरफ नालियों का निर्माण होना था। ठेकेदार द्वारा मानकों को ताक पर रखकर निर्माण शुरू कराया गया।

दम तोड़ रहा प्रमुख सचिव आदेश

मामला नियत प्राधिकारी विनियमित क्षेत्र एसडीएम सदर न्यायालय में चल रहे राज्य बनाम मुकदमे में सरकारी वकील मुहैया कराने का

- वर्षो बाद भी एसडीएम सदर ने नही भेजा शासन

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। नियत प्राधिकारी विनियमित क्षेत्र/ एसडीएम सदर सुल्तानपुर न्यायालय में राज्य बनाम कई मामले विचाराधीन है जिसमे पहले तो नियत प्राधिकारी विनियमित क्षेत्र एसडीएम सदर के आदेश पर अवर अभियंता जांच रिपोर्ट लगा कर अवैध निर्माण तथा स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण पर राज्य बनाम मुकदमा चलते हैं जिसमे कई वर्षो तक तारीख चलती है उक्त वाद में नियत प्राधिकारी विनियमित क्षेत्र और अवर अभियंता जो की पहले अवैध निर्माण पाते हैं बाद में उसी भवन स्वामी से लंबी वसूली करके अभय दान देते हैं एक सोची समझी साजिश के तहत सरकारी अधिवक्ता को उक्त मुकदमे में राज्य की तरफ से पैरवी हेतु नही बुलाते जिसकी शिकायत जिले से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय तक हुई जिसमे मुख्यमंत्री कार्यालय से प्रमुख सचिव न्याय को शिकायती पत्र पर कार्यवाही करने का आदेश भी जारी हुआ जिसपर प्रमुख सचिव न्याय द्वारा प्रमुख सचिव प्रमुख सचिव शहरी आवास एवम नियोजन को पत्र लिख कर आवश्यक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देश भी जारी हुआ उपरोक्त पत्र पर तत्कालीन सचिव शहरी आवास एवम नियोजन द्वारा दिनांक 24/11/23 को अपने पत्रांक सांख्य 2452/आठ/6/23 द्वारा नियंत्रक / प्राधिकारी जिलाधिकारी सुल्तानपुर को उपरोक्त वाद में सरकारी अधिवक्ता से राज्य की तरफ से पैरवी कराने हेतु निर्देश जारी कर जवाब मांगा गया परंतु अभी तक नियत प्राधिकारी विनियमित क्षेत्र एसडीएम सदर द्वारा उक्त वाद में सरकारी अधिवक्ता को राज्य की तरफ से पैरवी हेतु नही बुलाया गया।

खरखट्टनपुरवा में डीएम मोनिका रानी ने किया पौधरोपण

- बच्चों को किया पौध का वितरण

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। जनपद में पौधरोपण अभियान के प्रति आमजन में जागरूकता लाये जाने के उद्देश्य से वन प्रभाग बहराइच के तत्वावधान में खरखट्टनपुरवा चौराहा के निकट आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मोनिका रानी ने प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच संजय कुमार के साथ कृष्ण कुमार के द्वार पर सहजन का पौध रोपित किया तथा मौके पर मौजूद बच्चों को डीएम ने आम, नीम, सहजन इत्यादि प्रजाति के पौध का वितरण कर कहा कि इसे अपनी मां के साथ जाकर उपयुक्त स्थान पर रोपित करना और जिस प्रकार आपकी मां आपका ख्याल रखती है उसी तरह आप लोग पौधे की देखभाल करना। डीएम ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से अधिकाधिक पौध रोपण की अपील करते हुए कहा कि इस सुन्दर धरा तथा पर्यावरण की सुरक्षा का सरल उपाय पौधरोपण है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों द्वारा सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण की समस्या बताये जाने पर डीएम ने नायब तहसीलदार व थानाध्यक्ष को प्रभावी कार्यवाही करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्साधिकारी शिवपुर डॉ. नलिन राजा, बीडीओ शिवपुर राजेन्द्र प्रसाद, वन क्षेत्राधिकारी नानपारा हरिओम श्रीवास्तव, सीडीपीओ राम स्वरूप मौर्य, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एस.बी. यादव, नायब तहसीलदार नानपारा हर्षित पाण्डेय, थानाध्यक्ष खैरीघाट संजय कुमार सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

हाथरसः हमीरपुर से 68 लोगों का जत्था लौटा वापस, घटना को बताया साजिश

अवधनामा संवाददाता

जनपद के विभिन्न गांवों में साकार विश्व हरि के दरबार ज्यादातर सार्वजनिक भूमि पर लगाने के साथ कभी-कभार ग्राम पंचायत सचिवालय में भी आयोजन किए गए हैं। विदोखर मेंदनी के प्रधान लालाराम यादव व पुरई के प्रधान सुंदरलाल प्रजापति ने बताया कि उनके यहां खेल मैदान के साथ पंचायत सचिवालय में भी यह लोग अपना दरबार लगा चुके हैं। इनका मानना है कि ज्यादातर गांवों में जहां भी दरबार लगे हैं वह सार्वजनिक भूमि पर ही लगाए गए हैं और इन दरबारों की प्रशासन की ओर से कोई अनुमति भी नहीं ली जाती रही है।

भरुआ सुमेरपुर। साकार विश्व हरि उर्फ भोले बाबा के दरबार में शामिल होने के लिए जिले से 68 लोगों का जत्था एक बस एवं एक बोलेरो में रवाना हुआ था। दरबार में शामिल होने के बाद यह जत्था बुधवार को अर्धरात्रि के बाद सकुशल वापस लौट आया है। बाबा के अनुयाई इस घटना को साजिश बताकर बाबा के प्रति आस्था जता रहे हैं।

साकार विश्व हरि के जिले में करीब 5000 अनुवाई है। एक वर्ष पूर्व तक बाबा के सेवादार जिले में मौजूद रहकर अलग-अलग गांवों में दरबार लगाकर प्रचार प्रसार करते रहे है। उसके बाद उनके अनुयाई अपने स्तर से बैठक लगाकर इस प्रचार प्रसार को आगे बढ़ाते रहे। जिससे पूरे जिले में इनके अनुयायियों की संख्या पांच से अधिक पहुंच चुकी है। ग्रामीणों ने बताया कि बीते छह माह पूर्व तक क्षेत्र के ग्राम कुंडौरा,बांकी, विदोखर,पाटनपुर आदि गांवों में बाबा की फोटो रखकर दरबार लगाकर रिकॉर्डिंग प्रवचनों के साथ अमृत पानी का वितरण किया जाता था। इस अमृत पानी के पीने मात्र से तमाम असाध्य रोगों के साथ भूत प्रेत की बाधा दूर होने का दावा किया जाता है। फिलहाल पिछले छह माह से जिले में कहीं भी दरबार का आयोजन नहीं हुआ है। साकार विश्व हरि के अनुयाई संतराम श्रीवास, कल्लू धुरिया, प्रेम कुमार श्रीवास, देशराज सोनी, ब्रजराज यादव, भवानीदीन, वरदानी कुशवाहा ने बताया कि साकार विश्व हरि के हाथरस में आयोजित दरबार में शामिल होने के लिए जिले के मौदहा, सुमेरपुर,भमौरा, लेवा, पासून, खैरी, विदोखर पुरई, विदोखर मेंदनी से 68 लोगों का एक जत्था बस एवं बोलेरो से पहुंचा था। सभी लोग सकुशल लौट आए हैं। इनको घटना के पीछे साजिश नजर आ रही है। यह लोग बाबा के प्रति आगाध आस्था व्यक्त कर रहे है।

नगर में चला प्लास्टिक अभियान

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। रावटसगंज नगर पालिका क्षेत्र में अधिशासी अधिकारी के दिशा निर्देश पर बुधवार को प्लास्टिक के खिलाफ चलाया गया अभियान जिसमें दर्जनों के सायों को नोटिस देते हुए 4 किलो 100 ग्राम प्लास्टिक जप्त किया गया वहीं अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव ने बताया कि या अभियान बीच-बीच में चलाया जा रहा है वही नगर के बड़े व्यवसाई के साथ हर गली मोहल्ला में खुले दुकान व लगे ठेले पर जांच के दौरान मिले प्लास्टिक जब्प करते हुए सम्बोधितो को दुबारा न बेचने की चेतावनी दी गई। वही और संबंधित ठेला खुमची दुकानदारों को नोटिस दी जा रही है वही ठेला खुमची वालो का नाम पता नॉट कर उनको दोबारा पाए जाने पर संबंधित कारवाई नगरपालिका प्रशासन द्वारा कराई जाएगी जांच टीम में सूजीत रावत, राजीव कुमार गुप्ता ,सुरज मिश्रा,प्रिंस सोनकर आदि लोग मौजूद रहे।

मोहर्रम के दृष्टिगत पीस कमेटी की बैठक संपन्न

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। इस्लामिक कलैंडर का प्रथम माह मोहर्रम चन्द दिनों में शुरू होने जा रहा रहा जिस को लेकर जिला प्रशासन ने अभी से सारी तैयारी कर ली है चूंकि कि मोहर्रम का शुरू के दस दिनों में अनेक आयोजन होते है दिन और रात दोनों में ताजियों का जुलूस निकलता है जिस में हजारों की संख्या में अकीदत मन्द शामिल होते हैं मोहर्रम अपनें कदीम रवायतों के अनुसार शान्तिपूर्ण सम्पन्न हो इस के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है इसी क्रम में बुधवार के जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक डॉ दीक्षा शर्मा की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार कक्ष में संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आने वाले मोहर्रम का त्योहार परंपरागत ढंग से शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाए। इसमें कोई नई परंपरा ना डाली जाय। कहा कि सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा मोहर्रम जुलूस के रूट को देख लिया जाय तथा उस रूट के विद्युत लाइनों का उच्चीकरण करा दें। ताजिया की लंबाई आदि को भी भलीभांति देख ले। प्रतिबंधित पशु के मालिकों से बात कर यह सुनिश्चित करें कि उन पशुओं को खुले में ना छोड़ें। कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा त्यौहार के दिन मौके पर अवश्य जाएं। कहा कि त्योहार को आपसी भाई चारे के साथ मनाया जाए, जनपद में भाईचारे एवं गंगा जमुनी तहजीब का गौरवशाली इतिहास रहा है, अतः इसको कायम रखा जाए। सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचा जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि त्यौहार में पेयजल एवं विद्युत की आपूर्ति में किसी भी प्रकार का व्यवधान नहीं होना चाहिए इसके लिए कमियां पहले से ही दुरुस्त कर ली जाएं । कहा कि त्यौहारों में पेयजल की कोई समस्या ना हो, इसके लिए जल संस्थान /जल निगम द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था रखी जाए । उन्होंने कहा कि पर्याप्त मात्रा में टैंकर की भी व्यवस्था रखी जाए । कहा कि नगरीय क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारियों द्वारा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा साफ सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कोई भी ऐसा कार्य ना करें जिससे किसी दूसरे की भावना को ठेस पहुंचे। पुलिस की नजर सोशल मीडिया पर विशेष तौर पर रहेगी तथा सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विजय शंकर तिवारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) डॉ नागेंद्र नाथ यादव, अपर पुलिस अधीक्षक ,समस्त एसडीएम व सीओ, थाना प्रभारी , अधिशासी अधिकारी नगर पालिका /नगर पंचायत ,पीस कमेटी के अन्य सदस्य, संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं प्रबुद्ध व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे ।

एनसीएल को जीएसटी अनुपालन हेतु मिला उत्कृष्ट पुरस्कार

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/सिंगरौली। सोमवार (1 जुलाई, 2024) को भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड को जीएसटी अनुपालन में उत्कृष्टता और राजकोष में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सीजीएसटी विभाग, जबलपुर द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस विशिष्ट उपलब्धि के अवसर पर कंपनी के सीएमडी बी. साईराम और निदेशक (कार्मिक) मनीष कुमार, निदेशक (वित्त) रजनीश नारायण, निदेशक (तकनीकी/ संचालन) जितेन्द्र मलिक, निदेशक (तकनीकी /परियोजना एवम् योजना) सुनील प्रसाद सिंह एवम् मुख्य सतर्कता अधिकारी रविन्द्र प्रसाद ने एनसीएल टीम को बधाई दी। एनसीएल को यह पुरस्कार जबलपुर में आयोजित 7वें जीएसटी दिवस समारोह के दौरान प्रधान आयुक्त (आयकर), सीजीएसटी जबलपुर शाखा शांतम बोस द्वारा दिया गया। एनसीएल की ओर से प्रबंधक (वित्त) डॉ. हेमंत सिंधवानी ने इस पुरुस्कार को ग्रहण किया। 7वें जीएसटी दिवस समारोह के दौरान एनसीएल को वित्तीय वर्ष 2023-24 में 6362.28 करोड़ रुपये का योगदान देने के लिए एमपी जोन में अग्रणी जीएसटी भुगतानकर्ता के रूप में सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि एनसीएल ने वित्त वर्ष 2023-24 में कैश लेजर के माध्यम से 5204.39 करोड़ रुपये और इनपुट टैक्स क्रेडिट के माध्यम से 1157.89 करोड़ रुपये का योगदान मध्य प्रदेश राजकोष में किया है।

बच्चों को रोज मीनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाएः बीएसए

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी व समस्त जिला समन्वयक की साप्ताहिक बैठक आहूत की गई। बैठक में विद्यालय के पुनः खुलने के उपरान्त सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों व जिला समन्वयकों को निर्देशित किया गया कि सभी प्रतिदिन निरीक्षण करें। जिन विद्यालयों में कमियां पाई जाती है उन्हें तत्काल सही करवाते हुये अधोहस्ताक्षरी को भी वस्तुस्थिति से अवगत करायें। विद्यालय स्तर पर व्यवहृत की जाने वाली पंजिकाओं तथा-एम0डी0एम पंजिका एवं छात्र उपस्थिति पंजिका के डिजिटाइजेशन को शत-प्रतिशत करने के निर्देश प्रदान किये गये। %स्कूल चलो अभियान% के अन्तर्गत शत-प्रतिशत नामांकन कराने के कड़े निर्देश दिये गये। नवीन शैक्षिक सत्र में प्रेरणा पोर्टल पर प्रोन्नत छात्र-छात्राओं को विद्यालय स्तर से सत्यापन कर उसकी प्रगति को बढ़ाने के कड़े निर्देश दिये गये। परिवार सर्वेक्षण के माध्यम से आउट ऑफ स्कूल बच्चों के चिन्हांकन एवं नामांकन को गति प्रदान करना सुनिश्चित करें। आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत जनपद के समस्त परिषदीय विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं तथा- दिव्यांग शौचालय, कक्षा-कक्ष का टॉयलीकरण, चहारदीवारी को अन्तर्विभागीय समन्वय स्थापित कर तत्काल पूर्ण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जर्जर विद्यालयों का ध्वस्तीकरण कराकर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से अपने विद्यालय में बरसात के पानी के निकासी की व्यवस्था करा लें ताकि बरसात का पानी किसी भी स्थिति में इकट्ठा न होने पाये। साथ ही विद्यालयों में पानी, शौचालय, पाठ्य-पुस्तकों की समुचित व्यवस्था उपलब्ध हो, यह निरीक्षण के दौरान निरन्तर सुनिश्चित करते रहें। सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियो को निर्देशित किया गया कि जनपद में संचारी रोग कार्यकम को परिषदीय विद्यालय तक पहुँचाकर आपसी समन्वय के साथ सफल करायें। नवीन सत्र में सभी विद्यालयों को निपुण भारत मिशन के तहत सभी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाय। विद्यालयों में अध्यापकों की उपस्थिति में किसी भी प्रकार शिथिलता न बरती जाये। बच्चों को प्रतिदिन मीनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। बैठक में समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियो व जिला समन्वयकों को इस आशय के साथ कड़े निर्देश दिये गये कि अपने दायित्वों को ससमय निर्वहन करें और साथ ही अगली साप्ताहिक बैठक में अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

संक्षिप्त समाचार

अस्पताल के वायरल वीडियो मामले में नया मोड़, तीमारदार ने मांगी माफी

मौदहा हमीरपुर/अवधनामा संवाददाता। बीते 29 जून की रात कस्बे के सरकारी अस्पताल में तीमारदारों से हुए विवाद के बाद वायरल वीडियो के आधार पर हुई कार्यवाही के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। बताते चलें कि बीते 29 जून की रात खन्ना निवासी राहुल सोनकर अपनी माता के साथ पिता का इलाज कराने आया था जबकि राहुल सोनकर ने अत्यधिक शराब के नशे में आकर आपातकाल ड्यूटी में तैनात फार्मासिस्ट सोमनारायण त्रिपाठी के साथ मारपीट और गाली गलौज कर दी जिसके बाद स्टाफ नर्स कोविड 19उमेश कुमार और फार्मासिस्ट सोमनारायण त्रिपाठी ने भी मारपीट की जिसका वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुआ था वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.गीतम सिंह ने उमेश कुमार को निस्कासित करने के साथ ही सोमनारायण त्रिपाठी को मझगवां स्थानांतरित कर दिया था लेकिन इस बीच आरोपी राहुल सोनकर की मां मुन्नी देवी के साथ ही राहुल सोनकर ने माफीनामा देकर अपनी गलती स्वीकार कर दी है।इसी के साथ ही अब गेंद एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग के पाले में आ गई है।

सपाईयों नें कब्रिस्तान व ईदगाह में किया वृक्षारोपण

हमीरपुर/अवधनामा संवाददाता। प्रांतीय आवाहन पर समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष इदरीस खान की अगवाई में जनपद के सुमेरपुर कस्बे के कब्रिस्तान व ईदगाह में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया इस मौके पर प्रदेश कार्यकारणी सदस्य नंदकिशोर सिवहरे ,प्रदेश सचिव अनुसूचित मोर्चा ओमप्रकाश सोनकर ,व्यापार सभा जिला अध्यक्ष सिवा यादव, जिला अध्यक्ष संस्कृति प्रकोष्ठ सलीम खान ,ब्लॉक अध्यक्ष वेद प्रकाश वर्मा, वरिष्ठ समाजवादी नेता मुर्शिद अहमद ,श्री जगन वरिष्ठ समाजवादी साथी श्री जगन्नाथ पुरी जिला कोषाद चरण बहादुर यादव , मजदूर सभा से दिलीप गुप्ता ,श्री शिव नारायण पाल जी प्रबंधक ,जगमोहन यादव सेक्टर प्रभारी आलोक कुमार कबीर प्रबंधक ,मारू खान, एंत्यज राजू भाई चुन्नी चाचा,रामबाबू सोनी वरिष्ठ नेता आदि समाजवादी साथी मौजूद रहे।

प्रधान ने तालाबों पर अतिक्रमण हटाने के लिए तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

राठ (हमीरपुर)/अवधनामा संवाददाता। क्षेत्र के मुस्करा खुर्द गांव में तालाबों पर अतिक्रमण हटाने को लेकर ग्राम प्रधान सुरेश सिंह ने तहसीलदार को ज्ञापन देकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है। मुस्करा खुर्द निवासी प्रधान सुरेश सिंह ने बताया कि गांव का जो बाजार तालाब है। उसकी छह माह पूर्व नाप हुई थी। बताया कि तालाब की गाटा संख्या 419 क्षेत्रफल 1.262 हेक्टेयर है। तालाब में गांव के कुछ लोगों के मकान बने हुए हैं। जिनको हटाया नही जा रहा है। आरोप है कि जब उसने तहसील कार्यालय में पहुंचकर जांच के बारे में पूछा तो एक बाबू ने अभद्रता से व्यवहार किया और लेखपाल से मिलने को कहा। ग्राम प्रधान ने तहसीलदार को ज्ञापन देकर जल्द से जल्द तालाब में अतिक्रमण करने वालो पर कार्यवाही की मांग की है।

वृक्षारोपण जागरूकता के लिए निकाली जनजागरुकता रैली

भरुआ सुमेरपुर/अवधनामा संवाददाता। वृक्षारोपण सप्ताह के तहत वनक्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में कस्बे के ज्योतिराव विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल के छात्र छात्राओं ने कस्बे में जन जागरूकता रैली निकालकर लोगों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक किया। इसके उपरांत विद्यालय में फलदार वृक्षों का रोपण किया गया। वृक्षारोपण सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को वन क्षेत्राधिकारी इफ्तिखार खान की नेतृत्व में ज्योतिराव विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल के छात्र छात्राओं ने कस्बे में जन जागरूकता रैली निकालकर लोगों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक किया। इसके बाद विद्यालय प्रांगण में फलदार वृक्षों का रोपण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्रपाल, जितेंद्र प्रसाद, अजय प्रकाश साहू, आनंद कुमार, वन दरोगा रामलखन यादव, जितेंद्र प्रताप सिंह, मनोज कुमार, भगवानदीन आदि मौजूद रहे।

आज मुख्यालय की विद्युत आपूर्ति कार्य होने तक रहेगी बाधित

हमीरपुर/अवधनामा संवाददाता। मुख्यालय हमीरपुर में चार जुलाई को पावर हाउस में नई मशीन लगाई जानी है जिससे उस दिन पूर्वाह चार बजे से कार्य समाप्ति तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी द्य हमीरपुर मुख्यालय के सभी सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं / नागरिकों को अधिशाषी अभियंता विद्युत वितरण खंड राकेश कुमार ने सूचित किया है कि 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र हमीरपुर-प्रथम में पूर्व से स्थापित वी0सी0वी0 पैनल (मशीनों) के स्थान पर नयी वी0सी0वी0 पैनल (मशीनों) दिनांक 04.07.2024 (दिन गुरुवार) को कार्यदायी संस्था के माध्यम से लगाये जाने का कार्य किया प्रस्तावित है। अतः मुख्यालय हमीरपुर के 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र हमीरपुर-प्रथम के (रमेड़ी, फीडर, टाउन फीडर एवं संगम फीडर) सभी सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं / नागरिकों को दिनांक 04.07.2024 (दिन गुरूवार) के प्रातः 11:00 बजे से कार्य की समाप्ति तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

हाथरस घटना में मृतकों के लिए शोकसभा आयोजित

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। रावटसगंज सोनभद्र 3 जुलाई हाथरस में सत्संग के बाद भगदड़ में 121लोगों की मौत की घटना से विचलित होकर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन ने नगर की बढौली चौराहा पर एक शोक सभा आयोजित किया व्यापारियों ने मोमबत्ती जला करके एवं मृत आत्मा की प्रति 2 मिनट मौन होकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों सहित अनेक श्रद्धालुओं की मौत एक हृदय विदारक समाचार है अपने परिजनों को खोने वाले परिवारों को यह घटना जीवन भर कष्ट देता रहेगा उन्होंने कहा कि मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं एवं घायल लोगों के ठीक होने की कामना करता हूं उन्होंने कहा कि मानव मंगल मिलन सद्भावना समागम में आयोजक मंडल की तरफ से समुचित व्यवस्था न होने के कारण भीड़ में लगभग डेढ़ लाख लोगों के पहुंचने से भगदड़ मच गई और लोग असमय काल कलवित हो गए। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं केवल जनहानि का कारण ही नहीं बनती बल्कि देश के प्रति लोगों का नकारात्मक सोच का भी कारण बनती है। जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह ने कहा कि सरकार ने राहत कोष से हादसे में मरने वाले लोगों के परिवार को दो-दो लाख रुपए की सहायता देने का ऐलान किया है वहीं घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी है उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से सभी आयोजक मंडलों को सीख लेनी चाहिए की पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था होने के बाद ही ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन ने कहा कि हाथरस में जिन बाबा के सत्संग में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी वह पहले पुलिस सेवा में थे और उनके आयोजन की देखरेख उनके अनुयाई करते हैं यह हैरानी की बात है कि किसी ने देखने समझने की कोई कोशिश नहीं की की भारी भीड़ को संभालने की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता की आयोजन की अनुमति देने वाली अधिकारियों ने भी कागजी खाना पूर्ति करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल ने कहा कि धार्मिक आयोजनों में अव्यवस्था और अनदेखी के चलते लोगों की जान जाने के सिलसिले पर तब तक विराम नहीं लग सकता जब तक दोषी लोगों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाए जो समाज में नजीर बन सके श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन नगर महामंत्री जसकीरत सिंह जिला कोषाध्यक्ष शरद जायसवाल, नगर महामंत्री जसकीरत सिंह, जिला उपाध्यक्ष क्रमशः राजेश जायसवाल दीप सिंह पटेल, टीपू अली, विनोद जायसवाल, नागेंद्र मोदनवाल नगर कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ सांवरिया, नगर मंत्री दीपक सोनी आदि लोगों उपस्थित रहे।

हिण्डाल्को रेणुकूट में उत्साहपूर्वक मनाया गया डॉक्टर्स-डे

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/रेणुकूट। चिकित्सा क्षेत्र में अपनी अमूल्य एवं अविस्मरणीय सेवाएं प्रदान करने वाले स्वर्गीय डॉक्टर विधान चंद्र राय की स्मृति में 1 जुलाई को हिण्डाल्को, रेणुकूट प्रेक्षागृह में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस सुअवसर पर दीप प्रज्वलन कर अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर हिण्डाल्को के मुखिया एन. नागेश, एच. आर. हेड जसबीर सिंह, अल्युमिना प्लांट- एन. एन. रॉय तथा हिण्डाल्को हॉस्पिटल के सीएमओ डॉ भास्कर दत्ता ने हिण्डाल्को एवं आईएमए के सभी डॉक्टर्स के योगदान और उनकी कर्तव्यनिष्ठा की जमकर प्रशंसा की। इस अवसर पर हिण्डाल्को हॉस्पिटल के चिकित्सक एवं आईएमए रेणुकूट के अध्यक्ष डॉक्टर अमिय नाथ पांडेय एवं अन्य चिकित्सक मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन हिण्डाल्को हॉस्पिटल के प्रशानिक विभाग के अधिकारी शशांक शेखर सिंह ने बेहद कलात्मक ढ़ग से किया। इस अवसर पर संगीतमय संध्या ,क्विज कॉम्पटीशन का सफल आयोजन डॉक्टर मुरली राजू एवम डॉक्टर पायल डामोर ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में हॉस्पिटल के प्रशानिक विभाग के प्रमुख आशीष रंजन ने इस अवसर पर आए हुए सभी डॉक्टर्स एवं वरिष्ठ अधिकारियों एवं चिकित्सकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

थिएटर कार्यशाला का आयोजन

सोनभद्र/शक्तिनगर। वनिता समाज, एनटीपीसी सिंगरौली शक्तिनगर द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के व्यक्तित्व विकास हेतु इंटरैक्टिव थिएटर विषय पर दिनांक 22 जून से 2 जुलाई तक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका भव्य समापन समारोह दिनांक 02.जुलाई को मनोरंजन केंद्र में किया गया। समापन समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथिगणों का स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। तदुपरान्त समापन समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रम में वनिता समाज की सदस्याओं एवं बच्चों ने विभिन्न प्रकार के छाया कला, नृत्य नाटिका, डांस, फैशन शो आदि के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुति कर दर्शकों को अपनी कला-कौशल से मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य थिएटर, फिल्म और प्रदर्शन कला के माध्यम से एनटीपीसी कर्मचारियों, महिलाओं और बच्चों के छवि निर्माण, टीम निर्माण, नेतृत्व, कार्य जीवन संतुलन एवं समग्र व्यक्तित्व का विकास करना है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजीव अकोटकर, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी सिंगरौली, ने कहा कि थिएटर व्यक्तिगत एवं सामाजिक कौशल को विकसित करने में मदद करता है।

मंत्री ने निर्माण पोर्टल का शुभारंभ किया

- **यह योजना यूपीएससी के योग्य उम्मीदवारों को एक लाख रुपये की सहायता प्रदान करेगी**
- **सिंगरौली व सोनभद्र के यूपीएससी के योग्य उम्मीदवार भी होंगे लाभान्वित**

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/ सिंगरौली। केन्द्रीय कोयला तथा खान मंत्री माननीय जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को नई दिल्ली में कोल इंडिया की सीएसआर के तहत ÷राष्ट्रीय सिविल सेवा परीक्षा के मुख्य परीक्षा के उम्मीदवारों को पुरस्कृत करने की उत्कृष्ट पहल (निर्माण)÷ पोर्टल का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ÷मिशन कर्मयोगी÷ की परिकल्पना के अनुरूप यह योजना, कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा अपनी गतिविधियों के संचालन वाले जिलों के उन मेधावी युवाओं के लिए शुरू की गई एक अनूठी सीएसआर योजना है, जिन्होंने 2024 में यूपीएससी परीक्षा (सिविल सेवा और वन सेवा) के प्रारंभिक दौर (प्री एग्जाम) में सफलता प्राप्त की है। इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के सचिव अमृत लाल मीणा, कोल इंडिया अध्यक्ष पी. एम. प्रसाद, निदेशक (कार्मिक) कोल इंडिया लिमिटेड विनय रंजन, एनसीएल सीएमडी बी. साईराम व कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अन्य कोयला कंपनियों के सीएमडी व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस योजना का उद्देश्य प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण उन उम्मीदवारों को 1,00,000/- रुपये (एक लाख रुपये) की सहायता प्रदान करना है, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 8 लाख रुपये से कम है और जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला या थर्ड जेंडर से संबंधित हैं तथा सीआईएल की गतिविधियों के संचालन वाले 39 जिलों में से किसी एक के स्थायी निवासी हैं। अतः सिंगरौली और सोनभद्र के ऐसे स्थायी निवासी जो इस योजना द्वारा लाभान्वित होने की पात्रता रखते हैं वे इस नवाचारी पहल का लाभ उठा सकते हैं। इतना ही नहीं आवेदनों की पूर्ण पारदर्शी एवं निर्बाध जांच सुनिश्चित करने हेतु पूरी आवेदन प्रक्रिया एक ऐसे समर्पित पोर्टल के जरिए होगी, जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के सपने को पूरा करता है। गौरतलब है कि नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की होल्डिंग कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड, कोयला मंत्रालय की एक महारत्न सार्वजनिक उपक्रम है जो न केवल देश की ऊर्जा सुरक्षा की बुनियाद है, बल्कि कोयला धारक क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉरपोरेट की महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाती है।

वृक्षारोपण का कार्यक्रम व प्लास्टिक मुक्त रैली निकाली

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। बुधवार को नगर पंचायत चुर्क-घुर्मा, सोनभद्र के वार्ड नं0- 05 के सरस्वती शिशु मंदिर, मानसपुरम चुर्क सोनभद्र में अध्यक्ष महोदया मीरा देवी एवं वन विभाग चुर्क रेंज के डी0एफ0ओ0 कुन्ज मोहन वर्मा, चुर्क रेंज ऑफिसर अभिषेक यादव, वन दरोगा कृपा शंकर, विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार द्विवेदी एवं कक्कू मित्तल, राजू जैन वरिष्ठ नागरिकों एवं विद्यालय के शिक्षकगण अमरनाथ चतुर्वेदी, विमलेश शर्मा, सुनीता शर्मा, मुन्ना मौर्या, प्रियंका पटेल, वंशराज शर्मा इत्यादि लोगों की उपस्थिति में 'वन महोत्सव' के शुभ अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में वृक्षारोपण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उसके पश्चात् विद्यालय के बच्चों को स्वच्छता के प्रति, वृक्षारोपण एवं साफ-सफाई हेतु जागरूक किया गया एवं पर्यापरण के प्रति शपथ ग्रहण का कार्यक्रम किया गया। अध्यक्ष महोदया मीरा देवी व अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सरोज द्वारा कार्यक्रम के पश्चात् बच्चों में मिठाईयाँ वितरित किया गया। उसके पश्चात् सरस्वती शिशु मंदिर, मानसपुरम चुर्क विद्यालय के बच्चों द्वारा प्लास्टिक उन्नमूलन अभियान (आरम्भ-4.0) के अन्तर्गत प्लास्टिक मुक्त नगर हेतु नगर के विभिन्न वार्डों में पोस्टर, बैनर के साथ रैली का आयोजन कर रैली निकाली गयी।

एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने में ऊर्जा का होगा योगदानः शर्मा

प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए मांग के अनुरूप विद्युत का ढांचागत विकास किया जाएः ऊर्जा मंत्री

अवधनामा ब्यूरो

- औद्योगिक विकास में गति लाने के लिए अर्बन सेक्टर को रिफॉर्म करें: नगर विकास मंत्री
- शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्ययोजना बनाने के दिये निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को आगामी वर्षों में 01 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य में ऊर्जा एवं नगर विकास विभाग का भी महत्वपूर्ण योगदान होगा।

किसी भी प्रदेश के औद्योगिक विकास में वहां की बेहतरीन विद्युत व्यवस्था और आदर्श नगरीय जीवन का बहुत बड़ा रोल रहा है। प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिले, इसके लिए मांग के अनुरूप विद्युत का ढांचागत विकास करना होगा। साथ ही निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्ययोजना बनाकर तेजी से इस पर कार्य करना होगा। औद्योगिक विकास में गति लाने के लिए अर्बन सेक्टर को भी रिफार्म करना होगा। सभी अधिकारी इस दृष्टि से कार्ययोजना बनाकर तेजी से इस पर कार्य करें। जिससे कि मा0 प्रधानमंत्री जी के देश की 05 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के संकल्प में प्रदेश के 01 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के योगदान को पूरा किया जा सके। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा बुधवार को जल निगम के फील्ड हास्टल संगम में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 01 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने में नगर विकास और ऊर्जा विभाग के योगदान को लेकर अपने दोनों विभागों और योजना एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर चर्चा की और प्रजेन्टेसन देखा। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेश में संभावित औद्योगिक विकास के दृष्टिगत बढ़ी हुई मांग के अनुरूप विद्युत व्यवस्था का ढांचागत विकास किया जाए। सभी डिस्कॉम में उद्योगों की मांग के अनुरूप विद्युत तंत्र बनाया जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत संबंधी उपकरणों को बनाने वाली कम्पनियों को प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित भी किया जाए। जिससे कि इन उपकरणों का प्रदेश में ही उत्पादन हो सके। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए अन्य प्रदेशों की भांति विद्युत उपभोग को बढ़ाना होगा।

आरटीओ कार्यालय का किया निरीक्षण

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। एआरटीओ का कार्यभार संभालते ही प्रदीप कुमार सिंह ने आरटीओ कार्यालय का निरीक्षण किया। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आरटीओ कार्यालय में एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह ने कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग जन सामान्य से जुड़ा विभाग है, ऐसे में जनता को जितनी बेहतरीन सुविधाएं दी जा सकती हैं, उन्हें उपलब्ध कराना ही मेरी प्राथमिकता रहेगी। आरटीओ कार्यालय में परमानेंट लाइसेंस से लेकर फिटनेस व अन्य कार्यों को लेकर जनता को जो भी समस्या आ रही है उसे दूर करना ही मेरा मकसद होगा। पूरी सत्यनिष्ठा के साथ काम करेंगे। निरीक्षण के दौरान कुछ मूलभूत सुविधाओं की कमी सामने आई है उसे जल्द से जल्द दूर कराया जायेगा।

मनरेगा कार्यों की ड्रोन तकनीक से भी होगी निगरानी

अवधनामा ब्यूरो

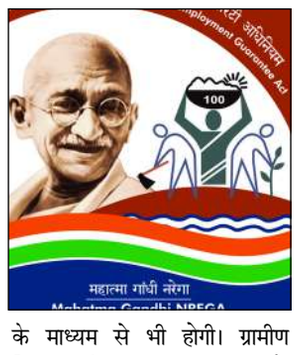

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग की ग्रामोन्मुखी योजनाओं का क्रियान्वयन जहां बेहतर तरीके से किया जा रहा है, वहीं योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में कहीं घालमेल न होने पाये, इसके लिए सतत् रूप से निगरानी किये जाने की व्यवस्था की गयी है। मनरेगा कार्यों की गुणवत्ता पर प्रभावी व पैनी नजर रखने के भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। अब मनरेगा कार्यों की ड्रोन तकनीक से वीडियोग्राफी/ फोटोग्राफी कर निगरानी का खाका तैयार किया गया है और इस पर कार्यवाही भी शुरू हो गई है। मनरेगा योजना के अन्तर्गत कार्यस्थलों पर निगरानी ड्रोन प्रणाली के माध्यम से भी होगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशो के क्रम में राज्य मनरेगा मुख्यालय पर ड्रोन टीम तैनात की गयी है। राज्य स्तरीय ड्रोन टीम का उपयोग मनरेगा कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण/ निगरानी की जायेगी और इसकी शुरुआत हो गयी है।

अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण और अवैध निर्माण की सीलिंग करायी गयी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर बुधवार को शहर के अलग-अलग इलाकों में अभियान चला कर अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण और अवैध निर्माण की सीलिंग करायी गयी। लविप्रा प्रवर्तन जोन-1 की जोनल अधिकारी वन्दना पाण्डेय ने बताया कि हिमांशु मिश्रा व अन्य की ओर से गोमती नगर विस्तार के खरगापुर के गणपति विहार में लगभग 500 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर अवैध रूप से चार मंजिला शॉपिंग कॉम्पलेक्स का निर्माण कराया जा रहा था। वहीं प्रमोद कुमार गौतम व अन्य की ओर से चिनहट कोतवाली रोड पर पक्का तालाब के सामने भूखण्ड संख्या 624एफ/41 पर लगभग 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध रूप से दुकानों व हॉल आदि का निर्माण कराया जा रहा था। इसके अलावा के.एन. त्रिपाठी व अन्य की ओर से गोमती नगर विस्तार के सेक्टर-5 में भूखण्ड संख्या-5/543 पर लगभग 140 वर्गमीटर क्षेत्रफल में स्वीकृत आवासीय मानचित्र के उलट व्यवसायिक निर्माण कराया जा रहा था। तीनों प्रकरणों में विहित न्यायालय ने सीलिंग के आदेश दिये थे, जिन पर कार्रवाई करते हुए सहायक अभियंता उदयवीर सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता आशीष कुमार श्रीवास्तव ने तीनों निर्माणों को सील कराया। वहीं प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि प्रवीण अग्रवाल व अन्य की ओर से सरोजनीनगर में चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के पीछे ग्राम रहीमाबाद में लगभग 15 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग कर अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। विहित न्यायालय ने अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण के आदेश दिये थे, जिस पर सहायक अभियंता अनिल कुमार के नेतृत्व में अवर अभियंता विपिन बिहारी राय, ऋतुपाल व एस.के. सिंह ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कराई। इस दौरान स्थल पर विकसित की गयी सड़कें, नालियां, बाउण्ड्रीवॉल व भूखण्डों के डिमार्केशन के लिए की गयी चुनाई आदि को पूरी तरह ध्वस्त किया गया।

मजलिसे चेहलुम का किया गया आयोजन

लखनऊ। ईरान के शहीद राष्ट्रपति आयतुल्लाह इब्राहीम रईसी, विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियान और उनके साथियों की शहादत की याद में मजलिस उलमा-ए-हिन्द की ओर से गुरुवार को मजलिसे चेहलुम का आयोजन किया गया है। रात 8:30 बजे सआदतगंज के रुस्तम नगर स्थित दरगाह हजरत अब्बास में तिलावते कलामे पाक से मजलिस का आगाज होगा। मजलिस में शहीदों के परिजन भी शामिल होंगे। मेहमानों में डॉ. अहमद कासमी, डॉ. सैय्यद इमादुद्दीन मूसवी अब्बासी, डॉ. मोहम्मद रजा आबिदयाई, डॉ. अब्दुल हुसैन कलंती, अली, शहीद इब्राहीम रईसी के भाई सैय्यद अली रईसी अल सदाती शामिल हैं। मजलिस उलमा-ए-हिन्द की ओर से शहीदों के लिए आयोजित होने वाली मजलिस में अधिक से अधिक लोगों के शामिल होने की अपील की है।

सिटी बस में सफर किसी मुसीबत से कम नहीं

लखनऊ। लखनऊ वासियों का सिटी बस में सफर किसी मुसीबत से कम नहीं है। कभी बस की छत से पानी टपकता है तो कभी बस में शॉर्ट सर्किट हो जाता है। बुधवार को भी लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट की कंडम सिटी बस यात्रियों की जान के लिए आफत बन गई। बुधवार दोपहर बालागंज में दुबग्गा डिपो की सीएनजी सिटी बस में आग लग गई। आग लगने पर बस में सवार यात्री, कंडक्टर और चालक कूदकर भाग निकले। बस से कूदने के कारण कई को चोटें आई हैं। राहगीरों की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आधे घण्टे में आग पर काबू पाया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मोहर्रम में परम्परागत सुरक्षा दिलाने की अपील

अवधनामा ब्यूरो

- यूनिफार्म सिविल कोड लागू न करने की मांग

लखनऊ। आल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में मोहर्रम में होने वाली मजलिसें और जुलूसों को परम्परागत सुरक्षा व्यवस्था के साथ निकलवाने और यूनिफार्म सिविल कोड लागू न करने की मांग की गयी। चौक के विक्टोरिया स्ट्रीट स्थित शिया पी.जी. कॉलेज में हुई बैठक में बोर्ड अध्यक्ष मौलाना साएम मेहदी ने कहा कि 8 जुलाई से मोहर्रम शुरू हो रहा है और इसी दौरान कांवड़ यात्रा भी होगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि मोहर्रम में जहां ताजिये रखे जाते हैं, मजलिसें होती हैं और जुलूस निकलते हैं उन्हें परम्परागत सुरक्षा के साथ सम्पन्न कराने के आदेश दें। उन्होंने यूनिफार्म सिविल कोड पर कहा कि उत्तराखण्ड सरकार ने केन्द्र सरकार को खुश करने के लिए यूसीसी को विधानसभा से पास करा राज्यपाल के पास भेजा है। यूसीसी लागू होने से देश में सुकून और अमन कायम नहीं रह पाएगा। इसलिए इसे लागू न किया जाए। बोर्ड महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि यूसीसी आने के बाद हमारे अधिकारों और पर्सनल लॉ पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने केन्द्र सरकार से इस कानून पर पुनः विचार कर इसे लागू न करने की मांग की। मौलाना ने मोहर्रम को लेकर प्रधानमंत्री को लिखे पत्र का भी जिक्र किया, जिसमें मोहर्रम में बेहतर इंतजाम कराने और अजादारों व श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था की मांग की गयी है।

मौलाना ने हुसैनाबाद ट्रस्ट के अधीन इमारतों की जर्जर स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए ट्रस्ट प्रशासन, जिलाधिकारी से इस संबंध में ध्यान देने की मांग की। बैठक में मौलाना अनवर हुसैन रिजवी, मौलाना जाफर अब्बास, मौलाना रजा अब्बास, मौलाना एजाज अतहर, मौलाना हसन अकबर, मौलाना मुमताज अली, जहीर मुस्तफा, हसन मेहदी झब्बू सहित बोर्ड कार्यकारिणी के पदाधिकारी और सदस्य शामिल थे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पहुंचे हाथरस

- चिकित्सकों से मिल घायलों के समुचित इलाज का किया आग्रह

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को हाथरस में सत्संग के दौरान मची भगदड़ से हुई हृदय विदारक घटना की जानकारी और मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करने हाथरस पहुंचे। श्री राय ने हाथरस के बागला हॉस्पिटल पहुंच घायलों के परिजनों से मिल उनका कुशलक्षेम जाना और चिकित्सकों से मिल घायलों के समुचित इलाज का आग्रह भी किया। बागला हॉस्पिटल में घायलों के परिजनों से मिलने के बाद श्री राय हाथरस के सोखना गांव पहुंचे जहां एक ही गांव के 4 लोगों को हादसे में मची भगदड़ में अपनी जान गंवाना पड़ी। उन्होंने मृतकों के परिजनों से मिल उन्हें ढांढस बंधाया और पार्टी की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। श्री राय ने कहा कि यह घटना प्रशासन की लापरवाही का परिणाम है। अगर प्रशासन समय रहते घायलों को अस्पताल पहुंचा कर समुचित इलाज की व्यवस्था कराता तो मरने वालों की संख्या इतनी अधिक नहीं होती। घटना के लिए प्रशासन पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि घटना की जांच सेवानिवृत्त जज से कराने का आदेश दिया है जबकि उच्च न्यायालय के वर्तमान जज से घटना की न्यायिक जांच हो। श्री राय ने घटना में मृतकों के परिजनों को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को नौकरी व घायलों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के साथ समुचित इलाज की व्यवस्था कराने की मांग की।

लखनऊ में निरस्त होंगी कई ट्रेनें

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ में निरस्त होंगी यह ट्रेनें अपने शुरुआती रेलवे स्टेशन से 31 जुलाई से चार अगस्त तक 12369 रवाना होने वाली हावड़ा देहरादून कुंभ एक्सप्रेस अगले दिन लखनऊ में निरस्त होगी। ट्रेन नम्बर 12370 देहरादून हावड़ा कुंभ एक्सप्रेस एक अगस्त से पांच अगस्त तक लखनऊ से चलेगी। ट्रेन नम्बर 12327 हावड़ा देहरादून उपासना एक्सप्रेस तीन अगस्त को लखनऊ में निरस्त होगी। ट्रेन 04319 लखनऊ शाहजहांपुर स्पेशल छह जुलाई से पांच अगस्त तक बालामऊ में निरस्त होगी। ट्रेन 04320 शाहजहांपुर लखनऊ स्पेशल सात जुलाई से छह अगस्त तक बालामऊ से चलेगी।

यह ट्रेनें 5 अगस्त तक रहेंगी निरस्त ट्रेन नम्बर 22453 लखनऊ मेरठ राज्यरानी 31 जुलाई से पांच अगस्त, ट्रेन नम्बर 22454 मेरठ लखनऊ राज्यरानी एक अगस्त से छह अगस्त, ट्रेन नम्बर 14235 वाराणसी बरेली एक्सप्रेस 31 जुलाई से चार अगस्त, ट्रेन नम्बर 14236 बरेली वाराणसी एक्सप्रेस एक अगस्त से पांच अगस्त, ट्रेन नम्बर 15043 लखनऊ काठगोदाम एक्सप्रेस 21 जुलाई से चार अगस्त, ट्रेन नम्बर 15044 काठगोदाम लखनऊ एक्सप्रेस 22 जुलाई से पांच अगस्त, ट्रेन नम्बर 15119 वाराणसी देहरादून जनता एक्सप्रेस 23 जुलाई से चार अगस्त, ट्रेन नम्बर 15129 देहरादून वाराणसी जनता एक्सप्रेस 24 जुलाई से पांच अगस्त, ट्रेन नम्बर 15011 लखनऊ जंक्शन चंडीगढ़ एक्सप्रेस 31 जुलाई से चार अगस्त, ट्रेन नम्बर 15012 चंडीगढ़ लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस एक से पांच अगस्त, ट्रेन नम्बर 15073 सिंगरौली टनकपुर त्रिवेणी एक्सप्रेस एक से छह अगस्त, ट्रेन नम्बर 15075 शक्तिनगर टनकपुर त्रिवेणी एक्सप्रेस 31 जुलाई से पांच अगस्त, ट्रेन नम्बर 15076 टनकपुर शक्तिनगर त्रिवेणी एक्सप्रेस 30 जुलाई से चार अगस्त, ट्रेन नम्बर 15074 टनकपुर सिंगरौली त्रिवेणी एक्सप्रेस 31 जुलाई से पांच अगस्त, ट्रेन नम्बर 12203 सहरसा अमृतसर गरीब रथ चार व पांच अगस्त, ट्रेन नम्बर 12204 अमृतसर सहरसा गरीब रथ तीन व चार अगस्त, ट्रेन नम्बर 15910 लालगढ़ डिब्रूगढ़ अवध आसाम एक से चार अगस्त, ट्रेन नम्बर 15909 डिब्रूगढ़ लालगढ़ अवध आसाम 29 जुलाई से एक अगस्त, ट्रेन नम्बर 15654 जम्मूतवी.गुवाहाटी एक्सप्रेस दो अगस्त, ट्रेन नम्बर 15653 गुवाहाटी जम्मूतवी एक्सप्रेस 31 जुलाई, ट्रेन नम्बर 12588 जम्मूतवी गोरखपुर एक्सप्रेस तीन अगस्त, ट्रेन नम्बर 12587 गोरखपुर.जम्मूतवी एक्सप्रेस चार अगस्त, ट्रेन नम्बर 15623 भगत की कोठी कामाख्या 30 जुलाई व छह अगस्त और ट्रेन नम्बर 15624 कामाख्या भगत की कोठी 26 जुलाई व दो अगस्त को निरस्त रहेगी।

रोजा स्टेशन पर होगा यार्ड रिमाडलिंग

लखनऊ। मुरादाबाद रेल मंडल के शाहजहांपुर लखनऊ और रोजा सीतापुर सिटी रेलखंड के रोजा स्टेशन पर यार्ड रिमाडलिंग करेगा। इस वजह से 31 जुलाई से पांच अगस्त तक बरेली रूट की कई ट्रेनें प्रभावित होंगी। इस दौरान रेलवे लखनऊ मेरठ राज्यरानी, मेरठ लखनऊ राज्यरानी समेत कई ट्रेनों को विभिन्न तारीखों में निरस्त करेगा। काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस सहित लखनऊ रूट की कई महत्वपूर्ण ट्रेनें भी प्रभावित रहेंगी। वहीं ट्रेन 20504 नई दिल्ली डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस पांच अगस्त को कानपुर होकर जायेगी।

नीट परीक्षा रद्द मामलाः युवा कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

- युवा कांग्रेसियों को पुलिस ने बैरीकेडिंग कर रोक
- पुलिस युवा कांग्रेसियों को बसों में भर कर ईको गार्डेन ले गयी

लखनऊ। नीट परीक्षा में हुई धांधली के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन मध्य जोन अध्यक्ष अनस रहमान के नेतृत्व में युवा कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। प्रदेश मुख्यालय से विधानसभा की ओर नारेबाजी करते हुए निकले युवा कांग्रेसियों को पुलिस ने बैरीकेडिंग कर रोक लिया। रोके जाने से नाराज युवा कांग्रेसी वहीं बैठ गये और भारतीय जनता पार्टी सरकार विरोधी नारेबाजी करने लगे। पुलिस युवा कांग्रेसियों को बसों में भर कर ईको गार्डेन ले गयी। प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए एनएसयूआई मध्य जोन अध्यक्ष अनस रहमान ने कहा कि नीट परीक्षा में भ्रष्टाचार की वजह से लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर लग गया है। अभिभावकों के लाखों रुपये बर्बाद हुए, जिस वजह से कई छात्र अवसाद में हैं और कईयों ने आत्महत्या तक कर ली। अनस रहमान ने कहा कि कांग्रेस की पांच न्याय गारंटियों में एक युवा न्याय में पर्चा लीक के खिलाफ सख्त कानून बनाने की बात कही गयी थी। हम आज भी युवाओं के प्रति किये वादों के प्रति प्रतिबद्ध हैं और इस लड़ाई को तब तक जारी रखेंगे जब तक युवाओं के प्रति हो रहे इस अन्याय का खात्मा नहीं हो जाता। प्रदर्शन में मुख्य रूप से एनएसयूआई पूर्वी जोन अध्यक्ष ऋषभ पाण्डेय, आकाश अवस्थी, आर्यन मिश्रा, सौरभ सिंह, दिव्यांश, राशि साहू, अजय बागी, राणा सुधांशू सिंह सहित एनएसयूआई पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल थे।

संवेदनशील फोटोजर्नलिस्ट ला रहे हैं बड़े बदलावः यूनिसेफ

- विश्व फोटोग्राफी दिवस पर आयोजित होगी बाल अधिकारों के थीम पर फोटो प्रदर्शनी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। तस्वीरों के द्वारा बच्चों के हक में बड़े बदलाव लाने के उद्देश्य से यूनिसेफ एवं दा यूथ फोटोजर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा 'क्लिक्स फॉर चेंज फॉर एवरी चाइल्ड' संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बाल अधिकारों को सुनिश्चित करने में फोटोजर्नलिस्ट की भूमिका पर चर्चा की गई एवं बच्चों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से कवर करने पर जोर दिया गया।

संगोष्ठी में यूनिसेफ के प्रोग्राम मैनेजर डॉ अमित मेहरोत्रा ने कहा, ÷इस वर्ष यूनिसेफ भारत में अपने 75 वर्ष मना रहा है। इन 75 वर्षों में यूनिसेफ द्वारा सरकार और सभी हितधारकों के साथ मिल कर बच्चों के सर्वांगीण विकास, खासतौर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सहभागिता एवं सुरक्षा पर कार्य किये गए हैं। इन सभी उपलब्धियों एवं ज़मीनी हकीकत और बदलाव की कहानियों को दर्शाने में मीडिया और तस्वीरों का विशेष योगदान रहा है।

डॉ मेहरोत्रा ने सभी फोटोजर्नलसिट को बच्चों के अधिकारों के प्रति सजग रहने और उनके विषयों से जुड़े मुद्दों को सामने लाने के लिए प्रेरित किया।

यूनिसेफ की संचार विशेषज्ञ निपुण गुप्ता ने भारत सरकार, प्रेस कार्उंसिल ऑफ इंडिया, इंटरनेशनल फ़ेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट एवं यूनिसेफ द्वारा बच्चों की फोटोग्राफी के लिए बनाए गए कोड ऑफ कन्डक्ट के विषय में बताया। उन्होंने कहा, ÷तस्वीर लेते हुए इस बात का ध्यान सदैव रखना चाहिए की फोटो से बच्चे को किसी भी प्रकार से कोई नुकसान न पहुंचे। बच्चों की निजता और परिस्थिति की सत्यता को सदैव बनाए रखते हुए बच्चों के सर्वोत्तम हित में ही फोटो जर्नलिस्ट को कार्य करना चाहिए।

यूनिसेफ एवं दा यूथ फोटोजर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। दा यूथ फोटोजर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष साहिल सिद्दीकी ने बताया, ÷फोटो प्रदर्शिनी एवं प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए 'स्वस्थ बच्चों के लिए स्वस्थ पर्यावरण = जालवायु परिवर्तन से बच्चों का बचाव' एवं 'बचपन से किशोरावस्था तक प्यार भरी देखभाल' विषय से जुड़ी तस्वीरें साझा करनी होंगी।

संगोष्ठी में जल वायु परिवर्तन के बच्चों पर प्रभाव पर विशेष चर्चा हुई। यूनिसेफ के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विजय अगरवाल ने एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण में कहा, ÷जल वायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित बच्चे ही हैं क्योंकि उन्हें ही इसके दुष्परिणाम सबसे लंबे समय तक झेलने होंगे।÷ डॉ विजय ने बताया की वायु प्रदूषण, अधिक गर्मी एवं लेड आदि केमिकल के प्रभाव बच्चों के भविष्य से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण चिंताजनक विषय हैं। यूनिसेफ के बाल सुरक्षा अधिकारी दिनेश कुमार ने बच्चों की फोटोग्राफी से जुड़े कुछ कानूनों की जानकारी दी। उन्होंने बताया की संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार संधि एवं जुवेनाइल जस्टिस ऐक्ट 2015 में बच्चों की निजता एवं सम्मान पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने बताया की यौन शोषण एवं एच आई वी पीड़ित आदि बच्चों की पहचान उजागर करने के लिए सजा एवं जुर्माने का भी प्रावधान है।

ग्रीष्मकालीन प्रस्तुतिपक कार्यशाला संपन्न

लखनऊ। बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रस्तुतिपक कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया। संगीत नाटक अकादमी की वाल्मीकि रंगशाला में हुए कार्यक्रम में दर्शकों के सामने कथक नृत्य की मनोरम छठा बिखरी। बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से बीस दिन की कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों ने भगवान विष्णु पर आधारित भजन पर नृत्य पेश किया। जिसमें नृत्य कलाकारों ने उपज, ठाट, उठान, नटवरी रूप और परन आदि कथक के विभिन्न आयामों को मंच पर प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद बाल कलाकारों ने तीन ताल विलम्बित लय में बंदिश, सलामी, सादा, टुकड़ा और तिहाईयां आदि की प्रस्तुति दी। प्रस्तुति का मसापन गत और लड़ी से किया गया। अंत में कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ कथक नृत्यांगना डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहीं।

एरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अब्बास अली मेहदी मॉस्को के दौरे पर

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। एरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अब्बास अली महदी मॉस्को के दौरे पर हैं। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने दो प्रमुख विश्वविद्यालयों, मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी और पीपुल्स फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी (RUDN University) के अधिकारियों से मुलाकात की। प्रोफेसर महदी ने मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी के मेडिसिन के डीन डॉ. वसेवोलॉड ए. तकाचुक और वरिष्ठ प्रोफेसर व एक प्रमुख चिकित्सा वैज्ञानिक प्रोफेसर डॉ. ओलेग एस. मेदवेदेव से मुलाकात की। उन्होंने अनुसंधान, फैकल्टी और छात्रों के विनिमय कार्यक्रम में सहयोग के पारस्परिक क्षेत्रों पर चर्चा की।

प्रोफेसर महदी ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार में एरा विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने एरा विश्वविद्यालय में मरीजों की देखभाल और शिक्षण के नवीन तरीकों के बारे में विस्तार से बात की। रूसी विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने इस प्रगति की सराहना की और कहा कि वे साझेदारी के लिए तैयार हैं। इसके बाद प्रो. महदी और प्रो. तकाचुक ने मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी और एरा यूनिवर्सिटी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

यहां यह कहा जा सकता है कि मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी (एमएसयू), रूस के सबसे प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों में से एक है। मोस्कवा नदी की ओर देखने वाली सुंदर स्पैरो पहाड़ियों पर स्थित, एमएसयू की मुख्य इमारत रूसी शैक्षणिक उत्कृष्टता और वास्तुशिल्प भव्यता का एक प्रतिष्ठित प्रतीक है।

विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1755 में हुई थी और इसका शैक्षणिक उपलब्धि और वैज्ञानिक खोज का एक समृद्ध इतिहास है। इसमें विभिन्न प्रकार के संकाय और विभाग हैं, जिनमें प्राकृतिक विज्ञान, मानविकी, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसे क्षेत्र शामिल हैं।